

ISSN 2229-547X VIDEHA

বিদেহ' ১৩৭ ম অঙ্ক ০১ সিতম্বর ২০১৩ (বর্ষ ৬ মাস ৬৯ অঙ্ক ১৩৭)



এ অঙ্কমে অছি:-

সখারী-পেটারী-(লঘু কথা সংগ্রহ)- নন্দ বিলাস রায়

ভাষাপাক রচনা-লেখন -[মানক মৈথিলী]

বিদেহ মৈথিলী পোথী ডাউনলোড সাইট

VIDEHA MAITHILI BOOKS FREE DOWNLOAD SITE

বিদেহ ই-পত্রিকাক সভটা পুরান অঙ্ক (ব্রেল, তিরহুতা আ দেবনাগরী মে) পী.ডী.এফ. ডাউনলোডক লেল নীচাঁক লিংকপর উপলব্ধ অছি। All the old issues of Videha e journal (in Braille, Tirhuta and Devanagari versions) are available for pdf download at the following link.

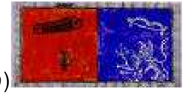
বিদেহ ই-পত্রিকাক সভটা পুরান অঙ্ক ব্রেল, তিরহুতা আ দেবনাগরী রূপমে Videha e journal's all old issues in Braille Tirhuta and Devanagari versions

বিদেহ ই-পত্রিকাক পহিল ৫০ অঙ্ক

বিদেহ ই-পত্রিকাক ৫০ম সঁ আগাঁক অঙ্ক

↑ বিদেহ আর.এস.এস.ফীড এনীমেটেরকেঁ অপন সাইট/ ব্লাগপর লগাউ।

ব্লাগ "লেআউট" পর "এড গাডজেট" মে "ফীড" সেলেক্ট কএ "ফীড যূ.আর.এল." মে http://www.videha.co.in/index.xml টাইপ কেলাসঁ সেহো বিদেহ ফীড প্রাপ্ত কএ সকৈত ছী। গুগল রীডরমে পঢ়বা লেল http://reader.google.com/ পর জা কএ Add a Subscription বটন ক্লিক করূ আ খালী স্থানমে http://www.videha.co.in/index.xml পেস্ট করূ আ Add বটন দবাউ।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

 Join official Videha facebook group.

 Join Videha googlegroups

 বিদেহ রেডিয়ো:মৈথিলী কথা-কবিতা আদিক পহিল পোডকাস্ট সাইট

http://videha123radio.wordpress.com/

মৈথিলী দেবনাগরী বা মিথিলাক্ষরমে নহি দেখি/ লিখি পাবি রহল ছী, (cannot see/write Maithili in Devanagari/ Mithilakshara follow links below or contact at ggajendra@videha.com) তঁ এহি হেতু নীচাঁক লিংক সভ পর জাউ। সংগহি বিদেহক স্তম্ভ মৈথিলী ভাষাপাক/ রচনা লেখনক নব-প্রবাহ অংক পঢ়ু।
http://devanaagarii.net/

http://kaulonline.com/uninagari/ (এতএ বাঁক্সমে আঁনলাইন দেবনাগরী টাইপ করু, বাঁক্সসঁ কাঁপী করু আ বর্ড ডাক্যুমেন্টমে পেস্ট কএ বর্ড ফাইলকেঁ সেভ করু। বিশেষ জানকারীক লেল ggajendra@videha.com পর সম্পর্ক করু।)(Use Firefox 4.0 (from WWW.MOZILLA.COM)/ Opera/ Safari/ Internet Explorer 8.0/ Flock 2.0/ Google Chrome for best view of 'Videha' Maithili e-journal at http://www.videha.co.in/ .)

Go to the link below for download of old issues of VIDEHA Maithili e magazine in .pdf format and Maithili Audio/ Video/ Book/ paintings/ photo files. বিদেহক প্রবাহ অংক আ অঁডিয়ো/ বীডিয়ো/ পোথী/ চিত্রকলা/ ফোটো সভক ফাইল সভ (উচ্চারণ, বড় সুখ সার আ দূর্বাক্ষত মংত্র সহিত) ডাউনলোড করবাক হেতু নীচাঁক লিংক পর জাউ।

VIDEHA ARCHIVE বিদেহ আর্কাইভ



জ্যোতিরীশ্বর পূর্ব মহাকবি বিদ্যাপতি। ভারত আ নেপালক মাটিমে পসরল মিথিলাক ধরতী প্রাচীন কালহিসঁ মহান পুরুষ ও মহিলা লোকনিক কর্মভূমি রহল অছি। মিথিলাক মহান পুরুষ ও মহিলা লোকনিক চিত্র **মিথিলা রত্ন** মে দেখু।



গৌরী-শঙ্করক পালবংশ কালক মূর্তি, এহিমে মিথিলাক্ষরমে (১২০০ বর্ষ পূর্বক) অভিলেখ অঙ্কিত অছি। মিথিলাক ভারত আ নেপালক মাটিমে পসরল এহি তরহক অন্যান্য প্রাচীন আ নব স্থাপত্য, চিত্র, অভিলেখ আ মূর্তিকলাক হেতু দেখু **মিথিলাক খোজ**

মিথিলা, মৈথিল আ মৈথিলীসঁ সম্বন্ধিত সূচনা, সম্পর্ক, অন্বেষণ সংগহি বিদেহক সর্চ-ইঞ্জন আ ন্যূজ সর্বিস আ মিথিলা, মৈথিল আ মৈথিলীসঁ সম্বন্ধিত বেবসাইটক সভক সমগ্র সংকলনক লেল দেখু **বিদেহ সূচনা সম্পর্ক অন্বেষণ**

মৈথিল আর মিথিলা (মৈথিলীক সভসঁ লোকপ্রিয় জালবৃত্ত) পর জাউ।

সখারী-পেটারী

(লঘু কথা সংগ্রহ)

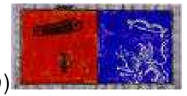
নন্দ বিলাস রায়

একসত্তরি-

১. অসল বেটা

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

২. জজাতি
৩. পোনিথিন
৪. নিরাস প্রমাণপত্র
৫. নিপ্পতবাহা
৬. মহাজণ
৭. গোরঁবরীভণী
৮. পোষাহাবক গহুম
৯. সভসঁ পৌঘ পুজা
১০. ভোঁষ্ট
১১. সোগবী ভডাবরঁ
১২. ননদি-ভৌজাগ
১৩. রাঁরাঁধাম
১৪. চৌড়চনক দহী
১৫. জাতি-পাতি
১৬. রিরেকক রিরেক
১৭. রাড় িক পষ্টুখা
১৮. ডাক্টব বঁষ্টা
১৯. প্রাফেসব বঁষ্টা
২০. সোচ
২১. ঐনা



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

असल बेटा

निर्मली स्टेशनसँ पच्छिम एकटा गाम छै भजना। भजना मधुबनी जिलाक लौकही थानामे पड़ै छै। बेस समृद्धिगर गाम। पढ़ल-लिखल लोकक गाम। इंजीनियर-डाक्टर आ आओर केतेक सरकारी नोकरी करैत गामक लोक। मास्टरक कमी नै। निर्मली बजारक लग रहबाक कारण, किछु लोक बिजनेस-बेपार करैत। जेकरा कोनो नोकरी नै, ओ निर्मली बजारक सेठ-साहुकार ओइठाम नोकरी कऽ अपन गुजर-बसर करैत। किछु लोक निर्मली बजारमे निजि स्कूल खोलि अपन धंधा करैत। किछु लोक बजारेमे ट्यूशन पढ़बैत आ ओइसँ जे आमद होइत तइसँ बेगरता शान्त करैत।

भजना गाममे एकगोटे छल जीतन रूखिया। जातिक मलाह, मुदा माछ मारैक कोनो लूरि नै। अपन जातिक पेशा छोड़ि निर्मली स्टेशनक बगलमे एकटा चाह दोकान चला अपन परिवारक गुजर-बसर करैत। चाह पीबैले रेलवेक कर्मचारी सभ अबैत, चाहो पीबैत आ रंग-बिरंगक गप्पो करैत। स्टेशनक बगलमे चाहक दोकान हेबाक कारणे ट्रेन पकड़ैबला मोसाफिर सभ सेहो चाह पीबैत। जीतन नीक चाह बेचैए तँए आओर गहिंकी सभ दोकानपर आबि-आबि चाह पीबैत। जीतनकेँ धीरे-धीरे नीक आमदनी हुअए लागल। बजारमे रहैक कारण आ नीक-नीक लोकक गप सुनि जीतनो बुधियार भऽ गेल। चाहक संग बिस्कुटो राखए लगल। जइसँ आमदनी आरो बढ़ि गेल। जीतन सेन्ट्रल बैंक निर्मलीमे खाता खोला किछु रूपैआ खातामे जमा करए लगल।

निर्मली स्टेशनसँ दच्छिन निर्मली हाइ स्कूल। स्कूलक सटले चाउरक मिलक कम्पा। बीस-पच्चीस बरख पहिने ओइ कम्पापर धान सुखाएल जाइत छल। मुदा एम्हर आबि कऽ मिल बन्न भऽ गेल अछि। तँए आब कम्पापर घास-पात जनमि गेल अछि। जीतनकेँ मालूम भेल जे मिलक कम्पाबला जमीन बीकि रहल अछि ई गप सुनि जीतन मिलक मनेजर मिश्राजी लग गेल। मिश्राजी कखनो-कखनो जीतन दोकानपर चाह पीबै छल। जीतनकेँ देखैत बाजल-

"आबह-आबह जीतन बैसह।"

जीतन हाथ जोड़ि मिश्रा जीकेँ प्रणाम करैत एक बगल ठाढ़ भऽ गेल, बैसल नै। मिश्राजी केतबो बैसैले जीतनकेँ कहलखिन मुदा जीतन नै बैस बाजल-

"मालिक ठीके छै, हम तुरन्ते चलि जाएब। किछु गप करबाक अछि तँए एलौं।"

मिश्राजी लग तीन-चारि गोटे पहिलेसँ बैसल छल। मिश्राजी पुछलखिन-

"कोनो खास बात छह की?"

जीतन बाजल-

"हँ, मालिक। मुदा अखनि अपने लग आरो लोक सभ छथिन तँए हम दोसर घड़ी आएब।"

मिश्राजी कहलखिन-

"ठीक छै। ठीक छै। तोरा बैसी नै रोकबह, तोहर चाहक दोकान बन्द हेतह। हम साँझमे बजार जाएब तँ तोरे दोकानपर चाहो पीअब आ गप्पो बुझि लेब। जा।"

जीतन बाजल-

"बेस मालिक।"

जीतन अपना दोकानपर आबि गेल। साँझखिन मिश्राजी दोकानपर एला। जीतन एकटा स्पेशल चाह बना मिश्राजीक हाथमे देलक। मिश्राजी चाहक चुस्की लैत पुछलखिन-

"कहए जीतन, कोन गप्पे हमरा डेरापर गेल छेलह?"

जीतन बाजल-

"मालिक, सुनलिऐ हेन जे कम्पाबला जमीन बिकत छै। सएह बुझैले गेल रही।"

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

মিশ্রাজী কহলখিন-

"হঁ, জমীন তঁ বীকি বহল অছি। অদহাসঁ বেসী জমীন বিকিও গেল। কেকরা লেল তঁ, গপ কবৈ ছহ।"

জীতন বাজল-

"মা লিক, এক কট্ঠা জমীনক কেতে রুপৈআ দেবএ পড়ত।"

মিশ্রাজী কহলখিন-

"তুঁ লেবহ তঁ তোরা এক্কা লাখমে দিয়া দেবহ। দোসর লেল সবা লাখ।"

জীতন হাথ জোড় ত বাজল-

"হমহী লেব মালিক। ছজনাসঁ আবি কহ দোকান খোলৈমে অবেব ভহ জাওএ। নগমে বহব তঁ সবেরে দোকান খোলব আ দেবীসঁ বন্ন করব তঁ আমদনীও দোবর ভহ জাএত। জঁ জমীন ভহ জাএত তঁ একটা খোপড় ী নটৈকা দেবৈ।"

মিশ্রাজী কহলখিন-

"ঠীক ছৈ। ঠীক ছৈ। কাল্হি ভোরে আঠ বজে আবহ। জমীনো দেখা দেবহ আ তোরা নামে বুকো কহ দেবহ। জেতেক রুপৈআ হেতহ সে তারএ জমো কহ দিহহ। বাঁকী মাস ভবিমে পুরা কহ দিহক। মহিনা দিন পছাতি সেঠজী দিল্লীসঁ এতা। সবহক বজিস্ট্রী হেতৈ তহীমে তোবো হেতহ।"

জীতন হাথ জোড় ত বাজল-

"ঠীক ছৈ মা লিক। হম আঠ বজে আবি জাএব।"

মিশ্রাজী জখনি চাহক দাম দেবএ লগলা তঁ জীতন কহলখিন-

"নৈ মালিক, পাওা বাখু।"

মিশ্রাজী কহলখিন-

"নৈ জীতন, অখনি নৈ। জখনি তোরা জমীন ভহ জেতহ তখনি চাহো পীঅব আ বিসকুটৈ খাএব। অখনি পাওা বখি লৈহ।" ওা কহি মিশ্রাজী জীতনক গল্লাপব একটা সিক্কা বখি বজাব দিস বিদা ভহ গেলা।

অগিলা দিন ভোরে জীতন মিশ্রাজীক ডেবাপব পহুঁচল। মিশ্রাজী বথানক বগলমে অপন ঘব বনেলে ছথি। জীতনকেঁ দেখতে মিশ্রাজী পহিলে জমীন দেখৌলখিন। জীতনকেঁ জমীন পসিন ভহ গেলৈ। গদ্দীপব আবি অপনা নামে বুক করা লেলক। বৈকসঁ রুপৈআ নিকালি মিশ্রাজী লগ জমা কহ আএল। পচাসী হজাব টৌকা খাতামে ছেলৈ। অস্সী হজাব নিকালি মিশ্রাজী লগ জমা কহ আএল। অগিলা মহিনামে সেঠজী দিল্লীসঁ আবি সভকেঁ জমীন লিখি দেলখিন। জীতন অপনা জমীনমে মাটি ভবা একটা খোপড় ী বনা ওগমে বহল লাগল। আব ও সবেরে চাবিএ বজে দোকান খোলএ আ বা তিক দস বজে বন্ন কবএ।

জীতন জে চাবি বজে ভা রে দোকান খোলি চাহ বনাবএ তঁ সভসঁ পহিলে এক কপ চাহ স্টেশন মাস্টব অশীন চটর্জীকেঁ দহ অবনি। তেকব পছাতি ও অপনো চাহ পীবএ আ বৈচবো কবএ। নির্মলী স্টেশনক স্টেশন মাস্টব অশীন চটর্জী লগধগ পচপন-ছপ্পন বর্খক হৈকতী। পলী শাঁতিনিকেতনমে প্রোফেসব। একটা বেটা আসনসোলমে ওঁজীনিযব দোসব বেটা অমেবিকামে ওঁজীনিযব। বেটী কলকত্তামে বৈঁক মনেজব। তঁএ অশীন চটর্জী অসগবে নির্মলীমে বহি নোকবী কবৈ ছথি। চটর্জীক বিচাব বহনি জে পলী নোকবী ছোড়ি হমবা সঁগ বহথি। হ্মদা পলীক বিচাব ওগসঁ ভিন্ন বহনি। হুনকব বিচাব বহনি জে এম.এ.-পী.এচ.ডী. কেলৌঁ তঁ ওকবা বৈকাব কিঅএ জাএ দেব। পচাস হজাব টৌকা মহিনা দবমাহা ভেটৈএ। জখনি কি চটর্জী সাহিবকেঁ পচীসে হজাব ভেটৈ ছন্হি। তঁএ চটর্জী সাহিব অসগবে বহৈ ছথি। একটা হোটলবলা দিনক খেনাও ডেবাপব পহুঁচা দএ ছন্হি। বতুকা খেনাও হোটলমে জা কহ খাএ পড় ছন্হি।

জীতন দিনমে চাবি বেব হুনকা টেবুলপব চাহ পহুঁচা অবৈ ছন্হি।

বরি দিন দস রঁজে দিনমে জখনি জীতন চাহ নৈ কৈ চটৈর্জী সাহিব লগ গেল তঁ চটৈর্জী সাহিব জীতনকেঁ পুছলখিন-

"কহঅ জীতন কী হাল-চাল ছৈ।"

জীতন জবাব দেলকনি-

"সব, সভ ঠীক ছৈ।"

"আছা জীতন, ঞা বঁতাবিহ তোবা কেতে বাল-বচ্চা ছহ।"

"সব, হমবা দুটা বেটা আ একটা বেটী অছি। জেঠকাক নাওঁ সুকল আ ছোটকাক বিকল। সভসঁ ছোট বেটী অছি জেকব নাওঁ সুকনী বখনে ছী। কিএক তঁ ও শুক্কব দিন জনমল ছেলএ।"

চটৈর্জী সাহিব তীন বর্খসঁ সিমরিনীমে সটেশন মাস্টব ছথি। তঁএ থোড়-বহুত মৈথিলী বজৈ ছলা। চটৈর্জী সাহিব জীতনকেঁ ফেব পুছলখিন-

"আছা, ঞা বঁতাবিহ। বাল-বচ্চা সভকেঁ পঢ়বৈ ছহক কী নৈ।"

জীতন বাজল-

"কহাঁ পঢ় াবৈ ছিঐ সব। দুনু বেটা দোকানপব বহৈএ। বেটী গামমে বহৈএ। একটা বকবী বখনে অছি।"

চটৈর্জী সাহিব কহলখিন-

"নৈ জীতন, ঞা নীক বাত নৈ ছী। তঁু অপনা বচ্চাকেঁ সকুল নৈ ভেজৈ ছহ। পঢ়বৈ-লিখবৈ নৈ ছহক। এইসঁ হমবা তোবা প্রতি বড় দুখ ছহ। দেখহ হমব একটা বেটা অমেবিকামে ইঞ্জীনিযব অছি। দোসব আসনসোলমে ইঞ্জীনিযব অছি আ বাগফ শাঁতি নিকেতনমে প্রোফেসব আ বেটী বৈঁক মনেজব অছি। হম অসগবে এতএ বহৈ ছী। দুখ সহৈ ছী। সভ অপন-অপন কপৈআ কমাইএ। দেখহ জীতন, কাল্হিসঁ তোহঁ অপন বেটী-বেটীকেঁ পঢ়নোগ শুরু কবহ। নীকসঁ পঢ় াবিহ। ইঞ্জীনিযব-ডাক্টব বনাবিহ। হমব ফাদব কলকত্তামে মোটিযাক কাজ কবৈত বহথি। বুঝলহুকল জীতন? হমবা বাতপব ধিযান দহক। কাল্হি এগাবহ বজে হম তোবা দোকানপব আএব। জঁ তোবা দুনু বেটাকেঁ চাহক দোকানপব দেখবিহ তঁ তোবা হাথক চাহ পীঅব ছোড় দেব।"

জীতন হাথ জোড়ৈত বাজল-

"সব, কাল্হিসঁ বচ্চা সভকেঁ ইসকুল পঠেবৈ।"

চটৈর্জী সাহিব বজলা-

"সুনহ জীতন, সবকাবী সকুলমে পঢ় াই নৈ হোই ছৈ। তুঁ অপনা বেটা-বেটীকেঁ কনভেন্টমে পঢ় াবিহ। আ ডেবাপব টুশন সেহো পঢ় াবিহ।"

জীতন হাথ জোড়ৈত বাজল-

"ঠীক ছৈ সব। জ্ঞান ভাবতী ইসকুলমে নাওঁ লিখা দেবৈ। ওই ইসকুলক হেড মাস্টব হমবে গামক গোপাল সাহু ছী। হমবা দোকানপব সভ দিন সাঁঝমে চাহ পীবৈলে আবৈ ছথিন। আই সাঁঝমে হুনকাসঁ গপ কববৈ।"

চটৈর্জী সাহিব বজলা-

"আছা জীতন, আব জাহ। হমবা গপক খিযাল বখিঅ।"

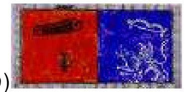
"জী সব, একদম খিযাল বখবৈ।" কহি জীতন অপনা দোকানপব আবি গেল।

সাঁঝমে জখনি গোপাল সাহু চাহ পীবৈলে দোকানপব এলা তঁ জীতন হুনকাসঁ দুনু বেটা আ বেটীক পঢ় াই লেল গপ কেলক।

"পচাস টাকা মহিনামে তীনু বচ্চাকেঁ পঢ় া দেব।" ঞা বাত গোপাল সাহু কহলখিন।

জীতন গোপালজীসঁ একটা টুশনিযাঁ মাস্টবক সেহো বেবসথা কবএ কহলকনি। গোপালজী কহলখিন-

"হমহীঁ পঢ় া দেব অহাঁ চিন্তা নৈ করু। মহিনামে সএ টাকা দেবএ পড়ত। পহিলে কাল্হি দস বজে কনভেন্টপব আবি তীনুক নাম লিখাউ।"



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

জীতন হাথ জোড়ৈত গোপালজীকেঁ কহলকনি—

"বঁহ্ত–বঁহ্ত বৈদরাদ।"

গোপাল সাহু চাহ পীবি চলি গেলা। দোসর দিন জীতন দুনু বেটা আ বেটীকেঁ লঽ স্কুলপর পহুঁচ নাওঁ লিখা দেলক। সাঁঝমে গাম জা পলীওকেঁ নির্মলীএ আনি লেলক। পুবা পরিবারক সংগ জীতন আবি নির্মলীএমে রহএ লগল। একটা ঘর রহবি কবৈ একটা ওলো একচারী টোপি লেলক। তীনু ধিয়া–পুতা সভ দিন স্কুল জাএ–আবিএ লগলৈ। সাঁঝ–সাঁঝ গোপালজী ট্যুশন পঢ়বিএ জীতনক ডেরাপর আবিএ লগলথিন।

সমএ বিতৈত দেরী নৈ হোগ ছৈ। আগ জীতন নির্মলী হাগ স্কুলক বঁগলমে বমলারিলা জমীনপর তীন মঁজিলা মকান বঁলা লেলক। আবি জীতন চাহক দোকান ছোড়ি দেলক। কিএক লে ছোড়ত দুনু স্বকল আ রিকল গঁজীনিয়র ভঽ গেল। বেটী–স্বকলী নির্মলী কন্যাঁ উচ্চ বিদ্যালয়মে শিক্ষিকা পদপর কার্যরত ভেলী। জখৈলকি জেঠকা বেটা–স্বকল স্মন্ত্রবিগমে গঁজীনিয়র আ ছোট্কা বেটা–রিকল দিল্লীমে গঁজীনিয়র।

জীতনক গচ্ছা নৈ রহএ জে চাহক দোকান ছোড়ি স্মদা বেটা–বেটীক জিদ্দক কারণ দোকান ছোড়এ পড়লৈ। বেটীক জিদ্দ বেসী রহনি কিএক তঁ নির্মলীএমে লৌকবী কবৈ ছথিন। স্মদা জীতনক গচ্ছা বহৈ জে এহী চাহক দোকানসঁ হম এতে কেলৌঁ তঁএ একরা বঁদ্ধ কেলাগ ঠীক নৈ হএত।

তীনু সন্তানক বিআহ–দুবাগমন ভঽ গেলৈ। জেঠকা বেটা স্বকল স্মন্ত্রবিগমে মকান খরীদ ওতগ বঁসি গেল। ছোট্কা বেটা দিল্লীমে জমীন কীনি আলীসান মকান বঁনেলক। স্মদা জীতনক উঁপর দুখক পহাড় টুট্টি পড়ল। পলী–জীতনী জীতনকেঁ ছোড়ি দুনিয়াসঁ চলি গেলী। সাএক কিরিয়াক্রমমে দুনু ভাঁগ গাম আএল ছল। সাএক সরলা পছাতি স্বকলী বাঁপে সংগ রহল লগলী। স্বকলীক দুলহা শঁকরজী গলাহাবাঁদ বৈঁক দরভংগামে লোকবী কবৈ ছথি। শনিএ–শনি বাতিমে নির্মলী আবৈ ছথি আ সোমে–সোম ভোরে দরভংগা চলি জাগ ছথি। স্বকলী অপলা পিতা লগ বহি হুনক সেবা–টহল কবৈত লৌকবী কবৈএ।

পলীক স্মগলা তীনিএ মাস পছাতি জীতনকেঁ লকরা লগকি লেলক। স্বকলী পিতাকেঁ লেলে আব.বী.মেমোবিয়াল নিজি অস্পতালমে ভর্তী কবৌলক কিএক তঁ সবকারীমে গলাজ বঁঠি যা জকাঁ সভকেঁ নৈ হোগ ছৈ। পিতাক বিমাবীক খরিবি দুনু ভৈয়াকেঁ স্বকলী মোরাগলপর দেলক। দুনু ভাঁগক বেস্তত্তা ভংগী আবিএ তঁ নৈ দেলকৈ স্মদা রুপৈআ পঠা দেলকৈ আ কহলকৈ জে বঁঠি যাঁ জকাঁ গলাজ করাহী। স্বকলী আ হুনকর দুল্হা শঁকরজী ছুট্টী লঽ জীতনক দেখ–বেখ করএ লগলথিন। এক হপ্তা বাঁদ আবরী মেমোবিয়ালক ডাক্টর স্বকলী আ শঁকরজীকেঁ কহলথিন—

"বোগীকেঁ আবি ঘবে লঽ জাউ। ও আবি কিছএ দিনক মেহমান ছথি। ঘবেপর জেতেক সেবা–টহল হএত কবৈ জেবঁনি।"

ডাক্টর সাহেবক বাঁত সুনি স্বকলী কান্দএ লগল। শঁকরজী অস্পতালক বঁকায়া চুকতা কঽ একটা গাড়ী আনলনি। ওগ গাড়ীসঁ সভ কিয়ো নির্মলী এলা। নির্মলী আবি স্বকলী ভৈয়া সভকেঁ সভ সমাচার বঁতা দেলক। দরভংগাসঁ এলাক তেসরে দিন ভলে জীতন দম তোড়ি দেলক। স্বকলীক কলৈত–কলৈত আঁখি লাল ভঽ গেলৈ। গোপালজী মাস্টর সাহেবকেঁ পতা লগলনি তঁ জিগেসামে এলথিন। স্বকলীকেঁ অসগরে দেখি গোপালজী ফোনপর দুনু ভাঁগকেঁ জলতরি দেলথিন। গোপালজী স্বকলকেঁ মোরাগলপর পুছলথিন—

"লহাশিকেঁ দাহসংস্কার কএল জাএ আকি অহাঁক এলা পছাতি কএল জেতৈ?"

স্বকল আ রিকল দুনু ভাঁগ কহলথিন—

"নৈ গুরুদের, জারৈ ধরি হম দুনু ভাঁগ নৈ আবি তারৈ ধরি হমরা বাঁবুজীকেঁ বঁরফমে রাখল জাএ। হম সভ বাঁবু জীক দর্শন করবি তেকর বাঁদ দাহ–সংস্কার করবি। হম সভ প্লেনসঁ পটনা আএব আ পটনাসঁ নিজি গাড়ী ভাড়া কঽ নির্মলী আএব।"

জীতনক মবনাক তেসব দিন দুণু ভাঁগ অপন-অপন পবিৱাবক সঁগ বৈবেবো গাড় সঁ নির্মলী পহুঁচল। ভৈয়া সভকেঁ দেখি স্বকণী কনৈত দুণুক পএবপব গিব পড়ল। স্বকল-রিকল অপনা রাঁপক পএবপব মাথ বগড়ৈত-বগড়ৈত কানি কৎ আঁখি লাল কৎ লেলক। গোপাল বাঁবুকেঁ খববি ভেল তঁ ওহো এলা। গোপাল বাঁবুকেঁ দেখিতে দুণু ভাঁগ হুনকা পএবপব গিব আবো জোব-জোবসঁ কানএ লগল। গোপাল বাঁবু দুণু ভাঁগকেঁ চুপ হুঅএ কহলখিন-

"দাহ-সঁস্কাবক তৈয়াবী কবৈ জাহ।"

তুবন্ত লকড়ী-সবব-ঘী-কপড়া ইত্যাদি গঁজাম ভেল। তীলজুগা নদীক কছেবমে জীতনক দাহ-সঁস্কাব কএল গেল। জেঠকা রেটৌ স্বকল পিতাক মুঁহমে আগি দেলকনি। ছোট ভাএ রিকল ভোজ-ভাতক গঁজামমে লগি গেল। স্বকণী অপন সকুলসঁ ছুট্টী লৎ কিবিয়াক্রমাক সামগ্রীক ওবিয়ান কবএ লগলী। নহ-কেস দিন কঠিয়াবীরনা সরঁহক লেল স্বকণী খীবক ভোজ কেলক। শ্রাদ্ধ দিন পুবা ছজনা গামক লোক সভকেঁ বসগুল্লা-লালমোহনক ভোজ খিয়াএল গেল।

আগ সঁপীণ্ডন অছি। প্রাত: আঠ রজেসঁ রাবহ রজে ধবি কবম ভেল। তেকব রাদ পাঁচটৌ ব্রাহ্মণক ভোজন সেহো ভেল। আগ নির্মলীক সেঠ-সাহুকাব আ শিক্ষক, লেতা আ আলো-আন প্রতিষ্ঠিত রৈকতী সভ আমন্ত্রিত ছথি। রঠিয়া জকাঁ সভ ভোজন কেলনি আ দুণু ভাঁগকেঁ জশ দগ গেলখিন।

জখনি গোপালজী অপনা সহযোগীক সঁগ ভোজন কৎ ফবসীপব রৈসলা তখনি দুণু ভাঁগ স্বকল-রিকল গোপালজীক পএব ছুরি প্রণাম কেলকনি। গোপালজী আসীবরাদ দৈত কহলখিন-

"ভগরান অহাঁ দুণু গোটে জকাঁ রেটৌ সভকেঁ দেথুন। জে মাএ-রাঁপক কিবিয়া-কবম, ভোজ-ভাত, সেরা-টহল অহিনা কবতনি। অহাঁ দুণু ভাঁগ জীতন জীক অসল রেটৌ সারিত ভেলৌঁ।"

গোপাল মাস্টব সাহিরক গ্ গপ স্বনি স্বকল রাজল-

"নৈ গুরুদের, হম দুণু ভাঁগ রাঁবুজীক অসল রেটৌ নৈ ছী। হম সভ রাঁবুজীক সেরা-টহল কহাঁ কেলিয়নি। হমবা সরঁহক হাথক এক গিলাস পানিয়োঁ কহাঁ ভেটৈলনি রাঁবুজীকেঁ। অসল রেটৌ তঁ হমব রহিন স্বকণী আ রহলোগ শঁকবজী ছথিন। জে রাঁবুজীকেঁ সেরা-স্বশ্রুসা কেলখিন।"

রিচ্চেমে রিকল রাজল-

"হঁ সব, ভৈয়া ঠীকে কহৈ ছথিন...।"

দুণু ভাঁগক আঁখিসঁ দহো-রহো লোব জাএ লগল।

f

জজাতি

“হে ভগৱান জে হমৰ খেসাৰী চৰেনক তেকৰ গুতক মৌগতি দেখৱিহ২।”
ঔ কহি মৈনামৱানী ৱোম ফাড়ি কানএ নগনী। ভোৱে-ভোৰ ও কনৱো কৰথি আ গৰিযেৱো কৰথি।

ভোৱে জখনি মৈনামৱানী ডৌৰ নৱ কৱ খেসাৰীমে ডীটৈনে খেত গেনী তঁ সফচ্চা খেতক খেসাৰী চৰন দেখনী। দেখিতে মমা গেনী। খেতেসঁ কনৈত আ গৰিযাৱৈত গামপৰ এনী। গামোপৰ অনধুন খানী ৱেঁটে নগা-নগা গৰিযাৱঁএ নগনী। মৈনামৱানীকেঁ কনৈত আ গৰিযাৱৈত দেখি মৌঁসে খতৱেঁটেনীক জনিজাতি সভ জমা ভৱ গেন। ওগমে সঁ গামৱানী পুছনকনি-
“এঁ দাগ, কী ভেননি জে এনা ৱঁতাহ ভেন ছথি ?”
মৈনামৱানী কনৈত ৱঁজনী-
“কী কহৱঁহ কনিযাঁ, পাঁচ কট্ঠামে খেসাৰী ছেনএ, ফুন-ৱঁতিযাসঁ নদন বহএ, ভিনসৰৱামে নৈ জানি কেকৰ গুত মৰন জে মহিসসঁ সফচ্চা খেতক খেসাৰী চৰা দেনক। জখনি ভোৰমে ডৌৰ ডীটৈনে গেনৌঁ তঁ দেখনৌঁ।”
গামৱানী ৱঁজনি-
“জুনি কানথু। ভগৱান ওনী চৰনাহা খেতমে পুৰা কৱ দেতনি।”
মৈনামৱানী ৱঁজনী-
“হঁ কনিযাঁ, দেখৱঁহক নে তঁ দৈৰজতা নৈ বহতহ। কট্ঠী-কট্ঠী কৱ সফচ্চা খেতক খেসাৰী চৰা দেনক।”
ঔ কহি মৈনামৱানী ছাতী পীটৈত ফেৰ গৰিযাৱঁএ নগনী।
“হে ৱঁবহমৱাৱা, জৌঁ খেসাৰী চৰৌনিহাৰক গুত মৰত তঁ হম তোবা জোড় া ছাগৰ ঠোন ৱঁজা কৱ চঢ়ৱঁহ।”

ফুনচন বাউতক পনী তিনাঠৱানীকেঁ গোৱঁৰ পাথেনে কহএ আএন ছেনী। ওহো মৈনামৱানীকেঁ ঠেকিযাপৰ জনিজাতি সৱঁহক ভীড় দেখি মসবি কৱ নগ জা সভ গপ বুঝননি। ওহো মৈনামৱানীকেঁ ঠাঢ়স ৱঁন্হৈত কহনকনি-
“আৱঁ গৰিএনা আ কননাসঁ কোন নাভ হেতনি। দিনকৰৱাৱাপৰ আশা কৰথু। ৱএহ সভটা পুৰ কৰথিন।”

ফুনচন বাউতকেঁ গামক সভ গোটে খনীফা কহৈ ছনহি। হুনকৰ দেহো খনীফে জকাঁ নগৈ ছনহি। পহননানীও কৰৈ ছথি। গামক অখবাহাপৰ নৱতুবিয়া সভকেঁ ফশ্তীও মিখৱৈ ছথিন। ফদা ছথি ৱঁড় মোটাপ্ড। হুনকৰ উমেৰ নগধগ তীস ৱঁৰথ হএত। পাঁচ ৱীঘা খেত ছনহি। জোড় া ৱঁবদ আ দুটা মহিস পোসনে ছথি। মহিস অপনেসঁ চৰৱৈ ছথি। দুহৱো-গাবৱো অপনে কৰৈ ছথি। ভোৰমে মহিস দুহি এক নোটা কাঁচে দুধ নীত পীৱৈ ছথি। ভিনসৰৱামে দুনু মহিস খোনি পোসৰ চৰৱৈ ছথি। কেকৱো মস্বৰী, কেকৱো খেসাৰী তঁ কেকৱো গহুম ভিনসৰৱেমে চৰা অৱৈ ছথি। জৌঁ কিযো দেখৱো কৰৈ ছনহি তঁ কী মজান জে হুনকা উপৰাগ দেখিন। গামক নোক প্রায়: হুনকাসঁ ডৱৈত বহএ। ফদা হুনকৰ পিতাজী ৱঁনৱাৰী মড়ৰ ৱঁড় নীক নোক। গামক নোক হুনকা মড়ৰ কহি আদৰ কৰৈ ছনহি। ৱঁনৱাৰী মড়ৰ অপন ৱঁটোক কৰতুতসঁ ৱঁড় দুখী বহৈ ছথি। হৱিদম ফুনচনকেঁ সমঝাৱৈত বহৈ ছথিন-
“ৱৌআ, ৱঁড় মেহনতিসঁ নোক খেতী কৰৈএ। কেকৱো জজাতি চৰেৱঁহক তঁ ও জে কননত তঁ পড়তহ। তঁএ কেকৱো জজাতি নৈ চৰাৰী। আ নে কেকৱো কোনো অপৰাধ কৰহক। গহুমক ভুসী আ ৱঁসিক পত্তাক কট্ঠী, ৱঁবদকেঁ খুআৱঁহ। মহিসকেঁ ভুসী আ খেসাৰীক চুন্নী দহক। অনীমে ৱঁৰ্বকতি হেতহ।”
ফদা ফুনচন খনীফাকেঁ পিতাক ৱঁতক কোনো অসবি নৈ। আগও ভিনসৰৱামে মৈনামৱানীক খেসাৰী চৰা অননক।

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

মৈনামরানীক ঘবর্বলা গঢ়ু দিল্লীমে লোকবী কবৈত। ঋগহন ঋা ঋখাব মাসমে গামমে বহি খেতী-বাড়ী কবৈএ ঋা ঋান মাসমে দিল্লীএমে কাজ কবৈএ। কিএক তঁ গঢ়ুকেঁ মাত্র এক্ক বীঘা খেত ঋা গাঁচ গোলেক ঋাশ্রম। এক বীঘা খেতসঁ গবিবাব চলব মোসকিল তঁএ দিল্লীমে লোকবী নেহো কবৈত।

ফুলচন খলীফা জখনি জলখৈ কবৈলে ঋঁগনা এলা তঁ গলী-তিলাঠবানী কহলকনি-

"হে স্বনৌ ছৈ ?"

ফুলচন বজলা-

"কী কহৈ ছৈ ?"

"মৈনামরানী বড় গবিগবৈ ছনি। কহৈ ছেলৌ সভটা খেসাবী চবা লেলক গহ। খালী বেঁচৈ লগা-লগা গবিগবৈ ছনি। ঞা লে তঁ ওকব খেসাবী তিলসবরামে চবা ঋললক গহ ?"

"বেঁচৗ লগা-লগা গবিগাবৈত ছেলৌ ? ঠীক ছৈ। গাবিসঁ হমবা বেঁচৗকেঁ কিছু লে হএত। গাবি দেলে কিছু লে লোগ ছৈ। লোক ঋগলা মনকেঁ বুঝবৈএ।"

"হে, হমবা গাগবিক বড় ডব লোগএ। হম দেখলিঐ মৈনামরানীকেঁ ছাতী গীটৈত ঋা কানি-কানি খুম গবিগবৈত। সে হমবা লৈ নীক লগল। ভগবান গৌলাক দস ববখ গছাতি এগো বেঁচৗ দেলনি। জোঁ ওকবা কিছু ভহ জাএত তঁ এতেক ধন কি হএত। একবা বেব-বেব কহৈ ছিঐ জে কেকবো জজাতি লৈ চবালৌ।"

ঞা গগ লোগতে ছল তাবৈতমে ফুলচন খলীফাক গিতা-বলবাবী মড়ব জলখৈ কবৈলে ঋাঁগনা এলা। সভ বাত বুঝি বজলা-

"বৌঋা, বহুবিয়া নিকে লে কহৈ ছহ। হম তোবা বেব-বেব বুঝবৈ ছিঋহ। ক্দনা তুঁ হমব গগক কোনো মানিএ লে দগ ছহক।"

ফুলচন বজলা-

"মৈনামরানী বড় গবিগবৈ ছেলৌ তঁ ওকব ফল ও ঋগলে ভোগি লেত। ওকবা হম হক্কলী লোব লৈ কলাএ দেলিঐ তঁ হমব নাম ফুলচন লৈ কহৈচল। ঋহাঁ সভ জুনি চিন্তা কবু। হমবা বেঁচৗকেঁ ফশগ কলেগ লৈ লগতৈ।"

ফুলচন খলীফা ঋা তিলাঠবানীক দ্ববাগমলক দস বর্খক গছাতি একটা বেঁচৗ ভেল। জেকব উমেব ছহ মাস ঋছি। ঐ দস বর্খক বীচ দুনু গবানী কোন-কোন গহবব ঋা কোন-কোন ডাক্টব লগ লে গেল। বাতিমে ফুলচন মৈনামরানীক খেতসঁ দু কট্টাক মস্ববী উখাড়ি ঋললক ঋা বাতিএমে ববদ ঋা মহিসকেঁ খুঋা লেলক। জখনি বাতিমে মস্ববী বাঁসে লহ কহ ঋাএল তঁ হুনকব বাবুজী জগলে বহথিন। কহলথিন-

"বৌঋা, এহেন কাজ কিঋএ কবৈ ছহ। ঞা নীক গগ লৈ।"

ফুলচন বাগকেঁ উঁটৈত বজলা-

"তোঁ চুগ বহহ। মৈনামরানীক খেতমে কোনো জজাতি লৈ বহএ দেবৈ। লৈ দেখলক জে ভোবে-ভোবে বেঁচৗ লগা-লগা গবিযৌলে বহএ।"

ভোবমে মৈনামরানী জখনি দুনু কট্টাক মস্ববী উখাবড়ল দেখলক তঁ ও ফেব গবিযৌনাগ শুরু কেলক। মস্ববী উখবনিহাবক বেঁচৗকেঁ সবাগএ লগল।

বলবাবী মড়ব সোচলক জে ঋাব কোনো উগএ কবক চাহী। লৈ তঁ ফুলচনমাক ঋাদতিমে স্বধাব লৈ হএত।

ফুলচন খলীফা বেক গহব তাড়ী গীবৈলে মবহিমা গেলা তহী বীচ মড়ব তিলাঠবানীসঁ বিচাব কেলক।

বলবাবী মড়ব তিলাঠবানীকেঁ কহলক-

"বাতিমে, ঋগন কনচনমাবলা খেতসঁ এক বোনা বদাম উখাড়ি ঋানব ঋা ববদ-মহিসকেঁ খুঋা দেব।

জখনি ফুলচন্দমা ভোবমে খেত দেখত তখনি ওকবা জজাতিক লোকসানক সবস বুঝেতৈ। কহতৈ নৈ সে ধিয়ান বখতৈ।"
তিলাঠরানী কহলক–
"হমহুঁ সাঁঝখিন ওড্ডাওন পকড়া লেতৈ। জখনি খলীফা তাড় ী পীতৈ কত নবহিয়াসঁ ওত তখনি রৌখাক রৌবায়ক রহম্মা কবতৈ। কহতৈ জে রৌখা দুখিত ভত গেল অছি। অহী রহম্মাসঁ খলীফাকেঁ বুঝাএতৈ।"
সড়ব রজলা–
"ঠীক বিচাব কেলহ হেন।"
বাতিমে জখনি ফুলচন তাড় ী পীতৈ নিসাঁমে বুত ভত সাঁড় লেলে অঁগনা আএল তঁ তিলাঠরানীকেঁ হাক দেলক। মুদা তিলাঠরানী ঘবসঁ নৈ নিকলল আ নে কিছু রজতৈ কএল। তীন–চাবি হাক সুনলা পছাতি তিলাঠরানী ঘবেসঁ রাজলি–
"কী কহৈ ছৈ। রৌখাক বড় মন খবাপ ছৈ। সাওব চিচিআও ছেলৈ। কখনো মুঁহ সাপ্পটৈ লে লগ ছৈ। চাবি রৌব উন্দ্রীও ভেলৈ গত। দুখো লে ধড় ছেলৈ। কেতেক গোসাঁও–পীতবকেঁ কবুলা কেলিঐ গত তখনি জা কত অখনি সুতল গত। লোকক হঁকাল পড়া বহল গত। একবা রৌব–রৌব কহৈ ছিঐ জে কেকবো জজাতি নৈ বিদ্দত কবৌ, কেকবো কোলো অপবাধ নৈ কবৌ মুদা হমব কে সুনৈ ছৈ।"
পলোক বাত সুনি ফুলচনক নিসাঁ ফাটি গেল। সাঁড়ক লোবা টৈটৈমে টাঁগি ঘব গেল আ রৌখোকেঁ দেখলক। তিলাঠরানী ফেব রাজলি–
"বড় ী কাল তক কলৈ ছলএ। অখলে সুতল গত ওা রাহব জাউ। রিন্নি হাথ–পএব খোলে রচ্চা লগ আরি গেলৈ।"
ফুলচন রজলা–
"এক কিলো ভাকুব সাঁড় অললে ছী। সাঁড়কেঁ কী কবতৈ। জোঁ বাতিমে নৈ তবতৈ তঁ মোহকি জাএত।"
তিলাঠরানী রাজলি–
"তাতৈ ওা ফাঁসুল লত কত সাঁড় রলৌত। রৌখা জখনি নীক জকাঁতি সুতি বহত তখনি হম আরি কত ভান্স কবতৈ।"
ফুলচন অপলেসঁ সাঁড় রলরএ লগল। বাতিমে খেলাও অবৌবসঁ রলল। খাতি–পীরৈত অধবতিয়া ভত গেল। আও ফুলচন ভিলসবরামে মহিস পোসব চবরৌলে নৈ গেল। কিএক তঁ অরৌব সুতলে নীলে লে টুটৈলনি।
ভোবমে জখনি ও পোখবি দিস জাওত বহথি তঁ অপলা খেতমে লগধগ দস ধুব রদাম উখাড়ল দেখলনি। দেখিতে সৌঁসে দেহমে জেলা আগি লেস দেলকনি। রতাহ ভেল গামপব আরি অন্ট–সন্ট রজএ লগলা–
"কেকবা হোসপীটৈল জাওক মন ভেলৈএ জে হমব রদাম উখাড়া অললক। জোঁ কনিকো পতা চলি জাএত তঁ ওকবা অধমৌগতি কত হোসপীটৈল পঠা দেতৈ। গামমে আতৈ কেকবো রদাম নৈ বহতৈ দেতৈ। সরহক রদাম উখাড়া–উখাড়া ববদ–মহিসকেঁ খুআ দেতৈ।"
দলানপব ঘবরলাকেঁ রতাহ ভেল দেখি তিলাঠরানী অঁগনাসঁ ডেঢ়া সাপব আবি ঘবরলাসঁ পুছলক–
"সব, কী ভেলৈ গত জে এলা রতাহ ভেল ছৈ?"
ফুলচন রজলা–
"অপলা খেতসঁ দু কচ্চা রদাম উখাড়া কিযো লত অললক। হম আতৈ কেকবো ববি–বাও নৈ বহএ দেতৈ। সভটা উখাড়া আনি মাল–জালকেঁ খুআ দেতৈ।"
তিলাঠরানী রাজলি–
"এহেন কাজ ফেব জুনি কবহ। বাতিমে কেতেক দেরতা–পিতবকেঁ কবুলা কেলৌঁ তবৈ জা কত রৌখা নীক ভেল। হম ধবমবাজ রারাকেঁ কহলিঐ– জোঁ হমবা রৌখাক মন নীক ভত জাএত তঁ ফেব খলীফা কেকবো কোলো অপবাধ নৈ কবত।"

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

রেঁটৌ নামপাব ফুলচন কিছু শান্ত ভেল। শান্ত ভেল দেখি তিলাঠরানী রাঁজলি–

“রাঁদাম ডঁখাড়ি লেলকৈ তঁ কী হেতৈ। ভগৱান হমবা ওলীমে পুৱা ক২ দেখিন। ঋহাঁ মহিস দুদ্ধ চাহ রাঁনা দগ ভী।”

তারেঁতমে রুঁবহা রাঁনরাঁবী মড়ব পহুঁচ পুছলখিন–

“রৌঋা, কিঋএ হললা করৈ ছেলহক? হম তোহব হললা সুনি ফিরাঁব্ব ফবাঁ কেলে পোখবিক ঘাটপব সঁ দৌগল এলৌঁ হেন।”

ফুলচন রাঁজলা–

“রাঁউ নৌ, বাতিমে কিযো ঋপলা কঁচলমারাঁনা খেতসঁ দু কল্লা রাঁদাম ডঁখাড়ি লেলক। তঁএ জোব–জোবসঁ হলল্লা করৈ ছেলিএ।”

“ঋচ্ছা, পহিলে মহিস দুহ২ ঋরেঁব ভ২ গেল। চাহো পীঋরাঁ।”

সম্বৃবক গপ সুনি তিলাঠরানী রিচ্চেমে রাঁজলি–

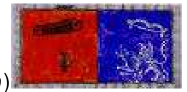
“রাঁরু, মএহ একবা সমস্যারাঁথুন। লোকক হহঁকাল পড় ছৈ। বাতিমে রৌঋাক মন খবাপ ভ২ গেল ছেলৌ। কেতেক কাল দেব–ধবমকেঁ সুমবলৌঁ তরাঁ রৌঋা নীক ভেল। গৌলাক দস রাঁর্থক পছাতি ধবমবাজরাঁরাঁ একটা রেঁটৌ দেলথি। গামক লোক রাঁনিরাঁ–রাঁনিনিমাঁ কহৈ ছেলএ। ঋারাঁ জে কেকবো ঞ কেকবো কোলো ঋপবাধ কবত তঁ হম রৌঋা ল২ লৈহবা চলি জাএরাঁ। ঋপন রাঁবদ ঋা মহিসকেঁ ঋানক জজাতি ডঁখাড়ি–ডঁখাড়ি খুঋারেঁত বহত।”

রাঁনরাঁবী মড়ব ফুলচনকেঁ কহলখিন–

“রৌঋা, রাঁহ্বিমা নীকে কহৈ ছহ। কেকবো জজাতি লৈ রিদ্দত কবহক। জজাতি লগরেঁমে রাঁড় মেহনতি লগৈ ছৈ। দেখহক তঁ তোহব রাঁদাম ডঁখাড়ি লেলে তোবা কেহেন সহচ্চা দেহমে ঋাগি লেসলে ছহ। তহিনা তঁ ঋালো গোটেকেঁ হোগত হএত লে। তোঁ কেতেক গোটেকেঁ খেসাবী পোসব খোলি চবরেঁ ছহ। কেতেক গোটেকেঁ মম্ববী ঋা রাঁদাম ডঁখাড়ি রাঁবদ–মহিসকেঁ খুঋা দগ ছহক। জেহলে ঋপন জজাতি তেহলে লে ঋলকো। জহিনা তোবা ঋাগ কঠ হোগ ছহ তহিনা লে ঋালোকেঁ হোগত হএত।”

ফুলচনক ভক্ক খুজি গেল। পিতাক পএব ছুরিঁ মপ্পত খেলক। জে ঋাগ দিনসঁ হম লে কেকবো জজাতি রিদ্দত কবরাঁ ঋা লে কোলো ঋপবাধ।

f


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

পোলিথিন

কমলক বেটীক বিআহ ছল। লড়কাবলাক কহব ছেলৈ জে খেলাগামে মাঁড়-ভাত হেবাক চাহী। হম সভ ডলডাবলা খুবী আ সাগবক দুধক বনল মিঠাগ লৈ খাএব। হমবো কমল বিআহক কাড দেলে ছল তঁএ হমহুঁ ববিয়াতীক স্বাগত লেল পহুঁচল ছেলৌঁ। বাবহ বজে বাতি ববিয়াতী আএল। বাবহখলা ববিয়াতী মিসাঁমে বুত্ত বহএ। জবান সবহক গপ কি কহী জে বুঢ়বো সভ ডীজেক ধুনপব নচৈত বহথি। হম কমলকেঁ কহলিঐ-

"হৌ কমল, বাবহখলা ববিয়াতী পীলে ছহ তঁএ জল্দী-জল্দী বিধি-বেবহাব সমাবলে চলহ।"

কমল কহলক-

"সে তঁ ঠীকে কহৈ ছিঐ।"

হম কহলনিঐ-

"সভ ববিয়াতীকেঁ পংডালমে বৈসাবহ। আ চাহ-নস্তা কবাবহ। তেকব পছাতি বিধি-বেবহাবক কাজ শুরু কববিহহ।"

কমল অপন ভাতিজ বিনোদকেঁ বজা কহলক-

"মৌকসঁ সভ ববিয়াতীকেঁ পংডালমে বৈসৈক আগ্রহ কবহী।"

মৌকসঁ কতেকো বেব আগ্রহক পছাতিও অদহা ববিয়াতী ডীজেক ধুনপব নচিতে বহল। হাবি কহ জে ববিয়াতী পংডালমে বৈসল ছল তিনকা সভকেঁ নাস্তা দেল গেল। দুলহাক পিতাজীকেঁ কহল গেল জে বাতি বেসী ভহ গেল অছি তঁএ ডীজেকেঁ বন্ন কহ চাহ-নাস্তা কবৈ জাউ। তেকব পছাতি বিধি-বেবহাবক কাজ হএত। লড়কাবলা কেতেক নিহোবা-বিনতী কেলক তখনি জা কহ ডীজে বন্ন ভেল আ ববিয়াতী সভ চাহ-নাস্তা লেল পংডালমে বৈসল। ঘবক সভকেঁ আশ্বাসন দেল গেল জে চাহ-নাস্তাক পছাতি অহাঁ সভ ডীজে বাজাক আনন্দ লেব। সএহ ভেল। নবঘবক ববিয়াতী সভ ডীজে বাজা চালু কবা ফেবো নাচএ লগল। ঘববাবী আ ববিয়াতীক বুঢ়-বুজুর্গ বিধি-বেবহাবক কাজমে লগি গেল। মড়বা লগ বব-কনিয়াঁক তিনক পছাতি দুবক্ষিত ভেল। ববকেঁ বিআহ কবৈলে ছোড়ি ববিয়াতী সভ জনবাসামে আএল। হম কমলকেঁ বজা কহলিঐ-

"জল্দী-জল্দী পংডালমে টেবুল সেট কহ ববিয়াতীকেঁ ভোজন লেল বৈসাবহ।"

সএহ ভেল। পংডালমে ববিয়াতী সভ আবি বৈসলা। ডীজে বন্ন ভেল। ববিয়াতী সভ অপন-অপন গ্রুপমে বৈসলা। সবহক আগু পত্তৈ আ গিলাস দেল গেল। মাঁড়-ভাতক সংগ সলাদক সেহো বেবস্থা ছল। জখনি ভোজন শুরু ভেল তঁ কমল হমবোসঁ ভোজনক আগ্রহ কেলক। হম কহলিঐ-

"ববিয়াতীক পছাতি হম খেলাগ খাএব।"

কমল হমবাসঁ ফেব আগ্রহ কেলনি-

"তখনি পংডালমে ভোজনক বেবস্থা দেখিযৌ। কোনো টেবুলপব কোনো চীজক অভাব লৈ হেবাক চাহী।"

হম পংডালমে গেলৌঁ তঁ দেখৈ ছী জে লগধগ অদহা ববিয়াতী পোলিথিনসঁ দাক গিলাসমে লহ লহ পীবি বহল ছথি। কিছু ববিয়াতী অংগ্রেজী দাকক বৌতল সেহো খোললে ছথি। কিছুএ ববিয়াতী ছলা জে খালী ভোজলেটৌ কহ বহল ছলা। দেখি কহ হম ছগ্গুন্তামে পড়ি গেলৌঁ। পোলিথিনমে দেশী দাক বহৈএ জেকব গংধ হমবা ববদাস লৈ ভেল। হম পংডালসঁ বাহব ভহ গেলৌঁ।

ববিয়াতীক ভোজন পছাতি সব-ফট্টেম আ গৌআঁ-ঘকআকেঁ ভোজনক লেল বৈসৌল গেল। ওদ্রমে দেখৈ ছী জে অদহাসঁ বেসী লোক পোলিথিন আ অংগ্রেজী দাক ভোজনক সংগ পীবি বহল ছথি। হম একবেব ফেব ছগ্গুন্তামে পড়ি গেলৌঁ। কমলকেঁ কহলিঐ-

"হৌ কমল, বেসী লোক পীআকে ভহ গেল অছি।"

ও বাজল-

"যৌ নন্দ ভাযজী, পাহি উপৌবলাসঁ লহ কহ মড়বা সজবৈবলা আ বলোগআ সভকেঁ বুমু ঘুসমে পোলিথিন

দেরঁএ পড়ল অছি। রিনা দাকক কোনো কাজে নৈ হএত। পিছলা সাল মৌনামে একটা ভোজ ভল। হমব পিতিযা সমুব যবি গেল বহখিন। ওদ্ধ ভোজমে দেখলিঐ জে পানি ঙঁঘৌরঁনাসঁ নহ কহ বনোগআ তককেঁ ঘবরাবী পোনিথিন আনি-আনি দগ ভেলখিন। যৌ ভাস, আরঁ তঁ রিন্ন দাকক কোনো কাজে ন সমরৈএ।"

হমা কহলিঐ-

"হমা কপৈআ দহ দেরেঁ ক্দা পোনিথিন রা কোনো দাকক রৌতল নৈ দেরঁ। চাহি হমব কাজ হুঅএ অথরা নৈ হুঅএ।"

কমল রাঁজল-

"জখনি রেঁব পড়ত তখনি বুঁঝরঁ।"

কাতিক মাসক সমএ। সভ গোটে অপন-অপন রাড়ী-ঝাড়ীমে তীমন-তবকাবী রৌপৈমে রেঁসত। হমবো কট্টা দুগএক ভীঠ খেত। ওগ কোনামে সভ সাল অনলু বোপৈ ছী। এমকীও ভীখনাসঁ হব মোল নহ খেত জোতা তৈযাব কবেলৌঁ। কিএক তঁ অপনা হব-রঁবদ নৈ। রঁবদ বথরৌ কবরঁ তঁ জোতত কে। অপনা হব জোতৈক বুড়ি নৈ। দিল্লী-পঁজারঁ খুজরাঁক কাবণে হবরাঁহা ভেট্টেরঁ মোসকিল। তঁএ সভ খেতী-গিবহস্তীক কাজ ট্রৈক্টরেসঁ হোগএ। ট্রৈক্টবরঁনাকেঁ অগ্রবরাবে কপৈআ দহ অরেঁ ছী আ ও সমৌপব আরি খেত জোতি দগএ। ক্দা অখনি খেত সভমে ধানক ফমিল লগল অছি। তঁএ অখনি ট্রৈক্টবকেঁ জাএরঁ মোসকিল। তহী দুআবে ভীখনাসঁ হব মোল নহ অনলুক খেত তৈযাব কবেলৌঁ। ঘোঘবডীহা রঁজাবসঁ সাগকিলপব অনলুক রাঁআ আ খাদো কীনি অনলৌঁ। আরঁ সমস্যা অছি। জে বোপত কে। রাঁআ আ খাদ তঁ অপনো গিবা লেরঁ। ক্দা কোদাবিসঁ দল কে কাটত? অপনা জৌঁ কাটরঁ তখনি তঁ পএবে কষ্ট জাএত। পছিলা সাল সএহ ন ভেল বহএ। জোশিমে আরি অপলে রিদা ভেল বহী দল কটৈলে আ পনৌকেঁ খাদ আ রিঁআ গিবরৈলে নহ গেল বহী। কোদাবিসঁ দু দল কাটি কহ অনলু তঁ বোপলৌঁ ক্দা তেসব দলমে তেহল ন পএব কটৌএল জে লোক সভ টৌঁগি কহ গামাপব অনলক। দু সএসঁ রেঁসী কপৈআ দরাঁগমে লগল আ এক পলবহিযা চলল-ফিবল নৈ ভেল।

বাতিমে খাগতকাল পলী রঁজলী-

"অনলু পচতা ভহ বহল অছি। পচতা অনলুমে মুলসা পকড়ত। লন্তী গলি জাএত আ অনলু কিছু ন হএত। কেকবো পকড়ি অনলু বোপা লিঅ।"

হমা কহলিঐ-

"মে তঁ ঠীকে কহৈ ছিঐ।"

ভোবে হমা ভীখনা লগ গেলৌঁ আ কহলিঐ-

"আগা হমব অনলু বোপি দএ।"

ভীখনা রাঁজল-

"হমাবা এক্কা পলক ভঞ্জী নৈ অছি। হমাবা তঁ হবে জোতৈসঁ ভঞ্জী নৈ বহৈএ। দু সএ টৌকামে হব রেঁচৈ ছী। অখলে তঁ সমএ অছি জে কিছু কমা লেরঁ। জখনি ধান কটি জাএত আ খেত খালী ভহ জাএত তরঁ সভ গোটে ট্রৈক্টবেসঁ হব জোতাএত। অখনি তঁ ট্রৈক্টব জাগক রাঁটে নৈ ছৈ। তঁএ লোক রাড়ী-ঝাড়ী কবৈলে হব মোল লগএ।"

ভীখনাক গপ সুনি ওতএসঁ হমা রিতরাঁ লগ গেলৌঁ ওকবো অনলু বোপৈক আগ্রহ কেলিঐ। রিতরাঁ কহলক-

"হমা অপলে ফিবিসান ছী। যঁগলী মাএ লৈহব চলি গেল। ওকবা মাএকেঁ লকরাঁ মাবি দেলকৈ। হমাবা মাল-জাল সভকেঁ দেখএ পড়ৈএ আ ভানসো অপলে কবএ পড়ৈএ। কিএক তঁ রেঁটী জে যঁগলী অছি ও পঠৈলে গসকুল চলি জাগএ। রুঁঝু অখনি সভ কাজ অপলে কবএ পড়ৈএ।"

হমা কহলিঐ-

"হৌ, আরঁ অনলু পচতা ভহ বহল অছি। অপনাসঁ দল কাটৈলে ন হএত।"

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

তরঁ রিতরাঁ কহলক–
“যৌ গিবহত, ভীলরাঁ লগ চলি জাউ। ওকবা রৌসলে দেখৈ ছিঐ। চাকিা দিল পঁচারসঁ এঁরে কএল খছি।”
ভীলরাঁ লগ গেলৌঁ। ও যোরাঁগলমে গীত স্বলৈ ছল। হমবা দেখতে ঠেকলক–
“গিবহত গোব লগৌ ছী।”
হম কহলিঐ–
“গীক্কে বহ২। কহিয়া গাম এলহক?”
ভীলরাঁ রাঁজল–
“চাবিম দিল এলৌঁহেঁ। কেম্হব-কেম্হব খাএল ছেলিঐ গিবহত?”
হম কহলিঐ–
“হৌ, হমবা খলল্ল্ বোপোরাঁক খছি। তঁএ তোলে লগ এলিখহেঁ। কলী খাগ হমব রোঁগবতা সম্হাবি দৈহ।”
তখলি ভীলরাঁ কহলক–
“হমব তরিগত ঠীক লৈ খছি। হমবা সক্ক লৈ হএত।”
হম কহলিঐ–
“হৌ ভীলাগ তোবা লগ রঁড় খাশিাসঁ খাএল ছেলৌঁ। খাগএটা হমব কাজ সম্হাবি দৈহ।”
তারৈতমে ভীলরাঁক মাএ খঁগলাসঁ লিকলল। ও ভীলরাঁসঁ কহলক–
“জো গিবহতকেঁ খলল্ল্ বোপি দলী গ২। গিবহতক হমবাগব রঁড় উপকাব ছৈ। রৌসাখমে খপল রঁকবী লালরাঁর্কেঁ খেবহী চবি লেলে বহৈ তঁ ও রঁকবী রাঁলহি লেলে বহএ। হমবা পতা লগল তঁ লালরাঁর্ লগ গেল বহী ক্দা ও রঁকবী লৈ দেলক। কহলক, রঁকবী সবগঁচ ওগঠাম দ২ খরেঁ ছী ওতেসঁ ল২ জাএরঁ। গলএ গিবহত লালরাঁর্কেঁ রুঁঝা খপল রঁকবী দিযৌলক। জাহী হিলকব কাজ ক২ দলী গ২।”
ভীলরাঁ রাঁজল–
“গিবহত, খহাঁক খলল্ল্ বোপি দেরঁ। ক্দা রোঁগলক ঙুঁপবসঁ কিছু খালো খবচা কবএ পড়ত।”
হম পুছলিঐ–
“কী খর্চ লেরঁহক? চাহ-পাল ল২ কিছু খলগসঁ দ২ দেরঁহ।”
ভীলরাঁ রাঁজল–
“সে লৈ হএত। রোঁগলক খলারেঁ একটা পোলিথিল দেরএ পড়ত।”
হমবা কালক গপ মল পড়ি গেল। ক্দা কী কবরঁ। খলল্ল্ পচতা ভ২ বহল ছল। হম সোচমে পড়ি গলৌঁ জৌঁ একবা পোলিথিল গছি লগ ছী তঁ খপল সিদ্ধাল্তক রিপবীত কাজ হএত।
রিচ্চেমে ভীলরাঁ ঠেকলক–
“গিবহত, রীস টাকা তঁ খলগসঁ খর্চ কবএ পড়ত ক্দা খলল্ল্ তঁ বোপা জাএত।”
হম কহলিঐ–
“হৌ রাঁউ, রাঁত রীস টাকাক লৈ ছৈ। হম দারু পীলাগকেঁ গীক লৈ রুঁলৈ ছী। হম তোবা মিঠাগ খাগলে পচ্চীস টাকা দ২ দেরঁহ ক্দা পোলিথিল লৈ দেরঁহ।”
ভীলরাঁক মাএ সভ গপ স্বলৈত, ও রঁজলী–
“জো, গিবহতক খলল্ল্ বোপি দহিল গ২ রোঁগলক খলারেঁ কিছু লৈ মাঁগলী। ঠীকে কহৈ ছথ্ল ঞ সভ লৈ পী।”
ভীলরাঁ হমবা সঁগে রিদা ভ২ গেল।

f

নিরাস প্রমাণপত্র

বাঁন বিকাস বিভাগমে কিরাণী আ চপরাসী লেল বিজ্ঞাপন নিকলল ছল। আবেদন পত্রক সংগ শৈক্ষণিক যোগ্যতা প্রমাণ পত্রক অভিপ্রমাণিত ছায়াপ্রতি আ নিরাস প্রমাণ পত্রক অভিপ্রমাণিত ছায়াপ্রতি দেনাই অনিবার্য ছল। আরক্ষণক লাভ লেল জাতি প্রমাণ পত্র দেনাই সেহো অনিবার্য ছল। নৈ তঁ আবেদনে রদ্দ।

হমরা নিরাস প্রমাণ পত্র নৈ ছল। প্রখণ্ড কার্যালয় গেলৌঁ। ওতএ পতা চলল জে কোনো প্রমাণ পত্র লেল আঁনলাইন আবেদন করব জাইত ছৈ। একটা কঠঘরামে জা ফোটো সহিতে কর্মচারীসঁ নিরাস প্রমাণ পত্রক ফার্ম কীনলৌঁ। খালী স্থানক পূর্তি কঽ লাইনমে লগি গেলৌঁ। পতা চলল তীন বাজে ধরি আবেদন লেল জেতৈ। দু বাজৈত বহএ। হমরা আগুমে লগভগ চালিস গোটে লাইনমে ছল। হমরা পারী অবৈসঁ পহিলে তীন বাজি গেল। কিরাণী, জে আবেদন লঽ ছলা, কহলনি-

“টৈম ওভর, টৈম ওভর। অহাঁ সভ কাল্হি আউ।”

কিরাণীক বাত সুনি সাইকিল লগ জা তালা খোলি বিদা ভেলৌঁ। রস্তামে সোচৈত বহী জে কাল্হি দসে বাজে আবি লাইনমে লগি জাএব।

দোসর দিন নঅ বাজে ঘরসঁ বিদা ভেলৌঁ জে ঘণ্টা ভরি লগত পহুঁচ জাএব। নবহিয়া বজারমে সাইকিলমে হবা দিয়া বিদা ভেলৌঁ। বৈশাখ মাসক সমএ বহএ। সাইকিলক পছিলা টৈএব কমজোর ছল। ফুলপরাসসঁ আগু বঢ়লৌঁ আকি ধরামক অবাজ ভেল। দেখলৌঁ তঁ সাইকিলক পছিলা চক্কাক টৈএব-ট্যূব ফাটি গেল ছল। স্থিতি সে ছল জে কিছু বদললে পলজাইশি নৈ। জেবীমে মাত্র পচাসী টাকা বহএ। জখনি কি তীন সএক জরুরতি ছল। সাইকিল প্রবকৌলে বৈলহা-বথনাহা চৌক তক এলৌঁ। একটা চিন্হাবএ মিস্ত্রী লগ গেলৌঁ আ কহলিয়নি অপন দুখরা। হুনকা লগ টৈএব-ট্যূব নৈ বহনি। তঁ কহলিয়নি-

“হম কাল্হি টৈএব-ট্যূব লঽ কঽ আএব। তাবএ সাইকিল বাখু।”

মিস্ত্রী বজলা-

“ঠীক ছৈ। কাল্হি দসে বাজে তক আবি জাএব। নৈ তঁ সাইকিলক জবাবদেহী হমরা উপর নৈ। কিএক তঁ ভীড় বঢ়লে তনদেহী ঘটি জাই ছৈ।”

হম বৈলহা-বথনাহা চৌকসঁ পএবে ঘোঘবডীহা দিস বিদা ভেলৌঁ। এগাবহ বাজে প্রখণ্ড কার্যালয় পহুঁচ লাইনমে লগি গেলৌঁ। হমরাসঁ আগু করীব পলবহ গোটে ছল। বুঝাএল ডেঢ় বাজেসঁ পহিলে কাগত জমা ভঽ জাএত। আব হমরাসঁ আগু মাত্র দু গোটে ছল। মন তলফনাইত বহএ জে আব কাগত মাঁগত তব কাগত মাঁগত। অগিলা বৈকতী বজলৌ-

“লে বলৌয়া, জেনবেটবে খবাপ ভঽ গেলৌ। কখনি ঠীক হএত কখনি নৈ।”

“যৌ ভাস, কী ভঽ গেলৌ?” হম পুছলিঐ।

ও বজলা-

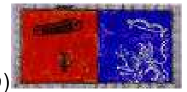
“দেখৈ নৈ ছিঐ জেনবেটব বন্ন ভঽ গেলৈএ। বিনা বিজলীক কম্প্যুটব কেনা চলত। বিনু কম্প্যুটব চললে আঁনলাইন কেনা হোএত।”

দু-তীন গোটে হমরাসঁ পাছু ঠাঢ় ছল। ও সভ জেনবেটব লগ গেল। আঁপবেটব সাহিব মশীন খোলি বহল ছলা। দস মিনট পছাতি এক গোটে আবি বাজল-

“আঁপবেটবক কহব ছৈ, বিনা মিস্ত্রীসঁ ঠীক নৈ হোইবলা ছৈ। আই আবেদন জমা ভেনাই অসংভব।”

হমহুঁ জেনবেটব লগ পহুঁচ আঁপবেটবসঁ পুছলিয়নি-

“কী যৌ বাবু সাহিব, কখনি তক মশীন ঠীক হেবাক সংভাবনা অছি?”



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

রঁজনা–

"আগা তঁ কোনো অনে নে করু। মিস্ত্রী জখনি অরঁএ ঋদা সাঁঝ তক মশীন ঠীক হএত কৌস্কা আশা করু।"

হমা ওতএসঁ ট্রেন পকড়ৈলে স্টেশন দিস চললৌঁ। স্টেশনপর এলৌঁ তঁ পতা চলল জে পাঁচ রঁজে তক ট্রেন আএত। সমএ কবীর তীন রঁজৈত বহএ। অখনি দু ঘঁটা গাড়ী অরৌমে দেবী অছি। সোচলৌঁ কিএক নে টেম্পু পকড়ি ফুলপরাস চলি জাগ আ ওতএসঁ দোসর টেম্পু পকড়ি নবহিযা চলি জাএরঁ। নবহিযাসঁ পএবে গাম জাগমে অদহা ঘঁটা লগৌ ছৈ। ভাড়া জোড়লৌঁ তঁ পচীস টৌকাক খর্চ ভল। পচীস টৌকা খর্চ কেনা রাঁদো অদহা ঘঁটা পএবে চলৌগএ পড়ত। ওনা ট্রেনসঁ গেলে পবসা কাঁলটে উতবরঁ। টিকটৈক কোনো দবকারে নৌ। পবসাসঁ সরা ঘঁটা গাম জাগমে লগত। মজবিপর আএল পৌতালীস মিলটে রৌসী চলএ পড়ত ঋদা পচীস টৌকাক রঁচত হএত। দস রুপৈআক চাহে–পান খা লেরঁ ঠৈযো পনবহক নহফা। সএহ কেলৌঁ। চাহ–পান খা ঋসাফিব খানাক রিবিঁচপর আরি রৌস গেলৌঁ। একটা ঋসাফিব হিন্দুস্তান পেপর পঢ়ৈ ভল। হমা হুনকেসঁ পেপর মাঁগি পঢ়এ লগলৌঁ। বহি–বহি কর মোরাঁগলমে সমএ দেখী। জখনি সাঢ়ে চাবি রঁজল তরঁ স্টেশন মাস্টৈরসঁ গাড়ীক সুব–পতা পুছলৌঁ। কহলনি–

"দু ঘঁটা লেট অছি। সাত রঁজেসঁ পহিলে অরৌক কোনো চান্স নৌ।"

স্বমিতে ঝমা গেলৌঁ। সস্তা মহগ পড়ি বহল ভল। সাঢ়ে সাত রঁজে পবসা কাঁলটেপর উতবলৌঁ। ট্রেনসঁ উতবি গাঁধী চৌক রস্বআবী এলৌঁ তঁ আগুমে পাঁতর ভেলৌ তঁএ কোনো সঁগী মিলি জাএত তঁ ঠীক বহতৈ। তাকএ লগলৌঁ। এক গোটে মিলনা। হুনকো জেরাঁক বহনি আগু। দুনু গোটে চাহ পীরঁ সঁগে–সঁগ রিদা ভেলৌঁ। ভগটিযাহী দুর্গা স্থান তক ও সঁগ বহলা। দুর্গা স্থানমে ভজন–কীর্তন হোগত বহৈ ও ওহীঠাম রুকি গেলা। হমা মোরাঁগলক রোশনীমে আগু রঢ়ৈত গেলৌঁ। নঅ রঁজে বাতিমে ঘর পহুঁচলৌঁ। ঘরপর পলৌ আ ধিযা–পুতা চিন্তিত বহথি। পলৌকেঁ পুবা দিনক ঘটনা স্বনা দেলিযনি।

দোসর দিন ভোরে পলৌসঁ তীন সএ রুপৈআ কেকরোসঁ পৈচ মাঁগি কর লারঁএ কহলিযনি জে সাগকিলক টাএর–ট্যুরঁ রঁদলএ পড়ত। অদহা ঘঁটা পছাতি পলৌ আরি কহলী–

"কিযো রুপৈআ নৌ দেলক।"

"আরঁ কেনা হএত। সাগকিল রৌলহা চৌকপর পড়ল অছি।"

চুপ দেখি পলৌ রঁজলী–

"তীন সএ টৌকাক গহুমে দোকানমে রৌচি লিঅ আ চলি জাউ।"

পুছলিযনি–

"কি দর চলৌ ছৈ।"

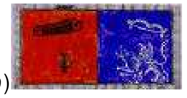
"খুদরা নঅ সারহে নঅ রুপৈএ লগ ছৈ।"

"ফিনকালী–ঘোঘবডীহামে তঁ এগারহ টৈকে লগ ছৈ?"

পলৌকেঁ হমার রাঁত জেনা কান ধরি নৌ গেলনি। কিছু নে রঁজলী। হমহুঁ সোচএ লগলৌঁ, সাগকিলো খরাপে অছি। ওকরে মরম্মতি খাতির তঁ রুপৈআক রৌগরতা অছি। তখনি রাঁহর কেনা আ কথীপর ভাড়ী লর জাএরঁ...। ভরু খুজল।

হমা তীস কিলো গহুমা লর দোকান গেলৌঁ। দস টৈকে রৌচি তীন সএ টৌকা লর ঘর এলৌঁ। পলৌ খিচড়ী আ অলুক সন্না রঁললে ভেলী। জলদীএ খেলাগ আ ট্রেন পকড়ৈলে পবসা কাঁলটে রিদা ভেলৌঁ। ট্রেন পকড়ি ঘোঘবডীহা এলৌঁ। সাগকিলক টাএর–ট্যুরঁ কীনি রৌলহা–রঁথলাহা চৌক দিস রিদা ভেলৌঁ। লগধগ এক রঁজে চৌকপর পহুঁচলৌঁ। মিস্ত্রীকেঁ দোকানপর নৌ দেখলে পতা কেলৌঁ। পানরঁলা কহলক–

"সাগকিলসঁ ভোজন করএ রঁথলাহা গেল অছি।"



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

মিস্ত্রীকেঁ ধব রখনহে ছৈ সেহো বুঝলিঐ। দু রজে মিস্ত্রী এলা। হমরা দেখিতে পুছলনি–
"কহাঁ অছি টৌএব-ঠ্রৈর। নাউ পহিলে অহীক কাজ কর দগ ছী।"
পলবহ মিনটমে ও সাগকিল ঠীক কর দর দেলক। দস টকা ফিটিঁগ চার্জ দর হম সাগকিল লর বিদা ভেলৌঁ। ভবি বস্তা এতরেঁ সোচৈ বহী জে হমর মিরাস প্রমাণ পত্র কেনা রলত। অখনি ধরি আরেদলো জমা লৈ ভেল অছি। সোচলৌঁ কাল্হি ভোরে জলখৈ কর আঠে রজে রব্লৌক দিস বিদা ভর জাএব। তিলসব ভলে চারিটা সোহারী আ অললুক ভুজীআ লর বিদা ভর জাএব। সএহ কেলৌঁ। দোসব দিন হম নঅ রজৈ রব্লৌক পহুঁচলৌঁ। রব্লৌক তারএ রন্ন ভল। সোচলৌঁ জে আগ সভসঁ আগাঁ বহব। সভসঁ পহিলে হমরে কাগত জমা হএত। খেলাগ খাগরেঁব গামেমে বহব। জলখৈ তঁ সংগমে অগছে। নঅসঁ–সাঢ়ে–দস রজল। হ্মদা আফিসক গেটক তালা লৈ খুগল। হম সোচএ লগলৌঁ এতে সমএ ভর গেলৈ হ্মদা অখনি ধরি কিনকো দেখৈ কহাঁ ছী। আফিস কিঅএ লে খুলৈ ছৈ। অ রেদলো কবৈরলা দোসব কিযো রেঁকতী লৈ আএল। কহী আগ ভঁড়ী তঁ লৈ ছৈ। রোডক রগলমে চাহ–পালক দোকান অছি। ওহী দোকানপব জা পুছলৌঁ–
"আগ অাঁফিস রন্ন ছৈ কী?"
দোকানদাব কহলক–
"অহাঁকেঁ লৈ বুঝল অছি। পুর্ব হ্মখাত্রী কাল্হিহে মবি গেলৈ।"
ফেব হম পুছলিঐ–
"কাল্হি খুলতৈ কী লৈ?"
ও হঁসৈত কহলক–
"অহাঁকেঁ লৈ বুঝল অছি, কাল্হি বর্রি ছিঐ।"
হমরা অপলে–আপপব গলানি হুঅএ লগল। দোকানদাব পুছলক–
"কোন কাজ অছি সে। কিঅএ এতে ফিবিসান ছী?"
হম জরাব দেলিঐ–
"যৌ ভাস, হমরা মিরাস প্রমাণ পত্র রলেরাক অছি। চাবি দিনসঁ আরি বহল ছী। হ্মদা কাগত জমে লে ভর বহল অছি।"
"অহাঁ বুড়া ছী।" দোকানদাব চটৈ দর কহি দেলক।
হম পুছলিঐ–
"সে কিঅএ কহৈ ছী?"
রাজল–
"চাবি দিনসঁ ঘুমৈ ছী আ কাগত জমা লৈ ভেল। চাবি দিনমে কমতীমে চালিস–পচাস টাকা খর্চ কর লেলে হএব। ঘবক কাজ হবজা ভেল সে কাত। রজাবমে পীর্শী জীক গমটব লটৈ সেরাপব চলি জগতৌঁ দস টাকা দৈতিঐ আ অহাঁক আরেদন আঁললাগন জমা ভর জাগত কথীলে লাগনমে ঠাঢ় বহএ পড়ৈত।"
অলাযাসে হমরা হ্মঁহসঁ মিকলি গেল–
"যৌ ভাস, ঞা গপ তঁ হমরা বুঝলে লে ছল।"
দোকানদাব ফেব টেকলক–
"কতএ ঘব অছি?"
"সখুআ ভগরটোলী।"
"অহ্লুঁক নবহিয়া রজাবমে গমটবলটৈ সেরা হএত। লৈ তঁ নির্মলীমে তঁ হেরেঁ করত আ ফুলপবাসে সেহো অছি।"
হম পুছলিঐ–
"যৌ ভাস আগ আঁললাগন হএত?"

"नै आगू नै हएत आगू बढ़ब हएत। ढुक्खी दिन सभ बढ़ब बहै छै।"
"सोमदिन फुलपरास चलि जाएब। काज भऽ जाएत।"
हम पानवलाकेँ धन्यवाद दैत गाम दिस विदा भऽ गेलौँ।

सोम दिन जलखै खा एगारह बजे फुलपरास गेलौँ। ओइठाम एकटा दोकानपर जा भाँज लगेलौँ आ जगहपर जा कागत ऑनलाइन करबेलौँ। आ पुछलिऐ-
"प्रमाण पत्र कहिया भेटत ?"
दोकानदार कहलक-
"एक्कैस-बाइस दिन पछाति ब्लौकमे भेटि जाएत।"
हम पुछलिऐ-
"तइसँ पहिने नै हेतै की। हमरा तँ जरूरी अछि। आवेदन करबाक अछि ?"
ओ कहलक-
"हएत तँ ऐछा किरानी बाबूकेँ किछु देबए पड़त।"
"केते देबए पड़तै ?"
"एकटा प्रमाण पत्रक पचास टाकासँ बेसी नै लेबाक चाही।"
"दू-तीन दिन पछाति ब्लौक चलि जाएब आ पता करब। नै हएत तँ कोनो दलालकेँ पकड़ि लेब।"
पुछलिऐ-
"के दलाल छी से केना बुझबै ?"
"यौ भाय, रोड सदस्यसँ लऽ कऽ मुखिया-समिति सभ दलालीए करै छै। से नै बुझै छी। एकरा सबहक अलावे किछु आरो दलाल अछि जे भरि दिन ब्लौक-अनुमण्डल-जिला आ थानामे घुमैत रहै छै।"
हम विचारलौँ जे रोड सदस्य तँ हमरे टोलक छी। जाए छी बातिएमे बात कऽ लेब। बातिमे पहुँचलौँ रोड सदस्य लग। पता चलल अखनि तक ब्लौकसँ नै आएल। हुनक पुत्र कहलनि जे गामा लेटेसँ अबै छथिन से नै तँ भिनसरे आउ।

भोरे रोड सदस्यसँ भेँट कऽ अपन समस्या सुनेलिऐ। कहलथि-
"अहाँ दोसर जगहसँ कागत ऑनलाइन केने छी। तँए काज होइमे कठनाइ अछि। जौँ ब्लौकमे ऑनलाइन करेने रहितिऐ। तँ सए-दू-सए टाकामे काज भऽ जइतौँ। ओना हम जाइ छी किरानी बाबूसँ बात करब। काल्हि भेँट करू।"
अँगना एलौँ तँ पत्नीकेँ सभ बात कहलियनि। ओ कहलनि-
"यौ, मुखियाजी तँ अपने जातिक छथिन। भोँटक समैमे कहने रहथि। हमरा जीता दिअ जाउ। जौँ कोनो काज हएत तँ बिना पाइएक करा देब आ कऽ देब।"
हम कहलियनि-
"से तँ ठीके कहने रहथिन।"
पत्नी कहली-
"एकबेर भेँट करियौ ने। थाहियो तँ लेबै। फेर ने भोँटक समए औत।"

हम मुखियाजी सँ भेँट कऽ सभ गप कहलियनि। कहलनि-
"अखनि हम बड़ बेस्त छी। समपेनो तहत पचासतक खाली जमीन सभपर गाछ-विरिछ लोगबाक अछि। अखनि एक्को पलक छुट्टी नै अछि। हम आगू काल्हि ब्लौको नै जाइ छी। हुनकी अहाँक काजो ऊकड़ अछि। एना करू, अहाँ प्रमुख साहैबसँ भेँट करियौ। ओ भरि दिन ब्लौकेमे रहै छथिन।"
हम कहलियनि-
"प्रमुख साहैबक पति विपीनजी हमर संगीए छथि। विपीन जीकेँ सभ प्रमुख साहैब कहै छन्हि। हुनकर

পনৌ প্রচ্ছখ সাহিরাঁ তঁ রৈসকে-রৈসক ঘোঘবডীমা জাগ ভথিন। রিপীনজী সভ কাজ কবৈ ভথিন। খহাঁ হুনকেসঁ ভেঁট কক কাজ ভ২ জাএত। সকুনক সঁগীও ভথি।”

“সে তঁ ভীহে।” রাঁজি ওতএসঁ হম রিদা ভেলৌঁ।

খগিলা দিন পবসা জা রিপীনজী ওতএ গেলৌঁ, দবরঁজজেপব বহথি। দেখিতে রঁজনা-

“খারঁহ ভাস, খারঁহ।”

একটা ফবসী দেখরৈত রৈসৈক ওশিাবা কেননি। হম ফবসীপব রৈস গেলৌঁ। একটা নড়কা দবরঁজজাপব পঠ৾ত বহএ। ওকবা দু কপ চাহ খানৈলে রিপীনজী কহলখিন। কনীএ কাল পড়াতি ও নড়কা দু কপ চাহ লেলে এলনি। রিপীনজী পুছলনি-

“ভাস, জলো পীরঁহক?”

হম কহলিঐ-

“নৈ জল নৈ পীখরঁ।”

রিপীনজী হমবা তবফ চাহক একটা কপ রঁঢ়ৌলনি খা খপলে একটা কপ লেলনি। দুনু গোটে চাহ পীরঁএ লগলৌঁ। রিপীনজী পুছলনি-

“কেমহেব-কেমহেব খাগমন ভেলহ হেন?”

“তোলেসঁ কিছু কাজ ছল তঁএ এলৌঁ হেন।”

“হমবাসঁ কাে কাজ কহ২, হমবাসঁ জে হএত সে কবরঁহ। তুঁ সকুনক সঁগী ছহ।”

হম হুনকা সভ গপ কহলিয়নি। রঁজলা-

“তোবা কাজমে রঁড় খুসামাদ কবএ পড়ত। কাজো হএত কি নৈ সেহো ঠীক নৈ। তদ্ধমে কষ্ট ছহক খপলোগমে তীনিএ দিন রাঁকী খছি। আঁললাগল কেলা এক্কস-রাঁগস দিনপব প্রমাণ পত্র ভেটৈ ছৈ। তোবা তঁ সে চাবিএ দিন ভেলহ হেন। জৌঁ কিবাণীসঁ কহরঁ, রঁড় জকবী খছি তঁ ও পাঁচ সএ-ছহ সএ মাঁগত। রৈসী এঁঠী-মোচাব কবত। কী কহরঁহ। কহৈত লাজ লোগএ। ফদা তুঁ সঁগী ছহ তঁএ তোবা কহৈ ছীখ। রিনা কপৈখাক কোলো কাজ নৈ হেতহ। হমবো রাঁত কব-কিবাণী নৈ মানৈএ। এলা কবহ একরৈব তুঁ খপলেসঁ পবিয়াস কবহক। জৌঁ কাজ ভ২ জেতহ তঁ রঁড় নীক নৈ তঁ হম তঁ ছীহেঁ। জে কপৈখা খর্চ হএত হএত। কাজ তঁ কবক খছি।”

হম মোচলৌঁ কিএক লে কিবাণীসঁ ভেঁট ক২ খপলেসঁ কোশিশ কবী। সএহ কেলৌঁ। কাল্হি পহুঁচলৌঁ। পতা লগরৈত কিবাণীসঁ ভেঁট ক২ সভ রাঁত কহলিয়নি। তঁ কিবাণী ফবাবীজী রঁজলা-

“খখনি তঁ মোলহ দিন রাঁকী খছি।”

হম হাথ জোড়৾ত হুনকাসঁ খাগ্রহ কেলিয়নি-

“জৌঁ খপলক দূপা হএত তঁ খাগও হমব কাজ ভ২ সকৈএ। রঁড় ঙপকাব মানরঁ। খপলে জে কহরঁ, হম তৈয়াব ছী।”

ফবাবীজী রঁজলা-

“দু সএ টৌকা জমা কক। তীন রঁজে পড়াতি খহাঁক নিরাস প্রমাণ পত্র িনস্কাত ক২ দেরঁ।”

হম আঁললাগলরৈলা বসীদ খা একটা নমবী হুনকা হাথমে দৈত কহলিয়নি-

“খারঁ মাফ কএল জাঙ।”

ও কহএ লগলা-

“নৈ হএত, কমতীমে পচাসো টৌকা ওব দিযৌ।”

হম একটা পচস্টকহী ওবো দেলিয়নি।

ফড়ী ডোলরৈত কহলনি-

“খখনি জাঙ, তীন রঁজে ভেঁট কবরঁ।”

তীন রঁজে হুনকাসঁ ভেঁট কেলিয়নি। ও হমবা িনবাস প্রমাণ পত্র দেলনি। হম হুনকা ধৈনরাদ দৈত রিদা ভেলৌঁ। f

নিপ্ততবাম

"ভোবে-ভোব নিপ্ততবাহাক দর্শন ভ২ গেন। শ্বাগ শ্বনজনো হএত কি নৈ সে নৈ জানি।"
ঞ কহি গুবহারানী স্হঁহ রিজকারঁএ নগনী। বীতা রঁজনী-
"গগ মাএ, তোঁ কী রঁজৈ ছেঁ। ঞ সভ মাত্র কহরী ছিঐ। ওহো তঁ মন্বখে ভথিন। ভগরান রৈঁটৌ নৈ দেনখিন তঁ ও নিপ্ততব ভ২ গেন। কোনো রাঁম তঁ নৈ ভথিন। দুটা রৈঁটী ভনহিহেঁ। একটা রী.এ. ফাগ্ননমে পঢ় ভনহি শ্বা দোসব ওষ্টবক পবীক্ষাক ফার্ম ভবনে ভথিন। শ্বপনো রী.এস.সী. পাস কেনে ভথিন। বাজনীতি সেহো কবৈ ভথিন। হুনকব ভাষণ রঁড় জোবগব হোগ ভনহি। স্বনৈ ভী ও সাহিত্যকাবো ভথিন। এহেন নোকক দর্শনকেঁ শ্বধনা রুঁনৌ ছিনী?"
গুবহারানী কহনখিন-
"গগ তুঁ কী রুঁমরিনী। নিপ্ততব মন্বখক দর্শন রঁড় শ্বধনা। পছিনা সান হম উজানা ট্রেনিগমে শামিন হোগনে ঘোঘবডীহা জাগত বহী, ওগ নিপ্ততবাহাক দর্শন ভ২ গেন। পাঁচে মিনট নেন ট্রেন ভুষ্ট গেন। সভ দিন তঁ ট্রেন নেটে বহ ভন হ্দা ওগ দিন ঠীক সাঢ় দস রঁজে খুগি গেন। হমবা ট্রেনিগমে জেনাগ জরুবী ভন পছাতি তোহব পাপা মোটব সাগকিনসঁ ঘোঘবডীহা পহুঁচৌননি, জগসঁ হুনকা শ্বপনা স্কুন পহুঁচৈমে দেবী ভ২ গেননি। ওহী দিন ডী.ও. সাহেব এগাবহ রঁজে রনগামা হাগ স্কুনপব শ্বাএন বহথি। তোহব পাপা সাঢ় এগাবহ রঁজে স্কুন পহুঁচন ভেনখুন। শ্বদহা ঘন্টা সমএ হুনকা দেবী ভ২ গেন বহনি। ডী.ও. সাহেব হুনকাসঁ স্পষ্টীকবণ মাগনকনি। ওহী দিনসঁ হম নিপ্ততবাহাক দর্শনকেঁ খবাপ রুঁনৌ ভী।"
বীতা রঁজনী-
"ঞ সভ সংজোগক রাত ভী। তুঁ তঁ মাস্টবী কবৈ ভীনী। পঢ়ন-নিখন ছেঁ। তখনো এঁ রুঢ়িরাদীকেঁ মানৈ ভীনী? কহ তঁ জৌঁ ঞ রাত রিমনকাকাকেঁ পতা চনতনি তঁ হুনকা কেতেক দুখ হেতনি? হমবা রিশ্বাহমে ও কেতে খটৈন বহথি। সভ রবিযাতীকেঁ ভোজন কবা সরহক পাত রিমনেকাকা ফেঁকনে বহথিন।"
"সে তঁ তুঁ ঠীকে কহ ছেঁ। তোবা রিশ্বাহমে ও রঁড় খটৈন বহথিন। হ্দা জহিয়া হমব ট্রেন ভুষ্ট গেন শ্বা তোহব পাপাকেঁ ডী.ও. সাহেব ঝমেনামে দ২ দেনখিন তহিযাসঁ ওকব দর্শনকেঁ হম রঁড় শ্বধনা রুঁনৌ ছিঐ।"

ঞ সভটা রাত গুবহারানী শ্বা হুনকব রৈঁটী বীতাক রীচ চনৈ ভন জখনি রিমনজী নির্মনী জাগত বহথিন শ্বা হুনকে দেখ ক২ গুবহারানী স্হঁহ রিজকরৈত রাজএ নগন বহথিন। গুবহারানীক মকান সড়কক কাতেমে শ্বছি। মকানমে সড়কো দিসসঁ ওসাবা ছৈ। তহী ওসাবাপব দুনু মাগধী রৈসন ভেনী।

রিমনজী রী.এস.সী. পাস ভথি। হুনকব উমেব নগধগ চানিস রর্খ ভনহি। কখনো কান মৈথিনীমে কথা-করিতা-হৈকু-টনকা-রাকা সেহো নিখৈ ভথি। পাঁচ রর্খ তক একটা সংস্কৃত উচ্চ রিদ্যানযমে রিজ্ঞান রিযযক পদপব শিক্ষণক কাজ সেহো কেনা। স্কুন মঞ্জুব নৈ ভেনে রেবোজগাবে বহি গেনা। সামাজিক কাজমে রুচি সেহো ভনহি। হিনকা দুটা রৈঁটীএটা ভনহি। রঁড়কী রৈঁটী রীণা রী.এ. ক২ বহন ভথিন শ্বা ভোটকী গটৈব।

গুবহারানীক পতি দিনেশজী রনগামা উচ্চ রিদ্যানযক প্রধানাধ্যাপক ভথিন। গুবহারানী গামেক প্রাথমিক স্কুনমে শিক্ষিকা ভথিন। দুটা রৈঁটী শ্বা একটা রৈঁটা ভনহি। জেঠকী রৈঁটী বীনা সাস্বরাস ভথিন। ভোটকী রৈঁটী বীতাক রিশ্বাহ কনীয শ্বভিযাঁতাসঁ ভেন শ্বছি। গঁজীনিযব সাহেব ঝাবখণ্ডমে নোকবী কবৈ ভথিন। নর-নর নোকবী ভনহি। তঁএ বীতা শ্বখনি নৈহবেমে শ্বছি। সভসঁ ভোট সংতান সংদীপ ভনহি।

বীতা সোচএ নগনী, মাএক রিচাব কেতেক সংকুচিত শ্বছি। রিমনকাকা সমাজক সরহক দুখ-স্বখমে হাথ রঁটৈরৈঁ ভথিন। কেকবো রৈঁটীক রিশ্বাহমে রিম্ব রঁজৌনে জা শ্বপনা সক্ক ভবি মদতি কবৈ

ছথিন। হমর পাপা তঁ কিছু সুদি লেল কেকরো পাঁচো রুপৈয়া লৈ দেল ছথিন। বড়কী বহিন বীনা কহিয়াসঁ একটা টেলীবিজন লেল জিদ্দো করৈত রহলা ও পাপ বহিতো সাধারণ মাশিক পূর্তি লৈ কর পরৈ ছথিন। জখৈনকি এক মাসক দবমাহা মিলা কর অসপ্তী হজারসঁ ঊপরে হোএ ছলহি। তৈপরসঁ কমতীমে বীস হজার রুপৈয়া মহিনা সুদি-বিয়াজসঁ আমদনী অলগ ছলহি। হদা হমর মাএ-বাবু এক দস্তারক মখীচুস। বিমলকাকা হমরা পাপাসঁ নীক লোক ছথিন। এহেন নীক লোকক প্রতি মাএক ওহ সোচ ছলহি।

দিনেশজী বেটা সন্দীপ ভোপালমে ওঞ্জীনিয়রক পঢ়াই কর রহল অছি। ডোনেশনপর নামাংকন ভেল ছৈ। তীন বের কম্পীটীশনমে বৈসলা পড়াতি সফল নৈ ভর সকলৈ তখনি জা কর ডোনেশন দর পিতা নাঁও লিখৌলকনি। আগ-কাল্হি সন্দীপ গামে অছি। মাএ-বাপক দুলরুআ বেটা।

বিমল জীক মামাকেঁ বকরী মাবি দেলকনি। হুনকা ওপাজ লেল আর.বী.মেমোরিয়াল, নেহেরিয়াসরায়মে ভর্তী করৌল গেল। বিমলজী সেহো সংগে বহথিন। এক সপ্তাহক ওপাজক পড়াতি স্বাস্থমে সুধার হুঅএ লগলনি। বিমলজী চাহ পীবৈলে আর.বী.মেমোরিয়ালক বাহর এলা তঁ হুনকর নজরি দিনেশজীপর গেলনি। দিনেশজী একটা বোলেরো গাড়ীসঁ উতরৈ ছলা। বিমলজী গাড়ী লগ পহুঁচলা তঁ গাড়ীমে সন্দীপকেঁ বেহোশ দেখলথিন। গুরহোরানী গাড়ীএমে ছেলী। বিমলজী পুছলথিন-

"কী ভেলৈএ সন্দীপকেঁ? একরা মাথমে পট্টী কিঅএ বান্হল ছৈ?"

গুরহারানীক আঁখিসঁ দহো-বহো নোর জাএ লগলনি। দিনেশজী কহলথিন-

"পহিলে সন্দীপকেঁ উতারি ভীতর লর চলু। ভর্তী করা ওপাজ চালু করাউ। হালতি বড় খরাপ ছৈ।"

মোটর সাএকিল দুর্ঘটনামে সন্দীপকেঁ মাথা ফাটি গেলৈ। বড় রক্ত বহলৈ হেন। খুন সেহো চঢ়বৈএ পড়তৈ। ফুলপরাস রেফরল অস্পতালমে পট্টী বান্হি ডী.এম.সী.এচ. রেফর কর দেলকৈ। পহিলে তঁ ডী.এম.সী.এচে. অস্পতাল লর গেল হরথিন দিনেশজী হদা ওগঠাম ডাক্টর সবহক হড়তালসঁ বন্ন বহলে গাড়ী ঘুমা আর.বী.মেমোরিয়াল নিজী অস্পতাল আনল গেল।

বিমলজী আ দিনেশজী দুনু গোরে সন্দীপকেঁ উঠা অস্পতালক ভীতর লর গেলথিন। ওমরজেন্সী বার্ডমে ভর্তী করৌল গেল। ডাক্টর সাহৈব কহলথিন-

"রোগীকেঁ বড় খুনক কমী ভর গেল অছি। জলদী পহিলে খুনক বেবস্থা করৈ জাউ।"

সন্দীপক খুনক জাঁচ ভেল। জে গ্রুপক খুন সন্দীপক শরীরমে ছল ও গ্রুপক খুন অস্পতালমে উপলব্ধ নৈ ছেলৈ। দিনেশজী আ গুরহারানী সেহো দুনু গোটেক খুনক জাঁচ ভেল। দিনেশজী খুনক গ্রুপ সন্দীপক খুনক গ্রুপসঁ মিলল। এক বোতল খুন নিকালি তকোল সন্দীপক ওপাজ শুরু ভেল। ডাক্টর কহলথিন-

"এক বোতল আরো চাহী।"

দিনেশ জীক শরীরসঁ অখনি আরো খুন নৈ নিকালল জা সকৈ ছল। কিএক তঁ কমজোর জকাঁ বুঝা বহল ছেলথিন। বিমলজী ডাক্টরসঁ অপন খুনক জাঁচ করবৈলে কহলথিন। হুনকা খুনক গ্রুপ সন্দীপক খুনক গ্রুপসঁ মিলি গেল। বিমলজী ডাক্টরকেঁ কহলথিন-

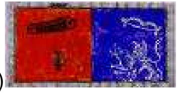
"জেতে খুনক খগতা অছি। হমরা দেহসঁ নিকালি সন্দীপকেঁ চঢ়া দিয়ৌ।"

তকোল খগতা ভরি খুন বিমল জীক দেহসঁ নিকালি সন্দীপকেঁ চঢ়া ওপাজ বঢ়া লৈ গেল। জখনি বিমল জীক দেহসঁ খুন নিকালি সন্দীপক দেহমে ডাক্টর চঢ়বৈত বহথিন তখনি বিমলজী দিনেশ জীকেঁ কহলথিন-

"চলু এক-এক কপ চাহ পীবী। চাহো পীঅব আ গপো করব। ভৌজীলে চাহ সেহো নেনে আএব। জগহপর আবি গেল ছী ওপাজো ভাগএ বহল অছি। ভগবানক কৃপাসঁ আব সন্দীপকেঁ কিছু নৈ হএত।"

দুনু গোটে চাহক দোকানপর জা দোকানদারসঁ বিমলজী দুটা চাহ দেবলে কহলথিন। দোকানদার দু কপ চাহ পকড়া দেলক। দুনু গোটে চাহ পীবএ লগলা। বিমলজী পুছলথিন-

"আব কহু সন্দীপক মাথ কেনা ফাটল?"


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

দিনেসজী কহলখিন–

“অহাঁকেঁ তঁ বুঝলৌ অছি সঁদীপ ক্রিকেটক পাছু বঁতাহ অছি। আগ ফাঁসাবপ্পবমে ক্রিকেটক মৈচ ছল। সবেবে আঠ বজে মোটব সাগকিলসঁ বিললা ন২ বিদা ভেল। গাড়ী পব তীন গোটে বৈস গেল জখনি ফুলপবাস মোহিনা চৌকসঁ বঢ়ল তঁ একটা ক্ততা মোটব সাগকিলসঁ টকাবা গেল। গাড়ী স্পীডমে বহি নাচি ক২ সকড়পব গিবল। তখনে ওকব কপাব ফাটি গেল। হেলমেটে পহিনা সংগীকেঁ দেলে বহএ।”

ঘণ্টা ভবি পড়াতি সঁদীপ হোশিমে আএল। আঁখি খোললক। ডাক্টব কহলখিন–

“আব খতবাক কোনো ডব নৈ। সঁদীপক জান বাঁচি গেল।”

ওবহাবানী ভবি পাঁজমে বিনল জীকেঁ ন২ কানএ লগলী–

“বৌআ যৌ বৌআ, আগ অহাঁ নৈ বহিতৌঁ তঁ হমবা বেটাকেঁ কী হোগত সে নৈ জানি যৌ বৌআ। হম অহাঁক দর্শনকেঁ বড় অধলা বুঝৈ ছেলৌঁ। হমবা মাফ ক২ দিঅ যৌ বৌআ।”

বিনলজী বজলখিন–

“হমবা খুন দেলাসঁ সঁদীপ বাঁচি গেল। হমবা লেল এসঁ পৈঘ কাজ দোসব কী ভ২ সকৈএ। ভগবান সঁদীপকেঁ জল্দী স্বস্থ কবথুন, সএহ কামনা অছি।”

ওবহাবানী সোচএ লগলী, এহেন পৈঘ বিচাবক লোকক প্রতি হমব কেতেক খবাপ সোচ ছল। বীতা ঠীকে কহৈ ছল...।

ওবহাবানীক আঁখিক নোব বন্ন নৈ ভ২ অনববত বহিতে বহলৌ।

f

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

মহাজন

"মহাজন গোড় লগৈ ছী।"
"নিক্ক রহথ। কহথ হজারী নিক্কনা বই ছহ কিনে ?"
"কী নিক্ক রহব মহাজন। অখার আর্রি গেল ম্দা অখনি ধবি খুঞ্জাগব রবিদ নৈ আএল।"
"কিঅএ, পহুলকা রবিদ কি ভেলহ।"
"পহুলকা রবিদ মবি নে গেল। ডকহা ভ২ গেল বই। এক হজাব টাকা শ্যামজী ডাক্টবকেঁ দেলিয়নি। ওহো বড় মেহনতি কেলনি ম্দা হমব ভাগযে খবাপ অছি। রবিদ নৈ বাঁচি সকল। শ্যামজী অপন মেহতানা কিছু নৈ লেলনি খালী দবাইএক দাম লেলনি। বড় নীক লোক ছথিন শ্যামজী।"
"অচ্ছা কেতে দামক রবিদ লেবহ।" লগলেস্ববে লালবাবু পুছলখিন।
"রবিদক দামমে তঁ আগি লগল অছি। পচীস হজাবসঁ কমমে জোতৈ জোকব তঁ হেবে নে কবত।" হজারী বাজল।
লালবাবু ফেব পুছলখিন-
"অখনি লেবহ কপৈআ ?"
"নৈ মহাজন, এতেক কপৈআ ঘবমে বখলাগ নৈ ঠীক হএত। ফুসক ঘব ছী চোবি ভ২ জাএত তঁ উহো আফদে। কাল্হি জখনি লোফা হাইট জাএ লগব তখনি লেব।" হজারী কহলক।
লালবাবু বাজলখিন-
"ঠীক ছৈ জেহেন তোহব বিচাব।"

লালবাবু আ হজারী দুনু গোটেক ঘব মৈলহা গামমে। ম্দা টৈল অলগ-অলগ। লালবাবুক ঘব আমতটৈলীমে জখনকি হজারীক ঘব খতবেটৈলীমে। অলগ-অলগ টৈল ভেলে সভ ঘষ্টনা সভ নৈ বুঝি সকএ। তঁএ হজারীক রবিদ ডকহা কিনারীসঁ মবল ও বাত লালবাবুকেঁ নৈ মালুম ভ২ সকল।

লালবাবুক পুবা নাওঁ ধনীলাল বাউত ছিয়নি ম্দা সভ কিয়ো হুনকা লালবাবু কহৈ ছনহি। আব তঁ মহাজন সেহো কেতে লোক কহৈ ছনহি। বাপক একলৌতা বেটৌ। বুঝু, ছোট-ছীন জমীনদাব। পক্কাক ঘব। সমুচা ঘব আ দববজ্জো দেবালসঁ ঘেবল আগুমে লোহাক ফাটক। সভ কিয়ো হুনকা ঘবকেঁ হবেলী কহৈত অছি। দববজ্জাগব পতিয়ানী লগল বখারী ছনহি। পিতাক আমলদাবীমে সভটা বখারী ধানসঁ ভবল বহৈ ছল। জৌঁ কোনো সাল রৌদী ভ২ জাগ ছেলৌ তঁ লোককেঁ খেনাগমে দিক্কত নৈ হোগ তগলে পোখবি উবাহৈ ছলা। পোখবিমে কাজ কবৈরলা বৈকতী সভকেঁ জলখৈ-কলৌক অলাবে পাঁচ সেব ধান বোগাস দগ ছেলখিন। অখনো গামমে পাঁচটা পোখবি লালবাবুকেঁ ছনহি। জগমে মাছ পোসল জাগএ। হাল ধবি হুনকা দববজ্জাগব হাথী-ঘোড়া আ পাঁচ জোবা রবিদ ছেলনি। ম্দা অখনি তঁ সমএ বদলি গেল অছি। আব, ঘোড়া তঁ দব-দেহাতমে অছিয়ো ম্দা হাথী তঁ সবকস্টৌমে দেখৈ ছী। হাথীক জগহগব লালবাবু বোলেরো গাড়ী, ঘোড়াক জগহগব বুলেট মোটব সাগকিল বখনে ছথি তহিনা রবিদক কাজ টৈকটবসঁ কবৈ ছথিন। অখনো হুনকা কমতীমে অসসী পচাসী বীঘা খেত হেতনি। সিনিংগ একট এলাসঁ কিছু জমীন হুনকব পিতা বেটৌকেঁ লিখি দেনে বহথিন। জন-মজদুব নৈ ভেটৈক কাবণ কিছু জমীন লালোবাবু অপনা হাথে বেচি দেলখিন। জমীন বেচলাসঁ জে কপৈআ ভেল বহনি ওহীসঁ লগানী-ভিবানী কবৈ ছথি। মাত্র পাঁচ বীঘা খেত জে ঘব লগ ছনহি সে অপনাসঁ উপজবৈ ছথি বাঁকী সভটা মমখপ লগেলে ছথি। কমতীমে পলবহ-সোলহ সএ মন ধান অখনো ভ২ জাগ ছনহি। পাঁচ সএ মন ধান বখারীমে ঠাবি বাঁকী ধান বেপারী হাথে অগহন-পুসমে বেচি দগ ছথিন। অখনি হুনকব ম্খ্য পেশা লগানী-ভিবানী ভ২ গেল অছি। অপন গাম ছোড়ি পাস-পড় াসক দস গামমে হুনকব লহনাপাতী চলৌ ছনহি। ধান সবাগগব দগ ছথিন মানে আসীন-কাতিকমে এক মন ধানক পুস-মাঘমে সবা মন লগ ছথিন আ কপৈআ তীন কপৈএ সৈকড়া সুদিগব। আন গোটে তঁ পাঁচ কপৈএ সৈকড়া সুদিগব লগবৈএ। অনগৌআঁকেঁ জেবৈব বখি অথবা জমীন ভবনা লিখা কর্জা দগ ছথিন ম্দা গৌআঁকেঁ বিস্থি জমীন লিখৌলে আ জেবৈব লেলে

কর্জা দণ্ড ভথিন। জৌঁ কোনো খৌদকা নচবি জাওএ তঁ ওকরা সুদি মাফ ক২ মাত্র মুবি ন২ ফাবকতী ক২ দণ্ড ভথিন।

তেসব সানক গপ ছী। জঁগনক বাঁপকেঁ নকরী নপকি লেনক। জঁগন নানবাবুসঁ পচীস হজাব টৌকা কর্জা ন২ পিতাকেঁ দবভঁগামে ওলাজ করৌনক মুদা পিতা নৈ বঁচি সকলনি। এসকী জঁগন দিল্লীসঁ আএন আ কর্জাক হিসাবঁ স্বনক তঁ ওকরা মাথমে চক্কব আবঁএ নগন। সাঢ় তীন বরখমে মুবি সুদি নগা দোবঁব ভ২ গেন। ও কানএ নগন। দিল্লীসঁ দস হজাব টৌকা মহাজনে নামে পঠেনে ছন। বীস হজাব সঁগ অননে ছন। মহাজনক পএব পকড়ি কানএ নগন। নানবাবু পুছনথিন-

"কহ২ জঁগন কিঅএ কনৈ ছহ?"

জঁগন বাজন-

"মহাজন, অহাঁক কর্জা নৈ সদহা সকনিঐ। বীসে হজাব টৌকা ছৈ। দিল্লীমে দুখিত পড়ি গেনিঐ। কসাএন নৈ ভেলৈ। কেতএসঁ অহাঁ কর্জা সদহাএব। জৌঁ অহাঁক কর্জা নৈ চুকতা করব তঁ সমাজমে বেব-বেগবতাপব কে মদতি করত। সভ কহত জঁগনা বেঈমান অছি।"

নানবাবু বাজনথিন-

"স্বনহ জঁগন, কানএ জুনি। নাবহ কহাঁ ছহ টৌকা।"

জঁগন বৌগনীসঁ টৌকা নিকানি নানবাবুক হাথমে দেনক। নানবাবু কপৈআ গনি বাজনা-

"বীস হজাব ছহ। দস হজাব পহিনে ভেজনে বহক।"

জঁগন ঠাঢ় ভ২ হাথ জোড়ৈত বাজন-

"হঁ মহাজন, বীসে হজাব অছি।"

নানবাবু পুছনথিন-

"আব কহ২ কী কহৈ ছহক?"

জঁগন হাথ জোড়নে বাজন-

"হম কী বাজু মহাজন, কেনা বাজু। অহাঁ এক মুস্ত পচীস হজাব টৌকা দেনে বনী...। কোন মুহেঁ বাজী।"

নানবাবু পুছনথিন-

"আবো কেতে দ২ সকৈ ছহক?"

জঁগন বাজন-

"মহাজন, এসকী আসীনমে জীড়ী কটৈনে পঁজাব জাএব। ওতএসঁ জে কমা ক২ আনব সে অহাঁক পএবপব দ২ জাএব।"

নানবাবু বাজনথিন-

"ঠীক ছৈ। তোনে ধবকাপব ছোড়ি দণ্ড ছিঅহ। জীড়ী কটৈসঁ জে আমদনী হেতহ পহুঁচা জাঔহ২। তোবা ফাবকতী দ২ দেবহ।"

জঁগন একবেব ফেব হাথ জোড়ৈত বাজন-

"জী মহাজন, জে হএত পহুঁচা দেব।"

নানবাবু কহনথিন-

"অচ্ছা জা।"

জঁগন চনি গেন।

নানবাবু এম.এ. পাস ছথি। উমেব সাঠি-পৈসঠি হেতনি। জগ সমৈমে এম.এ.পাস কেনে বহথিন। কতেকো কৌনেজমে প্রোফেসবক নোকবী ভ২ সকৈ ছন মুদা বাবুজী কহনে বহনি জে নোকবী নৈ করহ। অপনে সম্পতিকেঁ নড় রহি-চবাবহ। অহীসঁ বিকাস হেতহ।

নানবাবুকেঁ দুটা বেটা আ দুটা বেটী। দুনু বেটী সাসুর বসৈত। দুনু জমাএ গর্জীমিযব। জেষ্টকা বেটা সর্জীত গর্জীমিযবক পঢ়াগ পঢ়ৈত আ জেঠকা বর্জীত বী.এ.পাস কৎ গামেমে খেতী-পথাবী আ নগাণীক কাজ দেখৈত ছ্দা ঋখনো জুতি নানেবাবুক ভনহি ঘবমে।

নানবাবুক সাব হাগসকুলক শিক্ষক। ও নানবাবুকেঁ কহৈত বহ ভথিন জে আবি হাথ-পএব সম্টু মানে নগাণী-ভিবাণী বনা কাজ বন্ন কৰু। জমানা বদনি গেন অছি। কখনি কে বেগমাণী কৎ নেত তেকব কোণ ঠেকান। ছ্দা নানবাবুপব সাবক বাতক কোনো অসবি নৌ। ঋখনো নগধগ পনবহসঁ বীস নাখ টৌকাক নগাণী ভনহি।

দিযাবী পভাতি র্জংগন পজাবসঁ আএন। ভোবে হবেনীপব গেন। নানবাবু দববস্ফপেব ভেনথিন।
"মহাজন গোড় নগৌ ভী।" র্জংগন গেঁষ্টেপবসঁ হাথ জোড়ৈত বাজন।
নানবাবু বজনথিন-
"আবহ-আবহ র্জংগন। কহিযা এনহ পজাবসঁ?"
"বাতিএ এনৌ হেণ মহাজন।" র্জংগন জবাব দেনকনি।
"অচ্ছা বৈসহ, কেহেণ বহনহ কমাগ-ধমাগ?" নানবাবু পুভনথিন।
র্জংগন জবাব দেনক-
"মিনা-জুনা কৎ ঠীকে বহন মহাজন।" বাজি র্জংগন জমীনপব বৈস গেন।
নানবাবু কহনথিন-
"রিবিচপব বৈসহ নে।"
র্জংগন বাজন-
"নৌ মহাজন, হম নিচ্চেমে ঠীক ভী।"
নানবাবু পুভনথিন-
"হমবা দগনে কেতেক পাগ অননহক?"
"সাত হজাব টৌকা মহাজন।"
"কহাঁ ভহ পাগ নাবহ।"
র্জংগন বৌগনীসঁ টৌকা নিকানি মহাজনক হাথমে দৈত বাজন-
"মহাজন, হমবা ফাবকতী দৎ দিঅ।"
নানবাবু পুভনথিন-
"পজাবসঁ এতবে অননহক?"
র্জংগন বাজন-
"নৌ মহাজন, আঠ হজাব ভেন জগমে পাঁচ সএ তঁ টিকটেমে চনি গেন আ পাঁচ সএ পাবনি নে বখনে ভী। জঁ অপনে কহব তঁ ওহো পাঁচ সএ টৌকা অপনেক পএবপব বখি দেব।"
নানবাবু বজনথিন-
"নৌ, বাখএ পাবনি নে। সান ভবিক পাবনি ভী। দেখহক তঁ বর্জীত হবেনীমে অছি?"
র্জংগন হবেনীক গেষ্টেপব জা হাক দেনক-
"বর্জীত মানিক, বর্জীত মানিক?"
বর্জীত চাহ পীবি বহন ভন। কপ হাথেমে নেনে সোমহা আবি বাজন-
"কহএ র্জংগন, কী বাত ছিঐ?"
র্জংগন কহনক-
"মহাজন অপনেকেঁ খোজ কবৈ ভথিন।"
"চনহ চাহ পীনে অবৈ ভী।" বর্জীতক ষ্ঁহসঁ বহবাএন আ কপীএ কান পভাতি দববজ্জাপব আএন।
নানবাবু বর্জীতকেঁ কহনথিন-
"কপী বহী নিকানহ তঁ।"

বঁজীত খলাবী খোলি বঁহী নিকাললক। নালবাবু ফেবো বাজলখিন–
"জঁগলক নাওঁপব সাত হজাব জমা কৎ দহক আ বঁহী ভেকি দেহক। বেচাবাক বাঁপো মবি গেল। ফিবীমান অছি।" বাজি নালবাবু জঁগল দিস দেখৈত কহলখিন–
"তুঁ জা, পারনি–তিহাবক সমএ ভী। কেতেক বংগক কাজ হেতহ ঘবপব।"
জঁগল হাথ জোড়িত বাজল–
"মহাজন, হমবা ফাবকতী দেনিঐ নে ?"
নালবাবু–
"হঁ হৌ, ফাবকতী কৎ দেলিঐ। স্বললহক লৈ জে বঁজীতকেঁ বঁহী ভেকৈলে কহি দেনিঐ।"
"ধনি ভী মহাজন অপনে।" ওা কহৈত জঁগল নালবাবুক পএব ছুবি প্রণাম কবৈত বিদা ভৎ গেল।

"মব ওা কী কেলিঐ বাবুজী। সাতে হজাব লৎ বঁহী ভেকা দেলিঐ। জঁগলপব তঁ পচপন হজাব টাকা বঁলৈ ছৈ। জগমে তীস হজাব পহিলে দেলে বহএ আ সাত হজাব অখনি দেলক হেন। অঠাবহ হজাব টাকা ছুটি গেল। এনা জে ফাবকতী দেবঁএ লগবৈ তঁ সভ অহিনা কবত।"
"বঁজীত তুঁ তঁ বী.এ. পাস ছহ। মহাজনক অর্থ বুঁঝৈ ছহক ?"
"হঁ বুঁঝৈ ছিঐ। মহা মানে বঁড় জন মানে আদমী। বঁড় আদমী।"
"একটা গপ কহৎ তঁ, গাঁধীজী কেঁ লোক মহাত্মা কিঅএ কহৈত অছি ? আ মহাত্মাক কী অর্থ হোগত অছি ?" নালবাবু ফেব পুছলখিন।
ওা সুনি বঁজীত চুপপে বহলা। চুপ দেখি নালবাবু বাজলা–
"হৌ, মহাত্মাক অর্থ হোগত অছি মহান আত্মা। জেকব অত্মা মহান অছি ওএহ মহান ভেল। আ সে ছলা গাঁধীজী। হুনকব অত্মা বঁড় মহান ছেলনি। দোসবক দুখ দেখি ও তুবত দুখী ভৎ জাগ ছলা। সভ জীবকেঁ সমান নজবিসঁ দেখৈ ছলা তঁএ সভ হুনকা মহাত্মা কহৈত অছি। তহিনা মহাজন, মহা মানে মহান আ জন মানে আদমী। মহান আদমী। মোচহক, লোক হমবা মহান আদমী কহৈত অছি। মহান কথী ? ধনীক ভী তঁএ মহান ? নৈ, জেকব দিল মহান হুঅএ। জেকব আত্মা মহান হুঅএ। জেকব মন মহান হুঅএ। জেকব চবিত্র মহান হুঅএ। ওএহ মহান আদমী হএত আ মহাজন কহৌত। বুঁঝলহক ?"
বঁজীত কহলকনি–
"হঁ বাবুজী বুঁঝি গেলিঐ।"

মৌনহে খতবেঁ টৈলীমে একগোটে বহএ জাহ্মণ। জেহলে পাকল জাহ্মণ কাবী হোওএ তেহলে ওকব চেহবাক বংগ কাবী বহএ। ওহো নালবাবুসঁ মহিস কীনৈলে তীস হজাব টাকা লেলে বহএ। মোচলে বহএ জে দুধ বেঁচি মহাজনক পাগ সঠা দেবঁ। ক্ষদা ভাগ সাথ লৈ দেলকৈ। মহিসকেঁ সাঁপ কাটি লেলকৈ জওসঁ মহিস মবি গেলৈ। নালবাবুকেঁ পতা চললনি তঁ ও জিগেসা কবএ জাহ্মণ ওগঠাম গেলখিন। জাহ্মণ নালবাবুক পএব পকড়ি কানএ লগল। নালবাবু কহলখিন–
"জুনি কানহ, কললাসঁ কোনো লাভ নৈ। ভগবানপব ভবোস কবহ ওএহ পুবা কবথিন।"
জাহ্মণ কনৈত বাজল–
"মহাজন, অহাঁক কর্জা কতএসঁ সঠাএব।"
নালবাবু কহলখিন–
"তীন বাঁপুত কমাগবঁলা ছহ। তীন মহিনা জঁ গাম ছোড়ি দেবঁহক তঁ হমব পাগ সঠা দেবঁহক।"
"হঁ মহাজন, সএহ কবএ পড়ত। দস কট্টা বোগনি বহি গেল অছি। বোগনি কৎ তীনু বাঁপুত নিকলি জাএব।"

জাহ্মণ সএহ কেলক। পাঁচে দিন পড়াতি জাহ্মণ তীনু বাঁপুত দিল্লী জা একটা দালি মীলমে লাগি গেল। দিয়াবতী পড়াতি জেঠকা বেঁটাকেঁ গাম পঠেলক। ওকবা কনিযাঁক পএব ভাবী ছল। জাহ্মণক জেঠকা বেঁটা টৌঠিযা ডবঁল মচঁড। বাঁপ তঁ মহাজনক পুবা টাকা জোড়ি কৎ বেঁটা মাবফদ ভেজলক।

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ক্ষদা চৌঠিয়া প্রবা পাগ নৈ দেলক। ও সোচএ, মহিস তঁ মবি গেল তগ দুখাবে মহাজনক সুদি কিঋএ দের। মুড় দ২ দগ ডী মএহ রঁহত।

চৌঠিয়া নানরাবু এঠাম জা তীস হজাব টৌকা নিকালি ক২ দেলকনি। নানরাবু চৌঠিয়াকেঁ পুছলখিন–

"জাক্ষণ নৈ আএল ?"

চৌঠিয়া জবাব দেলকনি–

"রাউ, মাঘমে ওত। কহলনি হেন রৌগী ছেকি দগালে।"

নানরাবু ফেবো পুছলখিন–

"রাবু সুদি কিছু সে দেরঁএ লেল কহলকহ ?"

চৌঠিয়া রাজল–

"যৌ মহাজন, মহিস মবি গেল। মুড় দ২ দগ ডী মএহ রঁহত। সুদি কেতএসঁ দের ?"

বাজীতো নানরাবুক রাগলমে রৌসল ভল। জবাব খুন। তৈসমে আবি গেল। ঠাড় ভ২ চৌঠিয়াকেঁ কহলক–

"তোবা মহিসক হম ঠেকা লেনে বহিযৌ কী ? সাঁপ কাটি লেলকৌ আ মবি গেলৌ তঁ হমবে পাগ নৈ দেমএ। ফেবো রোগবতা নৈ পড়তৌ কী ?"

চৌঠিয়া রাজল–

"নৈ দের তঁ কী ক২ লের ? গোলী মাবি দেরৌ কী ?"

নানরাবু রাত রঁঢ়ত দেখি রেটৌকেঁ চুপ বইলে কহলখিন আ চৌঠিয়া দিস দেখৈত কহলখিন–

"ঠীক ছৈ। হম পাগ জমা ক২ দগ ডী। জখনি জাক্ষণ ওত তঁ হম গপ কবর।"

চৌঠিয়া কহলকনি–

"আর কিছু নৈ দের মহাজন। রঁনী ছেকি দিও। রাউসঁ কথী গপ কবর ?"

নানরাবু কহলখিন–

"তোঁ জা সে। পাগ তোহব রাবু সে ল২ গেল ভল। তঁএ ওকবেসঁ গপ কবর।"

চৌঠিয়া ভনভনাগত রিদা ভেল।

জাক্ষণ চৌঠিয়াসঁ ফোন ক২ পুছলক–

"মহাজনক কর্জা ফবিছা দেলিহীন ?"

চৌঠিয়া কহলক–

"হঁ তীস হজাব দ২ দেলিএ। ক্ষদা মহাজন রৌগী নৈ ছেকলক।"

তৈগব জাক্ষণ পুছলক–

"আ সুদি রাসতে জে পাঁচ হজাব দেলে বহিও, সে কী কেলহী ?"

চৌঠিয়া রাজল–

"মহিস মবি গেল তঁ সুদি কিঋএ দেতিএ। মুড় দ২ দেলিএ মএহ রঁহত।"

জাক্ষণ কহলক–

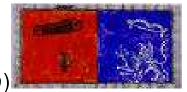
"ওা নীক কাজ নৈ কেলহঁ। তোবা রৌব-রোগবতামে কিযো এক্কা পাগ নৈ দেতৌ।"

চৌঠিয়া রাজল–

"নৈ দেত তঁ হম বুঝব।" কহি ফোন কাটি দেলক।

এক্ক মাস পছাতি চৌঠিয়াক ঘবরালী রবহারালীকেঁ ভোবেসঁ দর্দ শুরু ভেল। চৌঠিয়া আশা লগ গেল। আশা ফোন ক২ অস্পতালসঁ এম্বুলেন্স মঁগৌলক। চৌঠিয়া আশা আ চৌঠিয়াক মাএ রবহারালীকেঁ ল২ ফুলপবাস রেফবল অস্পতাল গেল। এক দুপহবিয়া অস্পতালমে বহল ক্ষদা জন্মাশৌচ নৈ ভেল। এক রজে দিনক রাদ ডাক্টব কহলখিন–

"হিনকা ডী.এম.সী.এচ. ল২ জাএ পড়ত। ভ২ সকৈএ অঁপবেশন কবএ পড়নি।"


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

चौठिया पुछलक-
"ऑपरेशनमे केते खर्चा हेत ?"
"लगभग पनरहसँ बीस हजार टाका तँ पड़िए जाएत। जँ तेलक पाइ जमा कऽ देबैक तँ एम्बुलेंससँ दरिभंगा भेज देबै।"
चौठिया बाजल-
"अखनि तँ पाँचे सए टाका अछि।"
डाक्टर साहेब कहलखिन-
"गाम जा कऽ घंटा भरिमे टाकाक ओरियान कऽ आबह। जतेक देरी हेतह, रोगीक हालति ततेक खराप हेतह।"
आब तँ चौठियाक माथा चकराएल। सोचए लगल, एतेक टाका के देत। महाजन तँ देत नै। हुनकर सुदि नै देने रहिऐ। रंजीतसँ मुहोँ लगा लेने रही। अच्छा गाम जाइ छी। केते गोटेकेँ दारू पीऔने छी। देखौ छिऐ बखतपर के काज आबैए। चौठिया टेम्पू पकड़ि गाम आएल। गाममे जते संगी-साथी, हित-बौंस छल सभसँ पाइ माँगलक मुदा कियो एक्को टाका चौठियाकेँ नै देलकै जइसँ ओकर दिमागे ने काज करै। हारि कऽ बाबूकेँ दिल्ली फोन केलक। सभ गप कहलक। जामुन फोनपर कहलक-
"तूँ महाजनक सुदि नै देलिहीन। तोरा के पाइ देतौ। जँ महाजनकेँ सुदि देने रहितँए तँ जतेक टाका हुनकासँ माँगितीहीन ओ दऽ देतहुन। आ आब कोन मुहेँ हुनकासँ पाइ माँगबेँ।"
चौठियाकेँ अपन गलती महसूस भेल। पिताकेँ कहलक-
"बाउ, हमरासँ गलती भेल। हम पंजाब कमा महाजनक पाइ चुकता करब। तूँ महाजनसँ बीस हजार टाका बेवस्था करा दैह।"
जामुन बाजल-
"तूँ महाजन लग जो। हुनकासँ गलती माफ करौले निहोरा करिहनि आ सभ गप कहियनि। हुनकर कलेजा बड़ कोमल छन्हि। हमरा बिसबास अछि जरूर मदति करथुन। अगर नै देतहुन तँ हमरा फोन करिहेँ आ गप करबिहेँ।"
चौठिया लालबाबू दरबज्जापर गेल। लालबाबू पेपर पढ़ैत रहथिन। चौठिया एक कात ठाढ़ भऽ गेल बाजल किछु नै। जखनि लालबाबूक नजरि चौठियापर गेलनि तँ पुछलखिन-
"कहऽ चौठी केम्हर-केम्हर एलह हेन ?"
चौठिया धरती दिस आँखि गड़ौने बाजल-
"महाजन हमरासँ गलती भऽ गेल छल। माफ कऽ दिअ। हमहुँ अहींक बाल-बच्चा छी।"
लालबाबू पुछलखिन-
"अच्छा, कहऽ की बात अछि ?"
चौठिया सभ गप सुना देलक।
लालबाबू कहलखिन-
"तोरा प्रति तँ हमरा बड़ दुख छह। मुदा तोहर कनियाँक जान खतरामे छह आ दोसर बात जे जामुन नीक लोक अछि। टाका लऽ जा आ नीकसँ इलाज करबिहऽ।" कहैत लालबाबू तिजोरीसँ बीस हजार टाका निकालि चौठियाकेँ देलखिन। चौठिया लालबाबूक पएरपर खसि दुनू हाथे गोर लागि भरल आँखिसँ पहिलका गलती लेल एक बेर फेर गलतीक माफी माँगलक।
लालबाबू कहलखिन-
"जल्दीसँ हस्पताल जा आ कनियाँकेँ लऽ दरिभंगा जा। अबेर भेलासँ रोगीक हालति खराप भऽ सकैत अछि।"
चौठिया टेम्पू पकड़ैले सड़क दिस बिदा भऽ गेल।

f

গোরৈয়াবাড়ী

সখুআ গামসँ উত্তর বিছুল নদী জে পচ্ছিমসँ পূব দিস বহैए। নদী বरसাতী ছী ম্দা কোসী নহবিক পানি নদীমে গিরৌলে অছি তँए প্রায়: বারহো মাস পানি রহैত বহैए। নদীক উত্তর কবৈगাছবলা পবতী। পবতীসँ সटल দক্ষিनক দুরীপর এন.এচ.সড়ক অছি। পবতীসँ উত্তর-পুব এন.এচ. সড়কক দুনू কাত নরছৈলী গাম আ উত্তর-পচ্ছিমমে নবটোলাক ধনজৈয়া ছৈল অছি। নদীমে পক্কা অথবা লোহাক পুল তँ नै अछि ম্দা বাँসক চचरीक নচকা অছি। জैपर দ२ মনुखसँ बे२ क२ बकरी-छकরী, साइकिल-मोटरसाइकिल पार होइत अछि। पवतीक कात-कात लोक सभ अपन जजाति बँचबैक खातिर आरा देने अछि। आरापर जिलेबी, आम, सागोन, कदम आ गुलरिक गाछ सभ अछि। सालो भरि पवतीपर लोक सभ महिंस, बरद, गाए आ बकरी चरबैए। सखुआ दुनू छैलक नरछैली आ धनजैया छैलक मान-जानक अलावे कखनो काल सामनो पड़ोसीक चरबाहा सभ महिंस पवतीपर बे२ अबैए तइले कखनो काल सखुआक चरबाहा आ अनगौआँ चरबाहामे बक्का-टेकी सेहो भ२ जाइत अछि। सखुआक चरबाहा सबहक कहब छै जे पवती हमरा गामक सीमामे अछि। तँए एइपर हमहीं सभटा मान-जान चराएब। ম্দা নরছৈলী আ ধনজৈয়া ছৈলক চরবাহা সবহক কহব ছৈ জে পবতী সরকারী ছী তँए এইপর সবহক অধিকার অছি। সভ কিয়ো মান চরৌত।

पहिने तँ पवतीक बड़का बाइस बीघा छल ম্দা অখনি দস-বারহ বীঘাক লগধগ হএত। নদীক দক্ষিন পাঁচ বীঘাক ধতপত পবতী ছল জে জোত ভ२ গেল। উত্তরবরিও পবতীমে সँ লগধগ পাঁচ বীঘা সেহো জোত ভ२ গেল। বঁচলাহা পবতী জোত ভ२ জাইত ম্দা কবৈগাছ ভেলে নै জোত ভ२ সকল। কেতেক বের লোক সভ জোতেক পরিযাস কেলক ম্দা সফল नै ভ२ সকল।

সখুআ গামমে তँ মুসলমান नै অছি ম্দা নবটোলামে অছি। নবহैए গামক মুসলমান সভ এ পবতীপর কব্বর দইলে অবैত বহৈ ছথি। এ পবতীপর খালী মালेটা नै চরৌল জাইए বল্কি গুড় ইগুডী, চিকা-চিকা আ গুল্লী-ডাটা ইত্যাদি খেলাএল জাইত অছি।

পবতীপর তীনটা গাছ অছি। দুটা গাছ বরক আ একটা কদমক অছি। চরবাহা সভ অপন-অপন হেঁড় বনা ওই গাছ তর বৈসैए। কোনো গাছ তর তাস-খেলাইত তँ কোনো গাছ তর লুডো আব तँ गाछ तर चरबाहा सभ मोबाइलपर सिनेमा देखैत बहैए। किछु चरबाहा आरा परहक गाछ तर सेहो बैसल बहैए।

एही पवतीपर गोरैय बाड़ी क२ दुखनी अपन गुजर करैत छेली। दुखनीक पति खोलाइ दू साल पहिने मरि गेल। खोलाइ दिनभरिमे लोकरी करै छल। ओतै बोखार लगलै। डाक्टरसँ देखौलक तँ डाक्टर कहलकनि जे कालाजार भ२ गेल अछि। ম্দा पाइक तिरोटमे ठीकसँ इलाज नै भेल। जखनि चलै-फिड़ैमे दिक्कत हुअए लगलै तँ एकटा गाँआ गाम लेने एलै खोलाइकेँ। गाममे दुखनी कर्जा ल२ ग्रामीण डाक्टरसँ इलाज करौलक ম্দा बिमारी ठीक नै भेलै। दिनभरिसँ एला महिने दिन पछाति खोलाइ अपन पत्नी दुखनी आ तीन सालक एकटा बुच्चीकेँ छोड़ि दुनियाँसँ बिदा भ२ गेल। दुखनी उपर दुखक पहाड़ टुटि खसल। कनैत-कनैत दुखनीक आँखि लाल भ२ फुलि गेलै। छैल-पड़ोसिक लोकक अलावे नहिरासँ भाए-बाप आबि दुरा बन्हेले कहैत पाँच दिन तक बहि दुखकेँ बाँटि संगे नहिरा चलैले कहलकै। ম্दा दुखनी नै गेल। एक पखवाड़ा तँ सोकेमे डुमल रहली। बेटी बुचनीक मुँह देखि फेरसँ काज-बाज करए लगली। आब दुखनी पवतीपर गोरैय बाड़ी छिपड़ी पाथि निर्मली बजारमे बेचि अपन गुजर-बसर करए लगली।

दुखनीकेँ एकटा बेटीए टा। प्राय: तहू दुआरे दुखनीक माए-पिता दोसर चुमौन करैले कहलक ম্दा दुखनी तैयार नै भेल। दुखनीकेँ मात्र दू कट्ठा घराड़ीएटा अछि। मान-जानक नाओंपर एकटा बकरीएटा। घर फुसक उँहो चुबिते। ओही घरमे भानसो-भात करैत, बकरीओ बन्हैत आ दुनू माय-धी सुतबो करैत। भोरे किछु खेलाइ बना खा-पीब घरमे फड़्डक सटा बकरी आ बेटीकेँ ल२ दुखनी

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

পবতীপব চলি জাগত ছল। পবতীপব রঁকবীও চবরৈএ, রেঁটীওকেঁ খেলরৈএ আ গোরঁলো রীড্ডি-রীড্ডি জমা কবৈএ। পবতীএপব গোরঁবক চিপড়ী পাখি স্বখৈলে ছোড়ি দওএ। সুখলা পড়াতি পাসপব আমি-আমি বাখৈএ আ তেসবা দিনপব নির্মলী জা রেঁচরৌ কবৈএ। ঐ খেপ নির্মলী রঁজাবমে সকুল জাগত দিসা-পুতাপব নজবি পড়লৌ। এক্কা বঁগক কপড়া পহিবলে রঁচ্চাকেঁ সকুল জাগত দেখি দুখনীওকেঁ অপন রুঁচনীপব দিযান গেলৌ। সোচএ নগন, হমবা রুঁতে তঁ রুঁচনীকেঁ রেঁসী পঢ়ৌল লৈ হএত হৃদা চিট্টীও-পুজী জোকব তঁ কহুনা কঽ পঢ়রেঁ কববঁ। হমবা জে দুখনীক রাঁপ দিললীসঁ চিট্টী পঠরঁএ তঁ চৃমিসাঁসঁ পঢ়ারী আ চৃমিসেঁসঁ লিখেরৌ কবী। অপনা তঁ পঢ়ল ছী লৈ। তঁএ মনক রাঁত কহিযো রুঁচনীক রাঁপকেঁ লৈ লিখি সকলৌঁ। জেমা চলিএ গেল। ও পছিলা রাঁত সভ মন পড়লে দুখনীক আঁখিসঁ ফেব দলো-রঁলো লোব জাএ নগন।

এমহব আর্বি কঽ দুখনীক সমএ ভাবী ভঽ গেল। কিএক তঁ আরঁ ওকব চিপড়ী রিঁকনাগ কম ভঽ গেল। কাবণ লোকো সভ আ লোট্টলোরঁনা সৌসক ডঁপযোগ কবএ নগন। চালোরঁনা সভ লৌসেপব চাহ রঁনা-রঁনা রেঁচএ নগন। পহিলে তঁ লোগলাপব ভালস কবৈ ছল জগমে চিপড়ীক রেঁগবতা বহরেঁ কবৈ ছেলৌ হৃদা সে আরঁ লৈ বহল। দুখনীক গুজব-রঁসবমে দিক্কত হুঅএ নগন।

দিলক নগধগ রাঁবহ রঁজৈত। ঠেহ্টেলৌআ বৌদমে দুখনী আ রুঁচনী পবতী কাতক আবাপব গাছ তব রৈসল ছল। রঁকবীও নগেমে ছেলৌ। তীন ছিট্টা গোরঁব রীড্ডি জামা কেলে ছেলী। রৈসল-রৈসল সোচৈ ছেলী, চিপড়ী রীকরঁ তঁ কমি গেল হেন হৃদা দোসব কাজো তঁ লৈ অছি। তখলে রুঁচনী মাএকেঁ কহলক-

"মাএ গৌ, ভুখ নগন অছি।"

দুখনী রেঁটৌ দিস দেখএ নগন সহজে-সহজে আঁখিসঁ লোব রঁহএ নগলৌ। চুপ কবৈত গাসপব রিদা ভেল। ভবি বস্তা এতরেঁ সোচৈ ছেলী জে আগ তঁ ঘবমে কিছ লৈ অছি রেঁটৌকেঁ কথী খুআএরঁ আ অপলে কেনা বহরঁ। বসতেমে আঁগনরাড়ীক কেন্দ্র পড়ৈত অছি। কেন্দ্রপব দিসা-পুতাকেঁ থাবী লেলে পাঁতিমে রৈসল দেখলক। হাঁও-হাঁও নফবল চলি ঘবপব জা ছিপা খোঁপ রুঁচনীক হাথমে দঽ কেন্দ্রপব জাগলে দুখনী কহলক। পাছু-পাছু অপলো আএল। সহাসিকা জখলি খিচড়ী পবসএ নগনী তঁ রুঁচনীপব নজবি গেললি তঁ পুছলখিন-

"তুঁ তঁ পহিলে লৈ আএল ছেলেঁ? তোবা লে তঁ খিচড়ী লৈ রঁনল অছি।"

সেরিকা সহাসিকাক রাঁত সুনি রঁজনী-

"অচ্ছা, কী হেতৈ। ওকবো থাবীমে খিচড়ী দঽ দিযৌ।"

সেরিকাক নজবি দুখনীপব গেল তঁ দুখনীকেঁ নগ রঁজা পুছনী-

"অহুঁ অপলো রেঁটৌকেঁ কিঅএ লে কেন্দ্রপব পঠরেঁ ছী?"

দুখনী কহলকনি-

"কী কহু দীদী। একব রাঁপ দু রঁবখ পহিলে মবি গেল। তঁএ একো বতী নীক লৈ নগৌএ। রেঁটৌ নগমে বহঁএ তঁ সঁতোখ হোওএ।"

রিঁচ্চেমে সেরিকা রঁজনী-

"দেখু জে মবি গেল ও তঁ দুনিসাঁসঁ চলি গেল। অহাঁ অপলা রেঁটৌকেঁ ভরিস কিঅএ খবাপ কবৈ ছী। কেন্দ্রপব ওত তঁ কিছ সিখরৌ কবত আ নীক সঁস্কালো হেতৈ। ভিনসবমে জলখৈ আ দুপহবিযামে খেলাগ সেহো খাএত। আরঁ তঁ সবকাব অঢ়াগ সএ টাকা রঁচ্চাক কপড়া লেল সেহো দগ ছৈ।"

দুখনী রঁজনী-

"দীদী, কাল্হিসঁ হমহুঁ অপনা রুঁচ্চীকেঁ কেন্দবপব পঠাএরঁ।"

দুখনী অপন সভ দুখবা সেরিকাকেঁ সুনা দেলক। রাঁচলাহা খিচড়ী দুখনীকেঁ সেরিকা দঽ দেলক। দুখনী সভ রাঁসন খোঁপ-মাজি সহাসিকাকেঁ দঽ অঁগনা আবি গেলী।

আর দুখনী আঁগনে-আঁগনে বর্তন মাজি গুজর করএ লগলী। দুখনী অছি তঁ বড় গরীব তদ্যপি মানোমাত-বৌসহাবা স্নদা বেচারী অছি ওমানদার আ স্বাভিমানী জে কোনো মনুখক সভসঁ পৈঘ গুণ হোইএ।

এক দিন দুখনীকেঁ বাটপর একটা মোবাগল ভেটল। মোবাগল লঽ দুখনী আঁগনা অবৈ ছলি। তখনে বাটপর বুঁচকুন দুখনীক খাে ঁইছামে মোবাগল দেখলক। দেখিতে পুছলকৈ-

"অহাঁক খোঁইছামে মোবাগল দেখৈ ছী! কহিয়া লেলौं?"

দুখনী বাজলি-

"ই মোবাগল বাটপর ভেটল। জেকর হএত তেকরা দঽ দেব।"

বুঁচকুন কহলকৈ-

"দেখৌं কেহেন মোবাগল অছি।"

দুখনী দেখএ দেলকৈ। মোবাগল নবে বই। কমতীমে তীন হজারসঁ ঊপরেক। বুঁচকুনকেঁ লোভ আবি গেলৈ বাজল-

"পাঁচ সএ টাকা দএ ছী হমরা দঽ দিঅ।"

"নৈ মৌ বৌআ, হম মোবাগল নৈ দেব আ নে বেচব। জেকর হএত তেকরা দঽ দেব।"

দুখনী বুঁচকুনক হাথসঁ মোবাগল লঽ ঘবপর বিদা ভেল। বহি-বহি কঽ মোবাগলমে গীত বজৈ ছল। দুখনীকেঁ তঁ মোবাগলক কোনো ভাঁজে নে বুঝল বই তঁ ও রিংগ-টোন বাজি-বাজি বন্ন ভঽ জাএ। আঁগনামে বুঁচনী দেখলক তখনে ফের গীত বাজল। বুঁচনী হবিঅরকা বটম দাবি বাজল-

"হেলাউ?"

ওমহরসঁ অবাজ আএল-

"কে বজৈ ছী?"

"হম বুঁচনী।"

"কে বুঁচনী কেকর বেটী?"

বুঁচনী বাজলি-

"মাএক নাও দুখনী ছী। বাবু মবি গেল অছি।"

ওমহরসঁ ফের পুছলক-

"তোহর বাবুক কী নাও?"

"স্বর্গীএ পোলাগ?"

"ই মোবাগল তুঁ কেতএসঁ অনলীহ?"

বুঁচনী কহলকৈ-

"মাএ দেলক।"

"তুঁ অপনা মাএকেঁ দহী। গপ করা।"

বুঁচনী মাএ হাথকেঁ মোবাগল দৈত বাজলি-

"লে গপ করহী।"

দুখনী বেটীএ জকাঁ মোবাগল কান লগ সটা বাজলি-

"ই মোবাগল হমরা বস্তাপর ভেটল। জেকর হএত তেকরা দঽ দেব।"

ওমহরসঁ অবাজ আএল-

"মোবাগল হমর ছী। হম অবৈ ছী।" কহি মোবাগল বন্ন কেলক।

কনীএ কাল পছাতি মোটর সাগকিলসঁ দু গোটে দুখনী ঘবপর পহুঁচল। ওইমে এক গোটে স্নখিমাজী বহথি। স্নখিমাজী দুখনীকেঁ বজা পুছলথি-

"কহাঁ অছি মোবাগল?"

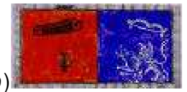
मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

দুখনী মোরাঁগন ঘরসঁ নিকানি হাথমে দ২ দেনকনি। মোরাঁগন ন২ হ্মখিযাজী পাঁচ সএ কপৈআ দুখনীকেঁ দিঅএ নগনখিন। হ্মদা দুখনী কপৈআ নৈ নেনক। আ রাঁজনি–
“হম কপৈআ কথীক নের্ঁ হমবা ভেষ্টন বহএ অহাঁক ভী ন২ জাউঁ।”
হ্মখিযাজী দুখনীক রেঁরহাবগব খুশি হোগত প্বুভনখিন–
“অহাঁকেঁ সামাজিক স্বক্ষা পেঁসন ভেষ্টৈএ ?”
দুখনী জরার্ঁ দেনক–
“হমবা কে দেত পিনসিন উঁ তঁ ধনিকাহা সরঁহক ভী নে। হম তঁ মসোমাত ভী।”
হ্মখিযাজী ফেব প্বুভনখিন–
“অঁত্যোদয ভেষ্টৈএ আকি নৈ ?”
দুখনী কহনকনি–
“নিখা-পঢ়হী তঁ ক২ ক২ গেন হ্মদা অখনি তক কহাঁ ক্ষচ্ভো ভেষ্টন।”
হ্মখিযাজী রঁজনখিন–
“অহাঁ চাব্টিা ফোটৈ ঘীচা ক২ বাখর্ঁ। হম পবসু আরিঁ অহাঁক নাওঁ সামাজিক স্বক্ষারঁনা ফার্ম ভবি পঠা দের্ঁ। অঁত্যোদযমে সেহো নাওঁ জোড়া দের্ঁ। কেতে গোটৈক মবনাসঁ জগহ খানীএ অছি।”

তেসব দিন হ্মখিযাজী আরিঁ ফার্ম ভবি দুখনীসঁ ফোটৈ আ নিশান ন২ রিদা হোগত কহনখিন–
“অগিনা মাসসঁ সভ কিছু ভেষ্টৈত।”

আগ দুখনীক রেঁষ্টী চা`থামে পঢ়`ত অছি। ওকবা সামাজিক স্বক্ষা পেঁসন ভেষ্টৈত অছি। গন্দিবা অরাস সেহো ভেষ্টন জগসঁ ঘবো ভ২ গেনৈ। হনাঁকি ভত নৈ ডুঁপবমে এসরেস্ষ্টসে ছৈ।

f


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

পোষাহাবক গহুম

চনৌবা প্রাথমিক বিদ্যানযক শিক্ষা সমিতিক গঠন ভেন। বঁজন জীক পনী বীতা দেবী সচিব আ অনীনজী অধ্যক্ষ ভেনা। মোহনজী সেহো সদস্য চুনন গেনা।

বিদ্যানযমে ছাত্র সবহক পোযাহাবক নেন সভ মহিনা সবকাব গহুম দৈত ছন আ গবীব ছাত্র সভ নেন পোযাহাবক অনাবেঁ এক রুপৈআ প্রতিদিনক হিসাবেঁ প্রোত্সাহন ভত্তা সেহো দগ ছন। আব তঁ সকুন সভমে মীনুক ম্তাবিক ছাত্র সভকেঁ খেনাগ ভেটৈএ। কহিযৌ খিচড়ী, কহিযৌ কবহী-ভাত তঁ কহিযৌ অণ্ডা-ভাত। জগ সমৈমে পোযাহাবক রুপমে গহুম ভেটৈ ছন তগ সমএ প্রধানাধ্যাপক আ শিক্ষা সমিতিক অধ্যক্ষ নৌকসঁ গহুম উঠা অ ানি ছাত্র সবহক বীচ বঁটৈ ছন। প্রোত্সাহন ভত্তা সকুনক প্রধানাধ্যাপক প্রখণ্ড শিক্ষা কার্যানযসঁ অনৈ ছন আ ওহো ছাত্র সবহক বীচ বাঁটি দগ ছন। ম্দা প্রধানাধ্যাপক সভ ছাত্র সভকেঁ কম গহুম দগ ছন। প্রায়: দু মাসপব পোযাহাবক বঁটৈবাবা হোগ ছন। জগমে এক কিনো কম গহুম ছাত্র সভকেঁ ভেটৈ ছেনৈ। চনৌবা প্রাথমিক বিদ্যানযক প্রধানাধ্যাপিকা সেহো সএহ কাজ কবৈ ছন। প্রোত্সাহন বাশিক বঁটৈবাবামে পাঁচ টাকাসঁ দস টাকা ধবি কম কএ ছাত্র সবহক বীচ বঁটৈত বহথি।

গ্রাম পঁচাযতক চুনাব ভেন। মোহনজী চনৌবা পঁচাযতসঁ পঁচাযত সমিতিক সদস্য চুনন গেনা। প্রম্খ চুনাবমে মোহন জীকেঁ সক্রিয ভুমিকা বহননি। আ হুনকে খেমাক বৈকতী প্রম্খ ভেনা। আব মোহনজী বৈসী কান প্রখণ্ডে ম্খ্যানযমে প্রম্খ জীক সঁগ বহএ নগনা। প্রখণ্ডমে চনৈবনা সভ যোজনাক জানকাবী হুনকা বসে-বসে হুঅএ নগননি। প্রাথমিক বিদ্যানয চনৌবামে ছাত্র সবহক বীচ প্রোত্সাহন ভত্তা আ পোযাহাব বিতবণমে কটৌটী হোগতে ছন। গহুম আ টাকা বঁটৈনা পছাতি জে বঁচৈ ছন ও প্রধানাধ্যাপিকা অসগবে হজম কএ নগ ছেনী। ছঅ মাস ভেন। বিদ্যানযক শিক্ষা সমিতিক অধ্যক্ষ দেখৈত বহনা। আঠম মাসমে জখনি ছাত্র সভকেঁ প্রোত্সাহন বাশি দেন জাগ ছন তখনি শিক্ষা সমিতিক অধ্যক্ষ অনীনজী, সচিবক পতি বঁজনজী আ সমিতি সদস্য মোহনজী তীনু গোটে বিদ্যানযপব গেনা। প্রধানাধ্যাপিকাসঁ প্রোত্সাহন ভত্তাক বাশিক বিতবণক পঁজী নএ নেনা। পঁজীমে ছাত্র সবহক নামক আগু সভ বিদ্যার্থীক হস্তাক্ষব ছন। ম্দা বাশি অঁকিত নৈ ছন। শিক্ষা সমিতিক সদস্য সবহক বিচাব ভেন জে কাহ্হি ঐ পঁজী নএ জা কএ প্রম্খ সাহিবকেঁ দেখৌন জাএ। ও জে সনাহ দেথিন সে কএন জাএত।

প্রধানাধ্যাপিকা বিভা দেবীক পতি শোভাজী গামক দবঁগ নৈকতী। হুনকা জখনি ঐ সভ বাত পতা নগননি তখনি ও মোহন জীকেঁ বঁজা ধমকী দেনকনি। ম্দা মোহনজী পব ওগ ধমকীক কোনো অসবি নৈ ভেন। শোভাজী মোহন জীকেঁ কহনকনি-

"অহাঁ, বিতবণ পঁজী প্রধানাধ্যাপিকাকেঁ আপস কএ দিযৌ নৈ তঁ হম অহাঁপব কেস কবব।"

মোহনজী কহনথিন-

"পঁজী তঁ অধ্যক্ষ নগ অছি। হম কেতএসঁ দেব। গৌআঁকেঁ বৈসাউ হুনকা সবহক জে নির্ণএ হেতনি সএহ কএন জাএত। অহাঁ হমবা নৈকতীগত রুপে কিছু নে কহু। ওনা অহাঁকেঁ জে মন ফুড়এ সে কক। হম ডবেবনা নৈ ছী।"

জখনি ধমকীক কোনো অসবি নৈ ভেন তঁ শোভাজী পঁচাযতক ম্খিযা জীকেঁ বঁজেনথিন। পঁচাযতক ম্খিযাজী সেবা নিবৃত শিক্ষক ছথি। ওহো অধ্যক্ষ আ মোহনজী সঁ পঁজী আপস কবৈনে অ াগ্রহ কেনথিন। ম্দা পঁজী আপস নৈ ভেন। দোসব দিন ভোবে সকুনেপব সম্চচা গামক নোক বৈসন। নির্ণএ ভেন, এতেক দিন প্রধানাধ্যাপিকা জে কেনী সে কেনী ম্দা আব আগুসঁ বাশি বিতবণ অথবা গহুমক বঁটৈবাবামে কটৌতী নৈ কবথি। ম্খিযাজী কহনথিন-

"জখনি গহুম আকি প্রোত্সাহনক বাশিক বিতবণ হুঅএ তখনি সমিতিক সভ সদস্য মৌজুদ বহথি। হুনকে সবহক দেখ-বেখমে সভ কিছু বিতবণ হুঅএ।"

সভ গোষ্ঠে হ্মখিসা জীক বাঁতক থোপড়ী বঁজা সমর্থন কেলক।

মোহনজী নামক লেল শিক্ষা সমিতিক সদস্য বহি গেলা। পঁচাগত সমিতিক সদস্য ভেলাক কাৰণ হুনকা বঁলৌকেসঁ ফুৰসতি লৈ বহৈ ছেলনি। হুনকো দুটা বঁটো ওলী সকুলমে পঢ়ৈ ছল। দু মাসক পছাতি সকুলমে গহুমক বিতৰণ ভেল। মোহনজী অপনা পলীসঁ পুছলখিন–

"এমকী বৌঁআ সভ সকুলসঁ কেতে-কেতে গহুম আনলক ?"

পলী কহলকনি–

"পহুলকোসঁ কিলাট ভবি কম্রা আনলক। পহিলে দু মাসমে পাঁচ কিলো অলৈত বহুএ। এ বেঁব চাৰিএ কিলো আনলক।"

মোহন জীক মাথ ঠনকলনি। পতা লগলনি জে চোৰ-চোৰ মৌসেৰা ভাস। শিক্ষা সমিতিক অধ্যক্ষ আ সচিবকেঁ আৰ কমীশন ভেটৈএ লগলনি। তঁএ এক কিলো গহুম আবো কটৌতী ভ২ গেল। মোহনজী অধ্যক্ষ লগ জা পুছলখিন–

"অলীল বাবু, এমকী তঁ এক কিলাট গহুম আবো কটৌতী ভ২ গেল। অলীলে এতেক নাটক ভেল বহুএ কি ?"

অলীলজী কহলখিন–

"ছোড়ু মোহন ভাস, অহুঁ বঁলৌকমে কোলো যোজনা জাতু গ২। কিছু কমাউ-ধমাউ। অখনি মৌকা অছি। অগিলা চুনাৰমে কি হএত কি লৈ। দেখৈ লৈ ছিএ, পৌঘ-সঁ-পৌঘ লেতা সভ কেতেক নাহৰ ঘোটালা কবৈএ।"

মোহনজী অলীল জীক বাঁত সুনি অবাক্ বহি গেলা। বঁজলা কিছু লৈ। কিছু ফুড় বৈ লে কবনি। থোড়ে কাল পছাতি কহলখিন–

"ঠীক ছৈ, কাল্হি হম বিদ্যালয় শিক্ষা সমিতিসঁ তিযাগ পত্ৰ দ২ দেবঁ। অহাঁ সভকেঁ জে মন ফুড়ত সহুএ কবৱঁ।"

অগিলা দিন মোহনজী শিক্ষা সমিতিসঁ তিযাগ পত্ৰ দ২ দেলখিন। হ্মদা গহুম বিতৰণপৰ নজৰি ৰাখএ লগলখিন। প্ৰায়: দু মাসপৰ গহুমক উঠাউ ক২ ছাত্ৰ-ছাত্ৰামে বাঁটৈল জাএ ছল। দু মাসক এক বেঁৰ ভেটৈ ছেলৌ। দিসম্বৰ আ জনৱৰীক গহুম তঁ বাঁটা গেল ছল। হ্মদা ফৰবৰী-মার্চক গহুম অপ্ৰীলোমে লৈ বিতৰণ ভেল। মঙ্গ সেহো বিতল। হ্মদা গহুমক কোলো পতা লৈ। পাঁচ জুনকেঁ সকুলক প্ৰধানাধ্যাপিকা আ অধ্যক্ষ গহুম উঠা ক২ আনি সাত জুনসঁ বঁটৱাৰা শুৰু কেলনি।

মোহনজী দৰবজ্জাপৰ বহথি। তখলে কিছু লোক হুনকা লগ আবি কহলকনি–

"যৌ সমিতিজী, জনৱৰী মহিলা ধৰিক গহুম ভেটৈল ছল। ফৰবৰী, মার্চ, অপ্ৰীল আ মঙ্গ এ চাৰু মাসক গহুক বাঁকীএ ছল। তএমে দুএ মাসক গহুম বাঁটৈল জা বহল অছি। দু মাসক গহুম কেতএ গেল ?"

মোহনজী কহলখিন–

"অচ্ছা, হম পতা লগবৈ ছী।"

মোহনজী প্ৰধানাধ্যাপিকা লগ জা পুছলখিন–

"দু মাসক গহুম কী ভেল ?"

প্ৰধানাধ্যাপিকা কহলকনি–

"ফৰবৰী আ মার্চক গহুম লেপ্স ক২ গেল। আবটৈলে লৈ ভেল। অখনি অপ্ৰীল-মঙ্গ মাসক গহুম বাঁটৈল জা বহল অছি।"

মোহন জীক মন লৈ মানলকনি তঁ ও অধ্যক্ষ অলীলজী লগ জা হুনকোসঁ পুছলখিন। হ্মদা হুনকো জৱাব সএহ। গহুম লেপ্স ভ২ গেল।

মোহন জীক মনমে ভেলনি জে সভ কিযো মীলী ভগত ক২ লেলে অছি। একৰা সবঁহক বাঁতপৰ বিসৱাস লৈ কবী। বিচাব কেলনি, ভবি দিন তঁ বঁলৌকেমে বহৈ ছী। কিএক লে বীওও আফিসমে জা পতা

लगारी। अगिला दिन ब्लौक गेला तँ बीडीओ आफिसमे हाकिमे नै छल। ओइठाम मात्र एकटा शिक्षक छला जे लिखा-पढ़ीक काज सम्हारै छला। पुछलापर ओहो गोल-मटोल जवाब देलकनि। मोहनजी सोचलनि जे अपना बुते नै पता लगत। प्रमुख साहैबकेँ कहए पड़त। ओ तँ दसे मिनटमे पता लगा लेथिन। प्रमुख जीकेँ सभ बात कहलखिन। प्रमुखजी कहलखिन–
“एतेक छोट काज लेल अहाँ फिफिआइ छी। पाँच मिनटमे पता लगा दइ छी।” कहैत प्रमुखजी टेबुलपर राखल बेलक बटन टीपलनि। चपरासी आएल। गोदाम मैनेजरक रजिस्टर लऽ ब्लौकसँ आबैले चपरासीकेँ कहलखिन। पाँच मिनट पछाति चपरासी संग मैनेजर रजिस्टर लऽ कऽ आएल। प्रमुख साहैब मैनेजरसँ चलौवा स्कुलक नम्मा उठारैक तारीख पुछलखिन। मैनेजर रजिस्टर देखि बतौलकनि। 31 मार्चकेँ फरबरी-मार्चक आ 01 जुनकेँ अप्रील-मइ मासक नम्मा उठाएल गेल अछि। उठाएल रजिस्टरपर विद्यालय शिक्षा समितिक अध्यक्ष आ प्रधानाध्यापिकाक हस्ताक्षर अछि। आब मोहन जीकेँ बुझैमे कनिको भाँगठ नै रहल जे दु मासक नम्मा प्रधानाध्यापिका, सचिव आ अध्यक्ष मिलि बेचि लेल गेला।

गामपर आबि मोहनजी एक बेर फेर अध्यक्ष अनीलजी लग गेला। पता चललनि। अध्यक्षजी प्रधानाध्यापक ओइठाम गेल अछि। तखनि ओहो प्रधानाध्यापिका ऐठाम एला।

ऐठाम देखै छथि जे प्रधानाध्यापिकाक पति शोभाजी, अनीलजी आ रंजनजी सभ गोटे एकठाम बैस चाह पीबि रहल छथि। मोहन जीकेँ देखिते शोभाजी बजला–
“आबह आबह मोहन, कहअ की हाल-चाल छह?”
मोहनजी कहलकनि–
“ठीके अछि।”
बिचेमे शोभाजी पत्नीकेँ हाक दैत कहलखिन–
“एक कप चाह ओरो लेने आउ।”
मोहनजी कहलखिन–
“हम चाह नै पीब, अखने चौकपर चाह पीलौं हेन।”
तावेँ रिभाजी एक कप चाह आ एक गिलास पानि लेने आबि मोहनजी दिस बढ़ौली। मोहनजी कहलखिन–
“बेसी चाह पीनासँ पेटमे गैस बनि जाइए।”
रिभाजी कहलखिन–
“लीअ ने कथीले हमरा सभपर रिगड़ल रहै छी।”
मोहनजी चाहक कप पकड़ैत कहलकनि–
“अहाँ कोन हमर खेत जोति लेलौं जे हम अहाँपर रिगड़ल रहब।”
बिचेमे रंजनजी पुछलखिन–
“आब कहू समितिजी, केम्हर-केम्हर आगमन भेलैए?”
चाहक घोंट लैत मोहनजी बजला–
“हम पुछैले एलौं हेन जे ठीके दु मासक पोषाहार लेप्स भऽ गेलै?”
शोभाजी बिचेमे टिपलखिन–
“तँ हम सभ झुठ बजै छी? तूँ तँ भरि दिन ब्लौकेमे रहै छह। पता लगा लैह।”
अध्यक्ष अनीलजी टोकलकनि–
“यौ समितिजी, छोड़ू ने बितलाहा बात। अहूँ कथी-कथीमे लगल रहै छी। किछु कमाएब-धमाएब से नै। यौ अखनि कमाइक मौका भेटैत अछि। समैकेँ चिन्हयौ। मौकाक फेदा उठाउ।”
बिचेमे रंजनजी सेहो अपन बात रखलनि–

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

“দেখিযৌ নে, ডীলব সভ ছঅ-ছঅ মাসপব অঁত্যোদয যোজনাক চাঁউব-গহুম জনতাকেঁ দৈত অছি। কহাঁ কিযো কিছু বাজৈএ। ও সভ কমা কহ লৌচ ভহ গেল।”
মোহনজী তঁগ হোগত বাজলা-
“দুনিযাঁ-দাবীক বাত ছোড়ু, জে বিযয রহ কহ হম এলৌঁ তৈপব চর্চা করু। পবসু পঁচাযত সমিতিক বৈসক ছী। হমবা সরুনক পোযাহাব কিঅএ লেপ্স ভহ গেল সে ওগ বৈসকমে অবাজ উঠাএব। ঠীক ছৈ হম জাগ ছী।” কহি মোহনজী উঠি কহ ঠাঢ় ভহ গেলা।
তাবেঁ শোভাজী কহলথিন-
“বৈসহ নে, জলখৈ খা কহ জগাহঅ। কিঅএ এতে আগ্বতাএল ছহ ?”
মোহনজী কহলকনি-
“হমবা আবো কাজ সভ অছি। জাএ দিঅ।” কহি মোহনজী বিদা ভহ গেলা।
শোভাজী অশীল জীকেঁ গশাবা কেলথিন। অশীলজী ঠাঢ় হোগত বাজলা-
“রুকু সমিতিজী, হমহুঁ চলব।”
“চলব তঁ চলু।” মোহনজী কহলথিন। দুনু গোটে সঁগে বিদা ভেলা। বস্তামে অশীলজী মোহনজীকেঁ কহলথিন-
“যৌ সমিতিজী, গহুম লেপ্স লৌ ভেল। হম সভ দু মাসক গহুম বেঁচি লেলৌঁ। অহঁক হিস্সা বখল অছি।”
মোহনজী কহলথিন-
“হমবা হিস্সা-তিস্সা লৌ চাহী। হমব কোন হিস্সা ? গহুম বেঁচি লেলিঐ তঁ রুপৈআ তঁ হেবেঁ কবত। ওগ রুপৈআক ফেব গহুম কীনি বিদ্যার্থী সভমে বাঁটি দিযৌ।”
অশীলজী কহলথিন-
“আব সে লৌ হএত। শোভাবাবু আ বঁজলজী সে লৌ কবতা।”
মোহনজী কহলথিন-
“তঁ ঠীক ছৈ। হম গৌআঁকেঁ সভ বাত কহবৈ জে দু মাসক গহুম অধ্যক্ষ, সচিব আ প্রধানাধ্যাপিকা মিলি কহ বেঁচি লেলক।”
অশীলজী কহলকনি-
“ঠীক ছৈ অহাঁ জাউ, হম চৌক হোগত ভেল অবৈ ছী।”
মোহনজী বাঠ্ঠ গেলা।
অশীলজী ঘুমি কহ শোভা জীক দববজ্জাপব এলা। বঁজলজী আ শোভাজী বৈসলে বহথি।
শোভাজী পুছলকনি-
“কী মোহনা বাত বুঝলক আকি লৌ।”
“লৌ বুঝলক। কহলক হম গৌআঁ সভকেঁ কহবৈ।”
বঁজলজী বাজলা-
“ঠীক ছৈ। কহএ দিওঁ। হম সভ দেখ লেব।”
শোভাজী বাজলা-
“মোহন পঁচাযত সমিতিমে কী জীতল ও কেকবাে মোজবে লে কবৈএ। অপনাকেঁ বড়কা লেতা বুঝৈএ। ও কী কোনাে যোজনামে গববড় লৌ কবৈএ।”
অশীলজী কহলথিন-
“জোঁ গৌআঁকেঁ গহুম বেঁচব পতা লগি জাএত তঁ বুঝু জে আগি লগি জাএত। কেকব-কেকব মুঁহ বন্ন কবব। লোক অপনা সভকেঁ কী-কী কহত সে লৌ জানি। সমাজমে বড়কা বদনামী হএত।”
শোভাজী পুছলথিন-
“অহাঁক কী বিচাব অছি ?”

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

অনীলজী কহলখিন-
"হম তঁ কহব জে গহুম কীনি কহ রাঁইরা দিয়ৌ।"
শোভাজী আ বঁজন এক্কে সঁগ বাত কহৈত বাজলা-
"লৈ সে তঁ লৈ হএত। আখিব হমারো সরহক কিছু গব্দত অছি। জে খা গেলিঐ সে খা গেলিঐ। জৌঁ গহুম কীনি কহ রাঁইরা তঁ মোহনা কহত, খেলহা গহুম রোকবা দেলিঐ। অহাঁ রেকাব ভবাগ ছিঐ। যৌ মোহন অসগরে অছি। অপনা সভ তীন গোটে ছী।"
অনীল জীক মুঁহসঁ নিকললনি-
"অখনি লে অসগরে অছি আ জখনি গৌআঁকেঁ কহত তঁ ভবি গামে লে ভহ জাএত।"
শোভাজী বাজলা-
"হএত তঁ হএত। কী কহ লেত। যএহ লে হএত জে কিছু টৌকা বীগও সাহিবকেঁ দেবএ পড়ত। হম সভ বুঝি লেব। অহাঁ চিন্তা জুনি করু।"
জখনি গৌআঁকেঁ পতা লগল তঁ সম্পূর্ণ গামমে আগি লগি গেল। চৌক-চৌবাহাসঁ লহ কহ দলান সভপর সেহো মাত্র অহী গপক চর্চা হুঅএ লগল। গৌআঁ সভ আবেদন লিখি সভ গোটে সহী ছাপ কবৌ গেল। অগিলা দিন বৌলোক জা একটা আবেদন প্রমুখজীকেঁ আ একটা বীডীও সাহিবকেঁ দেলক। আবেদন দেখি বীডীও সাহিবক বিচাব ভেলনি জে থানামে এফ.আই.আব. দর্জ কবৌল জাএ। মুদা প্রমুখজী বোলৈত কহলখিন-
"দু দিন থম্হু। জৌঁ সকুলক হেড মাস্টব গহুম বাঁটি দেত তঁ ঠীক লৈ তঁ সহএ কবব।"
জখনি শোভা জীকেঁ পতা চললনি জে বীডীও সাহিব এফ.আই.আব. কবৌলে তৈয়াব ভহ গেল অছি তঁ মাথ চকবাএ লগলনি। সোচএ লগলা, গহুমক পাপ তঁ সচিরো আ অধ্যাক্ষো খেলক। মুদা ফঁসত তঁ হেড মাস্টব। জৌঁ ও সভ ফঁসবৌ কবত তঁ কী হএত। হমব পনীকেঁ তঁ লোকবীএ চলি জাএত।
অনীলজী আ বঁজন জীকেঁ বাজা কহলখিন-
"বাত বঢ়ি গেল। এফ.আই.আব. হোএবলা অছি।"
অনীলজী কহলকনি-
"হম তঁ পহিলে কহলে বহী জে মোহনক বাত মানি লিঔ।"
শোভাজী খিচেমে বাত কহৈত বাজলা-
"পছিলা বাতকেঁ ছোড়ু আব কী কবএ পড়ত সে করু। জগসঁ জান বাঁচত।"
বঁজনজী বাজলখিন-
"জিলা পবিষদক সদস্য লোকেশজী হমবা দোসক সাব ছী। হুনকা বৌলোকপব পকড় ছনহি। হুনকাসঁ গপ কহ মামিলাক বফা-দফা কববৈক আগ্রহ কববনি। হম আ অনীলজী অখলে জাএ ছী।"
সএহ কেলক অনীলজী, বঁজনজী দুনু গোটে জিলা পবিষদক সদস্য লোকেশ জীসঁ ভেঁটে কহ সভ বাত কহলকনি। লোকেশ জীকেঁ পহিলেসঁ সভ বাত বুঝল ছেলনি। কহলখিন-
"অহাঁ সভ বড় জুলুম কেলৌঁ। ধিয়া-পুতাক গহুম বেচি লেলৌঁ। এঁসঁ পৈঘ আবো কোলো গলতী হোএ ছৈ?"
বঁজনজী কহলখিন-
"আব তঁ জে ভহ গেল সে ভহ গেল। ঞ মামিলা আগু লৈ বঢ়এ সে জোগাব কহ দিঔ।"
লোকেশজী-
"বাত তঁ বড় আগু বঢ়ি গেল অছি। ওনা হম প্রমুখ সাহিব, মোহন আ বীডীও সাহিবসঁ গপ কবৌ ছী। অহাঁ সভ জাকু।"
লোকেশজী প্রমুখ জীক কক্ষমে গেলা। ওতৈ মোহনোজী বৈসল বহথি। লোকেশজী প্রমুখ সাহিবকেঁ কহলখিন-

"সর, প্রাথমিক বিদ্যালয় চলৌবাবৈলা মামিলাকেঁ আগু লৈ বঁঢ়এ দিঔ। অহাঁ জে কহবৈ সএহ হএত। মোহনো জীক প্রতিষ্ঠা বচি জেতনি।"

প্রমুখজী কহলখিন-

"ঠীক ছৈ, মোহনজী সঁ গপ করু।"

লোকেশজী মোহনকেঁ পুছলখিন-

"কী যৌ মোহনজী, অহাঁক কী বিচার ?"

মোহনজী কহলখিন-

"যৌ পার্ষদজী, ধিয়া-পুতাক পোষাহাব ঙ্গ সভ বৈঁচি লেলক। গহুম বৈঁচলাসঁ জে রুপৈআ ভেল সে তঁ হেবৈ করত। ওনা রুপৈআক গহুম কীনি বাঁটি দেথুন, হমরা তরফসঁ সভ গপ খতম।"

প্রমুখজী কহলখিন-

"মোহনজী ঠীকে কহৈ ছথি। অহাঁ স্কুলপর জা গহুম বঁটৈরা দিযৌ। হম অগিলা কোনো কার্যরাগ লৈ হুঅএ দেবৈ।"

লোকেশজী-

"জী সর, হম মোহনজীক বিচারসঁ সহমত ছী। হম সভ পঁচাযত প্রতিনিধি ছী। মোহনজীক প্রতিষ্ঠা হমরো প্রতিষ্ঠা ছী।"

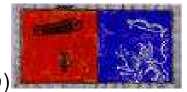
অগিলা দিন আঠ বজে ভিনসরমে চলৌবা স্কুলপর সম্মচ্চা গৌআঁক বৈসার ভেল। শিক্ষা সমিতিক সদস্য, অধ্যক্ষ, সচিব আ সমিতিক সদস্য মোহনজী তথা জিলা পার্ষদ লোকেশজী সেহো ছলা। বৈসারক অধ্যক্ষতা লোকেশজী কেলনি। বঁড় ঘমার্থন ভেল। অতমে অধ্যক্ষ নির্ণএ দেলখিন-

"চারি মাসমে দু মাসক গহুম ছাত্র সভকেঁ পহিলে ভেটৈল অছি। বাঁকিযৌতা দু মাসক গহুম সাত দিনাক ভীতর প্রধানাধ্যাপিকা বিদ্যার্থী সবৈহক বীচ বঁটৈতী।"

প্রধানাধ্যাপিকা বিভা দেবী ঠাড় ভ২ বজলী-

"জে ভ২ গেল ওকরা অহাঁ সভ বিসরি জাউ। অগিলা বরি দিন হম বাঁকিযৌতা দু মাসক গহুম সভ বিদ্যার্থীক বীচ বাঁটৈব।"

f


মানুষীমিহ সংস্কৃতাম্ ISSN 2229-547X VIDEHA

সভসঁ পৈঘ পুজা

বেনরেঁমে ভেকেন্সী নিকনন ছন। মুন খারেদন পত্রক সঁগে সভ প্রমাণ পত্রকেঁ বাজপত্রিত পদাধিকাবী দ্বাবা খভিপ্রমাণিত ছাযা প্রতি সঁনগ্ন কবনাগ খনিবার্য ছন। নৈ তঁ খারেদনে বদ্দ ভ২ জাএত। হমবা দেবীসঁ পতা নাগন। এক সপ্তাহক সমএ খবাসীয এরঁ জাতি প্রমাণ পত্র বঁনরেঁমে নগি গেন।

খাগ খারেদনক খঁতিম দিন ছন। মুদা হমব প্রমাণক ছাযা প্রতি খভিপ্রমাণিত নৈ ভেন ছন। হম বঁড় চিন্তিত ছেনৌঁ। ভিনসবে খাঠ বঁজে ঘোঘবডীহা রিদা ভেনৌঁ সোচনৌঁ, ওতএ তঁ কেতেকো বাজপত্রিত পদাধিকাবী সভ ছথি, কিনকোসঁ কবা নের। খা ঘোঘবডীহে ডাকঘবসঁ স্পীড পোস্ট ক২ দেরঁ। ওহীঠাম একটা ডাক্টব ছথি নাওঁ ছিযনি ডাক্টব ওম নাবাযণ কর্ণ। সভ গোটে হুনকা ডাক্টব নাবাযণ রাঁবু কহৈ ছন্হি। হুনকাসঁ নীক পবিচএ খছি। কেতেকো বোগী সভকেঁ হুনকাসঁ গনাজ কবৌনে ছী। জগসঁ ডাক্টব সাহিরঁকেঁ নীক খামদনী ভেন ছন্হি। নৈ তঁ কমতীমে দু হজাব টাকাসঁ রেঁসী হমবা দ্বাবা ডাক্টব সাহিরঁকেঁ খামদ ভেন হেতনি। হমবা পুবা রিঁসবাস ছন জে ডাক্টব নাবাযণ রাঁবু হমব প্রমাণ পত্রক ছাযা প্রতিকেঁ খভিপ্রমাণিত ক২ দেতা। হম হুনকা ডেবাপব পহুঁচনৌঁ ও টী.রী দেখৈ ছেনা। হমবা দেখিতে হুনকব পনী হুনকা কহনকনি-

"বাযজী এনা হেন।"

রঁবরঁবি জে বোগী ন২ ক২ হুনকা ডেবাপব জাগত বহী তঁএ ডাক্টব সাহিরঁক পনীও হমবা চিন্হৈ ছেনী। হুনকব ক্নিনিক ডেবাপব ছন্হি। ডাক্টব সাহিরঁ টী.রী দেখনাগ ছোড়ি হমবা নগ খারি রঁজনা-

"রঁহুত দিনপব এনৌঁ হেন। কোনো বাগৈ খছি কী?"

হম কহনিযনি-

"নৈ সব। খাগ বোগী নৈ খছি। খাগ তঁ হম খপন প্রমাণ পত্রক ছাযা প্রতিকেঁ খভিপ্রমাণিত কবরঁএ এনৌঁ। খাগ খারেদনক খঁতিম তাবীখ ছী।"

ডাক্টব সাহিরঁ রঁজনা-

"হমবা নগ তঁ মোহব খছি নৈ। ওঁ তঁ খস্পতানেমে বহৈএ। রিঁন্ব মোহবক কেনা হএত।"

হম কহনিযনি-

"সব, খপনে খভিপ্রমাণিত ক২ দেন জাওঁ। হম খস্পতান জা মোহব নগারাঁ নের।"

ডাক্টব সাহিরঁ কহননি-

"খখনি তঁ হমবা রৌহনিযো নে ভেন খছি। রিঁন্ব রৌহনিক কাজ কেনে খন্হুকা দিন ফোঁকে চনি জাএত।"

হমবা ডাক্টব সাহিরঁক ঐ রেঁরহাবপব দুখ ভেন। মুদা রঁজনৌঁ কিছু নৈ। ওতএসঁ রিদা ভ২ সড়কপব এনৌঁ। সোচনৌঁ খারি কী কবী। কেতএ জাগ। মন পড়ন। প্রখণ্ডক সাহাযক খভিযঁতো ওা কাজ ক২ সকৈ ছথি। হুনকোসঁ তঁ জান-পহচান খছিএ। প্রধানমন্ত্রী সড়ক জে রঁনৈত বন্এ তঁ গঁজীনিযব সাহিরঁকেঁ হম চাহ-জনপান কবৌনে বহিযনি। হুনকব মোটব সাগকিন খবাপ ভ২ গেন বহনি। তঁ হমহী গ্বড়কা ক২ খপনা দবরঁজ্জাপব ন২ গেন বহী। এঁসঁ গঁজীনিযব সাহিরঁ রঁড় খুশী ভেন বহথি। কহনে ছনা কহিযো কোনো কাজ হএত তঁ হমবা নগ খাএরঁ। শর্মা জীক মকানমে ডেবা খছি। শর্মা জীক মকান তঁ দেখনে খছি। কাবণ পহিনে জে দুর্গা রাঁবু রীডীও সাহিরঁ বহথিন হুনকো ডেবা তঁ শর্মো জীক মকানমে বহনি। এক-খাধ রেঁব রীডীও সাহিরঁক ডেবাপব গেনে ছী।

শর্মা জীক মকান দিস রিদা ভেনৌঁ। গঁজীনিযব সাহিরঁ রাঁহবেমে রৈঁসন বহথি। টেরুঁনপব চাহ বখন বহনি। খপনে পেপব পঢ়ৈত বহথি। নগমে জা কহনিযনি-

"পবনাম সব।"

পেপবপবসঁ নজবি হটা হমবা দিস দেখৈত রঁজনা-

"রাঁজু কোন কাজ খছি।"

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

হম কহলিয়ন–

“অভিপ্রমাণিত করেবাঁক অছি।”

ও বাঁজলা–

“অখনি হমরা লগ সময় নৈ অছি। দেখৈ নৈ ছিঐ দাড়ীও নৈ কটৈলোঁ হেন। তখনি স্নান-পূজা করবাঁ। জলখৈ কর তুরন্ত মধুবনী জাএব। জিলামে এগারহ বজৈসঁ মিটিংগ অছি। মধ্য বাঁজি রহল অছি।”

হম পুন: নিবেদন করৈত কহলিয়নি–

“সর, আরেদনক তঁ আগ অঁতিম দিন ছিঐ। বঁড় দুগা হ্যত জে ঞা কাজ অপনে কর দৈতিঐ।”

কহলনি–

“রাঁলে ন সময় নহী হৈ। দূসরে জগহ চলে জাওএ। অস্পতাল হৈ বাঁলোক হৈ মরৈশী অস্পতাল হৈ। কহী ভী অভিপ্রমাণিত হো সকতা হৈ।”

হম নিরাশ ভর ওতএসঁ বিদা ভেলোঁ। হমরা ভেল জে আব হমর আরেদন পত্র বখলে বহি জাএত। সোচী, আর কেতএ জাগ। অহী গুনধুনমে আগু বাঁঢ়লোঁ তঁ একটা মকানক গেটপর লিখল আলোক কুমার, প্রখণ্ড পশুপালন পদাধিকারী, দেখলিঐ। কেরাঁড় ভীতরসঁ বাঁন্ন বৈ। হম কেরাঁড় ঠকঠকেলিঐ। এক্ক মিনিটে পছাতি একটা হারক নিকলনা। হুনকর পুরা শরীর ভীজল রহনি। গমছা পহিরনে রহথি। পুছলিয়নি–

“সাগত অপনে... ?”

রিচ্চেমে হমর বাঁত লপকি বাঁজলা–

“হঁ, হম আলোক কুমার। প্রখণ্ড পশুপালন পদাধিকারী, ঘোঘরডীহা ছী। বাঁজু ?”

কহলিয়নি–

“অভিপ্রমাণিত করবাঁক ছল সর। হুদা অখনি অপনে স্নানামে লগল ছী ফের পূজা করবাঁ তেকর বাঁদ নে হমর কাজ।”

ওসারপর রাখল চৌকীপর বৈসৈলে কহলনি। হম জা কর ওহীপর বৈসলোঁ। ও অপনে ভীতর গেলা। কহলনি জে এতএ বৈসু আবৈ ছী। পাঁচ-সাত মিনটে পছাতি আবি পুছলনি–

“আর কন্দ্র কোন প্রমাণ পত্রপর অভিপ্রমাণিত করেবাঁক অছি।”

হম অপন প্রমাণ পত্র সবাঁহক ছায়া প্রতিক সংগ মূল প্রতি সেহো হুনকা আগুমে টেবুলপর রখি দেলয়নি। দেখ-সুনি সভ প্রমাণ পত্রক ছায়া প্রতিপর অভিপ্রমাণিত করৈত কহলনি–

“অহাঁ পূজাক বাঁত কবৈ ছেলোঁ... ?”

হম চুপ্পে রহলোঁ আকি ও পুন: বাঁজলা–

“হম জে অপনেক কাজ কর দেলোঁ হমরা লেল সভসঁ পৈঘ পূজা সএহ ভেল। হম সেরাকেঁ পূজা বুঁনৈ ছী।”

হম ডাক্টের সাহৈবাঁক ঞা বাঁত সুনি কিছু সোচএ লগলোঁ। তাবাঁএ সভ কাগত পোলিথিন মোরামে লর লেলে রহী। হুনক ঞা বাঁত হমরা দিমাগমে ঐ তরহেঁ জগহ বাঁনা ছেকি লেলে ছল জে কিছু বাঁজি নৈ পবৈত রহী। অঁতো-অঁত বিঁয় কিছু বাঁজলে হাথক ওশীরাসঁ প্রণাম করৈত ওগঠামসঁ নিকলি ডাকঘর দিস বিদা ভর গেলোঁ।

f

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ভোঁট

পঁচায়ত চুনাবক সময় বহএ। প্রচাব-প্রসাব পুবা জোব পকড়নে বহএ। সভ উম্মীদরাবক আদমী সাগকিনপব নৌবন বাঁনহি মৌকসঁ ঠৈলে-ঠৈল প্রচাব কবৈ ছল। চৌক-চৌবাহাপব পাঁডস্পীকবক তেতেক নে অবাজ হোগ জে কান দেনাগ হুমকীন। হম তঁ বুঝু চৌকপব গেনাগএ ছোড়ি দেনে বহী। জখৈনকি উম্মীদরাব সভ তবফসঁ ভোটৈবকেঁ চাহ-জনখৌক অনারে দাকও ভেটৈ ছলৈ। মাঁগনীমে চাহ-জনখৈ কবৈরনা সভ সবেনসেঁ চৌক পকড়ি নগ ছল। কেতে গোটৈ তঁ এহনো অছি জে দু-দু তীন-তীন উম্মীরাবক চাহ-জনখৈ কবৈ ছল। তাড় ইও আ পোনিথিনো পীরৈরনা সভ অখনি অংগ্রেজী দাক পীরৈএ।

যবদ কি জে জনানীও সভ হেঁজ বাঁনহি-বাঁনহি অঁগনে-অঁগনে অপনা উম্মীদরাবক পক্ষমে ঘুমি-ঘুমি ভোঁটৈ মাঁগৈএ। উম্মীদরাবকেঁ তঁ অখনি বুঝু নীনে গাগরি। একটা উম্মীদরাব উঠৈ ছল তঁ দোসব উম্মীদরাব আবি দববজ্জাপব বৈস জাগ ছল। সভকেঁ চাহ-পান তঁ কববৈএ পড় ছল। পনী তঁ চাহ বনবৈত-বনবৈত ফিবীসান ভথি। কী কবব জঁ কিযো দববজ্জাপব এতা তঁ কম-সঁ-কম এক কপ চাহোক আগ্রহ তঁ কবরে কববনি।

এক দিনাক গপ ছী। দববজ্জাপব বৈসন বহী। নগমে সবপঁচক উম্মীদরাব যমেলী দাস সেহো বহথি। দুনু গোটে চাহ পীরৈত বহী। তখনে হমাব হববাহা ববিয়া আএন আ কহনক-

"গিবহত, কনী খৈনী দিযৌ।"

হম কহনিঐ জে জা পহিনে অঁগনা জা আ গিবহতনীসঁ চাহ মাঁগি পীনে আবহ তখনি তমাকুন খগহখ। দসে মিনটৈ পছাতি দববজ্জাপব আএন ববিয়া। যমেলী দাস তাবএ চনি গেন ছনা। ববিয়া দেখৈমে তঁ বুড়বকে জকাঁ নগৈএ মুদা অছি বড় চঁগনা। হম ওকবা চুনৌটী দৈত কহনিঐ-

"নগাবহ, হমহুঁ খাএব। অচ্ছা একটা কহঅ জে ভোঁটৈ কেকবা-কেকবা দেবহক? উম্মীদরাব সভ তঁ অখনি খুব দাক পীযবৈত অছি। তোবা কহিযো পবি নগনহ কি নৈ?"

ববিয়া বাজন-

"যৌ গিবহত, অখনে তঁ সময় অছি। ঈ সভ জখনি জীত জাএত তখনি ফেব কেকবোসঁ গপো কবত। তঁএ জএহ হাথ সএহ সাথ। ভোঁটৈ তঁ জেকবা মন হএত তেকবে দেব। মুদা খাএব-পীঅব সবহক।"

হম কহনিঐ-

"ঈ নীক কাজ নৈ ছী। অপন গমান অপনে বঁচবএ পড় ছৈ। নীক নোককেঁ চুনিহঅ।"

ববিয়া-

"ঈ কী কহৈ ছিঐ গিবহত। নীক কেকবা কহৈ ছিঐ। পছিনা বেব গোপান বাবুকেঁ সভ মিনি মুখযামে জীতৌনিঐ। মুদা আগ দেখিযৌ গোপানবাবুকেঁ কী-সঁ-কী ভ২ গেনা। পহিনে তঁ একটা কহৈনীও সাগকিন নৈ বহনি। আব কিদনি তঁ কহৈ ছৈ হঁ বনবো গাড় ী। ওনীপব হবদম চঢ়ি-চঢ়ি গামসঁ হবিদম বাহবে বহৈএ। যকানো গামমে নৈ দবিভংগামে জা ক২ বনেনথি হেন।"

হম কহনিঐ-

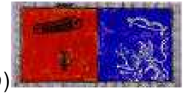
"নৌ অহিনা হোগ ছৈ। সভ কিযো কমাগএ। দেখৈ নৈ ছহক এমেলে-এমপীকেঁ পাঁচে সানমে কবোড়পতি-অববপতি ভ২ জাগত অছি।"

ববিয়া বাজন-

"হোগতে হএত। জখনি মুখিয়া সভ এতে কমাগএ জেকবা এক্কা পাগ দবমাহা নৈ ছৈ আ ওকবা সভকেঁ তঁ দবমাহো আ সুনৈ ছিঐ জবকীনো ভত্তা ভেটৈ ছৈ।"

হম কহনিঐ-

"অচ্ছা, ছোড়হ ঈ গপ-সপ্প ঈ কহঅ জে বাডপঁচমে কেকবা ভোঁটৈ দেবহক। ওগমে তঁ তোহব দিমাদে বুধন ঠাঢ় ছহ। আন উম্মীদরাবসঁ আদমীও ঠীক অছি।"



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

হমৰ ৱাঁত কষ্টৈত ৱিচ্চেমে বৱিগা ৱাঁজল–

"কী কহলিঐ গিবহত, নীক আদমী। যৌ ঙ তঁ গামমে সভসঁ গিবহকষ্ট অ াদমী অছি।"

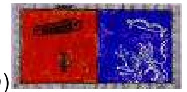
পুছলিঐ–

"সে কেনা ?"

কহলক–

"পকৰুকাঁ সাল হমৰ ৱঁকবী ওকৰ দমষ্টৌ কোৱীক গাছ খা লেলে বহএ। তগলে ওকৰ মৌগী হমৰা ৱিখমি–ৱিখমি গাবি দেলে বহএ। হমৰো ওকৰ গাবিক ৱঁড় চোষ্ট লগল অছি। হম অপ্পন ভৌঁষ্ট ওকৰা কিছু লৈ দেৱঁ।"

f



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

সোণবী ভভাবরঁ

মিথিলাঁচলমে একটা রঁজাব অছি মঁঝাবপুব জে অন্নমাড্ডল সেহো ভী। মঁঝাবপুবমে একটা মধ্যম কিসান ভলা। নাওঁ বহনি টুন্টুন। হুনকা তীনটা রেঁটা আ দুটা রেঁটী। তীনু রেঁটাক রিঁআহ ভ২ গেন ভনহি আ দুনু রেঁটীওক রিঁআহ ভ২ গেন ভনহি। ওনা দুবাগমন পভাগতো দুনু রেঁটী রেঁসী কাল নহিরেমে বই ভনহি। দুটা রেঁটা পঁচাযত শিক্ষক আ একটা রেঁটা বোজগাব সেরক ভথিন। জেঠকা জমাএ পঁচাযত সচির ভথিন। পহিলে তঁ ও দলপতি ভলা। সবকাব দলপতি সভকেঁ পঁচাযত সেরক রঁনা দেনকনি তহীমে ও পঁচাযত সেরক ভ২ গেলা। এম্হব পঁচাযত সেরককেঁ সবকাব পঁচাযত সচির রঁনা দেনক। রুঁম্নু জে ও সভ তঁ আরঁ পঁচাযতক হাকিম ভ২ গেলা। হুনকা সভকেঁ নীক আমদনী ভনহি। কিএক তঁ হুনকা সভকেঁ গঁদিবা অরাস আ আলো-আন যোজনা সভমে কমীশন ভেটৈ ভনহি। জন্ম আ মৃত্য প্রমাণ পত্র রঁনরেঁমে সেহো কপৈআ নগ ভথিন।

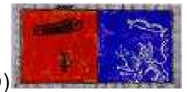
টুন্টুন জীক জেঠকা জমাএকেঁ সাস্বমে নীক মানদান হোগ ভনহি। কিএক লে হেতনি। সাস্ব জখনি অরেঁ ভথিন তঁ খবচ-রঁবচপব তুলন বই ভথিন। সাস্ব-সবহোজি লেন ফুটা-ফুটা মিঠাগ, কপড় া আ ধিযা-পুতা লেন সেহো কপড় া-লত্তাক সঁগ রিঁস্কুট, মিঠাগ, চকলেট গত্যাদি অলগ-অলগ। টুন্টুন জীক ছোটকা জমাএ বাকেশ জীকেঁ পঢ় মে চন্সগব বহিতো অখনি ধবি কোনো লোকবী লৈ ভেটৈল বহনি। ও মৈট্রিকসঁ ন২ ক২ এম.এ. ধবি প্রথম শ্রেণীসঁ পাস কবৈত বহলা। সালে ভবি পহিলে হুনকব কনিযাঁ দুবাগমন ভ২ সাস্ব আএল বহনি। হ্মদা কনিযাঁকেঁ রেঁসী সমএ নহিরেমে বহএ দগ ভথিন। লোকবী লৈ ভেলে বাকেশজী দবভঁগাক একটা নিজি রিদ্যালযমে কার্যবত্ ভথি। হ্মদা তৈযো সবকাবী লোকবী লেন অখলো প্রতিযোগিতা পবীক্ষা সভমে রেঁসৈত বই ভথিন।

টুন্টুন জীকেঁ এক্কটা রঁহিন ওহো মসোমাতে। হুনকা দুটা রেঁটা আ দুটা রেঁটী ভনহি। দুনু রেঁটা দিল্লীমে লোকবী কবৈ ভথিন। জেঠকী রেঁটী বীণা মামা-মামী নগ বহি পঢ় এ। ছোটকী রেঁটী রীণা মাগএ সঁগ বহএ।

টুন্টুন জীক জেঠকী রেঁটী মানতীকেঁ কল্যাণক জাগেতা বহনি। জন্মাশৌচক সমএ নগিচাএল বহনি। ওকব ভৌজাগ সভ সোচএ, মনতীকেঁ জঁ ভগরান রেঁটা দ২ দগতথিন তঁ হমবা সভকেঁ পহুনাসঁ সোণবী ভভাবনা পভাতি নীক আমদনী হোগতএ। ওনা তঁ পহিল রেঁব ছিঐ রেঁটীও ভেলে তঁ নীক আমদনী হেরেঁ কবত। জেঠকী ভৌজাগ সোচৈত, হম জেঠ ভৌজাগ ভী তঁএ সোণবী হম ভভাবরঁ আ পহুনাসঁ নীক গহনা লেরঁ। ছোটকী সোচৈত, হম তঁ সভসঁ ছোট ভী তঁএ সোণবী হম নীপরঁ। পাহুন নীক কমাগ ভথিন। নীক দান-দক্ষিণা ভেটৈরেঁ কবত। মঝিলী ভৌজাগ সোচৈত, হমহী মানতী রুঁচ্চীক রেঁসী খিযাল বখৈত এলৌঁ। পাহুলো অরেঁ ভথিন তঁ ননদি-ননদোসিকেঁ স্বতৈলে হমহী অপন ঘব ছোড়ি দগ ভী আ অপলে ওসাবিপব সাস্ব নগ স্বতৈ ভী। রৌআক রাবুজী দলানপব জা স্বতৈ ভথি। তঁএ মানতী হমবে সোণবী ভভাবৈলে কহত। জৌঁ দোসব কিযো ভভাবত তঁ কহিযো অপন ঘব স্বতৈলে লৈ দেরঁনি।

মানতীকেঁ জন্মাশৌচ ভেল। রেঁটী ভেলনি। মঝিলী ভৌজাগ মানতীক দুল্হাকেঁ মোরাঁগলসঁ খরঁবি দেনকনি। ছঠিহাবসঁ দু দিন পহিলে মানতীক দুল্হা রিনোদজী এলা।

আগ ভিলসবে রিনোদজী দু হজাব টাকা জেঠকা সাবক হাথমে দ২ নীকসঁ ভোজ-ভাতক ওবিযান কবৈলে কহলকনি। জলখৈ খা ছোটকা সাবকেঁ সঁগ রঁজাব গেলা। রঁজাবসঁ মানতী সঁগ রেঁটী, তীনু সবহোজি আ সাস্ব লেন কপড় া কীনি ক২ ন২ অনলা। আগ ছঠিহাব ভী। ভিলসবেসঁ ভৌজাগ সভ অঁগনা-ঘব নীপরঁ শুরু কেলনি। আরঁ চর্চা ভেল সোণবী কে ভভাবত। জেঠকী ভৌজাগ রঁজলী-
"সভসঁ জেঠ হম ভী। পহিল অধিকাব হমব অছি। মানতীক পহিল রঁচ্চা ছিঐ তঁএ সোণবী হম ভভাবরঁ?"
ছোটকী রঁজলী-
"সভসঁ ছোট হম ভী। তঁএ সোণবী হম ভভাবরঁ।"



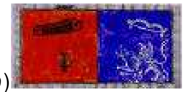
मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

তৈপব জেঠকী ভৌজাগ ফবকি কঽ বঁজলী–
"শ্বহাঁ সভসঁ ছোট্ট ডী তঁ ছোট্টকী ননদি ননিতাক সোগবী ডভাবরঁ। ওকবো পএব তঁ ভাবীএ শ্বছি। পাঁচে মাস পভাতি তঁ বঁচ্চা জন্মত।"
ছোট্টকী ভৌজাগ বিঁচেমে টিপনক–
"শ্বহী ননিতা বুঁচ্চীক সোগবী ডভাবরঁ।"
যামিনী ভৌজাগ সভ গপ স্বনৈ ছেলী। হুনকো বহুন নৈ গেননি বঁজলী–
"জখনি পহুনা শ্বরৈঁ ডথিন। তঁ হুনকা সভকেঁ স্বতৈলে হম শ্বপন ঘব দগ ছিয়নি। শ্বা শ্বখনি সোগবী ডভাবৈলে ঘঁঘৌজ ভঽ বহুন শ্বছি।"
তৈপব জেঠকী বঁজলী–
"শ্বহাঁ স্বতৈলে শ্বপন ঘব দগ ছিয়নি লে তঁ শ্বহী সোগবী ডভাক। শ্বহী দান-দছিনা লিশ্ব গঽ।"
তৈপব ছোট্টকী বঁজলী–
"হম জে মানতী বুঁচ্চীক কপড়া খিচৈ ডী শ্বা পহুনাকেঁ নীক-নিক্ত খেনাগ বঁনা খুশ্বারৈ ডী। তেকব কোনো মানি নৈ?"

মানতী মাএ সভ গপ স্বনৈ ছেলখিন। ও সোগবী ঘবক মোখ নগ জা বেঁটীকেঁ কহুনখিন–
"সোগবী ডভাবৈক তীনু দিয়াদনীক বীচ ঘঁঘৌজ ভঽ বহুন শ্বছি। কেকবা কহুরীহীন?"
মানতী শ্বসমঞ্জসমে পড়ি গেলী। সোচএ নগনী, তীনুৌ ভৌ জিগ শ্বছি। এক গোটেকেঁ কহুরঁ তঁ দু গোটে কসত। ক্ষদা ডভাবত তঁ কিযো এক্কে গোটে। বেঁটীকেঁ চুপ দেখি মাএ ফেবো বঁজলী–
"বাঁজ লে, কেকবাসঁ ডভবরৈহীন?"
মানতী মাএকেঁ পুছনখিন–
"তোহব কী বিচাব ছৌ?"
মাএকেঁ ছোট্টকী পুতোহু বেঁসী মানৈ ডথিন। বাগতে-বাতি জঁতবো কবৈ ডথিন। ঞ সভ মন পড়ননি।
মাএ বঁজলী–
"ছোট্টকীকেঁ কহীন সোগবী ডভাবৈলে।"
তৈপব মানতী বঁজলী–
"যামিনী ভৌজী হমবা সভসঁ বেঁসী মানৈএ। জখনি নেবকজী শ্বরৈঁ ডথিন তঁ শ্বপন ঘব হমবা সভ লেল ছোড়ি শ্বপলে দুনু পবাণী শ্বনতএ স্বতৈ ডথিন।"
মাএ কহুনখিন–
"তোবা জেকবাসঁ মন হাডে তেকবাসঁ সোগবী নীপা। হমবা লেল তঁ তীনু পুতোহু এক্কে বঁগ।"
মানতী শ্বপনা দক্ষা নেবক জীসঁ সেহো বিচাব লেবঁ জরুবী বুঁঝননি। ডঁহো যামিনীএ সবহোজিসঁ নিপবৈলে কহুনখিন।

যামিনী ভৌজাগ সোগবী ডভাবনক। তগলে ছোট্টকী শ্বা জেঠকী ভৌজাগকেঁ বঁড় দুখ ভেলনি। ক্ষদা দুনুমে সঁ কিযো কিছ বঁজলী নৈ।

পাঁচে মাস পভাতি ট্বিন্ট্বিন জীক ছোট্টকী বেঁটী ননিতাকেঁ বেঁটা জন্মান। শ্বাগ ডঠিহাব ডী। হুনকব দক্ষা নৈ এনখিন শ্বা লে কিযো শ্বালে সাস্ববসঁ এননি। ননিতাক মাএ তীনু পুতোহুসঁ বেঁবা-বেঁবী পুছনখিন জে সোগবী কে নীপরঁ। জেঠকী পুতোহু কহুনকনি–
"মানতী বুঁচ্চীকেঁ বেঁটী ভেন তঁ যামিনী সোগবী নিপনক। দান-দছিনা লেনক। ননিতাক দক্ষা তঁ পাগবঁনা নৈ ডথিন। ওকবো সাত গবী যামিনীএ কিশ্বএ লে ডভাবত।"
যামিনী পুতোহুকেঁ কহুন গেন তঁ ও বঁজলী–
"হম তঁ মানতী বুঁচ্চীক সোগবী ডভাবনহিযেঁ বহী। শ্বাব ছোট্টকী নৈ তঁ জেঠকী ডভাবতী। হুনকে সবঁহুক পাব ছিয়নি।"

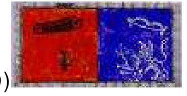


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

জখনি ছোটকী পুতোহুসঁ কহল গেল তঁ খৌনাগত জবাব দেলখিন–
"হম কিএক ছড়াবোঁ। জেঠকা পাহুন অবৈ ছথিন তঁ নীক-নিকত বঁনা-বঁনা হম খুআরিগনি, কপড়া-লত্তা হম খীটোঁ আ আমাদনী বেঁব আএল তঁ সাংগবী নিগনক মমিনী। ওকবে কহথুন রএহ নীপত।"

তীনু দিযাদনী এক্ক বাঁত সোচএ। ছোটকা পাহুন তঁ পাগবঁনা ছথিন লে। কহুনা কহ দবিতঁগামে খানগী সকুনমে পঢ়া। সবকাবী নোকবী লেল প্রযাস কহ বহল ছথিন। জহিযা-কহিযো সাসুব অবৈ ছথিন তঁ দু-চাবি ডিব্বা সাধাবনী বিসকুট লহ কহ। মিঠাগ তঁ কহিযো নাও লেল নৈ অনলে হেতা। সাসু আ হমাবা সভকেঁ কে দেত কপড়া।। ললিতো বুঁচ্চীকেঁ তঁ আফদে বই ছলহি। তেলো-সাবুন লে ললনা-ছচ্ছী। সাংগবী জে ছড়াবব সে কোনো গহনা-জেবঁব দেত।

ললিতাক মাএ ফেব মমিনী পুতোহু লগ জা কহ কহলখিন–
"জেঠকী আ ছোটকী দুনু গোবে অহী নাও কহএ। মানতীক দুল্হা পাগবঁনা অছি তঁএ ওকব সোগবী অহাঁ নীপনিঐ আ ললিতাক কে নীপত? মানতী দুল্হাসঁ গহনা-জেবঁব অহাঁ লেনিঐ তগলে ওহো দুনু দিযাদনীকেঁ পছতাবাঁ হোগ ছৈ জে হম ছড়াবিতোঁ তঁ হমাবা হোগতএ। ললিতাক তঁ সহজে সভ বুঁনৌ ছৈ জে ও কিছু দগবঁনা নৈ অছি। উ দুনু দিযাদনী তঁ খুনিএ কহ কহি দেলক জে জাথুন ওকবে কহিহথিন।"
মমিনী কহলকনি–
"সে জে ওা কই ছথিন, সেরকজী হমাবা গহনা দেলখিন সে ওা দেখলে বহথিন? গহনা দগত তঁ পহিবতোঁ আকি ন্বকা কহ বখলে বহিতোঁ। অখনি হমব মোনো ভাবী নগৈএ। মগো দুখাগএ। ভিতবে-ভীতব বোঁখাব বইএ। সর্দী-কফ ভহ গেল অছি। সুনৈ নৈ ছথিন উঁকাসীও হোগত বইএ। সাংগবী ছড়াবলে তঁ নহাএ পড়ত জগসঁ আবো বৈঁসী মোন খবাপ ভহ জাএত। তখনি হমাবা ধিযা-পুতাকেঁ কে কবত। হম নৈ ছড়াববঁনি।"
সাসু কহলখিন–
"জেঠকা পাহুন জৌঁ গহনা নৈ দেলে হেতা তঁ রূপৈআ-পৌসা তঁ দেলৈনীএ হেতা। কোনো কি হমাবা সভকেঁ দেখা-সুনা কহ দেললনি। কিছু নৈ দেলে হেতা সে নৈ মানবঁ। হম সভ গপ বুঁনৌ ছী। অহাঁ সভ সোচৈ ছিঐ জে ললিতাক দুল্হা তঁ সোগবী নীপাগ কিছু দেত নৈ তঁএ অহাঁ সভ এনা ছিবহাবা খেলাগ ছী। অহাঁ সভলে কি ললিতা সোগবীএমে বৈঁসল বহত আকি নিকলবোঁ কবত। অহাঁ সভ নৈ নীপৈ জাএবঁ তঁ হম অপলেসঁ নীপি দেবৈঁ। হমব তঁ বেঁটী ছী হম থোড়ে ছোড়ি দেবৈঁ। জাউ অহাঁ সভ সুতু গহ।"
ওা কহি মাএ ললিতা লগ গেলী। মাএকেঁ দেখিতে ললিতা পুছলকনি–
"কে নিপতৌ?"
"কিযো নৈ তৈযাব হোগ ছৌ। তোহব দুল্হা কোনো পাগবঁনা ছথুন জে সোগবী নীপাগ গহনা-জেবঁব দেবঁহীন। বুঁঝই নৈ ছীহী ছচ্ছাকেঁ কে পুচ্ছা। হম অপলেসঁ নীপবঁ। তুঁ চিন্তা নৈ কব।"
ললিতা বঁজলী–
"মাএ, তোহব নীপনাগ নীক হেতৌ। তীন-তীনটা ভৌজাগ বহিতৌ মাএ সোগবী নিপনকৈ। লোক কী কহত?"
"একটা কাজ কব। দীদীক বেঁটী বীনা অছি লে ওকবে কহীন রএহ নীপ দেত। জৌঁ ভগবান হমবো দিন নীক কেলক তঁ বীনাকেঁ কোনো গহনা দহ দেবঁ। অখনি তঁ হমবে দিন ভাবী অছি জে লৈহব ওগবলে ছী।"
মাএ বেঁটীকেঁ সংতোষ দৈত কহলখিন–
"অচ্ছা চিন্তা জুনি কব। ভগবান জকব দুখ বুঁঝথুহুন। হঁ গৌ হঁসলৌ ঘব বঁসৈ ছৈ।"



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

বীণা ললিতাক সোণবী লীপলক। ভোজ-ভাতক কোনো আবিয়ান নৈ বহএ। ভগবানক ঘবমে দেব ছৈ অন্ধেব নৈ ছৈ। ললিতাক দুল্হা বাকেশ জীকেঁ কেনবা নৈঁকমে নৌকবী ভেলনি। আবঁ তঁ ডুঁহো পাওবঁনা লোক ভ২ গেলা। সাস্ববমে হুনকো মান-দান বঁঢ়ি গেলনি।

পহুনকা বঁচ্চাক জন্মাক তীন বঁর্খ পছাতি ললিতাকেঁ দোসব বঁচ্চা ভেল। এমকী বেঁটী বহএ। বেঁটী বহিতৌ তীনু ভৌজাগ সোণবী ছছাবৈলে উগবৌঁজ কবৈ ছেলথিন। জেঠকী ভৌজাগ সোচৈত, সোণবী হম ছছাবৱঁ। মঝিলী তঁ জেঠকী ননদি মালতীক সোণবী ছছাবি দান-দছিনা পাবিএ লেনে অছি। ছোটকী ভৌজাগ সৌচৈত ললিতা হমাব ছোটকী ননদি ছী আ হম ওকব ছোটকী ভৌজাগ তঁএ হমাব ছছাবৱঁ উচিত। মঝিলী ভৌজাগ কিছু আব সৌচৈত, হুনকব সোচ ঙা জে জেঠকী আ ছোটকীমে সোণবী ছছাবৈলে বক্কা-ঠেকী হেবেঁ কবত, কিএক তঁ ওকবা দুনু গোটেমে ভৈঁসা-ভৈঁসীক কনাবি অছি। জখলে দুনু গোটেমে বাঁত-বঁতাবঁনি হএত তঁ কহবঁ। সে নৈ তঁ অহাঁ দুনু গোটে অসথিব বদ্ধু হম ছছাববৈঁ। ছোটকা পাহুন তঁ নৈঁকমে হাকিম ভ২ গেলা। জেঠকা পাহুনসঁ বেঁসী দান-দছিনা দেবেঁ কবতা।

আগ ছঠিহাব ছী। বাকেশজী অপলে তঁ নৈ এলা মুদা হুনকব পিতাজী এলথিন। জেঠকা সাবক নাউঁএ পাঁচ হজাব টাকা পঠা দেলে ছথিন। নীকসঁ ভোজ-ভাত কবৈলে কহলে ছথিন আ ললিতা জন্মানলী বেঁটী, বেঁটা, সাস্ব আ তীনু সবহোজি লেল কপড় । সেহো কীনি ক২ দগলে কহলে বহথিন। মাএ ললিতাসঁ পুছলথিন-

“সোণবী ছছাবৈলে কেকবা কহবীহীন। এ বেঁব তঁ তীনু ভৌজাগ ফুঁহ বৌলে ছৌ।”

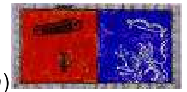
ললিতাকেঁ পছিলা সভ গপ মলে বহনি। কহলথিন-

“সোণবী বীণা ছছাবত। ওকব পছিলো দান-দছিনা বাঁকীএ ছৈ। দুনু সোণবীক দান-দছিনা অহী বেঁব দেবেঁ।”

মাএ কহলথিন-

“বঁড় নীক বিচাব। ভগবান তোবা সভকেঁ নীক কবথুন।”

ƒ


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ননদি-ভৌজাঈ

নৌকহী বাজাবসঁ উত্তব-পূর্ব কোণমে একটা গাম ছৈ পাতো। ন বড় পৈঘ আ ন বড় ছোট। পাতো সপ্তবী জিলাক লেগাম অধিবাজ্যমে পড়ৈ এ। ভাবত আ লেপালক সীমাসঁ লগধগ তীন কিলো মিটৈব উত্তব। পাতো গামাক পচ্ছিম একটা সড়ক অছি জে ফত্তপুব চৌকসঁ লেপালক মুখ্য সড়ক বাজমার্গমে কঠৌনা লগ মিলৈত অছি।

পাতো গামমে একটা বড় পৈঘ সমাজবাদী লোক ভেল ছলা। হুনকব নাওঁ হীবা লাল ছেলনি। হুনকা সভ গোটে লেতাজী কহি আদব কবৈ ছেলনি। গুমা ও বাজনীতি সেহো কবৈ ছলা। হুনকা দুটা বেটা আ দুটা বেটী বহনি। জেঠকা বেটাক নাওঁ অমিত আ ছোটকাক নাওঁ সুমীত। জেঠকী বেটীক নাওঁ লালতি আ ছোটকীক নাওঁ আবতী বহনি। সভসঁ জেঠ বেটীএ ছেলী জে সসুবাব ছেলী। ওগসঁ ছোট দুনু বেটা আ সভসঁ ছোট আবতী। অমিতক বিয়াহ ভ২ গেল বহনি। হুনকো কনিয়াঁ বঁসৈ ছেলী। একটা বেটী আ দুটা বেটা ছেলনি। জেঠ বেটীএ বহনি কবীব দস বর্খক। আবতী ভতিজা-ভতিজীকেঁ বঁড় মানৈ ছেলী। পড়ৈলে জাগত ওঁ চৌকপব সঁ বিসকুট-চকলেট লেলে অবৈত আ ভতিজা-ভতিজীকেঁ দৈত। অমিত গাঁ্টৈব পাস ক২ গামেক স্কুলমে শিক্ষক ছলা জখৌনকি সুমীত ভোপালমে ওঁজীনিয়বিংগক পঢ়াঈ পঢ়ি বহল ছলা।

হীবা লাল সমাজবাদী বিচাব ধাবাক বেকতী ছলা সে ওঁ পহিলহিও কহল ছী। হুনকব কহব ছেলনি জে 'বেটা আ বেটী ববববি।' সে লৈ ওঁ দুনুকেঁ ববববি অধিকাব ভেটৈক চাহী। মুদা বেটা সবহক বিচাব ওগসঁ ভিন্ন, খাস ক২ অমিতক। হুনকব কহব জে বেটীক বিয়াহ ভেলা পছাতি নৈহবমে কিছু লৈ। ও মেহমান জকাঁ নৈহব আবএ আ দস-বীস দিন বহি আপস সাসুব চলি জাথি। নৈহবাক কোনো বাত-বেবহাবমে কোনো তবহেঁ হস্তক্ষেপ লৈ কবথি। ছোট ভাএ সুমীত সেহো ভৈয়াক বাতকেঁ সমর্থন কবৈত। মুদা অখনি ও পঢ়াঈ ক২ বহল অছি। ওঁএ ঘব-পবিবাবসঁ বেসী মনোকাব লৈ বখৈত। হুনকা সমৈপব কপৈআ ভেটৈ জাহি মাত্র এতবেসঁ মতলব। অমিতক পত্নী আমীতোসঁ এক ডেগ আগু হুনকা ননদি সভ কলকো লৈ সোহাঈ ছেলনি। জখনি জেঠকী ননদি লালতি নৈহবা অবৈ ছেলী ওঁ অমিতক পত্নী মিবহাবাণী কনকন কবএ লগৈ ছেলী। সাব-সবহোজিক বেবহাবসঁ লালতিক দুক্খ সাসুব এনাই-গেনাই ছোড়ি দেলে ছেলা। হীবা লালক ছোটকী বেটী মামামে পড়ৈ ছেলী। আবতী অপন পঢ়াঈ কবৈত ভৌজাঈক ভানস-ভাতমে সেহো মদতি কবৈ ছেলী। ভতীজা-ভতিজীকেঁ স্নান কবৌনাই কপড় া পহিবৌনাই, তেল-ফুব দেনাই ই সভ কাজ আবতীএ কবৈ ছেলী। মুদা ভৌজাঈ মেল ধনি মন।

আবতী আ মিবহাবাণীক বীচ জখনি-তখনি বক্কা-টেকী ভ২ জাএ ছল। আবতীক মাএ বেটীক পক্ষ লগ ছেলী। জখৌনকি অমিত পত্নীক পক্ষ লগ ছল। আবতীক মাএ পতি হীবা লালসঁ শিকাঈত কেলী-

“মিবহাবাণী আবতীকেঁ দেখএ লৈ চাহিএ। জখনি-তখনি ওকবাসঁ কহা-সুনী ক২ লৈত অছি।”

হীবা লাল বেটোকেঁ বাজা কহলখিন-

“কনিয়াঁকেঁ সমঝা দিয়ৌ জে আবতীকেঁ তংগ লৈ কবএ। ওকবা কিছু কহএ লৈ।”

টৈপব অমিত বাজল-

“সভ দোখ আবতীক অছি। ও এঁ সম্পতিকেঁ অপন বুঝৈএ। ভৌজাঈকেঁ কোনো মোজলে ল দৈত অছি। অহাঁ আবতীকেঁ বুঝা দিয়ৌ জে ও এঁঠাম কিছু দিনক মেহমান মাত্র ছী। ভৌজাঈসঁ মুঁহ লৈ লগবঁএ।”

অমিতক বাতসঁ হীবালালকেঁ বড় কষ্ট ভেলনি মুদা ও বজলা কিছু লৈ। হিনকামে একটা গুণ ছহি জে ও অপন বাতসঁ কিনকো সঁতুষ্ট ক২ দগ ছথিন। মুদা কমজোবী ই জে হুনকব দুনু বেটা হুনকাসঁ সন্তুষ্ট লৈ হোগত বহনি।

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

সোম দিনক ঘটনা ছী। অমিত সকুলক কাতমে চাহক দোকানপব বৈস চাহ পীবি বহল ছল। তখলে ওকব বৈটী গুড়ি যা আএল আ কহলক–

"পাপা, মম্মী কলৈএ।"

অমিত পুছলক–

"কিঅএ ?"

গুড়ি যা বাজল–

"আবতী দীদী মাবলকৈ হেন।"

ঙা বাত সুনি অমিতকেঁ তামসে দৈক ঠাড় ভ২ গেল। চাহ পীনাগ ছোড়ি গাম দিস বিদা ভেল। গামপব আবি গোহালীমে খোঁসল হুবৱাহী পেনা ল২ অঁগনা গেল। আবতী ঘব বহানৈ ছেলী। তখলে ওহী পেনাসঁ অনধুন মাবএ লগল। ওঘবা-ওঘবা ক২ মাবলক। পীঠ আ জাঁঘ দু দাগি ক২ ফুটি গেলৈ। আবতীক মাএ বদাম ওগলৈলে বাধ গেল ছেলী। কিযো কহলকনি তঁ দৌগল অঁগনা এলী। বেটীক হালতি দেখি কানএ লগলী। আবতীক কপড় মে লছু লগল বহএ। মাএকেঁ দেখিতে আবতী আবো জোব-জোবসঁ কানএ লগলী। আবতীক দশা দেখি মাএ ভবি পাঁজমে পকড়ি বেটীকেঁ অনষ্ট সনষ্ট কহএ লগলী। আবতীক কক্কা দেরণজী ডাক্টব বজা গলাজ কবৌলখিন। বাতিমে আবতী আ ওকব মাএ কিছু লৈ খেলক। কিযো পুছিওলে লৈ এলনি। ভিনসবে আবতীক মাএ ফুস্কি খেলাগ বলৌলক। কেতে কহলা পছাতি আবতী দু-চাবি কৌব খেলক আবতীক মাএ অপন বৈটী সংগ ভীলে ভালস কবএ লগলী। জে দেখি অমিত বজএ–

"ঙা ছৌড়ী, হমবা পবিবাবমে ভিলৌজ কবা দেলক। কহিয়া ঙা ছৌড়ী এ ঘবসঁ জাএত সে লৈ জানি।"

আবতীক মাএ কিছু লৈ বজএ। দুনু মাএ-বেটীকেঁ সিবহাবালীসঁ বজা-ভুকী বন্ন ভ২ গেল। হীবা লাল গামমে লৈ ছলা। পাটীক মীটিংগমে ভাগ লগলে কাঠমাণ্ডু গেল ছলা।

এ ঘটনাক পাঁচম দিন ভিনসবে হীবা লাল গাম এলা। জখনি ও অপনা কোঠবীমে লোবা বখি কপড় বদলৈত বহথি তখলে আবতীক মাএ কানএ লগলী। মাএকেঁ কলৈত দেখি আবতীও কানএ লগলী। পলো আ বেটীক কানব সুনি হীবা লাল অকচকা গেলা। হুনকা কিছু ফুড়বৈ লে কবনি। ভেলনি জে জেঠকী বেটী লৈ তঁ ছোটকা বেটাকেঁ লৈ তঁ কিছু ভ২ গেল। সাগত তঁএ দুনু মাম-ধী এলা কলৈএ। অমিতকেঁ হাক দেলখিন। অমিত অপনা কাঠবীমে কিছু লিখৈত বহএ। পিতাক হাক সুনি অমিত ওতৈসঁ বাজল–

"কী কহৈ ছিএ।"

হীবা লাল কহলকনি–

"এম্হব আউ তঁ।"

অমিত পিতা লগ আবি ঠাড় ভেল। দেখিতে পিতা পুছলখিন–

"দুনু গোটে এলা কিঅএ কলৈএ। কী ভেলৈ ?"

অমিত কখাএল বাজল–

"একবে সভসঁ পুছিযৌ লে, কি ভেলৈএ।"

তৈপব মাএ লগ আবি বজলী–

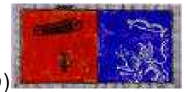
"হমবা বেটীকেঁ মাবি ক২ সুতাএ দেলে বহএ। ওঘবা-আ`ঘবা মাবলক। জাঁঘ আ পীঠ দু দাগি ক২ ফোবি দেলক আ অখনি বজৈএ একবে সভকেঁ পুছিযৌ।"

ঙা কহি মাএ আবতীক পীঠ উঘাবি দেখৌলকনি। আ পুছলকনি–

"জাঁঘো দেখাবী ?"

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

হীবা লাল ফ্রঁহসঁ নিকললনি–
"লৈ, হম সভ বুঁঝি গেলিঐ।"
লগলে স্বরে অমিতসঁ পুছলথিন–
"কিঅএ মাবলিঐ আবতীকেঁ ? কী কেলে বহএ ?"
রিচ্চেমে আবতীক মাএ বঁজলী–
"হমাবা বেঁটীকেঁ অঘমৌগতি কর মাবলক। হম বঁদাম ওগবৈত বলী। স্বগিমা হমাবা কহএ গেল। তঁ হম দৌগল এলৌঁ। অঁগনামে বেঁটীকেঁ ওঁঘবাএল দেখলৌঁ। ওকব মলরাব আ মমীজ লদ্ধসঁ ভিজল বহএ। দেরল রৌখা লাল ডাক্টবকেঁ বঁজা হমাবা বেঁটীকেঁ দরাঁগ-রিবো কবৌলক।"
তৈঁগব অমিত বাঁজল–
"একব বেঁটী হমাবা বঁহুকেঁ মাবলক সে বঁড় লীক। ভোষ্ট ননদি ভর জেঠ ভৌজাগগব হাথ উঠৌত। জেলা হম হিজবা বহিঐ।"
বাঁজি অমিত ওতএসঁ চলি গেল।
হীবা লালকেঁ বেঁটোক বেঁরহাবসঁ বঁড় পীড় ৷ ভেলনি। হ্নদা বঁলজা কিছু লৈ। আবতীসঁ পুছলথিন–
"কী কেলে বলী। কিঅএ অমিত মাবললৌ ?"
আবতী–
"বাঁবু যৌ, হমাবা স্কুলমে ওগ দিল মবেঁবে ভুষ্টী ভর গেল বহএ। গামগব এলৌঁ তঁ মাএ অঁগনামে লৈ ছল। হমাবা বঁড় ভুখ লগল বহএ। ভলমা ঘব গেলিঐ তঁ ছচ্ছে ভাত বহএ। তীমন-তবকাবী কিছু লে বহএ। ভৌজী আ গুড় যা ওমাবগব বৈঁস খাগত বহএ। হম ভৌজীসঁ পুছলিঐ জে তীমন-তবকাবী লৈ ছৈ হম কথী মেলে খেবেঁ। তৈঁগব ভৌজী কহলক, লুণ-তেল মেলে খা লিঅ। হম কহলিঐ লুণ-তেল মেলে লৈ খাএবঁ। তৈঁগব ভৌজী কহলক, তহল ঘী-মলীদা কেতএসঁ এতৈ। হম কহলিঐ কলী দুধ লর লগ ছী আ ওহী মেলে খা লেবঁ। তৈঁগব ভৌজী বাঁজলি কলীযোঁ দুধ ছৈ চাহলে বহএ দিযৌ। ফেব মোচলৌঁ জে কলীযোঁ লর লেবঁ। ওবিকা লর কর অদহে ওবিকা লিঅ লগলৌঁ আকি ভৌজী অঁগঠে হাপে আবি ওবিকা ছীলএ লগল। তৈঁগব হম ভৌজীক হাথ ঝমাবি দেলিঐ। ওবিকা মহক মভটা দুধ হবা গেল। ভৌজী হাথ ধোগ কর ওছাগলগব জা কালএ লগল। হম খেবৌ লে কেলৌঁ। বঁবতল-বাঁমল মাজি-ধোগ কর বথি জখলি ভলমা ঘব বঁহাবৈ ভেলৌঁ আকি ভৈয়া আবি ঠেঁগা লর হমাবা মাবএ লগল।"
আবতীক বাঁত মভটা স্বলি হীবা লাল কিছু লৈ বঁজলা। ওলা নহিএ জলখৈ আ নহিএ কলৌ খেললি। চুপ-চাপ অপল দিলচর্যামে লগল বহলা।
বাতিমে হীবা লাল অমিতকেঁ বঁজা কহলথিন–
"হমাবা মভ বাঁত মালুম ভেল। ঐ মমস্যাক লিদাল কেলা হএত ?"
অমিত–
"আবতীক রিআহ ভর জেতৈ ও মাস্বব চলি জাএত তখলি মমস্যাক লিদাল অপলে ভর জাএত। জাবেঁ ধবি ওঁ ছৌড় ৷ এতএ বহত, বাঁমষ্ট বহবেঁ কবত।"
হীবা লাল–
"অখলি আবতী এস.এল.সী.ও লে কেলক হেন। উমেবো অখলি মোল্হ বঁবখ ভেলৈ হেন। রিআহো কেলা কববঁ। জখলি গাষ্টব পাস কর জাএত আ উমেবো অঠাবহ বঁবখ পুগি জেতৈ তখলি রিআহ কর দেবৈঁ।"
অমিত বাঁজল–
"জাণী অহাঁ। হমাবা কোল মতলবঁ।"
হীবা লালকেঁ তামস উঠি গেলনি বঁজলা–
"জেঠ ভাগ ছিঐ অহাঁ। এহেল বাঁত বঁজৈত কনিকো লাজ লৈ হোগএ ?"



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

রাগক উঠি স্বমি অমিত তৈসমে আরি রাজন–

“অঁগ, ঔ ভৌড় ী হমবা রহুসঁ সৌতিমিগাঁ ডাহ বকৃথত। জেঠ ভৌজাওকেঁ কমিকো মোজব নৈ দেত। একবা চনতে পবিৱাবমে দু ঠাম ভানস হুঅএ নগন। অহাঁ উঁনটে হমবা কহৈ জী। আবতীকেঁ সমমা দিযৌ বাজৱাণী বাজ নেতী দাগ জেতী ডচছে।”

হীবা নান কহনথিন–

“ঠীক ছৈ। জাবেঁ ধবি আবতী পাতোমে বহত হম সভ ভিন্ন ভনসা রনাএব।”

অমিত কহনকমি–

“ঠীক ছৈ। জে মন ফুড়এ সে কৰু।”

হীবা নানক পবিৱাবমে দু জগহ ভানস রনএ নগন। স্বমীত গবমী উষ্ণীমে গাম আএন। কহিযো মাএক রনৌন খেনাগ খা নগ ভন তঁ কহিযো ভৌজীক রনৌন। স্বমীত কহনব বহৈ জে অখমি পবিৱাবক রিৱাদসঁ হম দূবে বহব। হমবা এঁ সভসঁ কোনো নেনী-দেনী নৈ।

অমিতক সাব ননমজী কাঠমাণ্ডুমে ওঁজীমিগব ডথিন। ও অপন পবিৱাবক সঁগ কাঠমাণ্ডুএমে বহৈ ডথি। দসমীমে গাম এনথিন তঁ অমিতোকেঁ সপবিৱাব মিবহা অবৈনে মোৱাগনপব কহনকমি। কিএক তঁ রনি-ভোগ ডন।

পচমীকেঁ অমিত অপন পনী আ ধিযা-পুতাক সঁগ সাস্ব পহুঁচন। ওতএ দেখনক জে ওঁজীমিগব সাহিব অপন মাএ-বাবু, দুনু ডোট ভাএ আ ডোট রহিন নেন কাঠমাণ্ডুসঁ কপড় া ননে আএন বহথিন। অমিত, অমিতক পনী আ ধিযা-পুতাকেঁ মিবহা বজাব নঃ জা কঃ মন-পসন কপড় া কীমি দেনথিন। সাব-সবহোজি অমিতকেঁ রহুত মানৈ ছেনমি। ওঁজীমিগব সাহিব অপন ডোট ভাএ-রহিনক রড় খিযান বখৈ ছেনথিন। অমিত সোচএ, ওঁজীমিগব সাহিব ভাএ-রহিনকেঁ কেতে মানৈ ডথিন। হম তঁ অপনা ভাএকেঁ আগ ধবি এক্কা পাগ নৈ দেনে হএব আ রহিনকেঁ তঁ...।

ফেব সোচএ, হমবে রৈবহাবসঁ জেঠকা পাহুন পাতো এনাগ-গেনাগ ডোড়ি দেননি।

ওঁজীমিগব সাহিব অমিতকেঁ কহনথিন–

“যৌ পাহুন, দুমিযাঁমে কিছু নে ছৈ। সভ গোটে আপসমে মিনি-জুনি কঃ প্রেমসঁ বন্ধ সএহ গৈঘ রাত ভেন। কী নঃ কঃ দুমিযাঁমে এনৌঁ আ কী নঃ কঃ জাএব। জেতেক দিন জীরী হঁসী-খুশীসঁ জীরী।”

অমিতপব সাবক রাতক অসবি ভেন। অমিতক পনী ভৌজাওক স্বন্নব রাত-রৈবহাব দেখি ডগ্গুতামে পড়ি গেনী। কিএক নে পড়িতী। ভৌজাও হুনকা ভোবে চাহ বনা পীরৈত বহথিন। জাবেঁ ধবি ও নৈ খাগ ডন তাবেঁ ভৌজাগও নে খাগ ছেনমি। মিবহারাণী সোচএ, ঔহো তঁ হমব ভৌজাওএ জী। কেতেক মান-দান কবৈএ। হম্ম হম তঁ ননদি সভকেঁ...।

এক দিনক গপ জী। চুহ্নিপব নোহিযামে দূধ বহএ। দূধমে তবহথৌ সন ডানহী পড়ন বহএ। মিবহারাণী ডানহী দেখি ভৌজাওসঁ পুছনক–

“ভৌজী, কণী ডানহী নী?”

তৈপব ভৌজী মাবড়িরাণী রাজনী–

“অঁগ যৌ দৈযা, কী ঔ হিনকব ঘব নৈ ছিযমি জে হমবাসঁ পুছৈ ডথিন। ঔ সভ তঁ ঘবক মেহমান ডথিন। হিনকা সভকেঁ কেতএ দেখবমি। ঔ সভ জেতবেঁ খেতহীন-পীতহীন ওতবেঁ নে, কোনো ঘব ননে পাতো জেতহীন। সভ ধন-রীত তঁ হমবে সভনে ডোড়নে জেতহীন। জে মন হোগ ডনহি সে খাথু।”

ঔ কহি মাবড়িরাণী একটা কটৈবীমে সভটা ডানহী মিকানি ননদিক হাথমে দঃ পুছনথিন–

“চিন্নীও নেব।”

মিবহারাণী–

“কণী দঃ দিঅ।”

মিবহারানীকেঁ সাস্বক সভটা বাঁত মন পড়ি গেল। জে কণী দুধ ননদি লিখএ লগল। তঁ ওবিকা ছিনএ লগলোঁ। তগলে ননদি হমব হাথ কমাবি দেলনি। হম কান্এ লগলোঁ হমবা কালৈত দেখি গুড়ি যাক পাপা আবতীকেঁ অধমৌগতি ক২ মাবলক। জেকব কাকা আগ পবিরাবমে দু জগহ ভাগস লোগএ। ছি ছি কেহেন ছী হম। আবতীও তঁ কিছুএ দিনক মেহমান ছী। গাষ্টবক পবীক্ষা মার্চমে হএত আ অপ্রীলমে রিআহ ভ২ জাএত। সাস্বব চলি জাএত। ফেব ওকবা কেতএ দেখবঁ। ও তঁ জেতবেঁ খাএত-পীঅত ওঢ়ত-পহিবত ওতবেঁ নে। সভ ধন-সম্পতি তঁ হমবে সভলে বহি জাএত। কেতে ডঁচ্ছন্নবি দগ ছিঐ ননদি সভকেঁ। জেঠকী ননদি-ননদোসি তঁ সাস্বরে এনাগ ছোড়ি দেলক। হম পাপী ছী...।

মিবহারানীক আঁখিসঁ টপ-টপ নোব খসএ লগল। মাবড়ি রাণী চিন্নী ন২ ক২ এলী তঁ ননদিক আঁখিমে নোব দেখলনি তঁ পুছলখিন-

“কী ভেল দৈযা, কিঅএ কনৈ ছী। হমবাসঁ কোনো ঘটী ভ২ গেল কী ?”

মিবহারানী কহলকনি-

“নৈ যৌ ভৌজী, অহাঁসঁ গলতী নৈ ভেল। হমবেসঁ গলতী ভ২ গেল অছি। রএহ সভ মন পড়ল তঁ আঁখিমে নোব আবি গেল। আগ হমব আঁখি খুজি গেল।”

মাবড়ি রাণী বঁজলী-

“দেখিযৌ দৈযা, জেহনে অপন মাএ-বাঁবু তেহনে সাস্ব-সস্বব। জেহনে অপন ভাএ-বঁহিন তেহনে দিঅব-ননদি। অপন বৌরহাবসঁ সভকেঁ খুশি বাখী এঁসঁ নীক বাঁত ওব কিছু নৈ। অহাঁ অনকাসঁ নীক বৌরহাব কববঁ তঁ নোক অহূঁসঁ নীক বৌরহাব কবত।”

অমিতপব সাব-সবহোজিক বৌরহাবক অসবি পড়ল। তেনাহিএ মিবহোরানীপব ভাএ-ভৌজাগক বাঁত-বৌরহাবসঁ বঁড় প্রভাবিত ভেলী। দুনু পবাণী রিচাব ক২ নিশ্চএ কেলনি।

দসমীক রিহান ভলে অমিত অপন পবিরাবক সংগ সাঁসমে পাতো পহুঁচল। অমিত মাএকেঁ পএব ছুরি গোব লগলক। মিবহোরানী সাস্বকেঁ গোব লগলক। মিবহারানী অপন সভ সমান ঘবমে বখি কপড় । বঁদলি ভনসা ঘব গেলী। আবতী আ ওকব মাএ ভনসাক ওবিসানমে লগল ছেলী। মাএ তবকাবী কটৈ ছেলী আ আবতী মসল্লা পীসৈ ছেলী। মিবহারানী আবতীক হাথ পকড়ি উঠবৈত কহলখিন-

“অহাঁ মসল্লা পীসবঁ ছোড়ি পঢ়ু গ২, পবীক্ষা নগিচাএল অছি। আগসঁ সবঁহক ভাগস হমহী কববঁ। আবঁ দু জগহ খেনাগ নৈ বঁনত। গলতী হমবে ছল। অহাঁ তঁ কিছু দিনক মেহমান ছী। রিআহ পছাতি অহাঁকেঁ কেতএ দেখবঁ।”

মিবহারানীক আঁখিসঁ টপ-টপ নোব গিবএ লগল। ভৌজাগকেঁ কনৈত দেখি আবতীও কান্এ লগলী। আবতীক মাএ দুনু গোটেক আঁখিক নোব পোছৈত কহলখিন-

“পহুলকা বাঁতকেঁ দুনু গোটে রিসবি জাউ।”

তৈপব অমিত মাএকেঁ কহলকনি-

“মাএ, হমবাসঁ বঁড়কা গলতী ভ২ গেল ছল। হমবা মাফ ক২ দে।”

অমিতো কান্এ লগল। দুনু আঁখিসঁ দলো-বঁলো নোব জাএ লগলৈ। আবতী ভৈযাকেঁ কনৈত দেখি পএব পকড়ি কানএ লগল-

“নৈ ভৈযা, হমবাসঁ গলতী ভেল ছল। হমবা মাফ ক২ দিঅ।”

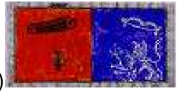
বৌটা-বৌটী আ পুতোহুকেঁ কনৈত দেখি মাএও কান্এ লগলী।

কনীকাল পছাতি হীবা লাল এলখিন। দুবেগবসঁ আবতীকেঁ হাক দেলখিন। মিবহারানী পুছলখিন-

“কী কহৈ ছিঐ বাবুজী। আবতী বুচ্চী পঢ়ৈ ছথিন।”

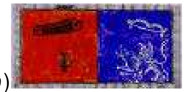
হীবা লাল আবতীক মাএ লগ জা বঁজল-

“ঔ মাস্ব িলঅ নীকসঁ ভীমন কক।”


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

শ্বাবতীক মাএ কহলথিন-
"গ্বড়ি যা মাএকেঁ দিযৌ। রএহ সরঁহক ভান্স কবথিন।"
তৈপব মিবহারানী কহলথিন-
"হঁ রাবুজী, শ্বাগসঁ হমহঁী সরঁহক ভান্স-ভাত কবরঁ। পবিরাবমে দুঠাম ভান্স নৌ হুএত।"
গপ-সপ্প স্বনি শ্বমিতো শ্বারি রঁজন-
"হঁ রাবুজী, শ্বার সভ গোষ্ঠে শ্বপসমে মিলি-জুলি প্রেমসঁ বহরঁ। শ্বাবতীক পবীক্ষা নগিচাএল শ্বছি। ও শ্বপন পবীক্ষাক তৈযাবী কবত।"
"শ্বচ্ছা, ঠীক ছৈ।" রঁজৈত হীবা নানকেঁ মনমে ভেলনি শ্বাগসঁ ভবি পেষ্ট খাএরঁ।

ƒ


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

বাবাধাম

“বোল-বম বোল-বম। বোলবম-বোলবম’ ক আৱাজ কমলীক কানমে পড়ল ওঁ ও ঘাস কাটব ছোড়ি সড়ক দিস তকলক। একটা বসমে পীয়র-লাল কপড় পহিরিনে লোক সভকেঁ দেখলক। বসক ভীতর আ ছতপর লোক সভ বৈস কঽ বোলবম-বোলবমক নারা লগবৈত ছল। বস তেজীসঁ সড়কপর দৌগ রহল ছল।

কমলীক খেত সড়কক কাতেমে ছল। ও খেতক আরিপর ঘাস কাটি রহল ছলি। কমলী সোচএ লগলী- কতেক লোক বাবা ধাম জাগত অছি মুদা হমর ওঁ ভাগে খরাপ অছি। কতেক দিনসঁ রিকনাক বাপকেঁ কহৈত ছী মুদা ও অছি জে ধিয়ানে নে দৈত অছি।

কমলী আ নথন দু পরাণী। একটা বেটা রিকনা। রিকনা সাতমে পঢ়ৈত। নথনক মাএ-বাপক সভর অসমী বর্খক বুঢ়। নথনকেঁ পাঁচ বিঘা খেত। এক জোড় া বড়দ আ একটা মহীসো। নথনকেঁ কতৌ জাগলে সোচএ পড়এ। কিএক ওঁ সভর বর্খক বুঢ় মাএ আ অসমী বর্খক অথরল বাপকেঁ ছোড়ি কতএ জাএত। তগপর সঁ এক জোড় া বরদ আ মহীসোকেঁ দেখ-রেখ। পাঁচ বিঘা খেতমে লাগল ফসলক ওগরবাহী। অসগরে কমলীসঁ কেনা পার লাগত। তেঁ কমলীক বাবাধামবলা বাতপর নথন ধিয়ান নৈ দৈত ছল। নথন সোচএ কমলীকেঁ গামক লোকে সংগে বাবা ধাম ভেজ দের ওঁ ভানস কে করত? ধাস কে আনত। অসগরে হম কী সভ করব। বেটা রিকনা পঢ়তে অছি। ওকরা স্কুলসঁ ছুট্টী হোগত অছি ওঁ ও টৈশিন পঢ়ৈ লএ চলি জাগত অছি। বিনা টৈশিন পঢ়লে কেনা পরীক্ষা পাস করত। সরকারী স্কুলমে কী আব পঢ়া ি হোগত অছি। মাস্টর সভ বৈস কঽ গপ লড়বৈত রহৈত অছি। চট্টিয়া সভ কোঠরীমে বৈস কঽ গপ করৈএ অথবা লড় াি-ঝগড় া। মাস্টর সবহক লেল ধনি সন। নথন অপন খেতী গৃহস্থীক সংগে মাএ-বাপকেঁ সেবা নীকসঁ করৈত অছি। মাএ ওঁ পোড়তে পেহগরো ছথিন মুদা বাপকেঁ উঠবো-বৈসবোমে দিক্কতে ছলহি। হুনকা পৈখানা-পেশাব নথনেকেঁ করাবএ পড়ৈত অছি। পৌরুকাঁসাল ফাগুনমে নথনক পিতাজীকেঁ লকবা মাবি দেলকনি। মিশ্রী পাণী কলিনীক দরভংগামে ইলাজ করেলাসঁ জান ওঁ বচি গেলনি মুদা অথরল ভঽ গেলা। ভগবান নথন জকা ঁ বেটা সভকেঁ দেথুন। ও তন মন আ ধনসঁ মাএ-বাপকেঁ সেবা করৈত অছি।

নথনক একটা সংগী অছি। নাম ছী সুকন। সুকন নথনসঁ বেসী ধনীক অছি। দুটা বেটা অছি সুকনকেঁ। দুনু বেটা সভমা তক পঢ়ি দিল্লীমে নৌকরী করৈত অছি। মাসে-মাসে বেটা সবহক ভেজলাহা রুপৈআ সুকনকেঁ ভেটৈ জাগত অছি। সুকলোক মাএ-বাবু জীবিতে ছথিন। সুকনক মাএ কম দেখৈত ছথিন। হুনকা বাতিকেঁ সুঝবৈ নৈ করৈত ছলহি। এক দিন সুকনক মাএ বাতিকেঁ ওসারপর সঁ গির গেলথিন হুনকা পএরমে মোচ পড়ি গেলনহি। নথনকেঁ পতা চলল ওঁ ও সুকনক মাএক জিজ্ঞাসা করৈলে গেল। সুকনক মাএ নথনকেঁ অপনে বেটা জকাঁ মানৈ ছেলথিন।
নথন সুকনক মাএসঁ পুছলক-
“মাএ কেনা কঽ ওসারপর সঁ গির গেলে।”
সুকনক মাএ বাজলি-
“বৌআ, আব হমরা সুঝৈ নৈ অছি। বাতি কঽ ওঁ সাফে নৈ দেখৈত ছী। বেচু বাবুক ছোটকা কলটৈরবা দরভংগামে ডাকডরী পঢ়ৈত অছি ও ফগুআমে গাম আএল ছল হুনকা কহলিএ ওঁ ও হমর দুনু আঁখি দেখলক আ কহলক জে দুনু আঁখিমে মোতিয়াবিন্দ ভঽ গেলৌহেঁ। কহলক জে অঁপরেশন করেলাসঁ ঠীক ভঽ জাএত আ নীক জকাতি সুঝএ লগত।”
হম সুকনকেঁ কহলিএ ওঁ ও কহলক জে অখনি রুপৈআ নৈ অছি। রুপৈআ হএত ওঁ লহান লঽ জা কঽ অঁপরেশন করা অনবৈ। মুদা ফাগুনসঁ ভাদো আবি গেল, অঁপরেশন নৈ করা আনলক। সুনৈ ছিএ টৌড়চলক পরাত দুনু পরাণী বাবাধাম জএত।

স্বকনক বাবুজী সত্তবি বর্খক ছথিন। ও নামী গিবহত ছলা। তবকাবী উপজা কহ বেঁচৈ ছলা। তবকাবী বেঁচি কহ পাঁচ বিগহা খেত কীননা। আব উমেব বেসী ভেলাসঁ কাজ কবৈ জোকব নৈ বহলা। হুনকা চাহ পীবাক আদতি ভহ গেল ছনহি। ভোব আ সাঁঝ চাহ হেবাকে তাকী। একটা আদতি ওবো ছনহি, খৈনী খাগক। স্বকন অপনাবাবু জীকেঁ চাহ আ খৈনী নৈ জুমাবৈত অছি। কেহৈত ছনহি- কৈঁসব ভহ জেতহ। ঝদা অপনা পান-পবাগ, সিগবেট, দাক সবঁহক সেবন কবৈত অছি।

এক দিন নখন স্বকনক দলানক পাছাসঁ জাগত ছল তঁ স্বকনক জোব-জোবসঁ বাজব স্বনি কহ ঠাঢ় ভহ গেল। স্বকনক দলানক পাছাসঁ সড়ক গুবজৈ ছৈ। সড়কেপব সঁ নখন স্বন্এ নগল। স্বকন বাজৈ ছল-

"হবদম চাহ-চাহ বটৈত বহৈত ছহক। কিছু বুঝবো কবৈ ছহক। চীনী চালীস টকে কিলো ভহ গেল। চাহপত্তী জে বাবহ টাকামে ভেটৈ ছেলৈ আব বীস টাকামে ভেটৈ ছৈ। পানিবলা দুধ পন্দ্রহ কপৈযে গিলাস। কে জুমত চাহমে। আ তোবা ভোব-সাঁঝ চাহ হেবাকে চানী। হম নৈ সকব-তোবা চাহ জুমাবৈমে।"

বুঢ় া কিছু নৈ বজৈত বহথি। নখনকেঁ কোনো জরুবী কাজ বহৈ তঁএ ও আগাঁ বঢ়ি গেল।

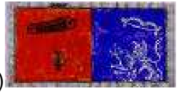
স্বকন অপনা পড় াসিযা ওগঠাম মাএ-বাবুক ভোজনক জোগাব নগা কহ টৌড়চলক বিহালে দুনু পবাণী বাবাধাম বিদা ভহ গেল। স্বলতানগঞ্জমে গংগাজল ভবি কামৌব লহ বাবাধাম পহুঁচল। একাদশী দিন বাবাকেঁ জল চঢ় া বাসকীনাথ, তাবাপীঠ হোগত ওতএসঁ কলকত্তা চলি গেল। এমহব এ বীচ স্বকনক বাবুজী বেমাব পড়ি গেলথিন। হুনকা বোখাব নগি গেলনি। নখনকেঁ সমাদ ভেটৈল জে স্বকনক বাবুজী দুখিত ছথিন। নখন ওগঠাম জা ডাক্টবকেঁ বজা কহ অপনা দিসসঁ খর্চ কহ বুঢ় াক ইলাজ কবৌলক। জাবৈ ধবি স্বকন দুনু পবাণী বাবাধামসঁ আপস নৈ আএল তাবৈ ধবি নখন দিনমে একবেব স্বকনক মাএ-বাবুক ভেঁটৈ কববাক লেল নিশ্চিত জাএ। দুনু গোটৈ লেল অপনা দিসসঁ চাহ আ খৈনীওক জোগাব নখন কহ দেনে ছল।

স্বকন জিতিযা পাবনিসঁ তীন দিন পহিলে গাম আএল। স্বকনকেঁ বাবাধাম আ কলকত্তাসঁ আপস অএলাক দোসব দিন ভিনসবে চৌকপব চাহক দোকানপব নখনক ভেঁটৈ স্বকনসঁ ভহ গেল। স্বকন চাহক দোকানপব বেস কলকত্তাক বর্ণন কবৈত ছল। নখন স্বকনসঁ বাস্তা-পেবাক সমাচাব পুছলক। তঁ স্বকন কহলক-

"বৌ দোস, বাবাক দ্রপাসঁ সভ কিছু নীকে বহলৌ। দুনু পবাণী কলকত্তা ঘুমিযে লেলিযো। তোঁ খালী বৈঁকমে কপৈআ বাখ লে। তোঁ কী বুঝবেঁ ধবম-কবম। তোবা জঁ কপৈআক আমদনী হেতৌ তঁ তোঁ খেত ভবনা লেমে নৈ তঁ বৈঁকমে বখমে। হম দুনু পবাণী দস বর্খসঁ কামোব লহ কহ বাবাধাম জাগত ছী।"

স্বকনক বাত নখনকেঁ নৈ সোহাএল। ও সোচলক জে অখনি একবা জবাব দেনাগ ঠীক নৈ হএত। বাজল-

"বৌ দোস, সে তঁ ঠীকে কহৈ ছী। হম ধবম-কবম কী বুঝব। ঝদা হম অপন মাএ-বাপক সেবা তন-মন-ধনসঁ কবৈ ছী। হমবা লেল তঁ বাবাধাম হমব মাগএ-বাবু ছথি। হমবা লেল তঁ হমব বাবুজী সাক্ষাত্ মহাদেব আ মাএ পার্বতী ছথি। হুনকে দুনু গোটৈকেঁ সেবা কবব বাবাধাম কামোব লহ কহ জাএবসঁ বেসী নীক বুঝৈ ছী। কেকবো অধলাহো নৈ সোচৈত ছী আ লে কবৈ ছী। তোঁ কহ জে মাগক মোতিযাবিন্দক আঁপবেশনক লেল তোবা কপৈআ নৈ ছৌ। বাবুজীক চাহ পিযাবৈক লেল তোবা কপৈআ নৈ ছৌ। ঝদা বাবাধাম জেবাক লেল কপৈআ ছৌ। কলকত্তা ঘুমৌক লেল কপৈআ ছৌ। দাক পীবৈলে কপৈআ ছৌ। মাএকেঁ স্বঝৈ নৈ ছৌ। বাতিমে ওসাবাপব সঁ খসলথিন তঁ পএবমে মোচ পড়ি গেলনি। জঁ তোঁ অপন মাগক মোতিযাবিন্দক আঁপবেশন কবা আনলে বহিতেঁ তঁ ও ওসাবাপব সঁ নৈ খসিতথিন। অপলে দুনু পবাণী বাবাধাম গেলেঁ ঝদা মাএ-বাবুক ভোজনক জোগাব পড় াসিযা ওতএ নগা কহ গেলেঁ। তোহব বাবুজী বেমাব পড়ি গেলথুন তঁ ডাক্টব বজা হম ইলাজ কবৌলিযনি। তোঁ বুঢ় মাএ-বাবুকেঁ



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

একোটা টাকা লৈ দেলে গেল বহেঁ। অপনা দুনু পবাণী বাঁপক অবজনহা সম্পতি আ রেঁটা সন্তক কমাওসঁ এশি-মৌজ করৈ ছেঁ। হৃদা মাএ-বাঁপ এক কপ চাহক লেল কাহি কটৈ ছৌ। ধুব বুঁড়ি তোঁ কী রঁজমেঁ।"

তখনক বাঁত সুনি সুকন গুম্মা পড়ি গেল। ওকবা কোনো জবাবেঁ লৈ ফুড় াএল। ওকবা ভেল জেনা রীচ বাঁজাবমে কিযো নংগটৈ কএ দেলক।

f

মানুষীমিহ সংস্কৃতাম্ ISSN 2229-547X VIDEHA

চৌড়চনক দহী

আগসঁ চৌড়চন পারনি চারি দিন অছি। চারিম দিন তঁ পারনি হেবে করত। তঁএ ওগ দিন দহী নৈ পাড়ল জাএত। সোমনী জন্মাষ্টমীসঁ পহিলহি গৃবকী হটিয়া বনগামাসঁ তীনটা ছাঁছী আ দুটা মটকুরী কিন কএ আনলে ছলি। সোচনক জে পহিলে কীননাসঁ বাসন সস্তা হএত ক্ষদা সে নৈ ভেল। পাঁচটা মাটিক বাসন পচ্চীস টাকামে ভেল। অপনা তঁ নে মহিসে ছল আ নে গাওএ। সোমনী সোচনক অপনা গাএ-মহিস নৈ অছি তঁ কী হেতৈ সৌসে গামমে তঁ গাওএ-মহিস অছি। কী হমরা দস গিলাস দুধ নৈ হএত। জৌঁ দুও-দু গিলাস কএ কএ পাঁচ গোটে দুধ দএ দেলক তৈযো পাঁচটা বাসনমে দহী ভএ জাএত। মবড় লেল খীর বান্হলে ভজৈত আ গোঠামসঁ একলো গিলাস দুধ লএ আনর কেনাহিও কএ পারনি কএ লেবেঁ।

সোমনী আ মঙ্গল দু পরাণী। মঙ্গল দিল্লীমে দালি মিলমে নৌকরী করৈত। সোমনী গামমে খেতী-বাড় কিছু কাজ করতি। সোমনী-মঙ্গলক পরিবারমে পাঁচ গোটে ছল। সোমনী, মঙ্গল, বেটা বাধে আ বেটী ফুলিয়া, গুলরিয়া। পাঁচো পরাণীক মাওপর সোমনী পাঁচটা বাসনমে দহী পাড় চৌঠী চাঁদ মহরাজকেঁ হাথ উঠবৈত ছলি। সোমনীকেঁ এক বীঘা খেত ছল। একটা বরদ রখনে ছল। গামেমে বিতরাসঁ হরক ভাঁজ লগৌলে রহএ। দুনু বারুক দস কট্ঠা খেতো বটৌগ করৈত ছলি। অপন খেতীক বাদ হর বেচিও লৈত ছলি। জগসঁ কিছু কপৈআ সেহো ভএ জাগত ছেলৈ। মঙ্গল তঁ দিল্লীএমে কমাগত ছল তঁএ বিতরা সোমনীওক খেতমে হর জোতি দৈত ছল। বিতরাকেঁ অপন ডেঢ় বীঘা খেত ছল আ এক বীঘা বটৌগ করৈত ছল। তঁগ বিতরা সোমনীওক খেত জোতি দৈত ছল। বিতরাকেঁ হর জোতৈক বদলামে সোমনী বিতরাকেঁ খেত বৌপি দৈত ছলি। দুনু গোটেমে মিলাণী খুব রহএ।

কালহি চৌড়চন ছী ক্ষদা আগ সাঁঝ ধরি সোমনীকেঁ কিযো একলো গিলাস দুধ নৈ দেলক। জে ও কোলো বাসনমে দৈত। ওকর মন ঘোর-ঘোর ভএ গেল। ও বড় খৌঁঝা গেলি। অপনা আঁগনমে খৌঁঝাগত বাজলি-

"হমর বেগবতা লোককেঁ নৈ হেতৈ। জঁ গামমে রহবেঁ তঁ আগ নে কালহি হমরো বেগবতা লোককেঁ পড়বেঁ করতৈ। তহিয়া মন পাড়ি দৈবৈনি।" মাএকেঁ খৌঁঝাগত দেখি বেটা বাধে বাজল-

"মাএ গৌ, চুনচুন বাবা জে মবল রহথিন তঁ হুনকর ভোজমে দেখনিঐ পোড়রক দহী পাড়লে। চৌকোপর দৈখে ছীঐ জগ চাহবলাকেঁ দুধ সধি জাওএ তঁ পাউডরেকেঁ ঘোড়ি কএ চাহ বনবৈত অছি। কহ নে তঁ চৌকপর সঁ আধা কিলো পোড়র আনি দগ ছিও। ওকরা খুব কএ ওঁটে লিহেঁ আ বাসন সভমে দহী পাড় লিহেঁ।"

বেটাক বাত সুনি সোমনী বাজলি-

"পোড়রবলা দুধক দহীসঁ পারনি কেনা হএত।"

বাধে বাজল-

"জঁ গাএ, মহিসক দুধ নৈ ভেটৈলৌ তঁ কী করবীহী। পোড়র তঁ গাওএ মহিসিক দুধকেঁ বলৈত অছি।"

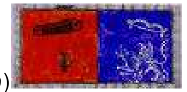
সোমনী গুন-ধুন করৈত বজলী-

"ঠীক ছৈ। জঁ চৌঠী চাঁদ মহরাজ অপনা গাএ-মহিস নৈ দেলে ছথিন তঁ পোড়রেক দুধসঁ পারনি করবৈ। জো ভটৈকনক দোকানসঁ আনের মীসলকা পাডের লেলে আ। আ হে দু টাকাক জোরনলে দহীও লএ লিহেঁ।"

বাধে চৌকপর বিদা ভেল। ওতএসঁ পোড়রবলা দুধ লেলে আএল। ওগ দুধকেঁ ওঁটে দহী পৌড়লক।

আগ চৌড়চন ছী। ভোরে সোমনী বাধেকেঁ লোটা দএ কএ বিতরা আ গোঠাম দুধ আনলে পঠৌলক। বিতরা আগ বৈসলে অছি কিএক তঁ পারনি ছীঐ। বাধেকেঁ দেখিতে বাজল-

"লোটা রখি দহী দুধ খীর বন্হলে হম তোরা মাএকেঁ গছলে ছেলিও ক্ষদা অখনি নৈ হেতৌ। সাঁঝমে লএ জগহেঁ।"



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

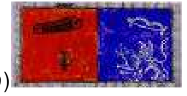
साँझखन जखनि बाघे दूध खरीदे गेल। बितरा चाहबला गिलाससँ एक गिलास दूध देलक। दूध देखि सोमनी दुखी भऽ गेलि। सोचलक जे एतबे दूधसँ खीर केना बान्हल जाइत। कहाँ कोनो उपाए नै। तँए ओही दूधमे पानि मिला खीर बान्हलक।
सोमनी चौठी चाँद महराजकेँ हाथ उठबैत कहलक-
“हे चौठी चाँद महराज जँ हमरा दरबज्जापर एकटा नीक लगहरि गाए भऽ जाइत तँ अगिला साल एक छाँछी दही आओर देब।”

बाति सभ बजे दिल्लीसँ मंगलक फोन आएल। घरेक बगलमे एक गोटे मोबाइल रखने अछि। ओकरे मोबाइलपर सोमनीकेँ फोन आएल। सोमनी फोनपर मंगलसँ गप केलक। कुशल-समाचारक बाद मंगल कहलक-
“आब चौठचन्द्र पाबनि छी, अहाँसभ भरि मोन खीर, पूरी, दही खेने रहब।”
सोमनी उदास होइत बजली-
“की भरि मोन खाएब, दही पौड़ैले किओ एक्को फुच्ची दूध नै देलक। पौड़बक दही नइ कऽ पाबनि केलौं गऽ सबहक खीर बान्हैले भजैत एक्क फुच्ची दूध देलक। एक फुच्ची दूधसँ केहेन खीर हएत।”
मंगल कहलक-
“अहाँ मोन जुनि छोट करू, हम फगुआमे गाम अबै छी तँ एकटा नीक लगहरि गाए कीनि कऽ आनि देब। दूध खेबो करब आ बेचबो करब। दूटा पाइ हएत तँ नूनो-तेल चलत। बौआ सभ घास काटि-काटि आनि देत।”
सोमनीक मन खुशि भऽ गेल।

फगुआमे मंगल गाम आएल तँ सोमनीकेँ गाए कीनि देलक। गाए अध किलोआ बाली डिबियासँ डेढ़ डिबिया भोर आ चारि डिबिया दुपहर लगैत छल। जाबे धरि मंगल गाममे रहल ताबे ओ अपने गाए दुहैत। जखनि मंगल दिल्ली चलि गेल तँ सोमनीए गाए दुहए लगली। भोरका दूध बेचि लगै छेली आ दुपहरका दूध परिवारमे खाइत। बौआ फुलिया आ गुलबिया घास आनि-आनि कऽ खुआबै। एक दिन फुलिया नगमाबालीक खेतक आरिपर कनी घास काटि लेलक। तइले नगमाबाली फुलिया आ ओकर माए सोमनीकेँ बिखनि-बिखनि कऽ गरियौलक। सोमनी फुलियाकेँ मारबो केलक आ नगमाबालीसँ गलतीओ मानलक।
समए बितैत देरी नै लगैत छै। आब कुशी अमरसिया छी। पाँचम दिन चौठचन्द्र पाबनि हएत। काल्हिसँ दही पौड़ल जाइत। सोमनीक दरबज्जापर एकटा लगहरि गाए चौठीचान महराज देने छथिन। सोमनी सोचलक जे एक्की सभ बासनमे नीक जकाँ दही पौड़ब। ओकरा पौरकाँ सालक सभ गपगप मन रहए जे किओ एक्को गिलास दूध नै देलक तँ पौड़बक दही नइ कऽ पाबनि केलौं। मने-मन विचारलक जे हमहूँ ककरो दूध नै देबै।

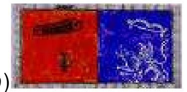
आबसँ चौठचन्द्रक दही पौड़ल जाइत। भोरे कसरा लोटा लेने सोमनी एठाम दूध लग लइ आएल। बाघे कहलक-
“माए गै, पौरकाँ साल अपना किओ एक्को गिलास दूध नै देने रहौ तँए ककरो दूध नै दे।”
सोमनी सोचलक जँ सिंगहेसर बाबा लगहरि गाए देने छथि। तँ पाबनि नाओपर सभकेँ किछु ने किछु दूध देबे करब। जते गोटे सोमनी एठाम दूध ले आएल सोमनी सभकेँ दूध दऽ विदा केलक। ओकर अपन छओटा बासन नइ मात्र दू गिलास दूध बचल। ओहो काल्हि पाबनि छिऐ तँ आब दुपहरक। सोमनी ओही दू गिलास दूधकेँ छओ बासनमे दही पौड़लक।

आब चौठचन्द्र छी भोरेसँ लोक सभ लोटा लऽ लऽ सोमनी एठाम दूध ले पहुँचल। नगमाबालीक बेटी दुखनी सेहो अएल। फुलिया सोमनीकेँ कहलक-
“माए गै, दुखनीकेँ दूध नै दहीन। ओकर माए कनिए घासले गरिओने रहौ।”
सोमनी बाजलि-



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

"পারনিলে সভকেঁ দুধ দেবেঁ। গাবি দেনক তঁ কী ভেল একঠাম বহনাসঁ তঁ খাহিনা নড় াগ-মগব হোগত ছৈ তঁ কি ওগ রাঁতকেঁ জিনগী ভবি মন বখলে বহবঁ ওগসঁ কী হএত। খলেবে ঠৈসন বহত।"
সোমনী ভোবকা সভ্টা দুধ নোককেঁ দ২ দেনক। ওগ দুধক কেকবোসঁ পাগও নৈ নেনক। দুগহবকা দুধ দুহি ক২ এক গিনাস দুধ ভজৈত রিতরাঁকেঁ খা এক গিনাস মানিক নুনু রাঁরু খাগেঠাম পঠৌনক। এক গিনাস খপলে বখনক। সাঁঝমে জখনি মবড় নএ সোমনী খীব বান্হলে রৈসনী তখলে রেঁকমারানী খারি গেনি। ও কহ২ নগনী–
"যৌ দাগ, হমবা তঁ খীব বান্হলে দুধে লে ভেল। জিতরাঁ খখুন্কা নাওঁ কহলে বহএ। হ্মদা জখনি রেঁটাকেঁ দুধলে পঠৌনিঐ তঁ নৈ দেনক। খারঁ কথী ন২ ক২ মবড়ক খীব বান্হরঁ?"
সোমনী খপনালে জে দুধ বখলে বহএ খাগেমেসঁ খধা দুধ রেঁকমারানীকেঁ দেনক। সাঁঝমে সোমনী চৌঠীচাঁদ মহবাজকেঁ হাথ উঁঠরৈত কহনী–
"হে চৌঠীচাঁদ মহবাজ, হমবা দবরঁজ্জাপব খহিনা নগহবি গাএ দেলে বহ্ম তঁ হম সভকেঁ পারনি নএ দুধ দৈত বহবঁ।" *f*



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

जाति-पाति

“यौ नुनु भाय, धानक खेतमे तँ लम्हर-लम्हर दरारि फाटि गेल। रोप सभ पिअर भऽ भऽ गेल। जँ छ-सात दिन आरो बरखा नै भेल तँ बुझू जे सभटा कएल-धएल पानिमे चलि जाएत।” टँचन कहलखिन।

“जएत नै चलि गेल। आब जे बरखा हेबो करत तैयो कि सोलह आना धान थोड़े हएत। जँ दस दिन बरखा नै भेल तँ बुझू गेल भैंस पानिमे...। हाथो तरक आ लातो तरक समापत।”

नुनुजी टँचनकेँ कहलखिन।

गप-सप्पकमे टँचन बजला-

“हे भाय, कोनो तरहेँ बिहुल नदीकेँ बान्हू नै तँ सभटा रोप जरि जाएत। भयंकर रौदीक लक्षण बुझना रहल अछि। यौ आइ-काल्हि आसे केते गिरै छै?”

तैपर नुनुजी कहलखिन-

“यौ भाय, बिहुलकेँ बान्हब आब असान नै रहि गेल। दू लाखसँ बेसीए खर्च हएत। तखनि बान्ह बान्हल जा सकत। एतबे नै, पनिछेकि बेरमे कम-सँ-कम दू सएक हँसेरी चाही जे चेका आ बालुसँ भरल सिमेंटक बोरा उगहत। दू चारि गोटेकेँ लौकही पठा लहरिक पानिकेँ फाटक गिरा बन्न कराबए पड़त तखने हएत।”

टँचनजी बजला-

“यौ भाय, अपने जँ मनमे ठानि लेबै तँ बान्ह हेबे करत। परुकौं साल अहींक जोरपर बान्ह भेल। जइसँ धानक रोपनि भेल।”

नुनुजी अपन बड़ाइ सुनि उत्तर देलखिन-

“से तँ हम पाँच बेर ऐ नदीकेँ बन्हने छी। ठीक छै, परसू सखुआ परतीपर तिनसरे आठ बजे लोक सबहक बैसार करै छी। जँ सबहक बिचार भऽ जाएत तँ परसूए हाथ लगा देब।”

बरि दिन आठ बजे तिनसरे सखुआ परतीपर बैसक भेल। पाँच गामक किसान सभ बैसल। सबहक बिचार भेल, आइए बान्हमे हाथ लगा देल जाए। जेते देरी करब ओते रोपकेँ लोकसान हएत। चन्दा रुपैआ तसलीमे तँ समए लगत। ठेकेदार आ जेसीबीबला तँ बिन्नु अग्रबराब पाइए लेले ओत नै। सभ गोटे नुनुजी सँ एक लाख टाका अपना दिससँ दऽ बान्हमे हाथ लगा दइलने आग्रह करैत कहलकनि-

“जखनि रुपैआ तसील भऽ ओत तँ अहाँकेँ आपस कऽ देल जाएत।”

सएह भेल नुनुजी अपन पाइ लगा काज शुरू करैले तैयार भऽ गेलखिन। काज शुरू भेल। बान्ह बान्हल गेल। सबहक खेतमे पानि गेल। पिअर भेलहा रोप सभ पानि परिते हरिआ गेल। सभ गोटे नुनुजीकेँ जश देलकनि। आपसमे रुपैआ तसील नुनुजीकेँ आपस कऽ देल गेल।

गामक मालिक दुर्गा जीक बेटा नुनुजी। लगधग पचास बीघा खेतक मालिक। जमानाक ग्रेजुएट। परोपकारमे लोकप्रिय लोक। केकरो बेटीक बिआहमे नुनुजी बिन्नु बजौने पहुँच एते अबस्स पुछै छथिन जे कोनो दिक्कतदारी तँ ने अछि। जँ कियो बिमार पड़ैए तइमे नुनुजी सलाह दइ छथिन जे नीकसँ इलाज होइक चाही। जँ पाइ-कौड़ीक अभाव रहल तँ मदति सेहो करै छथिन।

तेसर सालक गप छी। बिन्दे साहक बेटीक बिआह मदना गामक तेजी साहक बेटासँ ठीक भेल रहए। दू लाख टाका, एकटा पल्सर मोटर साइकिल आ दू भरि सोनपर बात पक्का भेल छल। लड़का पंचायत शिक्षक छथिन। नौकरी केनिहार लड़का सबहक भौउँ तँ अलेबे बढ़ल रहए। जखैनकि लड़का भैयारीमे असगरे आ पाँच बीघा खेतो। तेजी साह एक लम्बरक लोभी। बिन्दे साह साधारण किसान। एकदम भोला-भला बेकती। हुनकर एकटा बेटा कलकत्तामे टैक्सी ड्राइभर, दोसर लड़का दिल्लीमे बिस्कुट फैक्ट्रीमे काज करैत। लड़का बलासँ गप भेल छेलै जे मोटर

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

সাওকিন আ এক ভবি সোন দ্বাগমনমে দেরঁ। রাঁম্দে সাহ রিঁথাহক সভ ওবিয়ান ক২ লেল বহুএ। সব-ক্ট্ৰম সভকেঁ লৌত-পিহানী পঠা দেলে বহুএ। নড়া কারঁনাকেঁ দু লাখ টৌকা সেহো গনি আএল বহুএ। রিঁথাহক পাঁচ দিন পহিলে ভিনসব ভলে মদনাসঁ ফোন আএল জে গাড়ী আ দু ভবি সোনক দাম হমবা কাল্হি পঠা দেরঁ তঁ রিঁথাহ হুএত নৌ তঁ নৌ হুএত। ফোনপব কহল গেল, দোসব গামরঁনা হমবা পাঁচ লাখ দগলে তৈয়াব অছি। এঁ রাঁতপব রাঁম্দে সাহ সমান ভ২ গেলা। কেতেক জোগাবসঁ তঁ দু লাখ টৌকা মদনা পঠৌলে বহথি। আগ ভবিএ দিনমে কেতএসঁ ওত। রাঁম্দে সাহক জাতি রাঁনরানী সাহ্ লগানী-ভিবানীক কাজ কবৈএ। হুনকে লগ জা রাঁম্দে সাহ অপন সভ গপ কহৈত কহলথিন জে এক লাখ টৌকা তারেঁ সম্হাবি দিঅ।

রাঁনরানী সাহ্ কহলকনি-

"টৌকা তঁ জেতে লেরঁ হম তেতে দেরঁ। মুদা রাঁম্ব জেরঁব লেলে আকি জমীন লিখেলে নৌ দেরঁ। এক লাখ দেরঁ তঁ দু লাখক জেরঁব বখরঁ। জমীনো লিখাএরঁ তঁ দু লাখক আ লিখাওমে জে খবচ হুএত সে অহীকেঁ দিঅএ পড়ত।"

রাঁম্দে সাহক ঘবমে জেরঁব নৌ ছেলনি। জমীন লিখাওমে পচীস হজাবসঁ ঙুপবেক খর্চ। গুনধুন কবৈত ঘব আপস আবি গেলা। মনমে ভেলনি জে এক বেঁব নুনুজী সঁ ভেঁট ক২ সভ রাঁত কহিয়নি। সএহ ভেল, নুনুজী এঁঠাম জা রাঁম্দে সাহ নুনুজীকেঁ সভ রাঁত কহলকনি। নুনুজী কহলথিন-

"নৌ নড়া কারঁনা তঁ মামুব চুতিয়া বুঁমহা বহল ছহ। হমবা বিচাবে তঁ ওকবা ওঠাম ক্ট্ৰমৌতী নৌ কবহ। মুদা রিঁথাহক সভ ওবিয়ান ভ২ গেল ছহ। কাড়ো রাঁষ্টি দেলে ছহক। কহঅ কেতেক টৌকাক বেঁগবতা ছহ।"

রাঁম্দে সাহ রাঁজলা-

"এক লাখ টৌকা রাঁযৌঁত ক২ দিযৌ।"

নুনুজী মুড়ী ডোলরৈত রাঁজলা-

"ওতে তঁ ঘবমে নৌ অছি, রেঁকসঁ নিকালএ পড়ত। এনা কবহ, টৌকা লব ক২ জেকবা মদনা পঠেরঁহক তেকবা হমবা সঁগ লগা দৈহ। হম ফুলপবাস ওলাহাবাদ রেঁকসঁ টৌকা নিকালি ওকবা দ২ দেরঁ।"

রাঁম্দে সাহ খুশীসঁ রাঁজলা-

"রাঁড় স্বল্পব গপ কহলিএঁ। আগএ মদনারঁনাক পাও চলি জাএত।"

সএহ ভেল। রাঁম্দে সাহক রেঁটৌ নুনুজী সঁ পাও লব মদনারঁনাকেঁ দ২ আএল। রাঁড় ধুম-ধামসঁ রিঁথাহ ভেল। নুনুজী অপনেসঁ মুসতাওজ ভ২ রাঁবিয়াতী সভকেঁ ভোজন কবৌলনি।

দু মহিনা পছাতি রাঁম্দে সাহ জমীন রেঁচি নুনুজীক কপৈআ আপস কেলনি। পাঁচ কপৈএ সৌঁকব সুদি জোড়া নুনুজীকেঁ দিঅএ লগলা তঁ কহলকনি-

"ঞা কী দগ ছহক। হম তোবা সুদি কহি তঁ নৌ দেলে বহিঅ। হমব টৌকা রেঁকমে পড়ল ছল। তোবা রেঁটৌক রাঁঅ াহমে কাজ আএল। হমবা লেল এঁসঁ পৈঘ আ`ব কি হুএত।"

তৈঁপব রাঁম্দে সাহ নিহোবা কবৈত কহলকনি-

"কম-সঁ-কম রেঁকোক সুদি তঁ ল২ লিঅ।"

নুনুজী-

"তোহব রেঁটৌ হমব রেঁটৌ নৌ ছী কী?"

রাঁম্দে সাহ-

"অহাঁক ঙপকাব জিনগী ভবি নৌ রাঁসবরঁ।"

পককাঁ রৈঁসাখমে কপা মাড়বলক রেঁটৌকেঁ সাঁপ কাষ্টি লেলক। পুবা গাম হলনা ভ২ গেল। নুনুজী কপাক ঘবপব গেলথিন তঁ দেখলনি জে মাব-ফুক ক২ চলি বহল ছেলৌ। নুনুজী ঞা খেলা-রেঁলা দেখিতে

কপাকেঁ কহলথিন–
"ঐ সভ অন্ধবিসবাসমে নৈ পড়হ। জলদী ডাক্টৈব বামানন্দ ঝাঁবুক লগ নির্মালী লৈ২ জা।"
কপা মা্ডল কহলকনি–
"মালিক হাথপব এক্কাটা ভদ্দী নৈ অছি।"
তৈপব মুনুজী কহলথিন–
"কেকবা মোটৈব সাগকিলসঁ ওতএ পহুঁচহ হম পাছুসঁ পাগ লেনে অবৈ ছিঅ।"
কপা স্বনীলক মোটৈব সাগকিলপব বৈটৌকেঁ লৈ২ বামানন্দ ঝাঁবু লগ পহুঁচল। বোগীকেঁ দেখি ডাক্টৈব কহলকনি–
"অবৈমে তঁ বঁড় দেবী ভৈ২ গেলহ। জলদী দস হজাব জমা কবহ। গলাজ শুরু কববৈ।"
কপা কহলকনি–
"ডাক্টৈব সাহৈব, অহাঁ দবাগ চালু ক২ দিযৌ। মুনুজী পাগ লৈ২ ক২ জৈঘড়ী লে পহুঁচলা।"
মুনুজী নাও স্বনি ডাক্টৈব সাহৈব গলাজ চালু ক২ দেলথিন। মুনুজী সঁ নীক জান–পহিচান ছলহি। দসে মিনিটৈ পছাতি মুনুজী অপনা মোটৈব সাগকিলসঁ পহুঁচলা। বাবহ ঘণ্টা ধবি গলাজ চললা পছাতি বোগী ঠীক ভেল। ডাক্টৈব সাহৈব কহলথিন–
"আব ঠীক ছহ বোগী। লৈ২ জা সকৈ ছহ।"
কপা দুনু বাপুত মুনু জীক পএব পকড়ি কানএ লগল। মুনুজী ডাক্টৈব সাহৈবকেঁ পুছলথিন–
"অপনেক কেতে চার্জ ভেল?"
ডাক্টৈব সাহৈব বাবহ হজাব কহলথিন। এক হজাব ছোড়বৈত এগাহব হজাব দেলথিন আ কহলথিন–
"কপা মা্ডল বঁড় গবীব অছি। এক হজাব ছোড়ি দিযৌ।"
ডাক্টৈব সাহৈব মানি গেলথিন। ওতএসঁ সভ বিদা ভেলা।
ছহ মাস পছাতি কপা মা্ডল মুনুজীক কপৈআ আপস কেলকনি। মুনুজী হুনকোসঁ এক্কা পাগ সুদি নৈ লেলথিন।

এমকী মাঘমে গোনবাক সুগব চলেসব কামতক অনলু কোড়ি দেলে বহএ। তগলে চলেসব গোনবাকেঁ দস–পলবহ লাঠী মাবলক। গোনবাকেঁ কপাব ফুটি গেল। গামক কিছু লোক গোনবাকেঁ সিখা–পঢ়া চলেসবপব মোকদমা কবা দেলক। চলেসবপব হবিজন এক্ট লগি গেল। আব তঁ চলেসবকেঁ গ্রলস ভৈ২ গেল। পুলীস পকড়লৈ বেড কবএ লগলৈ। এক বাতি চলেসব মুনুজী লগ আবি কালৈত কহলকনি–
"সবকাব, অহাঁক গপ গোনবা মানি জাএত। কিএক তঁ অহী জমীনমে ও সভ বঁসল অছি। হমবা গোনবাসঁ সোলহ কবা দিঅ। অপনে জে কহবৈ সে মানবৈ।"
মুনুজী কহলথিন–
"অচ্ছা, ঠীক ছৈ। হম গোনবাকেঁ বঁজা গপ কবৈ ছী। তুঁ চিন্তা নৈ কবহ।"
ভিনসবে মুনুজী গোনবাকেঁ বঁজা সভ বাত বুঝলা ক২ কহলথিন–
"কেস–ফৌদাবীসঁ কিছু নৈ ভেটৈতহ। তোবা হম চলেসবসঁ দবাগক দাম আ কেসক খর্চ দিযা দগ ছিঅহ। দুনু গোটে সোলহ ক২ লৈহ।"
গোনবা বাজল–
"মালিক, হম সভ অহী জমীনমে বঁসল ছী। অহাঁ জে কহবৈ হম সভ সহএ কববৈ।"
মুনুজী চলেসবকেঁ বঁজা দুনু গোটেমে মিলানী কবা দেলথিন। কোর্ট জা দুনু গোটে সোলহ লগা লেলক। কেস খাবিজ ভৈ২ গেল।

গ্রাম পঁচায চুনাবক ঘোষণা ভেল। পঁচাযত সভমে ভিন্ন–ভিন্ন পদক চর্চা–পবিচর্চা হুঅএ লগল। হমবো পঁচাযত ভজনামে মুখিযা পদক লেল বেঁসী চর্চা ভেল। হম সভ বিচাব কেলৌঁ জে

মুখিয়া পদক লেল ঝুনুজী সভসঁ যোগ্য উম্মীদবার ছথি। সে লৈ তঁ হম সভ হুনকে ঠাঢ় করবৈ। আমাদীও পঢ়ল-লিখল আ সমাজসেবী ছথি।

হম সভ ঝুনুজী লগ ঐ বিষযপর চর্চা কেলৌं। কহলনি-

"দেখু, ঐ পঁচাযতমে হমর জাতি দসে ঘর অছি। অখুনকা রাজনীতি জাতি-পাতি নহ কহ দোওএ। তদ্ধমে পঁচাযত চুনারমে তঁ আরো বেসী চলৈ ছৈ জাতি-পাতি। হমরা মাফ কক অহাঁ সভমে সঁ কিযো ঠাঢ় হোউ। হম হর তরহেঁ মদতি করবৈ।"

তৈপর হম কহলিযনি-

"অহাঁক আগুমে সভ জাতি-পাতি ফেল ভহ জাএত। হম সভ লৈ মানবৈ। অহাঁকেঁ মুখিযামে ঠাঢ় কাওএ কহ রহবৈ।"

বঁড় উত্সাহসঁ সভ ঝুনুজী কেঁ মুখিযা পদ লেল নোমিনেশন করৌলকনি। ঝুনু জীক নোমিনেশন পছাতি সোভিত সাহ, মোহিত কামত আ সুখদের মাড়ল সেহো মুখিযা পদ লেল নোমিনেশন করৌলনি।

ছজলা পঁচাযতমে মুখ কপসঁ তীন জাতিক বৌলবাঁলা অছি। জওমে তেলী, ধানুক আ কিযৌট সভ ছথি। শুক-শুকমে তঁ ঝুনু জীক পক্ষমে নীক হরা বহল। মুদা জোঁ-জোঁ সমএ বিতৈত গেল তোঁ-তোঁ জাতি-পাতিক হরা বহএ লগল। কিছু উম্মীদবার সভ রোষ্টবকেঁ চাহ-জলখৈক অলারে দারুও পিআবএ লগল। ঈ সভ দেখি ঝুনু বাঁরু বজলা-

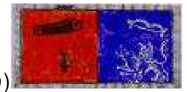
"অহাঁ সভ মিলি কহ হমরা উম্মীদবার বনেলৌं। হম ভোষ্টক লাওপর একো পাই খর্চ লৈ করবৈ। চাহে হম জীতী অথরা হারী। হমরা লে জীতক খুশী হএত আ লে হারিক গম।"

ভোষ্টক দিন অবৈত-অবৈত জাতি-পাতিক হরা আরো জোর পকড়ি লেলক। ভোটে গিরৌ দিন লোক সভ বুঝি গেল জে ঝুনুজী চুনার হারি জেতা। কিএক তঁ খুলেআম ভোষ্টর সভ অপনা-অপনা জাতিকেঁ ভোষ্টে দহ রহল ছল। সহএ ভেল, সোভিত সাহ এক নম্মরপর, সুখদের মাড়ল দোসর নম্মরপর, মোহিত কামত তেসর আ চারিম নম্মরপর ঝুনুজী বহলা।

f

বিবেকক বিবেক

"বৌআ, বিবেক কখনি নির্মলী পহুঁচত ?"
ওা বাঁত হমব বাবুজী হমবাসঁ পুছলনি। হম কহলিয়নি–
"দস বজে।"
বাবুজী ফেব পুছলনি–
"কী বিবেক ফোন কেনে বহএ ?"
হম কহলিয়নি–
"হঁ বাবুজী, দস মিনট পহিনে সকবীসঁ ফোন কেনে বহএ। ও নির্মলীবানী ট্রেনমে বৈস গেল বহএ। কহলক, দস বজে ধবি ট্রেন নির্মলী পহুঁচত।"
বাবুজী ফেব কহলনি–
"ঠীক ছৈ, জলখৈ কব লৈহ আ গাড়ী লব কব নির্মলী চলি জাহ।"
"সএহ কবব।" হম কহলিয়নি।
বিবেক হমব পিসিয়ৌত ভাএ। আগ ও হ্মবঙ্গসঁ হমবা গাম আবি বহল অছি। কম্প্যুটব ওাঁজীনিযব ছথি। লৌকবী জ্বাওন কেলা ছহ মাস পছাতি পহিল বেব বিবেক গাম আবি বহল ছথি, ওহো মামা গাম। ও বজল বহথি জে লৌকবী ভেটৈলা পছাতি পহিল ছুট্টীমে পহিনে মামা গাম আবি মামা–মামী, ভৈয়া–ভৌজীসঁ আসিবরাদ লেব তখনি অপন গাম জা কাকা–কাকী আ গৌআঁসঁ আসিবরাদ লেব।
হম জল্দী–জল্দী জলখৈ কব মোটব সাওকিলসঁ নির্মলী টৈশন বিদা ভেলৌঁ। নঅএ বজে টৈশনপব পহুঁচ গেলৌঁ। ট্রেন অবৈমে ঘণ্টা ভবি দেবী ছল। টৈশনসঁ বাহবে মোটব সাওকিল লোক্ড্রীন লাক কব মোসাফিবখানাক ব্রিন্চপব বৈস গেলৌঁ। হমবা পড়িলা বাঁত সভ মন পড়ি গেল।
পঢ়ি কব অঁগনা এলৌঁ তঁ দাদী আ মাএকেঁ কনৈত দেখিলিএ। সম্মুচ্চা গামক স্ত্রীগণ সভ আ পুকখো অঁগনাসঁ লব কব দববজ্জা তক ভবল ছল। হম কিছু বুঝবে লে কবী। মাএসঁ পুছলিএ–
"কিঅএ কনৈ ছী। কী ভেলৌঁ হেন ?"
মাএ বজলী–
"তোহব মদনা বলা পীসা আ দীদী বস দুবঘটনামে মবি গেলখিন।"
হম পুছলিএ–
"কেতএ ?"
মাএ কনৈত কহলে বজলী–
"ও সভ বসসঁ বাবাধাম জাওত বহথিন। লে জানি কেনা স্ববতাল গঁজসঁ পহিনে বস একটা খদ্দামে খসি পড়ল। দস গোটে ওতুতৈ মবি গেল জওমে তোবো পীসা–দীদী বহথুন।"
হম পুছলিএ–
"কে কহলকৌ ?"
মাএ জবাব দেলক–
"মদনাসঁ মোবাওলপব ফোন আএল ছেলৈ। তোহব বাবু সাওকিলসঁ মদনা গেলখুন হেন।"
দাদী কনৈত বজলী–
"ভগবান কিঅএ হমবা এহেন দুখ দেলখিন। হম জীবিতে ছী আ হমব বেটী–জমাএ দুনিয়াঁসঁ উঠি গেলা। আব কে ওকবা ধিয়া–পুতাকেঁ পালত–পোসত, লিখৌত–পঢ়ৌত, সাদী–বিআহ কবৌত। এসঁ তঁ ভগবান হমবা বজা লৈত ছুঁপব।"
দাদীকেঁ সঁতোখ বন্হৈত তিলাঠবানী কহলখিন–
"সভ ভগবানে পুবা কবথিন। জে ভগবান এতে বড়কা দুখ দেলক ওএহ পাব লগৌতহিন।"
দাদীকেঁ কনৈত–কনৈত দাঁতী লগি গেল ছল। জমিজাতি সভ দাদীক দাঁতী ছোড়া পানি পিওলক।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

হমর মদনারানী দীদীকেঁ একটা বেটা আ একটা বেটী। বেটী দসমামে পঢ়ৈত আ বেটা অঠমামে। বেটীক নাওঁ মীনা আ বেটাক বিবেক। বিবেক হমরাসঁ পনরহে দিনক ছোট। দুনু ভাএ-বহিন পঢ়ৈমে বড় চনসগর। দুনু অপনা-অপনা কিলাসমে ফস্ট করৈত। গামসঁ এক কিলো মীটরমে মদনেসর হাই স্কুল। ওহীমে দুনু ভাএ-বহিন পঢ়ৈত। মদনাবলা পীসা দু ভাঁই। পেলা লাল আ ললা লাল। হমর পীসা পেলা লাল জেঠ আ ললা লাল ছোট। দুনু ভাঁই সামিলে। জেঠ ভাই পেলা লাল খেতীক কাজ দেখৈত জখনকি ললা লাল গামেমে কিরানা দোকান করৈত। দুনু ভাঁইমে পাঁচ বীঘাক খতপত খেত।

বাবুজী চারি দিন মদনাসঁ আপস এলা। বাবুজীকেঁ দেখিতে দাদী পছাড় খা খসি পড়লী। টোল-পড়োসক লোক সভ জমা ভ২ গেল। সভ ঘটনাক বারেত বাবুজীসঁ পুছএ লগল। স্ত্রীগণ সভ দাদীকেঁ সমঝাবএ লগলী। দাদী কনৈত বাবুকেঁ কহলকনি-

“জীতু, হমর নাতি-নাতিন আব ককরা রহত। কে ওকরা সভকেঁ পঢ়ৌত-লিখৌত। কে ওকর সবহক বিআহ-দুরাগমন করৌত।”

বাবুজী কহলখিন-

“মাএ তুঁ চিন্তা জুনি কর। জেহেনে হমর বেটা বাদে তেহলে হমর ভাগিন বিবেক আ জেহলে হমর বেটী সীমা তেহলে ভগিনী মীনা। হম চাক ভাএ-বহিনকেঁ পঢ়া-লিখা বিআহ-দুরাগমন করাএব। ওনা ললা লালো পাহুন নীকে লোক ছথিন। ওহো আন তরহেঁ ভতিজা-ভতিজীকেঁ নৈ করথিন।”

ছঠম দিন বাবুজী ফেরো মদনা বিদা ভেলা। তঁ দাদী কহলখিন-

“জীতু হমরা নৈত-নাতিনকেঁ সখুশা ললে অবিহঅ।”

পীসা-দীদীক ক্রিয়া-কর্ম পছাতি বাবুজী বিবেক আ মীনাকেঁ ললে এলখিন। সংগমে পীসাক ভাএ ললা লাল সেহো রহথিন। বিবেক মীনা আ ললা লালকেঁ দেখিতে দাদী ফেরো কানএ লগলী। ললা লাল মীনা আ বিবেক সেহো কানএ লগল। বাবুজী সভকেঁ চুপ কেলখিন। তেসর দিন ললা লাল পীসা মদনা বিদা ভেলা হুনকর কহব রহনি জে হম অপনে বথি ভতিজা-ভতিজীকেঁ পঢ়াএব-লিখাএব। জখনকি দাদীক জিদ্দ রহনি জাবে ধরি হম জীব নৈত-নাতীনকেঁ অপনা লগ রাখব আ পঢ়াএব-লিখাএব। ললা লাল পীসা বজল ছলা-

“হমরা গৌআঁ-সমাজ কী কহত। ও সভ বংগ-বংগক কটৌচাল করত।”

অতমে নির্ণএ ভেল জে মীনা মদনামে রহত আ বিবেক মাত্রিকমে রহি পঢ়ত-লিখত। জখনি ললা লাল পীসা সাওকিলপর মীনা বহিনকেঁ বৈসা মদনা বিদা ভেলা তঁ ও বৌম ফাড়ি ক২ কানএ লগলা। হুনকা কনৈত দেখি অঁগনামে সভ কানএ লগল। ফদা বাবুজী অপনাকেঁ সম্হারৈত সভকেঁ চুপ কেলনি। ললা লাল পীসা বিদা হোএ কাল দাদীকেঁ গোড় লাগি কহলে রহথিন-

“মাএ, জেহলে জীতু অহাঁক বেটা তেহেন হমহুঁ অহাঁক বেটা ছী। হমরা আসিরবাদ দিঅ। জে হমরাসঁ হমরা ভতিজা-ভতিজীকেঁ কোনো আন তরহেঁ নৈ হোএ।”

বিবেক হমলে এঠাম রহি পঢ়এ লগল। হম দুনু গোটে একে কিলস অঠামে রহী। দুনু গোটে সংগে-সংগ লবহিয়া হাই স্কুলমে পঢ়ৈলে জাএ লগলৌঁ ও হমরা ভাগজী কহএ আ হম ওকরা বিবেক বৌআ কহি ছিঐ। বিবেক পঢ়ৈমে চনসগর তঁ রহবে কএ জে মেহনতিয়ো রহএ। মৈট্রীক পরীক্ষামে বিবেক অস্সী প্রতিশত নম্বর আনলে রহএ। হমহুঁ সকেণ্ড ডিবিজনসঁ পাস কেলৌঁ।

বিবেক সীএম সাওন্স কৌলেজমে নাওঁ লিখৌলক আ হম নির্মলীএ কৌলেজমে পঢ়এ লগলৌঁ। বিবেককেঁ মৈট্রিক স্কলরসীপ ভেটএ লগল। ললা লাল পীসা বিবেকক পঢ়াইমে কোনো কোতাহী নৈ কেলখিন। বিবেক হমরা ববরবি চিট্ঠী লিখএ। এ বীচ মীনা বহিন পার্বতী মহিলা কৌলেজসঁ আইএ ফস্ট ডিবিজনসঁ কেলক। বাবু আ ললা লাল পীসা মীনা দীদীক বিআহ একটা পচায়ত শিক্ষকসঁ তঁয় কেলনি। লড়কীক প্রতিভা দেখি লড়কা বলা বেসী রুপৈআক মাগ-চাংগ নৈ কেলনি তথাপি ললা লাল পীসা বড় ধুম-ধামসঁ ভতিজীক বিআহ সম্পন্ন কেলনি। হম আ বিবেক মীনা বহিনক বিআহমে লোকনিয়াঁ গেল

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

বহী। মীনা দীদীক ননদি হমৰা দুনু ভাঁগকেঁ বঁড় তঁগ কেলে বহএ। খেলাগএ ৱৈব হমৰা সভকেঁ ঙুগলেসঁ বঁগ দ২ দেলে বহএ।

গা্টেবক পবীক্ষামে রিরেক রিঁবাসী প্রতিশত খক খননক। হমবো গাষ্টেবমে ফস্ষ্ট ডিরিজন ভেল। রাঁবুজী খা লেনা নান পীসাক রিচাব ভেলনি জে রিরেককেঁ গঁজীনিযবিঁগক কম্পীষ্টিশনক তৈযাবী লেল পটনামে বাখল জাএ। সএহ ভেল। রিরেক পটনামে বহএ নগল। গাষ্টেব কেলাক খগিলা সাল ও খাগ.খাগ.টী.ক প্রতিযোগিতা পবীক্ষামে পাস ভেল। পড়াতি কড়কীমে নাখাঁ নিখৌলক। গঁজীনিবিঁগ কৌলেজমে রিরেককেঁ ফেবো মৌরিষ্টে স্কানবসিপ ভেষ্টল। জগসঁ লেনা নান পীসাকেঁ ভাব কমল।

এঁ রীচ শিক্ষক নিযোজন লেল রিহাব সবকাব রিজ্ঞাপন নিকালল। হম খা মীনা রঁহিন দুনু গোষ্টে পঁচাযত শিক্ষকক পদপব চযনিত ভ২ নৌকবী কবএ নগলৌঁ।

সমএ রিতৈত দেবী নৈ নগৌ ছৈ। রিরেক গঁজীনিযবিঁগক ফাগনল পবীক্ষামে পচাসী প্রতিশত খক খননক। ওকব কেম্প সলেক্শন ভেল। হ্মবঁগক একটা পৈঘ কম্পনীমে নৌকবী ভেষ্টলৈ। লেনা নান পীসা মিঠাগ ন২ ক২ সখ্খা এলা। রাঁবুজী সহ্মচ্চা গামমে মিঠাগ রঁষ্টলে বহথিন।

গাড় ী সীটীক খরাজ স্বনিতে হমব ধিযান টুষ্টল। গাড় ী টৈশিনপব পহুঁচ গেল ছল। হম হববঁড় া ক২ ঙঠলৌঁ খা টৈনক ডিব্রাঁ দিস রঁঢ়লৌঁ। যাত্রী সভ ডিব্রাঁসঁ ঙতবএ নগল। হম রৌগী সভমে রিরেককেঁ তাকএ নগলৌঁ। তখলে একটা খিড়কীসঁ খরাজ খাএল–

"যৌ ভাযজী, যৌ নন্দ ভাযজী।"

হমবা হুখএ নগল জ্ঞা তঁ রিরেকক খরাজ ছী। হম যষ্টেকি ক২ ওগ খিড়কী নগ গেলৌঁ তঁ রিরেককেঁ রর্থপবসঁ সমান ঙতাবৈত দেখলৌঁ। হমবা দেখিতে রিরেক রাঁজল–

"ভাযজী, গোড় নগৌ ছী।"

হম কহনিএ–

"নীকে বহহ।"

সভ যাত্রীক ঙতবলা পড়াতি হম টৈনমে চঢ়লৌঁ। রিরেক হমব পএব ছুরি গোড় নগলক। হম ওকবা ভবি পাঁজ পকড়ি ছাতীসঁ নগা লেলৌঁ। রিরেক পুছলক–

"মামা–মামী সভ ক্ষশল ছথিন লে ?"

হম কহনিএ–

"হঁ, সভ ঠীক ছথিন।"

রিরেককেঁ একটা রঁড়কা শুটকেশ, একটা রৈঁগ খা একটা কাটুন ছল। হম রঁড়কা শুটকেশ ঙঠেলৌঁ। ও রাঁজল–

"ভাযজী, খহাঁ ছোড়ি দিযৌ। হম রৈঁগো খা শুটকেশো ন২ নগ ছী।"

হম কহনিএ–

"শুটকেশ তঁ ভাবী রুঁমাগ ছহ। জ্ঞা হমবা নারঁহ। তুঁ রৈঁগ ন২ নৈহ।"

ও কহনক–

"নৈ ভাযজী, খহাঁ হমবাসঁ পৈঘ ছী। তঁএ খহাঁকেঁ হম খপন সমান কেনা ঙগহএ দেরঁ। জ্ঞা ছোটকা কাটুন খহাঁ হাথমে ন২ নিখ।"

হম কেতবো পবিযাস কেলৌঁ হ্মদা তৈযো ও রৈঁগ খা শুটকেশ হমবা নৈ নিখএ দেনক। খপলেসঁ দুনু সমান ন২ মোষ্টব সাগকিল তক খননক। মোষ্টব সাগকিলপব সমান সভ রাঁনহি হম দুনু ভৈযাবী কিশন হোষ্টল খাবি জলখৈ কেলৌঁ কেতাবেঁ চাহনিএ হ্মদা জলখৈক পাগ হমবা নৈ দিখএ দেনক। জলখৈ পড়াতি ফল খা মিঠাগ কীনি হম সভ গামপব এলৌঁ। খপন মামা–মামীকেঁ গোড় নাগি রিরেক নানীক সাবা নগ গেল। হাথ–পএব ধোগ নানীক সাবাপব মাথ টেকি প্রণাম ক২ খঁগনা খাবি মামাকেঁ কহনক–

"মামা যৌ, খখলে খেলাগ খা হম ভায জীক সঁগে মদনা জাএরঁ। ওতএ কাকা–কাকীকেঁ প্রণাম ক২ মাএ–রাঁবুক সাবাপব মাথ টেকি মীনা দীদী ওতএ মৈনাম চলি জাএরঁ। বাতিমে মৈনামে বহি জাএরঁ।

কাল্হি ভোরে মদনা আএত় আ ফের সাঁঝ ধরি সখুআ। দু দিন সখুআমে রহি ফের আপস মদনা চলি জাএত়।"

মামা কহলখিন-

"বঁড় নীক বিচার ভেল।"

বিবেক সভ কোণলে কপড়া লেলে আএল অছি। শ্রীকেশ খোলি সভকেঁ কপড়া দেলক। হম দুনু ভাঁগ খেলাগ আ মদনা গেলौं। মদনামে বিবেক সভকেঁ প্রণাম-পাতী কঽ মাএ-বাবুক সাবাপর মাথ টেকি মহরৈত আঁখিএ অঁগনা আএল। লেনা নান পীসা বিবেককেঁ ভরি পাঁজমে পকড়ি ছাতীসँ লগৌলখিন। হুনকো আঁখিসँ দহো-বহো নাবে জাগত রহনি। বিবেক কাকা-কাকী, ভাএ-বহিনি সভ কোণলে কপড়া অনলে রহএ। সভকেঁ কপড়া দেলক। দু লাখক ড্রাপ কাকা নামে ক্ষমতাসँ অনলে ছল। লেনা নান পীসাকেঁ দৈত কহলক-

"একরা বৈঁকমে জমা কঽ লেব়। সপ্তাহ ভরিমে খাতামে পাগ চলি জেত। জে খেত সভ ভরনা লগল অছি সে সভটা ছোড়া লেব়। আর জौं অপলে হুকুম করী তঁ হম সভ মীনা দীদীকেঁ ভেঁটৈ কেলে আবী।"

লেনা নান পীসা কহলখিন-

"অবসসে জাহ। কদা বাতিমে আর ওত্ত রহি জগহঅ। মৈলাম দুর অছি ওতএসঁ বাতিমে এনাগ ঠীক নৈ হেতহ।"

হম সোচএ লগলौं, কেতেক নীক অছি। বিবেকক বিবেক...।

রাড়ৗক পট্ৈআ

ডাক্টৈব প্রমোদ কনকত্তা মেডিকন কৌনেজসঁ এম.ডী.ক ডিগ্রী ন২ গাম এনা। গামমে পিতাজী আ মিত্র সভসঁ ক্নীনিক খোনৈক রিচাব কৰএ নগনা। মিত্র সভ নহেৰিযাসবাযক রিচাব দেনকনি। ফ্দা পিতাজী কহনকনি–

"নহেৰিযাসবাযমে তঁ এক–পব–এক ডাক্টৈব সভ অছিএ জে বোগীক গনাজ কৰৈএ। কিছ ডাক্টৈব সেরা–ভারনাসঁ গনাজ কবৈ ছথি তঁ কিছ সোনহৈনী পেশা রঁনেনে অছি। বঁগ–বঁগক ঝঠস কবৈত কহত জে হম ডাক্টৈব ছী আকি অহাঁ। জে কহৈ ছী সে কৰু নৈ তঁ...। সোরহারিকো ছৈ ওগ রিভাগক তবী–ঘৈী, নীক–রেঁজাএক ভান আমকেঁ ছৈগহো নৈ। তঁএ সোনহৈনী স্বতবৰো কবৈ ছৈ। সে নৈ তঁ গামেমে ক্নীনিক খোনহ জে সামাজোকেঁ নাভ হেতৈ আ তোবো জিনগীক মহত বহতহ।"

ডাক্টৈব প্রামদক পিতা অনঁত প্রসাদ সমাজ সেরী রৈকতী। সরঁহক দুখ–স্বখমে সঁগ বহএ রঁনা। কেতেকো মবীজ সভকেঁ নহেৰিযাসবায ন২ জা গনাজ কবা অননে ছথিন। তঁএ হিনকা সভ গপক তজুবরা ছন্হি। ডাক্টৈবকেঁ ভগরান বুঁনৈ ছথিন ফ্দা ডাক্টৈবো তঁ বঁগ–রিবঁগক অছি। সেহো ফর্ক কবৈত বহৈ ছথিন। প্রমোদকেঁ ডাক্টৈবী পঢ়বৌক উঁদেস ছেননি জে গাম–দেহাতমে সমৈপব গনাজক অভারসঁ কেতে নোক কান–কনরিত ভ২ জাগএ। তঁএ দেহাতোমে ডাক্টৈব জরুবী ছৈ। ও কেতোকো ডাক্টৈবকেঁ আগ্রহ সেহো কেনথিন ফ্দা কিযো তৈযাব নৈ ভেননি। ফ্দা ডাক্টৈব প্রমোদ তঁ অপন খুন ছিযনি। হুনকাপব অনঁত প্রসাদকেঁ তঁ পুবা অধিকাব ছন্হি। ওনা ডাক্টৈব প্রমোদোমে পিতাক গুণ–রৈরহাব ছন্হি। জখনি ও মেডিকন কৌনেজমে এম.ডী.ক পঢ়াগ ক২ বহন ছনা তদ্রু সমৈমে কেতেকো মবীজ সভকেঁ মদতি কেনে বহথিন। অনঁত প্রসাদক কহব বহনি জে রৈবমেমে ক্নীনিক খোনন জাএ। ফ্দা রৈবমামে তঁ খুন, নগহী, পৈখানা গত্যাদিক জাঁচক তঁ স্বরিধা নৈ অছি তঁএ সরঁহক রিচাব ভেন জে প্রমোদ নির্মনীমে ক্নীনিক খোনতা আ সপ্তাহে–সপ্তাহ রৈবমামে সমএ দেথিন। অনঁত প্রসাদ প্রমোদকেঁ কহনথিন–

"রৌআ, সেরাক ভারনাসঁ মবীজক গনাজ কবিহঅ। ভগরান অহীমে বঁড় ক্বতি দেথুন। একব মতনব ওহো নৈ জে সোনহৈনী ফোকটৈমে গনাজ কবব। অপন উঁচিত ফীস ন২ বোগীক গনাজ কবিহঅ। তহিনা উঁচিত দরাগও আ জাঁচো কবরিহক।"

ডাক্টৈব প্রমোদ কহনকনি–

"সএহ কবব রাবুজী।"

নির্মনীমে ক্নীনিক খোননা ছহ মাস নৈ রিতন হএত। পবোপগ্নামে হুনকব নওক উঁকা রাজএ নগন। বোগী আ বোগীক সরঁন্ধী সভ ডাক্টৈব সাহিবকেঁ জশ দিঅএ নগননি। জগদগবসঁ জগদগব নিরঁমাবী ডাক্টৈব সাহিব ঠীক কেনথিন। সভসঁ পৈঘ রাত ওা জে গবীব বোগীক গনাজ রিন্ন ফিসেক কবৈ ছথিন। দরাগও ফাজীন নৈ নিখৈ ছথিন তঁএ বোগী সরঁহক ভীড় নগন বহনৈএ। বরি দিন ছহ রঁজিযা ট্রেন পকড়ি বাগেী দেখএ রৈবমা চনি জাগ ছথিন। ওতৌ রঁহুত বোগী সভ বহৈত অছি। সভ বোগীক গনাজ ক২ বত্তকা ট্রেনসঁ আপস নির্মনী চনি অবৈ ছথিন। রৈবমামে রৈসী বোগী বহনাপব কখনো কান অঁটকৈও পড়ৈ ছন্হি।

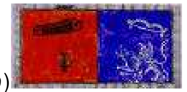
ডাক্টৈব সাহিবক পিতাক মিত্র ছথিন মংগনু প্রসাদ। ওহো রৈবমেক রাসী ছথিন। অনঁত প্রসাদক নংগোটিযা সঁগী। ডাক্টৈব সাহিব মংগনু প্রসাদকেঁ বঁড় গজ্জতি কবৈ ছথিন। প্রায: সভ বরি মংগনু প্রসাদ ডাক্টৈব সাহিবসঁ ভেঁটৈ কবএ ক্নীনিকপব আরি জাগ ছথিন। ডাক্টৈব সাহিব হুনকা চাহো–পান কববৈ ছথিন।

আগ বরি ছী। আব বঁজে ধবি ডাক্টৈব সাহিব রৈবমা ক্নীনিকপব পহুঁচতা। ওা গপ সভকেঁ বুঁঝন ছন্হি। হম চৌকপব চাহ পীএত বহী। দেখৈ ছী জে মংগনু প্রসাদ আ হুনকব পুতোহু আ পোতা

বিক্শোগব বৌস তস্কবিযা দিস জা বহল ছথি। হম লগ জা পুছলিযনি–
"যাঁগন্ বাঁবু অপনে লোকনি কেতএ জা বহল ছিঐ ?"
যাঁগন্ প্রসাদ কহলনি–
"তস্কবিযা জা বহল ছী। ট্রেন পকড়ি নহেবিযাসবায জাএব। গোপালকেঁ যল খবাব ছৈ।"
তৈঁগব হম কহলিযনি–
"আগা তঁ ববি ছী। ডাক্টব প্রমোদো এবে কবতা। হুনকাসঁ এক বেব দেখা দৈতিঐ। ওলাজ তঁ ওহো নীক্ক কবৈ ছথি আ বাঁচে বিভাগক ছথিও।"
যাঁগন্ প্রসাদ কহলনি–
"ছোড়ু, হমবা নহেবিযেসবায জাএ দিঅ। হম গাম-ঘবক ফেবমে নৈ বহএ চাহৈ ছী।"
এ কহি ও বিক্শোবালাকেঁ ওশোবা দৈত বিদা ভ২ গেলা।
আঠ বাজে ডাক্টব প্রমোদ ক্লীনিকপব পহুঁচলা। হমবো বালড প্রেশব জঁচেবাক বহএ তঁএ হমহুঁ ওতে বলী। হমবা ফঁহসঁ অনাযবতী নিকলি গেল–
"তস্কবিযা টৌশনপব যাঁগন্ ভেঁটবৌ কেলা।"
ডাক্টব সাহৈব কহলনি–
"নৈ তঁ, সে কী ? কেতএ গেলা হেন মিত্তা কাকা ?"
হম কহলিযনি–
"পোতাকেঁ ডাক্টবসঁ দেখবৌলে নহেবিযাসবায গেলা হেন। হম কহলৌ কেলিযনি অহাঁ দ২ জে এবে কবতা। ফদা কহলনি জে ছোড়ু হমবা নহেবিযেসবায জাএ দিঅ।"
ডাক্টব সাহৈব বাজলা–
"জাএ দিঅনু।"

নহেবিযাসবাযমে যাঁগন্ প্রসাদ অপলা পোতাকেঁ ডাক্টবসঁ দেখৌলখিন। ডাক্টব সাহৈব তীন সএ ফীস লেলকনি। দু হজাবক জাঁচ আ ছহ সএক অল্ট্রাসাউণ্ড লিখলকনি। জাঁচ-পবতালক পছাতি দু হজাবক দবাঁগ লিখলখিন। অদহা দবাঁগসঁ বৌসীএ দবাঁগ চললোপব গোপালক পেটক দবদ ঠীক নৈ ভেল। তখনি হাবি-থাকি ক২ ডাক্টব প্রমোদ লগ নির্মলী ল২ জা কহলখিন–
"হৌ ডাক্টব, নহেবিযাসবাযমে চাবি হজাবসঁ বৌসীএ খর্চ ভ২ গেল ফদা গোপালাক দবদ কনিযোঁ উন্নৈস নৈ ভেল। সে কনী দেখহক।"
ডাক্টব সাহৈব গোপালক সভটা জাঁচক পুর্জা দেখলখিন। নহেবিযাসবাযক ডাক্টব সভটা পটৈনিযাঁ দবাঁগ লিখলে বহৈ। জাঁচো অনাপ-সনাপ কববৌলে ছেলৈ। সে সভ সভ দেখি ডাক্টব প্রমোদ নহেবিযাসবাযক সভটা দবাঁগ বাল্ল ক২ মাত্র দু সএ টাকাক দবাঁগ লিখলখিন। তীনে দিন দবাঁগ খেলা পছাতি গোপালক দবদ ঠীক ভ২ গেল।

অগিলা ববি যাঁগন্ প্রসাদ বৈবাযমে ডাক্টব সাহৈবক ক্লীনিকপব জা ভেঁট ক২ তাবতম্য কহলকনি–
"হৌ, হম তঁ নহেবিযাসবায জা ঠকা গেলৌঁ। তোহব লিখলাহা দবাঁগ তীনিএ দিন খেলাপব গোপলা পেটক দবদ সোলহৌনী ঠীক ভ২ গেল।"
ডাক্টব সাহৈব যাঁগন্ প্রসাদকেঁ কহলখিন–
"যৌ কাকা, হম তঁ বাড় ইক পঢ়্আ ছী। জে তীত সভ দিনসঁ লোগত বহলৌ হেন।"
যাঁগন্ বাঁবু কিছু নৈ বাজলা।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ডাক্টৰ বেটা

বামকুমাব চট্টিযা সভকেঁ পড়। আঁগনা এলা তঁ পত্নীকেঁ কনৈত দেখলনি। দেখিতে ও অকবকা গেলা।
পুছলখিন-
“কী ভেল ?”
পত্নী কনিতে কহলকনি-
“ডিট্টৈনীসঁ বাবুজী ফোন কেলে বহথিন, যাএকেঁ নকরী যাবি দেলক। বজরো-ভুকরো লে কবৈ ছৈ।”
বামকুমাব পুছলকনি-
“কহিযা নকরী যাবলক ?”
পত্নী কহলকনি-
“পবসু বাতিমে। বাবুজী বজৈ ছেলখিন জে বঁচত কি নৈ তেকব কোনো ঠীক নৈ। অপনা সভকেঁ পবসু বাতিএসঁ ফোন নগবৈ ছেলখিন মুদা ফোনে লে নগলনি।”
বামকুমাব বাজল-
“তখনি তঁ আগএ ডিট্টৈনী জাএ পড়ত। যাএক ডঁমেবো তঁ অস্নীসঁ কম নৈ হেতনি। কানে ঠীক কখনি চলি জেতী। চলু দস বজিযা বস পকড়ি নী। ওনা তঁ গহ্যাক দৌনী কববৈ জরুবী অছি। বহি-বহি কঽ মেঘ অবৈ ছৈ। জঁ ববখা ভঽ জাএত তঁ বুঝু গহ্যাক খিজানৈত ভঽ জাএত। প্রেসববনা পীমন্তু কল্হুকা নাওঁ কহলে বহথি। মুদা অপনা নৈ বহলে দৌনী কেনা হএত। পীন্তুকেঁ ফোন নগা কহি দও ছিযনি জে হমা কাল্হি নৈ বহবৈ অনতএ জা বহল ছী। ওতএসঁ এলা পছাতি দৌন কবাএব। অচড়া জে হএত সে হএত। যাএক জিজ্ঞাসা কববৈ তঁ জরুবীএ অছি। হুনকা সভকেঁ কে ছুনহি। একটা বেটে ছুনহি জে পটনামে ডাক্টবী কবৈ ছথিন, পবিবাব নঽ কঽ ওতও বহৈ ছথিন।”
ডিট্টৈনীবানী বজলী-
“একটা কাজ করু, খেখলাকেঁ বজা গহ্যাক বোঝ কবিযা দিযৌ আ ডঁপবসঁ তিবপাল ওনা ঝাঁপি দিও। ববখো হএত তঁ লোকসান নৈ হএত। ডিট্টৈনীসঁ কহিযা আএব তেকব কোন ঠীক।”
বামকুমাব কহলকনি-
“ঠীকে কহৈ ছিঐ। তিবপাল তঁ অছিএ কনী মেহনতি কবএ পড়ত। দসবজিযা বস নৈ পকড়ি ববহবজিযা পকড়এ পড়ত। গহ্যা ঝাঁপল বহলে চিন্তা নৈ বহত।”
সএহ কেলনি। গহ্যাকেঁ সেবিআ ঝাঁপি দেল গেল। গৌবকেঁ পড় ৷সিযাক জিম্মা নগা, ঘবমে তালা যাবি দুনু পবাণী বেটাকেঁ নঽ ডিট্টৈনী বিদা ভেলা।

বামকুমাব একটা ছোট্ট কিসান। মাত্র দু বিঘা খেতক মালিক। ওনা তঁ এম.এ. পাস ছথি। মুদা বেবোজগাব। কতেকো বেব সবকাবী নৌকবী লেল পবিযাসো কেলনি মুদা ঐ জুগমে ভগবান ভেটব অসান অছি মুদা সবকাবী নৌকবী কঠিন। কী কবতা, খেতীক অলাবা চট্টিযা সভকেঁ টিউশন পড় ৷ কোনো ধবাণী অপন গুজব কবৈ ছথি। পবিবাবমে মাত্র তীনি গোটে। দু পবাণী অপনা আ একটা দস বর্খক বেটা কন্হৈযা। যালো জানক নাআঁপেব একটা মাত্র গৌব। পত্নীও মধ্যমা পবীক্ষা পাস কেলে মুদা ডঁহো বেবোজগাবে। নৌকবী হেবো কেনা কবিতনি। জখনি বী.এ., এম.এ.বলা সভ ঝখ মাবৈএ তখনি মৈট্রিক-মধ্যমাক কোন গপ।

ডিট্টৈনীবানীক পিতা ববি কান্ত জমানাক মৈট্রিক ছথি। হুনকা একটা বেটা আ একটা বেটী। বেটাক নাআে ˙ ফুল কুমাব আ বেটীক সুমিত্রা। ববি কান্ত বজিযট্রী আফিসমে হুনসীক কাজ কবৈ ছলা। পহিলে তঁ হুনকা পাঁচ বিঘা খেত ছেলনি মুদা আব ঘবাড় ৷ক অলাবে মাত্র দস কট্টা বাঁচল ছুনহি। বেটা ফুল কুমাব পটনা মেডিকল কৌলেজমে ডাক্টব। নৌকবীক অলাবে খানগীও ক্লীনিক খোললে ছথি। প্রায়: পাঁচ হজাবক আমদনী ভবি দিনক ছুনহি। মুদা এক নম্মাবক মক্খীচুস আ অবেবহাবিক। বহিন-বহনোইসঁ কোনো সবোকাব নৈ। যাএ-বাবু ফোন-পব-ফোন কবৈত বহৈ ছুনহি মুদা

হুনকা রেল বৈলস্ন। গাম এরো কেনা কবতা। কমতীমে চাবি দিন তঁ নগতে জে রীস হজাবক শ্ব মাদনীপব পানি ফেড়ত, কহরীও ছৈ রাগ রঁড়ে নে মৈয়া সভসঁ পৈঘ কপৈশা।

ঘনশ্বন্হাবীমে বাম ক্ষাব পবিরাবক সঁগ মাস্ত্রব পহুঁচলা। গামক রীচমে স্বমিত্রাক পিতাক ঘব। শ্বঁগনামে পচ্ছিমসঁ পুব ক্ষহেঁ একটা ও দোসব ঘব পুবসঁ পচ্ছিম ক্ষহেঁ। ওটাক দেবাল শ্বা ভুঁপবসঁ খপড় া। শ্বঁগনাক উত্তব শ্বা দচ্ছিনসঁ দেবাল দ২ ঘেবল। উত্তবরবিযে কাতসঁ শ্বঁগনা এরা-জেরাক বস্তা। দচ্ছিনরবিযা দেবালপব একচাবী জগমে ভানস-ভাত হোগএ। পচ্ছবিযা ওসাবপব চৌকী জগপব স্বমিত্রাক মাএ সুতল ছেলী। ববি কান্ত রূঢ়ীক পাঁজবমে বৈসল ছলা। ওসাবিক কোবোমে লালটেন টাঁগল ছল।

বাম ক্ষাব স্বমিত্রা শ্বা কন্হৈযা শ্বঁগনা পহুঁচলা। সভ গোষ্ঠে ববি কান্তক পএব ছুবি গোব নগলকনি। স্বমিত্রা রেটী জমাএ শ্বা নাতিকেঁ দেখি ববি কান্তক ছাতী সুপ সনক ভ২ গেল। ও ক্ষবসী শ্বানি জমাএকেঁ বৈসৈলে কহলকনি। স্বমিত্রা মাএক পাঁজবমে জা বৈসলী। ববি কান্ত চাহ রলরৈলে চুল্হি পজাবএ নগলা। বাম ক্ষাব কহলখিন-

"রাবুজী, শ্বখনি চাহ রলনাগ ছোড়ি দেথুন পহিলে এতএ শ্বারথু।"

মাএক পাঁজবমে বৈসল স্বমিত্রা মাএকেঁ হিলরৈত রজলী-

"মাএ, মাএ। মাএ গৌ, মাএ।"

ক্ষদা রুবলীক শেবীমে কোনো হবকতি নৈ ভেলনি। স্বমিত্রাক শ্বাঁখিসঁ দনো-রনো নোব জাএ নগল। হুনকব রাবুজী কহলখিন-

"গৌ রতাহি। শ্বারা মাএ থোড়ে রজতৌ। দু-চাবি দিনক মেহমান ছিযৌ। পবসু বাতিমে জে খসলৌ মে খসলৈ ছৌ। কখনো-কখনো শ্বাঁখি চাক্ষ দিস তকৈ ছৌ। ঠোবো পটপটরৈ ছৌ ক্ষদা ক্ষঁহসঁ শ্ববাজ নৈ নিকনি পবৈ ছৈ।"

পিতাক রাত সুনি স্বমিত্রা বৌম ফাড়ি কানএ নগলী। বাম ক্ষাব সস্ত্রবসঁ পুছলখিন-

"ডাক্টব ভৈযাকেঁ ফোন নৈ কেলখিন?"

ববি কান্ত জরার দেলকনি-

"পবসুএ জখনি শ্বহাঁ মাস্ত্র গিবল তখনে ফুনরারুকেঁ ফোন কেলৌ তঁ ও কহলক, শ্বখনি রড় রিজী ছী, ঘটা ভবি পছাতি ফোন কবর। শ্বহাঁ সভকেঁ নগেলৌ তঁ স্বগচ শ্বাফ কহলক।"

বামক্ষাব কহলখিন-

"হঁ পবসু মোরাগলক বৈটবী চার্জ নৈ বহএ। কী কহরনি, হমবা গামমে নে রিজলীএ ছৈ শ্বা নে জেলবেটবে। নবহিযা নৈ তঁ নির্মলী জা মোরাগল চার্জ কবরৈ ছী। কাল্হি নির্মলী গেল বহিএ তঁ ওতগ চার্জ করৌলিএ। শ্বচ্ছা তঁ, বাতিমে ডাক্টব সাহিরসঁ রাত ভেলনি?"

ববি কান্ত কহলখিন-

"বাতিমে ফোন নগৌলিএ তঁ স্বগচ শ্বাঁফ কহলক। ভিনসব ভেলে জখনি ফোন নগেলৌ তঁ কনিযাঁ উঠরৈত কহলী জে শ্বখনি একটা বোগীমে নাগল ছথি। রাবহ রজে কবীর ফোন কবএ কহলী। রাবহ রজে ফোন কেলৌ তঁ ফুনরারুসঁ গপ ভেল। কহলক, কোনো ডাক্টব রজা মাএকেঁ দেখা দিযনু শ্বা ডাক্টব জে কহতা মে হমবা ফোনপব রতাএর। জৌ পাগ-কৌড়ীক শ্বভার হুশ্বএ তঁ তারএ ওজাম ক২ কাজ কবর পছাতি হম পঠা দের। চৌকপব মোম শ্বা শুক্র দিন একটা ডাক্টব শ্ববৈ ছথিন। ওনা তঁ হুনকব কুলীনিক নিমবাহী রজাবমে ছন্হি ক্ষদা হাটে-হাট বমা জীক দরাগ দোকানপব বোগী সভকেঁ দেখৈ ছথিন। কাল্হি মোম বহলে ডাক্টব সাহির নগ গেলৌ তঁ দেখলিএ মাবি ভীড়। বোগী সভকেঁ দেখৈত-দেখৈত সাঁঝ পড়ি গেলনি। নিমবাহীও জেরাক বহনি। ক্ষদা বমাজীকেঁ কহলিযনি তঁ ডাক্টব সাহিরকেঁ কহলখিন জে হিনকো রেটা ডাক্টব ছথিন তখনি হমবা এঠাম এলা। শ্বানা নগা দেখলখিন, রলডপেসব মেহো জঁচলখিন শ্বা কহলা জে রঢ়ল ছন্হি জগসঁ নকরা মাবি দেলকনি। দরাগ সভ নিখি কহলখিন

চলএ দিযৌ। কালহিসঁ আগ ধবি দস রৌতল পানি চঢ়া গেলনি মুদা কোলো স্বধাব লৈ ভেলনি। খালী কখলো-কখলো আঁখি তকৈত বহু ভুখি জেলা কেকরো খোজৈত হুঅএ।”

ঔ কহৈত কহৈত বরি কান্তকেঁ বুঁকৌব লগি গেলনি। আঁখিসঁ ঢৈপ-ঢৈপ লোব ঝহৰএ লগলনি। পিতাকেঁ কলৈত দেখি স্বমিত্রা সেহো কানএ লগলী। বামক্ষাব ফোলো পুছলকনি-

“ডাক্টৈব ভৈযাকেঁ ফেব ফোন কেলিযনি আকি লৈ ?”

বরি কান্ত কহলথিন-

“বাতিএমে ফোনপব সভ রাঁত রতৌলিএ। তৈপব ফুলরারু কহলক, কাল্হি দু রাজৈ লিাবালী জা ডাক্টৈব সাহৈরকেঁ সভ রাঁত কহিহক। মুদা অপলাসঁ ফুলরারু ফোন কব নাএক হালতি লৈ পুছলক। জেতে রেব ফোন কেলৌ হমহী কেলৌ।”

রিচমে স্বমিত্রা পিতাকেঁ পুছলথিন-

“ভৌজীও লে ফোন কেলক ?”

বরি কান্ত রাজলা-

“লৌ রাতাহি, জৌ অপন জলমাল লৈ পুছলক তঁ আলক কোন রাঁত। তোবা তঁ সভ গপ বুঁঝলে ভৌ জে কেতে কঠিলসঁ ওকবা পঢ়ৌলৌ।”

স্বমিত্রা রাজলী-

“সে কোলো হমবা লৈ দেখল অছি। অহাঁক কমাগসঁ পুবা লৈ ভেল তঁ মাএক সভটা গহলা-জেরব রেচি কব দব দেলিযনি। তদ্ধসঁ লৈ ভেল তঁ জমীলো রেচি দব দেলিযনি। হঁ তঁ লিাবালীরলা ডাক্টৈব লগ গেলিএ তঁ ও কী কহলনি ?”

বরি কান্ত রাজলা-

“কহলনি জে লকরা মাবলে ভুলহি। উমেবো অস্সীসঁ উপবে ভুলহি সে আর উঠর মোসকিল ভুলহি। অপলা জানি জে সেরা কব সকরনি সে কবিযন্থু।”

বাতিমে খালপুবরালী সরহক খেলাগ রেলৌলক। খেলাগ খা বামক্ষাব আ বরি কান্ত স্বতৈলে চলি গেলা। স্বমিত্রা মাএক পাঁজবমে রৈসল ভেলী। বাতিম এগাবহ রাজে বুঁঢ়ীক শৈবীবমে হবকতি ভেল।

আঁখি তাকি রাজলী-

“রৌআ লৈ আএল ? ডাকডব রৌআ লৌ ডাকডব রৌআ ?”

স্বমিত্রা টৈকলকনি-

“মাএ হম ছিযৌ, স্বমিত্রা গোব লগৌ ছিযৌ।”

“কে, বুঁচ্চী ? কখনি এলহুঁ ? পাহুলো এলখুন হেন ?”

“হঁ উহো আএল ভুখি আ কলহৈযৌ আএল অছি।”

তখলে বরি কান্ত এলথিন আ বাম ক্ষাব সেহো।

“গোব লগৌ ছিযনি মাএ।” বামক্ষাব বুঁঢ়ীক পএব ভুরৈত কহলথিন।

“দীর্ঘ বহথু। জুগ-জুগ জীরথু। ডাকডব রৌআ লৈ আএল। আর ওকব মুঁহ লৈ দেখরৈ। পোতাক দেখৈক মিহন্তা লেলহি মবি জাএর।”

বামক্ষাব কহলথিন-

“হিলকা কিছু লৈ হেতনি। হম ভিলসবে ডাক্টৈব ভৈযাকেঁ ফোন কব গাম রাজাএর।”

বুঁঢ়ী কহলথিন-

“অচ্ছা !”

অচ্ছা কহিতে বুঁঢ়ীকেঁ হিচকী উঠলনি আ গবদনি সিবমাপবসঁ গিব পড়ল। স্বমিত্রা মাএ-মাএ কহৈত কানএ লগলী। বামক্ষাব বুঁঢ়ীক নাবী দেখৈত রাজলথিন-

“মাএ চলি গেলী!”

প্রাফেসব বেটা

গাম নাও মৌখাহা। জিলা সপ্তবী। নেপাল অধিবাজ্য। বৈস ফাষ্টগব গাম। রাবহো বর্ণক লোকক বসোবাস কবৈবনা গাম। ওগ গামমে এক গোষ্টেক নাখাঁ বৌদী বাওঁত। তুনকব উমেব লগধগ অস্সী ববখ। পাঁচ হাথক লম্বাব মবদ। শ্যাম বর্ণ। মেহনতী আ স্বাভিমানী বৈকতী।

হম অপনা মামা লেল ভোঁট মাগএ মৌখাহা গেল ছেলৌ। মামা নেপালক সংবিধান সভাক সদস্যক লেল ঠাড় ভেল ছলা। ওনী ক্রমমে হমবা বাওঁতজীসঁ ভেঁট ভেল ছল। জখনি হম আ হমব দুগো সংগী বামবাবু আ গিবিস সভ লোগ বাওঁত জীক দববজ্জাপব পহুঁচলৌ তঁ ও ওতৈ ছলা। হমবা সভকেঁ বৈড়খাতিব বাত কেলনি। অপনা পোতাকেঁ বজা জাহ পিওলনি। হম তুনকা অপন মামক লেল ভোঁট মাঁগলিয়নি তঁ ও কহলা–

“জে নীক লোক হএত তিনকা হম জরুব ভোঁ দেব।”

বাতিমে হমবা সভকেঁ রুকবাক লেল আগ্রহ কেলনি। হমহুঁ সভ সোচলৌ, এতএসঁ ববিসামি বাবহ কিলো মীটব অছি। ওতএ জাগসঁ নীক হএত বাতিমে এতৈ রুকি আলো ভোঁটব সভসঁ সম্পর্ক কবী। হম বাওঁত জীকেঁ কহলিয়নি–

“হম সভ অহী এঠাম বাতিমে রুকব, ভোজলো কবব আ অবামো কবব। তাবে হম সভ ভোঁটবসঁ সম্পর্ক কবৈলে গাম ঘুমৈ ছী।”

বাওঁতজী কহলনি–

“সবেলে আবি জাএব।”

হম সভ আঠ বজে বাতিমে তুনকা ওঠাম পহুঁচলৌ। ও হমলে সবহক বাষ্ট তাকি বহল ছলা। হমবা সভকেঁ পহুঁচিতে পোতাকেঁ হাক দ২ পানি অনৈলে কহলখিন। হম সভ হাথ মুঁহ ধোলৌ। বাওঁতজী অপনা পোতাকেঁ কহলখিন–

“হিনকা সভকেঁ জলদী ভোজন কবা দহুন। ভুখ লগল হেতনি।”

কিছএ কাল পছাতি হমবা সভকেঁ আঁগন লঽ গেলা।

ভীতক দেবাল আ ওপব খপড় াসঁ ছাড়ল ঘব ছল। আঁগনা আ ওসাবা বড় চিক্কন-চুনক্কন ছল। পছববিযা ওসাবিপব হমবা সবহক ভোজন লেল কম্বলক আসন লগৌল ছল। হম সভ ভোজন কেলৌ। জাবে ধবি হম সভ ভোজন কেলৌ তাবে ধবি বাওঁতজী অপনে বৈসল বহলা আ পোতাকেঁ কহি হমবা সভকেঁ পবসন-পব-পবসন দিযা খুআবৈত বহলা। হম এক বেব তুনকাসেঁ ভোজনক আগ্রহ কেলিয়নি তঁ কহলা জে হম পছাতি কবব। ভোজন পছাতি হম সভ দববজ্জাপব আবি গেলৌ। কিছএ কাল পছাতি বাওঁতোজী ভোজন ক২ হমবা সভ লগ আবি ক২ বৈসলা। হম তুনকাসঁ পবিবাবক বিযযমে চর্চা কলিয়নি। ও জে অপনা পবিবাবক বিযযমে কহলনি ওসঁ তুনক বেদনা বুঝহলিয়নি। ও কহলা–

“বৌআ, হমব বাবুজী হমবা মাত্র দু বীঘা খেত দ২ গেল ছলা। হম দুধ বেচি আ তবকাবী খেতী ক২ আগ দস বীঘা জমীন বনেলৌ। হমবা তীনটা বেটা আ একটা বেটী অছি। বেটীক বিআ হ ভ২ গেল অছি। জমাএ মাস্টব ছথি। একটা বেটা গিবহস্ত আ একটা প্রোফেসব অছি। ছোটকা বেটা বী.এ.পাস ক২ গামে ধনকুষ্টী মীল চলবৈএ। প্রোফেসব বাজবিবাজমে মকান বনেলে অছি। লোকো বেদ ওতৈ বহৈ ছৈ। একটা প্রেস সেহো চলবৈএ। রুপৈআক নীক আমদনী ছৈ।”

তৈপব হম পুছলিয়নি–

“বাবা, প্রোফেসব সাহৈব তঁ ভৈযাবী সভকেঁ মদতি কবিতে হেথিন।”

তৈপব বাওঁতজী কহলা–

“বৌআ, সে জুনি পুছু। দুনিযাঁমে লোগ কেকবো নৈ ছিঐ। লোক কেতে দুখ কাষ্টি বান-বচ্চাকেঁ পঢ়বৈএ। মুদা জখনি বেটা কমাএ লগৈ ছৈ তঁ সভটা বিসবি জাগ ছৈ। লোকবেদক অলাবে কিছ নজবিএপব নে চঢ়ৈ ছৈ।”

পুছলিয়নি-

"সে কিঅএ কহৈ ছিঐ, অহাঁ ?"

বাউঁতজী কহলা-

"জখনি হমর মমিলা বেটা দরভংগামে পঢ়ৈত রহএ তখনি জেঠকা ভাগ হর জোতি ওকরা দেলক। জখনি পাও ঘুট্টি গেলৈ তঁ এম.এ.ক ফারম ভরৈ কাল জেঠকী কনিয়াঁ অপন নৌসিলী বেনহক লগা পাও পঠেলক। জখনি বাজরিবাজমে প্রোফেসরী ভেলৈ তঁ ও সভ সভটা বিসরি গেল। পড়াতি একটা প্রেস খোললক তঁ কহলিঐ ছোটকা ভাএকেঁ রখি লহক তঁ হমর বাত লৈ মানি অপনা সারকেঁ রখলক। কিছু দিনক বাদ হমরা জেঠকী পুতোহুকেঁ পেটমে দরদ উঠলৈ। বাজরিবাজমে ডাক্টর লগ লঽ গেলিঐ। ডাক্টর কহলক জে হিনকা পেটমে পাথর ভঽ গেলনি। জলদীসँ আঁপরেশন করূএ পড়ত। দরভংগা লঽ জা করা দিযৌ। বীস হজারক খর্চক অনুমান ডাক্টরো কহলনি। হম চাউঁর-গহূম বেচি কঽ পনরহ হজারক ওঁজাম কেলৌঁ আ পাঁচ হজার টাকা প্রোফেসরসঁ মাংগলিঐ তঁ কহলক, হমরা লগ একোটা টাকা লৈ অছি। পরিবারমে বড় খর্চ হোওএ। তৈঁপর হম কহলিঐ, বৌ, বড়কী কনিয়াঁ তোরা পঢ় াওমে বড় মদতি কেলে ছথুন। অখনি ও বেবাম অছি তঁ তূঁ কহৈ ছহ পাওএ লৈ অছি। কেতে দুখ হেতনি বড়কী কনিয়াঁকেঁ। হ্দা ও একো কপৈআ লৈ দেলক। অঁতমে হমর পনৌ অপন কৌটরী বেচি দরভংগা দেলক। দরভংগা সংগে জাওলে প্রোফেসরকেঁ কহলিঐ তঁ সেহো তৈযার লৈ ভেল কহলক, মরি কাজ অছি। একো মিনটক ছুট্টী লৈ অছি। তখনি হম হমর জেঠকা বেটা আ পনৌ সভ লোও দরভংগা জা বড়কী কনিয়াঁক আঁপরেশন করেলৌঁ।"

তৈঁপর হম পুছলিয়নি-

"অঁএ যৌ, প্রোফেসর সাহৈবঁ কিছু লে মদতি কেলথি ?"

বাউঁত জী কহলনি-

"একটা দোসর গপ বতরৈঁ ছী। হমর কিছু জমীন নহরিমে চলি গেল রহএ। সরকার জমীনক হ্আরজা ভুগতান কেলক। বাজরিবাজেমে কপৈআ ভেটৈল। বাতিমে হম কপৈআ প্রোফেসরকেঁ রখৈলে দেলিঐ। ভিনসর ভলে গাম অবৈঁ কাল কপৈআ মাংগলিঐ তঁ ও কহলক, হমরা কপৈআ বেগরতা অছি। অহাঁ লগ তঁ রখলে রহত দু মাস পড়াতি আপস করব। জখনি তীন মাস পড়াতি ছোটকা বেটালে ধনকট্টা মীল আ আটা চক্কী বৈসবৈলে কপৈআ মাংগলৌঁ তঁ কহলক, সভ খেত-পথার তঁ ওহী ভায সভ বেল ছোড়ি দেলে ছিঐ। হম তঁ মাত্র খরচে জোকর চাউঁর-গহূম-দালি-ললনু-পিআজ অলৈ ছী বাঁকী সভ কিছু তঁ ওকরে সভ বেল রহি জাওত অছি। পাঁচ হজার কপৈএ রখি লেলৌঁ তঁ কোন বড়কা অনহৈর ভঽ গেল। বেটীক জে রিআহ কেলা ৈ ওহুমে একোটা ছিদ্দী লৈ দেলক। ঞা প্রোফেসর তঁ ওহু দুনু ভাঁওক সম্পাতি হরপৈলে চাহিএ। এতেক দিনসঁ প্রোফেসর অছি। প্রেস সে চলবৈত অছি জওসঁ কপৈআক নীক আমদনী ছৈ। হ্দা আও ধরি হমরা আকি মাএকেঁ এক্কা টাকা লৈ দেলে হএত। বৌআ, জে রিদ্বান সে বেওমান।"

হমরা বাউঁত জীক বাত সুনৈত-সুনৈত নিন্ন আবঁএ লগল। কহলিয়নি-

"বাবা, হম সুতৈ ছী। অহঁ সুতি রহূ।"

সোচ

"রাঁবুজী আই.আই.টী. প্রতিযোগিতা পবীক্ষাক তৈযাবী লেল কোচিঁগ কবতাহ। বাজস্থানক কোটামে নাওঁ লিখাএত। ওতএ নীক তৈযাবী কবৌল জাইত ছৈ। তইলে এক লাখ টাকা চাহী।" অজীত দবভংগাসঁ অবিত পিতাকেঁ কহলকনি।

বেটাক বাত সুনি শীতল বায বিগবৈত কহলখিন-

"হবিদম টাকা কেতএসঁ গ্রত, পাঁচমে দিন তঁ তোবা পাঁচ হজাব টাকা দেলে বহিযৌ। এঁতএ কি কপৈআক গাছ অছি। জখনি মন ভেল মখা লিঅ। দেখৈ নৈ ছিহী দাদাক গলাজমে কেতে খবচ ভ২ বহল ছৌ। ও কিছুএ দিনক মেহমান ছথিন। অখনি ধবি দবাঁওএ বলে জীবৈত বহলা অছি। ফদা আব বেসী দিন নৈ খেপতা।"

অজীত বাঁজল-

"সুজীত ভায, কোটামে নাওঁ লিখৌলকনি। ও হমবা কোটেসঁ ফোন কেলে ছলা। কহলনি জে সত্তবি হজাব এডমিশনমে লগত আ বহৈ-খাইক অলগসঁ। সুজীত তঁ অপনা সভসঁ গবীবে ছথিন। হুনকব পিতাকেঁ তঁ চাবিএ বীঘা খেত ছলহি। দিয়া-পুতাকেঁ ট্যুশন পঢ়া কাজ চলবে ছথিন। অপনা তঁ দস বীঘাসঁ বেসীএ খেত হএত। কপৈআ নৈ অছি তঁ পাঁচ কট্ঠা খেতে বেচি লিঅ।"

শীতল বায জোবসঁ বাজলা-

"দেখ, বেসী হমব দিমাগ নৈ চাট। হম খেত নৈ বেচব। লোক কী কহত। কহত লে জে শীতলো খেত বেচি-বেচি খাএ লগল। পককা মান গীতাক বিআহমে বীঘা ভবি খেত বিকলে বহএ। হবিদম জঁ খেত বেচব তঁ গাম-সমাজমে কোন ইজ্জতি বহত।"

বাঁবু জীকেঁ অপন গপ নৈ মানৈত দেখি অজীত মাএ লগ পৈববী লগৌলক। মাএ সভ বাত বুঝি পতি লগ জা বড় খুশামদ কেলখিন ফদা শীতল বায সাফ তৈযাব নৈ ভেলা।

শীতল বাযকেঁ দস বীঘা খেত। একটা বেটা আ একটা বেটী জেকব বিআহ-দুবাগমন সভটা ভ২ গেল ছলহি। ও অপনা দুনু সংগ বাঁচীমে বহৈ ছথিন। শীতল বাযক পিতা তঁ জীবিতে ছথিন ফদা মাএ মবি গেল ছথিন। পিতা দমাক পুবান বোগী ছথিন। বেটা অজীত পঢ়ৈমে হোশিযব ছলহি। মৈট্রিকো আ আই.এস.সী.মে নীক নম্বব অনলে অছি। ফদা শীতল বায পঢ়াইকেঁ বেসী মহত নৈ দই ছথিন। হুনকব সোচ ছলহি একটা বেটা অছি, দস বীঘা জমীন অছি। কোন জরুবী ছৈ বেসী পঢ়বাক। আব পঢ়াই ছোড়ি খেতী-গিবহস্তীক কাজ দেখহ। অজীতকেঁ কপৈআ নৈ দেলখিন তঁএ ও খেলাই-পীলাই ছোড়ি দেলক। তীনিএ দিন পছাতি শীতল বাযক পিতা মবি গেলনি। আব ভোজ-ভাতক চর্চ হুঅএ লগল।

শীতল বাযক পিতা জোখন মবড় গামেমে মাত্র নৈ পবোপট্টামে নামী বেকতীমে এক ছলা। জাতিক মৈনজন সেহো ছলা। শীতল বায সোচএ, বাঁবুজী মৈনজন ছলা। তঁএ হুনকব শ্রাধক ভোজ খুব নীক আ নমহব হেবাক চাহী। বসগুল্লা-লালমোহনক ভোজ কবব। ভোজ আ ক্রিয়া-কর্মমে দু লাখ টাকাসঁ বেসী খর্চ হএত। ফদা হাথপব তঁ নৈ অছি। সে নৈ তঁ দস কট্ঠা খেতে বেচি লেব। ই কাজ দোহবা ক২ ফেব থোড়ে হএত। অপনো নাআঁ ক২ লেব। অজীত সভ গপ সুনৈত বহএ ফদা বাঁজএ কিছু নৈ। ওকবা দিমাগমে কোটাক অলাবে কিছু এবে লে কবৈত।

ভোজ-ভাতক ইংজামক লেল শীতল বায অপন সাব বেচনজী কেঁ বজৌলা। বেচনজী হাই স্কুলমে শিক্ষক ছথিন। ও অবিতে বহলোইসঁ কহলখিন-

"জেতবে সকর্তী হুঅএ তেতবে ভোজ কব। জমীন বেচি ভোজ কেলাসঁ কোন লাভ।"

তৈপব শীতল বায বাজলা-

"যৌ মাস্টব সাহৈব, বাঁবুজী জাতিক মৈনজন ছলা। পবোপট্টামে হুনকব নাম ছলহি। নীকসঁ ভোজ নৈ ভেলে লোক কী কহত ?"

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

জখনি ও গপ-সপ্প দুনু সাব-রহলোগমে হোগ ছল তখনি অজীতো ওতৈ বহএ। পিতাক বাত সুনি অজীত বাজল-

“মামা যৌ, বাবুজী হমরা কোচিং করৈলে এক লাখ টাকা লৈ দেতা হুদা দাদাক ভোজ খেত বেচি কঽ দু লাখ টাকা খর্চ করথিন ?”

ভৈরব শীতল বাস ছৈকলথিন-

“পহিলে হমরা ভোজ করএ দে। তেকর পছাতি আর কিছু সোচব।”

রহলোগক বাত সুনি বৈচনজী বজলা-

“অঁগ যৌ পাহুন, অহাঁ কোন মসুখ ছী। বেটাক গঁজীনিয়রিংক প্রতিযোগিতা পরীক্ষা তৈয়ারী লেল টাকা লৈ দেবৈ আ ভোজ-ভাত খুব এন-ফগলসঁ করব ? ধুব জী! কেহেন অহাঁক সোচ অছি। ছোড়ু ভোজ-ভাত। পহিলে অজীতকেঁ কম্পৈযাক গঁজাম কঽ দিয়ৌ। তেকর পছাতি ভোজ-ভাতক গপ সোচব। বেটা জে গঁজীনিয়র ভঽ জাএত তঁ বড় পৈঘ বাত হএত।”

শীতল বাস সোচএ লগলা, বৈচন বাবু ঠীকে কহৈ ছথি।

ঐ রচনাপর অপন মতব্য ggajendra@videha.com পর পঠাউ।

বিদেহ নূতন অংক গদ্য-পদ্য ভারতী

১. **মোহনদাস (দীর্ঘকথা):লেখক: উদয় প্রকাশ**_(মূল হিন্দীসঁ মৈথিলীমে অনুবাদ বিনীত উৎপল)

মোহনদাস (মৈথিলী-দেবনাগরী)

মোহনদাস (মৈথিলী-মিথিলাক্ষর)

মোহনদাস (মৈথিলী-ব্রেল)

২.ছিন্নমস্তা- প্রভা খেতানক হিন্দী উপন্যাসক সুশীলা ঝা দ্বারা মৈথিলী অনুবাদ

ছিন্নমস্তা

৩.কনকমণি দীক্ষিত (মূল নেপালীসঁ মৈথিলী অনুবাদ শ্রীমতী রূপা ধীরু আ শ্রী ধীরেন্দ্র প্রেমর্ষি)

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ভগতা বৈঙক দেশী-ভূষা

৪.তুকারাম রামা শেটৈক কোংকণী উপন্যাসক মৈথিলী অনুবাদ ডাঁ. শম্ভু কুমার সিংহ দ্বারা
পাখলো

বাঁলানাঁ প্রতে

বঁচা লোকনি দ্বারা স্মরণীয় শ্লোক

১.প্রাতঃ কাল ব্রহ্মমুহূর্ত (সূর্যোদয়ক এক ঘঁটা পহিলে) সর্বপ্রথম অপন দুনু হাথ দেখবাক চাহী, আ' ওহি শ্লোক বাঁজবাক চাহী।

করাগ্রে বসতে লক্ষ্মীঃ করমধ্যে সরস্বতী।

করমূলে স্থিতো ব্রহ্মা প্রভাতে করদর্শনম্॥

করক আগাঁ লক্ষ্মী বসৈত ছথি, করক মধ্যমে সরস্বতী, করক মূলমে ব্রহ্মা স্থিত ছথি। ভোরমে তাহি দ্বারে করক দর্শন করবাক থীক।

২.সঁধ্যা কাল দীপ লেসবাক কাল–

দীপমূলে স্থিতো ব্রহ্মা দীপমধ্যে জনার্দনঃ।

দীপাগ্রে শঙ্করঃ প্রোক্তঃ সন্ধ্যাজ্যোতির্নমোঽস্তুতে॥

দীপক মূল ভাগমে ব্রহ্মা, দীপক মধ্যভাগমে জনার্দন (বিষ্ণু) আ২ দীপক অগ্র ভাগমে শঙ্কর স্থিত ছথি। হে সঁধ্যাজ্যোতি! অহাঁকেঁ নমস্কার।

৩.সুতবাক কাল–

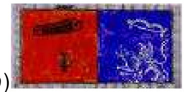
রামং স্কন্দং হনুমন্তং বৈনতেয়ং বৃকোদরম্।

শয়নে যঃ স্মরেন্নিত্যং দুঃস্বপ্নস্তস্য নশ্যতি॥

জে সভ দিন সুতবাসঁ পহিলে রাম, কুমারস্বামী, হনুমান, গরুড় আ২ ভীমক স্মরণ করৈত ছথি, হুনকর দুঃস্বপ্ন নষ্ট ভ২ জাগত ছন্হি।

৪. নহেবাক সময–

গঙ্গা চ যমুনে চৈব গোদাবরি সরস্বতি।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

নর্মদে সিন্ধু কাবেরি জলেঽস্মিন্ সন্নিধিং কুরু ॥

হে গংগা, যমুনা, গোদাবরী, সরস্বতী, নর্মদা, সিন্ধু আ২ কাবেরী ধার। এহি জলমে অপন সান্নিধ্য দিঅ।

৩.উত্তরং যত্সমুদ্রস্য হিমাদ্রেশ্চৈব দক্ষিণম্।

বর্ষং তত্ ভারতং নাম ভারতী যত্র সন্ততিঃ ॥

সমুদ্রক উত্তরমে আ২ হিমালয়ক দক্ষিণমে ভারত অছি আ২ ওতুকা সন্ততি ভারতী কহবৈত ছথি।

৬.অহল্যা দ্রৌপদী সীতা তারা মন্দোদরী তথা।

পঞ্চকং না স্মরেন্নিত্যং মহাপাতকনাশকম্ ॥

জে সভ দিন অহল্যা, দ্রৌপদী, সীতা, তারা আ২ মন্দোদরী, এহি পাঁচ সাধ্বী-স্ত্রীক স্মরণ করৈত ছথি, হুনকর সভ পাপ নষ্ট ভ২ জাইত ছন্হি।

৭.অশ্বত্থামা বলির্ব্যাসো হনুমাংশ্চ বিভীষণঃ।

কৃপঃ পরশুরামশ্চ সপ্তৈতে চিরঞ্জীবিনঃ ॥

অশ্বত্থামা, বলি, ব্যাস, হনুমান্, বিভীষণ, কৃপাচার্য আ২ পরশুরাম- ই সাত টা চিরঞ্জীবী কহবৈত ছথি।

৮.সাতে ভবতু সুপ্রীতা দেবী শিখর বাসিনী

উগ্রেন তপসা লব্ধো যয়া পশুপতিঃ পতিঃ।

সিদ্ধিঃ সাধ্যে সতামস্তু প্রসাদান্তস্য ধূর্জটেঃ

জাহ্নবীফেনলেখেব যন্মূধি শশিনঃ কলা ॥

৯. বালোঽহং জগদানন্দ ন মে বালা সরস্বতী।

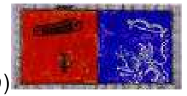
অপূর্ণে পঞ্চমে বর্ষে বর্ণয়ামি জগত্ত্রয়ম্ ॥

১০. *দূর্বাক্ষত মন্ত্র*(শুক্ল যজুর্বেদ অধ্যায় ২২, মন্ত্র ২২)

আ ব্রহ্মন্নিত্যস্য প্রজাপতির্ঋষিঃ। লিংভোক্তা দেবতাঃ। স্বরাডুৎকৃতিশ্ছন্দঃ। ষড্জঃ স্বরঃ ॥

আ ব্রহ্মন্ ব্রাহ্মণো ব্রহ্মবর্চসী জায়তামা রাষ্ট্রে রাজন্যঃ শূরেঽইষব্যোঽতিব্যাধী মহারথো জায়তাং দোগ্ধ্রী ধেনুর্বোঢানড্বানাশুঃ সপ্তিঃ পুরন্ধির্যোবা জিষ্ণূ রথেষ্ঠাঃ সভেয়ো যুবাস্য যজমানস্য বীরো জায়তাং নিকামে-নিকামে নঃ পর্জন্যো বর্ষতু ফলবত্যো নঽওষধয়ঃ পচ্যন্তাং যোগেক্ষমো নঃ কল্পতাম্ ॥ ২২ ॥

মন্ত্রার্থাঃ সিদ্ধয়ঃ সন্তু পূর্ণাঃ সন্তু মনোরথাঃ। শত্রূণাং বুদ্ধিনাশোঽস্তু মিত্রাণামুদয়স্তব।


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ॐ দীর্ঘায়ুর্ভর। ॐ সৌভাগ্যরতী ভর।

হে ভগৱান্। অপন দেশমে সুযোগ্য আ সর্বজ্ঞ বিদ্যার্থী উৎপন্ন হোথি, আ শুত্রুকেঁ নাশ কএনিহার সৈনিক উৎপন্ন হোথি। অপন দেশক গায খুব দুধ দয রালী, বরদ ভার রহন করএমে সক্ষম হোথি আ ঘোড়া ত্বরিত রূপেঁ দৌগয রলা হোএ। স্ত্রীগণ নগরক নেতৃত্ব করবামে সক্ষম হোথি আ যুরক সভামে ওজপূর্ণ ভাষণ দেবয়বলা আ নেতৃত্ব দেবামে সক্ষম হোথি। অপন দেশমে জখন আরশ্যক হোয বর্ষা হোএ আ ঔষধিক-বূটী সর্বদা পরিপক্ক হোইত রহএ। এরং ক্রমে সভ তরহেঁ হমরা সভক কল্যাণ হোএ। শত্রুক বুদ্ধিক নাশ হোএ আ মিত্রক উদয হোএ॥

মনুষ্যকেঁ কোন রস্তুক গড়া করবাক চাহী তকর বর্ণন এহি মংত্রমে কএল গেল অছি।

এহিমে রাচকলুপ্তোপমালঙ্কার অছি।

অন্বয-

ব্রহ্মন্ - বিদ্যা আদি গুণসঁ পরিপূর্ণ ব্রহ্ম

রাষ্ট্রে - দেশমে

ব্রহ্মরর্চসী-ব্রহ্ম বিদ্যাক তেজসঁ যুক্ত

আ জাযতা- উৎপন্ন হোএ

রাজন্যঃ-রাজা

শূরে২ রিনা ডর রলা

ওাযব্যা- রাণ চলেবামে নিপুণ

২তিব্যাধী-শত্রুকেঁ তাকা দয রলা

মহারথো-পৈঘ রথ রলা রীর

দোগ্ধ্রী-কামনা(দুধ পূর্ণ করএ রালী)

ধেনুর্বোঢানড্রানাশুঃ ধেনু-গৌ রা রাণী রোঢানড্রা- পৈঘ রবদ নাশুঃ-আশুঃ-ত্বরিত

সপ্তিঃ-ঘোড়া

পুরন্ধির্যোরা- পুরন্ধি- ব্যরহারকেঁ ধারণ করএ রালী যোরা-স্ত্রী

জিষ্ণু-শত্রুকেঁ জীতএ রলা

বপ্রেগ্যা:-বথ পব স্থিব

সভেযো-উঁত্তম সভামে

যবাস্য-যবা জেহণ

যজমানস্য-বাজাক বাজ্যমে

বীবো-শত্রুকেঁ পবাজিত কবএবঁলা

নিকামে-নিকামে-নিশ্চযযক্ত কার্যমে

ন:-হমব সভক

পর্জন্যা-মেঘ

বর্যতু-বর্যা হোএ

ফলবত্য-উঁত্তম ফল বঁলা

ওষধয:-ওষধি:

পচ্যন্তাং- পাকএ

যোগেক্ষমো-অলস্থ লস্থ কবেবাঁক হেতু কএল গেল যোগক বক্ষা

ন:'-হমবা সভক হেতু

কল্পতাম্-সমর্থ হোএ

গ্রিফিথক অনুবাদ- হে ব্রহ্মণ, হমব বাজ্যমে ব্রাহ্মণ নীক ধার্মিক রিদ্যা বঁলা, বাজন্য-বীব,তীবঁদাজ, দূধ দএ বঁলী গায, দৌগয বঁলা জন্তু, উদ্যমী নাবী হোথি। পার্জন্য আরশ্যকতা পডলা পব বর্যা দেথি, ফল দেয বঁলা গাছ পাকএ, হম সভ সংপত্তি অর্জিত/সংবক্ষিত কবী।

রিদেহ নূতন অংক ভাযাপাক বচনালেখন-

ওংগ্লিশকোয-মৈথিলী- / মৈথিলীকোয-ওংগ্লিশ- প্রোজেক্টকেঁ আগূ বঁঢ় াউ, অপন স্ুঝার আ যোগদান ঈ-মেল দ্বাবা ggajendra@videha.com পব পঠাউ।

১.ভাবত আ নেপালক মৈথিলী ভাষা-বৈজ্ঞানিক লোকনি দ্বাবা বঁনাওল মানক শৈলী আ ২.মৈথিলীমে ভাষা সম্পাদন পাঠ্যক্রম

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

১.নেপাল আ ভারতক মৈথিলী ভাষা-বৈজ্ঞানিক লোকনি দ্বারা বনাওল মানক শৈলী

১.১. ***নেপালক মৈথিলী ভাষা বৈজ্ঞানিক*** *লোকনি দ্বারা বনাওল মানক উচ্চারণ আ লেখন শৈলী*

(ভাষাশাস্ত্রী ডা. রামাবতার যাদবক ধারণাকেঁ পূর্ণ রূপসঁ সঙ্গ লএ নির্ধারিত)

মৈথিলীমে উচ্চারণ তথা লেখন

১.*পঞ্চমাক্ষর আ অনুস্বার*: পঞ্চমাক্ষরান্তর্গত ঙ, ঞ, ণ, ন এবং ম অবৈত অছি। সংস্কৃত ভাষাক অনুসার শব্দক অন্তমে জাহি বর্গক অক্ষর রহৈত অছি ওহী বর্গক পঞ্চমাক্ষর অবৈত অছি। জেনা-

অঙ্ক (ক বর্গক রহবাক কারণে অন্তমে ঙ্ আএল অছি।)

পঞ্চ (চ বর্গক রহবাক কারণে অন্তমে ঞ্ আএল অছি।)

খণ্ড (ট বর্গক রহবাক কারণে অন্তমে ণ্ আএল অছি।)

সন্ধি (ত বর্গক রহবাক কারণে অন্তমে ন্ আএল অছি।)

খম্ভ (প বর্গক রহবাক কারণে অন্তমে ম্ আএল অছি।)

উপর্যুক্ত বাত মৈথিলীমে কম দেখল জাইত অছি। পঞ্চমাক্ষরক বদলামে অধিকাংশ জগহপর অনুস্বারক প্রয়োগ দেখল জাইছ। জেনা- অংক, পংচ, খংড, সংধি, খংভ আদি। ব্যাকরণবিদ পণ্ডিত গোবিন্দ ঝাক কহব ছনি জে কবর্গ, চবর্গ আ টবর্গসঁ পূর্ব অনুস্বার লিখল জাএ তথা তবর্গ আ পবর্গসঁ পূর্ব পঞ্চমাক্ষরে লিখল জাএ। জেনা- অংক, চংচল, অংডা, অন্ত তথা কম্পন। মুদা হিন্দীক নিকট রহল আধুনিক লেখক এহি বাতকেঁ নহি মানৈত ছথি। ও লোকনি অন্ত আ কম্পনক জগহপর সেহো অংত আ কংপন লিখৈত দেখল জাইত ছথি।

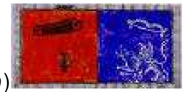
নবীন পদ্ধতি কিছু সুবিধাজনক অবশ্য ছৈক। কিএক তঁ এহিমে সময় আ স্থানক বচত হোইত ছৈক। মুদা কতোক বের হস্তলেখন বা মুদ্রণমে অনুস্বারক ছোট সন বিন্দু স্পষ্ট নহি ভেলাসঁ অর্থক অনর্থ হোইত সেহো দেখল জাইত অছি। অনুস্বারক প্রয়োগমে উচ্চারণ-দোষক সম্ভাবনা সেহো ততবএ দেখল জাইত অছি। এতদর্থ কসঁ লএ কএ পবর্গ ধরি পঞ্চমাক্ষরেক প্রয়োগ করব উচিত অছি। যসঁ লএ কএ জ্ঞ ধরিক অক্ষরক সঙ্গ অনুস্বারক প্রয়োগ করবামে কতহু কোনো বিবাদ নহি দেখল জাইছ।

২.*ঢ আ ঢ়* : ঢক উচ্চারণ "র্ হ"জকাঁ হোইত অছি। অতঃ জতএ "র্ হ"ক উচ্চারণ হো ওতএ মাত্র ঢ় লিখল জাএ। আন ঠাম খালী ঢ লিখল জএবাক চাহী। জেনা-

ঢ = ঢাকী, ঢেকী, ঢীঠ, ঢেউআ, ঢঙ্গ, ঢেরী, ঢাকনি, ঢাঠ আদি।

ঢ় = পঢ়াই, বঢ়ব, গঢ়ব, মঢ়ব, বুঢ়বা, সাঁঢ়, গাঢ়, রীঢ়, চাঁঢ়, সীঢ়ী, পীঢ়ী আদি।

উপর্যুক্ত শব্দ সভকেঁ দেখলাসঁ ই স্পষ্ট হোইত অছি জে সাধারণতয়া শব্দক শুরুমে ঢ আ মধ্য তথা অন্তমে ঢ় অবৈত অছি। ইএহ নিয়ম ড আ ড়ক সন্দর্ভ সেহো লাগূ হোইত অছি।



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

২.*ব আ বঁ* : মৈথিলীমে "ব"ক উচ্চাৰণ বঁ কএল জাগত অছি, মুদা ওকৰা বঁ ৰূপমে নহি লিখল জএবাক চাহী। জেনা- উচ্চাৰণ : বৈঁদ্যনাথ, বিঁদ্যা, নবঁ, দেবঁতা, বিঁষ্ণু, বঁশ, বঁন্দনা আদি। এহি সভক স্থানপৰ ক্রমশঃ বৈদ্যনাথ, বিদ্যা, নব, দেবতা, বিষ্ণু, বংশ, বন্দনা লিখবাক চাহী। সামান্যতয়া ব উচ্চাৰণক লেল ও প্রয়োগ কএল জাগত অছি। জেনা- ওকীল, ওজহ আদি।

৪.*য আ জ* : কতহু-কতহু "য"ক উচ্চাৰণ "জ"জকাঁ কৰৈত দেখল জাগত অছি, মুদা ওকৰা জ নহি লিখবাক চাহী। উচ্চাৰণমে যজ্ঞ, জদি, জমুনা, জুগ, জাবত, জোগী, জদু, জম আদি কহল জাএবলা শব্দ সভকেঁ ক্রমশঃ যজ্ঞ, যদি, যমুনা, যুগ, যাবত, যোগী, যদু, যম লিখবাক চাহী।

৫.*এ আ য* : মৈথিলীক বর্তনীমে এ আ য দুনু লিখল জাগত অছি।

প্রাচীন বর্তনী- কএল, জাএ, হোএত, মাএ, ভাএ, গাএ আদি।

নবীন বর্তনী- কয়ল, জায, হোয়ত, মায, ভায, গায আদি।

সামান্যতয়া শব্দক শুরুমে এ মাত্র অবৈত অছি। জেনা এহি, এনা, একৰ, এহন আদি। এহি শব্দ সভক স্থানপৰ যহি, যনা, যকৰ, যহন আদিক প্রয়োগ নহি কৰবাক চাহী। যদ্যপি মৈথিলীভাষী থারু সহিত কিছু জাতিমে শব্দক আৰম্ভমে "এ"কেঁ য কহি উচ্চাৰণ কএল জাগত অছি।

এ আ "য"ক প্রয়োগক সন্দর্ভমে প্রাচীনে পদ্ধতিক অনুসৰণ কৰব উপযুক্ত মানি এহি পুস্তকমে ওকৰে প্রয়োগ কএল গেল অছি। কিএক তঁ দুনুক লেখনমে কোনো সহজতা আ দুরুহতাক বাত নহি অছি। আ মৈথিলীক সর্বসাধাৰণক উচ্চাৰণ-শৈলী যক অপেক্ষা এসঁ বেসী নিকট ছৈক। খাস কয় কএল, হএব আদি কতিপয় শব্দকেঁ কৈল, হৈব আদি ৰূপমে কতহু-কতহু লিখল জাএব সেহো "এ"ক প্রয়োগকেঁ বেসী সমীচীন প্রমাণিত কৰৈত অছি।

৬.*হি, হু তথা একাৰ, ওকাৰ* : মৈথিলীক প্রাচীন লেখন-পৰম্পৰামে কোনো বাতপৰ বল দৈত কাল শব্দক পাছাঁ হি, হু লগাওল জাগত ছৈক। জেনা- হুনকহি, অপনহু, ওকৰহু, তৎকালহি, চোট্টহি, আনহু আদি। মুদা আধুনিক লেখনমে হিক স্থানপৰ একাৰ এবং হুক স্থানপৰ ওকাৰক প্রয়োগ কৰৈত দেখল জাগত অছি। জেনা- হুনকে, অপনো, তৎকালে, চোট্টে, আনো আদি।

৭.*ষ তথা খ* : মৈথিলী ভাষামে অধিকাংশতঃ ষক উচ্চাৰণ খ হোগত অছি। জেনা- ষড্যন্ত্র (খড়যন্ত্র), ষোড়শী (খোড়শী), ষট্কোণ (খটকোণ), বৃষেশ (বৃখেশ), সন্তোষ (সন্তোখ) আদি।

৮.*ধ্বনি-লোপ* : নিম্নলিখিত অৱস্থামে শব্দসঁ ধ্বনি-লোপ ভয় জাগত অছি:

(ক) ক্রিয়ান্বয়ী প্রত্যয় অয়মে য বা এ লুপ্ত ভয় জাগত অছি। ওহিমে সঁ পহিলে অক উচ্চাৰণ দীর্ঘ ভয় জাগত অছি। ওকৰ আগাঁ লোপ-সূচক চিহ্ন বা বিকাৰী (' / ঽ) লগাওল জাগছ। জেনা-

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

পূর্ণ রূপ : পঢ়এ (পঢ়য) গেলাহ, কএ (কয) লেল, উঠএ (উঠয) পড়তৌক।

অপূর্ণ রূপ : পঢ় গেলাহ, ক' লেল, উঠ' পড়তৌক।

পঢ়২ গেলাহ, ক২ লেল, উঠ২ পড়তৌক।

(খ) পূর্বকালিক কৃত আয (আএ) প্রত্যয়ে য (এ) লুপ্ত ভ২ জাগছ, মুদা লোপ-সূচক বিকারী নহি লগাওল জাগছ। জেনা-

পূর্ণ রূপ : খাএ (য) গেল, পঠায (এ) দের, নহাএ (য) অএলাহ।

অপূর্ণ রূপ : খা গেল, পঠা দের, নহা অএলাহ।

(গ) স্ত্রী প্রত্যয় অক উচারণ ক্রিয়াপদ, সংজ্ঞা, ও বিশেষণ তীনূমে লুপ্ত ভ২ জাগত অছি। জেনা-

পূর্ণ রূপ : দোসরি মালিনি চলি গেলি।

অপূর্ণ রূপ : দোসর মালিন চলি গেল।

(ঘ) বর্তমান কৃদন্তক অন্তিম ত লুপ্ত ভ২ জাগত অছি। জেনা-

পূর্ণ রূপ : পঢ়ৈত অছি, বজৈত অছি, গবৈত অছি।

অপূর্ণ রূপ : পঢ়ৈ অছি, বজৈ অছি, গবৈ অছি।

(ঙ) ক্রিয়াপদক অবসান অক, উক, এক তথা হীকমে লুপ্ত ভ২ জাগত অছি। জেনা-

পূর্ণ রূপ: ছিযৌক, ছিযৈক, ছহীক, ছৌক, ছৈক, অবিতৈক, হোএক।

অপূর্ণ রূপ : ছিযৌ, ছিযৈ, ছহী, ছৌ, ছৈ, অবিতৈ, হোএ।

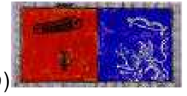
(চ) ক্রিয়াপদীয প্রত্যয় ন্হ, হু তথা হকারক লোপ ভ২ জাগছ। জেনা-

পূর্ণ রূপ : ছন্হি, কহলন্হি, কহলহুঁ, গেলহ, নহি।

অপূর্ণ রূপ : ছনি, কহলনি, কহলৌঁ, গেল২, নএ, নঞি, নৈ।

৯.*ধ্বনি স্থানান্তরণ* : কোনো-কোনো স্বর-ধ্বনি অপনা জগহসঁ হটি ক২ দোসর ঠাম চলি জাগত অছি। খাস ক২ হ্রস্ব ই আ উক সম্বন্ধমে ই বাত লাগূ হোএত অছি। মৈথিলীকরণ ভ২ গেল শব্দক মধ্য বা অন্তমে জঁ হ্রস্ব ই বা উ আবএ তঁ ওকর ধ্বনি স্থানান্তরিত ভ২ এক অক্ষর আগাঁ আবি জাগত অছি। জেনা- শনি (শইন), পানি (পাইন), দালি (দাইল), মাটি (মাইট), কাছু (কাউছ), মাসু (মাউস) আদি। মুদা তত্সম শব্দ সভমে ই নিঅম লাগূ নহি হোএত অছি। জেনা- রশ্মিকেঁ রইশ্ম আ সুরাংশুকেঁ সুরাউংস নহি কহল জা সকৈত অছি।

১০.*হলন্ত(্)ক প্রযোগ* : মৈথিলী ভাষামে সামান্যতযা হলন্ত (্)ক আবশ্যকতা নহি হোএত অছি। কারণ জে শব্দক অন্তমে অ উচারণ নহি হোএত অছি। মুদা সংস্কৃত ভাষাসঁ জহিনাক তহিনা মৈথিলীমে আএল (তত্সম) শব্দ সভমে হলন্ত প্রযোগ কএল জাগত অছি। এহি পোথীমে সামান্যতযা সম্পূর্ণ শব্দকেঁ মৈথিলী


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ভাষা সম্বন্ধী নিঅম অনুসার হলন্তবিহীন রাখল গেল অছি। মুদা ব্যাকরণ সম্বন্ধী প্রয়োজনক লেল অপেক্ষিত স্থানপর কতহু-কতহু হলন্ত দেল গেল অছি। প্রস্তুত পোথীমে মথিলী লেখনক প্রাচীন আ নবীন দুনু শৈলীক সরল আ সমীচীন পক্ষ সভকেঁ সমেটি কঽ বর্ণ-বিন্যাস কএল গেল অছি। স্থান আ সময়মে বচত করবাক হেতু হস্ত-লেখন তথা তকনীকী দৃষ্টিসঁ সেহো সরল হোবঽবলা হিসাবসঁ বর্ণ-বিন্যাস মিলাওল গেল অছি। বর্তমান সময়মে মৈথিলী মাতৃভাষী পর্যন্তকেঁ আন ভাষাক মাধ্যমসঁ মৈথিলীক জ্ঞান লেবঽ পড়ি রহল পরিপ্রেক্ষ্যমে লেখনমে সহজতা তথা একরূপতাপর ধ্যান দেল গেল অছি। তখন মৈথিলী ভাষাক মূল বিশেষতা সভ কুণ্ঠিত নহি হোইক, তাহূ দিস লেখক-মণ্ডল সচেত অছি। প্রসিদ্ধ ভাষাশাস্ত্রী ডা. রামাবতার যাদবক কহব ছনি জে সরলতাক অনুসন্ধানমে এহন অবস্থা কিন্নহু নে আবয় দেবাক চাহী জে ভাষাক বিশেষতা ছাঁহমে পড়ি জাএ।

-(ভাষাশাস্ত্রী ডা. রামাবতার যাদবক ধারণাকেঁ পূর্ণ রূপসঁ সঙ্গ লঽ নির্ধারিত)

১.২. মৈথিলী অকাদমী, পটনা দ্বারা নির্ধারিত মৈথিলী লেখন-শৈলী

১. জে শব্দ মৈথিলী-সাহিত্যক প্রাচীন কালসঁ আই ধরি জাহি বর্তনীমে প্রচলিত অছি, সে সামান্যতঃ তাহি বর্তনীমে লিখল জায়- উদাহরণার্থ-

গ্রাহ্য

এখন
ঠাম
জকর, তকর
তনিকর
অছি

অগ্রাহ্য
অখন, অখনি, এখেন, অখনী
ঠিমা, ঠিনা, ঠমা
জেকর, তেকর
তিনকর। (বৈকল্পিক রূপেঁ গ্রাহ্য)
ঐছ, অহি, এ।

২. নিম্নলিখিত তীন প্রকারক রূপ বৈকল্পিকতয়া অপনাওল জায়: ভঽ গেল, ভয় গেল বা ভএ গেল। জা রহল অছি, জায় রহল অছি, জাএ রহল অছি। কর' গেলাহ, বা করয় গেলাহ বা করএ গেলাহ।

৩. প্রাচীন মৈথিলীক 'ন্হ' ধ্বনিক স্থানমে 'ন' লিখল জায় সকৈত অছি যথা কহলনি বা কহলন্হি।

৪. 'ঐ' তথা 'ঔ' ততয় লিখল জায় জত' স্পষ্টতঃ 'অই' তথা 'অউ' সদৃশ উচ্চারণ ইষ্ট হো। যথা- দেখৈত, ছলৈক, বৌআ, চৌক ইত্যাদি।

৫. মৈথিলীক নিম্নলিখিত শব্দ এহি রূপে প্রযুক্ত হোয়ত: জৈহ, সৈহ, ইএহ, ওএহ, লৈহ তথা দৈহ।

৬. হ্রস্ব ইকারান্ত শব্দমে 'ই' কে লুপ্ত করব সামান্যতঃ অগ্রাহ্য থিক। যথা- গ্রাহ্য দেখি আবহ, মালিনি গেলি (মনুষ্য মাত্রমে)।

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

৭. স্বতংত্র হ্রস্ব 'এ' বা 'য' প্রাচীন মৈথিলীক উচ্চারণ আদিমে তঁ যথারত রাখল জায়, কিন্তু আধুনিক প্রযোগমে বৈকল্পিক রূপেঁ 'এ' বা 'য' লিখল জায়। যথা:- কয়ল বা কএল, অয়লাহ বা অএলাহ, জায় বা জাএ ইত্যাদি।

+. উচ্চারণমে দু স্বরক বীচ জে 'য' ধ্বনি স্বতঃ আবি জাইত অছি তকরা লেখমে স্থান বৈকল্পিক রূপেঁ দেল জায়। যথা- ধীআ, অঢৈআ, বিআহ, বা ধীয়া, অঢৈয়া, বিয়াহ।

৯. সানুনাসিক স্বতংত্র স্বরক স্থান যথাসংভর 'ঞ' লিখল জায় বা সানুনাসিক স্বর। যথা:- মৈঞা, কনিঞা, কিরতনিঞা বা মৈআঁ, কনিআঁ, কিরতনিআঁ।

১০. কারকক বিভক্তিক নিম্নলিখিত রূপ গ্রাহ্য:- হাথকেঁ, হাথসঁ, হাথেঁ, হাথক, হাথমে। 'মে' মে অনুস্বার সর্বথা ত্যাজ্য থিক। 'ক' ক বৈকল্পিক রূপ 'কের' রাখল জা সকৈত অছি।

১১. পূর্বকালিক ক্রিয়াপদক বাদ 'কয' বা 'কএ' অব্যয় বৈকল্পিক রূপেঁ লগাওল জা সকৈত অছি। যথা:- দেখি কয বা দেখি কএ।

১২. মাঁগ, ভাঁগ আদিক স্থানমে মাঙ, ভাঙ ইত্যাদি লিখল জায়।

১৩. অর্দ্ধ 'ন' ও অর্দ্ধ 'ম' ক বদলা অনুসার নহি লিখল জায়, কিন্তু ছাপাক সুবিধার্থ অর্দ্ধ 'ঙ' , 'ঞ', তথা 'ণ' ক বদলা অনুস্বারো লিখল জা সকৈত অছি। যথা:- অঙ্ক, বা অংক, অঞ্চল বা অংচল, কণ্ঠ বা কংঠ।

১৪. হলংত চিন্হ নিঅমতঃ লগাওল জায়, কিন্তু বিভক্তিক সংগ অকারাংত প্রযোগ কএল জায়। যথা:- শ্রীমান্, কিন্তু শ্রীমানক।

১৫. সভ একল কারক চিন্হ শব্দমে সটা ক লিখল জায়, হটা ক নহি, সংযুক্ত বিভক্তিক হেতু ফরাক লিখল জায়, যথা ঘর পরক।

১৬. অনুনাসিককেঁ চন্দ্রবিন্দু দ্বারা ব্যক্ত কয়ল জায়। পরংতু ছাপাক সুবিধার্থ হি সমান জটিল মাত্রাপর অনুস্বারক প্রযোগ চন্দ্রবিন্দুক বদলা কয়ল জা সকৈত অছি। যথা- হিঁ কের বদলা হিং।

১৭. পূর্ণ বিরাম পাসীসঁ (।) সূচিত কয়ল জায়।

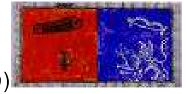
১+. সমস্ত পদ সটা ক লিখল জায়, বা হাইফেনসঁ জোড়ি ক , হটা ক নহি।

১৯. লিঅ তথা দিঅ শব্দমে বিকারী (ऽ) নহি লগাওল জায়।

২০. অংক দেবনাগরী রূপমে রাখল জায়।

২১.কিছু ধ্বনিক লেল নবীন চিন্হ বনবাওল জায়। জা ঈ নহি বনল অছি তাবৎ এহি দুনু ধ্বনিক বদলা পূর্ববৎ অয/ আয/ অএ/ আএ/ আও/ অও লিখল জায়। আকি ঐ বা ঔ সঁ ব্যক্ত কএল জায়।

হ./- গোবিন্দ ঝা ১১/+/৭৬ শ্রীকান্ত ঠাকুর ১১/+/৭৬ সুরেন্দ্র ঝা "সুমন" ১১/০+/৭৬



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

২. মৈথিলীমে ভাষা সম্পাদন পাঠ্যক্রম

২.১. উচ্চারণ নির্দেশ: (বোল্ড কএল রূপ গ্রাহ্য):-

দন্ত ন ক উচ্চারণমে দাঁতমে জীহ সটত- জেনা বাজু নাম , মুদা ণ ক উচ্চারণমে জীহ মূর্धामे सटत (नै सटैछ तँ उच्चारण दोष अछि)- जेना बाजू गणेश। तालव्य **श**मे जीह तालुसँ, **ष**मे मूर्धासँ आ दन्त **स**मे दाँतसँ सटत। निशाँ, सभ आ शोषण बाजि कऽ देखू। मैथिलीमे **ष** केँ वैदिक संस्कृत जकाँ **ख** सेहो उच्चरित कएल जाइत अछि, जेना वर्षा, दोष। य अनेको स्थानपर ज जकाँ उच्चरित होइत अछि आ ण ड जकाँ (यथा संयोग आ गणेश **संजोग** आ

गड़ेस उच्चरित होइत अछि)। मैथिलीमे व क उच्चारण ब, श क उच्चारण स आ य क उच्चारण ज सेहो होइत अछि।

ओहिना ह्रस्व इ बेशीकाल मैथिलीमे पहिने बाजल जाइत अछि कारण देवनागरीमे आ मिथिलाक्षरमे ह्रस्व इ अक्षरक पहिने लिखलो जाइत आ बाजलो जएबाक चाही। कारण जे हिन्दीमे एकर दोषपूर्ण उच्चारण होइत अछि (लिखल तँ पहिने जाइत अछि मुदा बाजल बादमे जाइत अछि), से शिक्षा पद्धतिक दोषक कारण हम सभ ओकर उच्चारण दोषपूर्ण ढंगसँ कऽ रहल छी।

अछि- अ इ छ **ऐछ (उच्चारण)**

छथि- छ इ थ   छैथ **(उच्चारण)**

पहुँचि- प हुँ इ च **(उच्चारण)**

आब अ आ इ ई ए ऐ ओ औ अं अः ऋ ऐ सभ लेल मात्रा सेहो अछि, मुदा ऐमे ई ऐ ओ औ अं अः ऋ केँ संयुक्ताक्षर रूपमे गलत रूपमे प्रयुक्त आ उच्चरित कएल जाइत अछि। जेना ऋ केँ री रूपमे उच्चरित करब। आ देखियौ- ऐ लेल देखिऔ क प्रयोग अनुचित। मुदा देखिऐ लेल देखियौ अनुचित। क् सँ ह् धरि अ सम्मिलित भेलासँ क सँ ह बनैत अछि, मुदा उच्चारण काल हलन्त युक्त शब्दक अन्तक उच्चारणक प्रवृत्ति बढ़ल अछि, मुदा हम जखन मनोजमे ज् अन्तमे बजैत छी, तखनो पुरनका लोककेँ बजैत सुनबन्हि- मनोजऽ, वास्तवमे ओ अ युक्त ज् = ज बजै छथि।

फेर ज्ञ अछि ज् आ ञ क संयुक्त मुदा गलत उच्चारण होइत अछि- ग्य। ओहिना क्ष अछि क् आ ष क संयुक्त मुदा उच्चारण होइत अछि छ। फेर श् आ र क संयुक्त अछि श्र (जेना श्रमिक) आ स् आ र क संयुक्त अछि स्र (जेना मिस्र)। त्र भेल त+र ।

उच्चारणक ऑडियो फाइल विदेह आर्काइव http://www.videha.co.in/ पर उपलब्ध अछि। फेर **केँ / सँ / पर** पूर्व अक्षरसँ सटा कऽ लिखू मुदा **तँ / कऽ** हटा कऽ। **ऐमे सँ** मे पहिल सटा कऽ लिखू आ बादबला हटा कऽ। अंकक बाद टा लिखू सटा कऽ मुदा अन्य ठाम टा लिखू हटा कऽ जेना

छहटा मुदा सभ टा। फेर ६अ म सातम लिखू- छठम सातम नै। घरबलामे बला मुदा घरवालीमे वाली प्रयुक्त करू।

रहए-

रहै मुदा सकैए (उच्चारण सकै-ए)।

ঋদা কখনো কান বহুএ ঋা বহৈ যে ঋর্থ ভিন্নতা সেহো, জেনা সে কষা জগহমে পার্কিগ কবরাঁক ঋস্তাস **বহৈ** ওকবা। প্ভনাগব গতা নাগন জে ঠুনঠুন গাঘা ঞা ড্রাওাবব কনাষ্ট প্লসক পার্কিগমে কাজ কবৈত **বহুএ।**

ভনৌ, ভনএ যে সেহো এঁ তবহক ভেন। ভনএ ক উঁচাবণ ভন-এ সেহো।

সংযোগনে- (উঁচাবা **সঁজোগনে)**

কেঁ/ কঽ

কেব- ***ক*** (

কেব ক প্রযোগ গদ্যমে নৈ কব, গদ্যমে কঽ সকৈ ছী।)

ক (জেনা বামক)

বামক ঋা সঁগে (উঁচাবা বাম কে / বাম কঽ সেহো)

সঁ- সঽ ***(উঁচাবা)***

চন্দ্রবিন্দু ঋা ঋনুস্বাব- ঋনুস্বাবমে কঁঠ ধবিক প্রযোগ হোগত ঋছি ঋদা চন্দ্রবিন্দুমে নৈ। চন্দ্রবিন্দুমে কনেক একাবক সেহো উঁচাবা হোগত ঋছি- জেনা বামসঁ- (উঁচাবণ বাম সঽ) বামকেঁ- (উঁচাবণ বাম কঽ/ বাম কে সেহো)।

কেঁ জেনা বামকেঁ ভেন হিন্দীক কো (বাম কো)- বাম কো= বামকেঁ

ক জেনা বামক ভেন হিন্দীক কা (বাম কা) বাম কা= বামক

কঽ জেনা জা কঽ ভেন হিন্দীক কব (জা কব) জা কব= জা কঽ

সঁ ভেন হিন্দীক সে (বাম সে) বাম সে= বামসঁ

সঽ , তঽ , ত , কেব (গদ্যমে) এে চাক শৰ্দ্দ সবঁহক প্রযোগ ঋবাঁছিত।

কে দোসব ঋর্থেঁ প্রযুক্ত ভঽ সকৈএ- জেনা, কে কহনক? বিভক্তি "ক"ক বদনা একব প্রযোগ ঋবাঁছিত।

নঞি, নহি, নৈ, নগ, নঁগ, নগঁ, নগঁ এঁ সভক উঁচাবণ ঋা নেখন - ***নৈ***

ত্ত্ব ক বদনামে ত্ত্ব জেনা মহত্ত্বপূর্ণ (মহত্ত্বপূর্ণ নৈ) জতএ ঋর্থ বদনি জাএ ওতহি মাত্র তীন ঋক্ষবক সংযুক্তাক্ষবক প্রযোগ উচিত। সম্পতি- উঁচাবণ স ম্প গ ত (সম্পত্তি নৈ- কাবা সহী উঁচাবা ঋাসানীসঁ সম্ভব নৈ)। ঋদা সর্বোত্তম (সর্বোত্তম নৈ)।

বাহ্ট্রিয (বাহ্ট্রীয নৈ)

সকৈএ/ সকৈ (ঋর্থ পবিবর্তন)

পোঁছিনেন/ পোঁছি নেন/ ***পোঁছএ নেন***

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

পোঙিএ/ পোছএ/ (অর্থ পরিবর্তন) পোছএ/ পোছে

ও লোকনি (হটা কয়, ও যে বিকারী নৌ)

ওগ/ ওহি

ওহিনা/

ওহি বেলা/ ওলী বয়

জএরোঁ বৈসবেঁ

পাঁচভগয়াঁ

দেখিয়োক/ (দেখিওক নৌ- তহিনা অ যে হ্রস্ব আ দীর্ঘক মাত্রাক প্রযোগ অনুচিত)

জকাঁ / জেকাঁ

তঁগ/ **তোঁ/**

হোএত / **হএত**

নহিঁ/ নহি/ নঁগ/ নগঁ/ নৌ

সৌঁসে/ সৌঁসে

বঁড /

বঁডী (মোবাওব)

গাএ (গাগ নহি), মুদা গাগক দুধ (গাএক দুধ নৌ।)

বহলোঁ পহিরতৈঁ

হমলী/ অলী

সবঁ - **সভ**

সবঁহক - সভহক

ধরি - তক

গপ- বাঁত

বুঁসবঁ - সমসবঁ

বুঁসলোঁ/ সমসলোঁ/ বুঁসনহুঁ - সমসনহুঁ

হমবা অব - হম সভ

আকি- আ কি

সকৈছ/ করৈছ (গদ্যমে প্রযোগক আবশ্যকতা নৌ)

হোওয়/ হোমি

জাওয় (জামি নৈ, জেনা দেব জাওয়) ক্ষদা **জামি**-রুমি (অর্থ পবির্‿তন)

পওঠ/ জাওঠ

আউঁ/ জাউঁ/ আডুঁ/ জাডুঁ

যে, কেঁ, সঁ, পব (পৈঁড়সঁ সটৌ কর) তঁ কর ধর দর (পৈঁড়সঁ সটৌ কর) ক্ষদা দুটৌ রা রৈসী রিভক্তি সঁগ বহলাপব পহিল রিভক্তি টৌকেঁ সটৌডুঁ। জেনা ***এঁযে সঁ*** ।

একটৌ , ***দুটৌ*** (ক্ষদা ***কএ টৌ***)

রিঁকারীক প্রযোগ পৈঁড়ক অন্তযে, রীচযে অনারঞ্জক রূপেঁ নৈ। আকারান্ত আ অন্তযে অ ক রাঁদ রিঁকারীক প্রযোগ নৈ (জেনা ***দিঅ***

, আ/ দিয , আ, আ নৈ)

অপোসট্রৌফীক প্রযোগ রিঁকারীক রাঁদলাযে করবাঁ অপ্রচিত আ যাত্র ফাঁক্টক তকণীকী ন্যূনতাক পবিচাযক)- ওনা রিঁকারীক সংস্কৃত রূপ ২ অরগ্রহ কহল জাওত অছি আ রর্তনী আ উচাবণ দুনু ঠাম একব লোপ বহৈত অছি/ বহি সকৈত অছি (উচাবণযে লোপ বহিতে অছি)। ক্ষদা অপোসট্রৌফী সেহো অংগ্রেজীযে পসেসির কেসযে হোওত অছি আ ফ্রেঁচযে পৈঁড়যে জতএ একব প্রযোগ হোওত অছি জেনা r ai son d'et r e এতএ সেহো একব উচাবণ রৈজৌন ডেটৈব হোওত অছি, যালে অপোসট্রৌফী অরকাশ নৈ দৈত অছি রবণ জোউৈত অছি, সে একব প্রযোগ রিঁকারীক রাঁদলা দেনাও তকণীকী রূপেঁ সেহো অপ্রচিত)।

অওযে, এহিযে/ ***এঁযে***

জওযে, জাহিযে

এখন/ ***অখন/*** অওখন

কেঁ (কে নহি) যে (অনুস্বার বহিত)

ভর

যে

দর

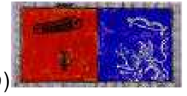
তঁ (তর, ত ***নৈ)***

সঁ (সর স ***নৈ)***

গাড় তব

গাড় বগ

সাঁস খন


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

জো (জো go, করৈ জো do)

তৈ/তঞ জেনা- তৈ দ্খাবে/ তগমে/ তগনে

জৈ/জঞ জেনা- জৈ কাবণ/ জগসঁ/ জগনে

ঐ/ঋঞ জেনা- ঐ কাবণ/ ঐসঁ/ ঋগনে/ ফ্দা একব একটৗ খাস প্রযোগ- নানতি কতেক দিনসঁ কহৈত বহৈত ঋগ

নৌ/নঞ জেনা নৌসঁ/ নগনে/ নৌ দ্খাবে

নহঁ/ **নোঁ**

গেনৌ/ নেনৌ/ নেনঁহ/ গেনহুঁ/ নেনহুঁ/ নেনঁ

জঞ/ জাহি/ **জৈ**

জহিঠাম/ জাহিঠাম/ **জঞঠাম/ জৈঠাম**

এহি/ **ঋহি/**

ঋগ **(বোক্যক ঋতমে প্রাযো(/ ঐ**

ঋগড্/ **ঋড্/** ঐড্

তঞ/ তহি/ **তৈ/** তাহি

ওহি/ **ওঞ**

সীখি/ **সীখ**

জীরি/ জীরী/ **জীরঁ**

ভনেহী/ **ভনহি**

তৈঁ/ তঁগ/ **তঁএ**

জাএরঁ/ জএরঁ

নগ/ **নৈ**

ড্গ/ **ড্রৈ**

নহি/ **নৈ/** নগ

গগ/ **গৈ**

ভনি/ ভন্হি ...

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

সময় *শেরঁদক সঁগ জখন কোনো বিভক্তি জুটৈ ছৈ তখন সমৈ জনা সমৈপর গত্যাদি। ঋসগরমে* ***হৃদএ*** *ঋা বিভক্তি জুটলে হৃদে জনা হৃদেসঁ, হৃদেমে গত্যাদি।*

জগ/ *জাহি*/

জৈ

জহিঠাম/ জাহিঠাম/ ***জগঠাম***/ *জৈঠাম*

এহি/ ঋহি/ ঋগ/ ***ঐ***

ঋগছ/ ***ঋছি***/ *ঐছ*

তগ/ তহি/ ***তৈ***/ *তাহি*

ওহি/ ***ওগ***

সীখি/ ***সীখ***

জীরি/ জীরী/

জীরঁ

ভলে/ ভলেহী/

ভরহি

তৈঁ/ *তঁগ/* ***তঁএ***

জাএরঁ/ *জএরঁ*

নগ/ ***নৈ***

ছগ/ ***ছৈ***

নহি/ ***নৌ***/ *নগ*

গগ/

গৌ

ছনি/ ***ছন্হি***

চুকল ঋছি/ ***গেল গছি***

২.২. ***মৈথিলীমে ভাষা সম্পাদন পাঠক্রম***

নীচাঁক সূচীমে দেল বিকল্পমেসঁ লৈঙ্গুএজ এডীটর দ্বারা কোন রূপ চুনল জেবাঁক চাহী:

বোঁল্ডে কএল রূপ গ্রাহ্য:

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

১.হোযবঁনা/ হোবঁযবঁনা/ হোমযবঁনা/ হেবঁ'বঁনা, হেম'বঁনা/ হোযবাঁক/**হোইঁএবঁনা** /**হোএবাঁক**

২. আ'/আ২

আ

৩. ক' লেল/**ক২ লেল**/**কএ লেল**/কয লেল/ল'/**ল২**/লয/**লএ**

৪. ভ' গেল/**ভ২ গেল**/ভয গেল/**ভএ**

গেল

৫. কব' গেলাহ/**কব২**

গেলহ/কবএ গেলাহ/কবয গেলাহ

৬.

দিঅ/দিঅ দিয,দিয,দিঅ',দিয'/

৭. কব' বঁনা/**কব২ বঁনা**/ কবয বঁনা **কবৈবঁনা**/ক'ব' বঁনা /

কবৈবাবী

৮. **বঁনা** বনা (পুরুষ), রানী (স্ত্রী) ৯

.

আণ্ডব আঁঘ্র

১০. **প্রায়ঃ** প্রাযহ

১১. **দুঃখ** দুখ ১

২. চলি গেল **চল গেল**/চৈল গেল

১৩. **দেবথিহ** দেলকিহ, **দেবথিন**

১৪.

দেখবহি দেখবনি/ দেখলৈহ

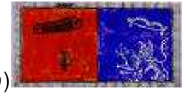
১৫. **ভথিহ**/ ভবহি **ভথিন**/ ভলৈন/ **ভবনি**

১৬. **চলৈত/দৈত** চলতি/দৈতি

১৭. এখলো

আখলো

১৮.



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ৰঁঠমি ৰঁঠঔম ৰঁঠহি

১৯. ও'/ ও২(সর্বনাম) **ও**

২০

. ও (সংযোজক) ও'/ও২

২১. **ফাঁমি**/ফাম্নি ফাওগি/ফাওগু

২২.

জে জে'/জে২ ২৩. না-সুকব না-সুকব

২৪. **কেবহি/কেবমি**/কযনহি

২৫. তখনতঁ/ **তখন তঁ**

২৬. **জা**

বহব/জায বহব/জাএ বহব

২৭. নিকলয/**নিকলএ**

বাগব/ বগব ৰঁহবায/ ৰঁহবাএ বাগব/ বগব নিকল/ৰঁহবৈ বাগব

২৮. ওতয/ জতয জত'/ ওত'/ **জতএ/ ওতএ**

২৯.

কী ফুবব জে কি ফুবব জে

৩০. **জে** জে'/জে২

৩১. **কুদি / যাদি**(যোন পাবৰঁ) কুওদ/যাওদ/কুদ/যাদ/

যাদি (যোন)

৩২. **ওহো/ ওহো**

৩৩.

হঁসএ/ হঁসয হঁস২

৩৪. **নৌ থাকি দস**/নৌ কিরা দস/ নৌ রা দস

৩৫. **সাস্ব-সস্বব** সাস-সস্বব

৩৬. **ভুহ/ সাত** ভ/ভঃ/সাত

৩৭.

কী কী/ কী২ (দীর্ঘীকারান্তমে ২ বর্জিত)

৩৮. **জরাঁরঁ** জরারঁ

৩৯. **কবএতাহ/ কবেতাহ** কবযতাহ

৪০. দলান দিশি দলান দিশী/**দলান দিস**

৪১

. **গেলাহ গএলাহ/গযলাহ**

৪২. **কিছু খাব/** কিছু ওব/ কিছু খাব

৪৩. **জাও ভল/ জাওত ভল** জাতি ভল/জৈত ভল

৪৪. **পহুঁচি/ ভেটৈ জাওত ভল/ ভেটৈ জাও ভলএ** পহুঁচ/ ভেষ্ট জাগত ভল

৪৫.

জরাঁন (হ্রা)/ জরান(ফৌজী)

৪৬. নয/ **নএ** ক/ **ক২/ নএ কএ** / **ন২ ক২/ ন২ কএ**

৪৭. ন/**ন২** কয/

কএ

৪৮. এখন / এখনে / **ৠখন / ৠখনে**

৪৯.

ৠনীকেঁ ৠনীকেঁ

৫০. **গনীব** গনীব

৫১.

ধাব পাব কেনাও ধাব পাব কেনায/কেনাএ

৫২. জেকাঁ জেঁকাঁ/

জকাঁ

৫৩. **তহিনা** তেহিনা

৫৪. **একব** খকব

৫৫. **রঁহিনউ** রঁহনোগ

৫৬. **রঁহিন** রঁহিনি

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ঙ৭. ৱঁহিন-ৱঁহিলোগ

ৱঁহিন-ৱঁহলওঁ

ঙ+. নহি/ **লৈ**

ঙ৯. **কবরী** / কবরীয/ **কবরীএ**

৬০. **তঁ**/ ত ২ তয/**তএ**

৬১. ভৈযাবী যে ছোষ্ট-**ভাএ**/ভৈ/, জেঠ-**ভায/ভাও**

৬২. গিনতীযে **দু** ভাও/ভাএ/**ভাঁও**

৬৩. ঞা পোথী দু **ভাওক/** ভাঁও/ ভাএ/ নেন। যারত **জারত**

৬৪. যায যৈ / **যাএ** হৃদা **যাওক যযতা**

৬ঙ. **দেহি**/ **দওন** দনি/ দএহি/ দযহি **দহি**/ দৈহি

৬৬. দ/ **দ২**/ **দএ**

৬৭. ও (সংযোজক) ও২ (সর্বনায)

৬+. **তকা** কএ তকায **তকাএ**

৬৯. পৈলে (on foot) **পএবে কএক**/ কৈক

৭০.

তাহুযে/ তাহ্রুযে

৭১.

প্রতীক

৭২.

ৱঁজা কয/ কএ / ক২

৭৩. ৱঁননায/**ৱঁননাও**

৭৪. **কোবা**

৭ঙ.

দিনকা দিনকা

৭৬.

তত্তহিঁ

7৭. গবৰঁওনক্সি/ **গবৰেঁৰিনি/**

গবৰেঁৰহি/ গবৰেঁৰনি

7+. **রাঁব্ব** রাঁনু

7৯.

চেক্ত চিক্ত(খণ্ড)

+০. **জে** জে'

+১

. সে/ কে সে/কে'

+২. **এখুনকা** অখনুকা

+৩. ভুমিহাব **ভুমিহাব**

+৪. **সুগব**

/ সুগবক/ সুগব

+৫. **মঠলাক** মট্টোক +৬.

ভুরি

+7. কবওযৌ/ও **কবৈযৌ ল দেবক /কবিযৌ**–কবওযৌ

++. **গ্রাঁবি**

গ্রাঁও

+৯. মগড় ।–মাট্টী

মগড় ।–মাট্টি

৯০. **পএবে–পএবে** পৌবে–পৌবে

৯১. **খেলএরাঁক**

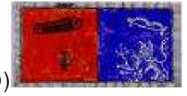
৯২. **খেলেরাঁক**

৯৩. **বগা**

৯৪. **লোএ– লো লোঞএ**

৯৫. **বুঁমব** বুঁমন

৯৬.



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

বুঁসব (সংবোধন অর্থমে)

৯৭. যৌহ **যএহ** / **ওএহ/** সৈহ/ **সএহ**

৯৮. **তাতির**

৯৯. ঋসমাস- ঋযনাওা/ **ঋএনাওা/ এনাওা**

১০০. **মিন্ন-** মিন্দ

১০১.

রিন্ন রিল

১০২. **জাএ** জাওা

১০৩.

জাওা (in different sense)-last word of sentence

১০৪. **ভত পব খাথি জাওা**

১০৫.

লে

১০৬. **খেবাএ** (play) **খেবাওা**

১০৭. **শিকাওত-** শিকাযত

১০৮.

ঢগ- ঢগ

১০৯

. **পঢ়- পঢ**

১১০. কমিএ/ **কমিযে** কমিযেঁ

১১১. **বাকস-** বাকশ

১১২. **কোএ/** কোয **কোওা**

১১৩. ঋউঁবদা-

ঔবদা

১১৪. **বুঁসেবহি** (different meaning- got understand)

১১৫. বুঁসএনহি/**বুঁসেবথি**/ বুঁসযনহি (understood himself)

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

১১৬. চমি- **চব/ চমি গেব**

১১৭. **খধাওা-** খধাস

১১৮.

যোল পাড়বখিহ/ যোল পাড়বখিল/ যোল পাববখিহ

১১৯. কৈক- **কএক- কওএক**

১২০.

বগ বগ

১২১. **জবেলাওা**

১২২. **জবৌলাওা** জবওলাগ- জবএলাগা/

জবেলাওা

১২৩. **হোওাত**

১২৪.

গবৰেবহি/ গবৰেবমি গবৰৌবহি/ গবৰৌবমি

১২৫.

চিখৈত- (to test)চিখওাত

১২৬. **কবওাযো** (willing to do) কবৈযো

১২৭. জেকবা- **জকবা**

১২৮. **তকবা-** তেকবা

১২৯.

বিদেসব স্থালযে/ বিদেসবে স্থালযে

১৩০. কবৰযলহুঁ/ কবৰএলহুঁ/ কবৰেলহুঁ **কবৰেলৌ**

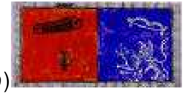
১৩১.

হাবিক (উঁচাবণ লওাবক)

১৩২. **ওজল** বজল **খাফসোচ**/ খফসোস **কাগত/ কাগচ/** কাগজ

১৩৩. **খাধে ভাগ**/ **খাধ-ভাগে**

১৩৪. **গিচা** / গিচায/**গিচাএ**


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ς३ঞ. ন্এ৩/ **লে**

ς३৬. **রাঁচা** ন্এ৩

(লে) পিচা জায

ς३7. **ত্খন লে** (ন্এ৩) **কইত খচ্ছি। কই/ স্বলী/ দেখৈ ভব** ক্ষদা **কইত-কইত/ স্বলৈত-স্বলৈত/ দেখৈত-দেখৈত**

ς३+.

কতেক গোটে/ কতাক গোটে

ς३৯. **কযাও-ধযাও/** কযাঔ- ধযাঔ

ς৪০

. **বগ বগ**

ς৪ς. **খেলাও** (for playing)

ς৪২.

ভগিন্হ/ ভগিন

ς৪३.

লোওত লোও

ς৪৪. ক্যা **কিযো** / কেও

ς৪ঞ.

কেশ (hair)

ς৪৬.

কেস (court-case)

ς৪7

. **রাঁললাও/ রাঁললায/ রাঁললাএ**

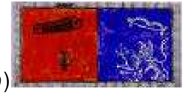
ς৪+. **জবেলাও**

ς৪৯. **ক্ষকী** ক্ষসী

ςঞ০. **চবচা** চর্চা

ςঞς. **কর্য** করয

ςঞ২. ড্রাঁরাঁএ/ ড্রাঁরৌ/ **ড্যারৈ** ড্যারঁয/ **ড্যারাঁএ**



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ऽঌ३. এখ্নকা/

অখ্নকা

ऽঌ৪. ***কএ/ মিখএ*** *(রাক্যক খঁতিয স্টি)–* ***ব২***

ऽঌঌ. *কএনকা/*

কেবক

ऽঌ৬. ***গবমী*** *গর্মী*

ऽঌ৭

. ***রবদী রদী***

ऽঌ+. ***স্বণা গেবাহু*** *স্বণা/স্বণা২*

ऽঌ৯. ***এলাঅ–গেলাঅ***

ऽ৬০.

তেলা ন ঘেবনহি/ তেলা ন ঘেবনি

ऽ৬ऽ. *নহি৺ /* ***নৌ***

ऽ৬২.

ডবো ডবো

ऽ৬३. ***কতহু/ কতৌ*** *কহী*

ऽ৬৪. *উঁযবিগব–****উঁযেবগব*** *উঁযবগব*

ऽ৬ঌ. ***ভবিগব***

ऽ৬৬. *ধোন/****বোখব*** *ধোএন*

ऽ৬৭. *গপ/****গপ্পা***

ऽ৬+.

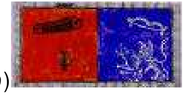
কে কে'

ऽ৬৯. ***দবর্জা****/ দবর্জা*

ऽ৭০. ***ঠাম***

ऽ৭ऽ.

ধবি ডক



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

172.

ঘুবি ৰৌষ্টি

173. **ৰোৱৰেঁক**

174. **ৰঁত্ত**

175. **তোঁ/ তু** ँ

176. তোঁহি(পদ্যমে গ্ৰাহ্য)

177. **তোঁহী / তোঁহি**

178.

কবৰাঁওএ কবৰাঁওযে

179. **একেটা**

180. **কবিতথি** /কবতথি

181.

পহুঁচি/ পহুঁচ

182. বাখনহি **বখনহি/ বখনি**

183.

বগবহি/ বগবনি বাগবহি

184.

স্থমি (উঁচাকা স্থওমা)

185. **থড়ি** (উঁচাবণ থ্বগড়)

186. **এবথি গেবথি**

187. রিতওলা/ **রিতৌলা/**

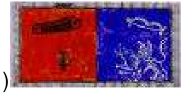
রিতেলা

188. কবৰঁওনহি/ **কবৰৌবনি/**

কবেবথিহি/ কবেবথিন

189. কবএনহি/ **কবেবনি**

190.



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

থাকি/ কি

১৯১. **পহুঁচি/**

পহুঁচ

১৯২. রঁত্তী জবায়/ **জবাএ জবা** (খাগি নগা)

১৯৩.

সে সে'

১৯৪.

হাঁ যে হাঁ (হোঁযে হাঁ বিভক্তিমে হটা কএ)

১৯৫. **ফেন** ফৈন

১৯৬. **ফঞন**(spacious) ফৈন

১৯৭. হোযতহি/ হোএতহি/ **হোএতনি/হেতনি/ হেতহি**

১৯৮. **হাথ মটিআএঁ**/ হাথ মটিয়ারঁয়/হাথ মটিযাএঁ

১৯৯. **ফেকা** ফেঁকা

২০০. **দেখাএ দেখা**

২০১. **দেখাঁএ**

২০২. **সত্তবি** সত্তব

২০৩.

সাহেবঁ সাহবঁ

২০৪.গেলৌহ/ **গেলহি/ গেলনি**

২০৫. **হেরাঁক**/ **হোএরাঁক**

২০৬.কেলো/ কএলহুঁ/**কেলৌ/** কেল্হুঁ

২০৭. কিছু ন কিছু/

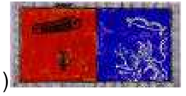
কিছু নে কিছু

২০৮.ঘুমেলহুঁ/ ঘুমাএলহুঁ/ **ঘুমেলৌ**

২০৯. **এবাক**/ খএবাক

২১০. **খঃ**/ খহ

২১১.নয়/



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

ব৩ (ৎর্থ-পবিরর্ত্তন) ২১২.কর্লীক/ কলেক

২১৩.**সবঁহেক/** সভেক

২১৪.মিলা২/ **মিবা**

২১৫.**ক২**/ ক

২১৬.জা২/

জা

২১৭.ঞা২/ **ঞা**

২১৮.**ভ২** /ভ' (' ফৰ্ষ্টক কৰ্ীক ঘ্যাতক)

২১৯.**মিখয**/ মিযয

২২০

.হেকটেখব/ হেকটেযব

২২১.**পহিব ঋক্ষব ঠ/ রাঁদক/ রাঁচক ঠ**

২২২.তহি/**তহিঁ**/ তথি৩/ **তেঁ**

২২৩.কহি/ **কহী**

২২৪.**তঁঔ/**

তেঁ / তঔ

২২৫.নঁঔ/ নঔ নথি৩/ নহি/**নৌ**

২২৬.হৈ/ **হ৩ / এবীহেঁ/**

২২৭.ডথি৩/ **ডৈ**/ ডৈক /ডঔ

২২৮.**দৃষ্টিএঁ**/ দৃষ্টিযেঁ

২২৯.**ঞা** (come)/ ঞা২(conjunction)

২৩০.

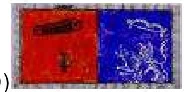
ঞা (conjunction)/ ঞা২(come)

২৩১.**কলা**/ **কোলা,** কোনা/**কেনা**

২৩২.গেলৌহ-**গেবহি-গেবনি**

২৩৩.**হেরাঁক-** হোএরাঁক

২৩৪.কেলৌঁ- কএলৌঁ-কএলহুঁ/**কেবৌঁ**



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

২৩৫.কিছু ন কিছু- **কিছু ন কিছু**

২৩৬.কেহেন- **কেহন**

২৩৭.আ২ (come)-**আ** (conjunction-and)/**আ।** আঁই-আঁই **/আঁইহ-আঁইহ**

২৩৮. **হএত**-হৈত

২৩৯.ঘ্যেলহুঁ-ঘ্যএলহুঁ- **ঘ্যেলাহ**

২৪০.**এলাক**- অএলাক

২৪১.হোমি- **হোআ/ হোহি/**

২৪২.**ও**-বাম ও ঔমক বীচ(conjunction), ও২ কহলক (he said)/**ও**

২৪৩.**কী হএ/ কোসী অএলী হএ/** কী হৈ। কী হগ

২৪৪.**দৃষ্টিএঁ/** দৃষ্টিযেঁ

২৪৫

.শামিল/ সামেল

২৪৬.তেঁ / **তঁএ/** তমি/ তহি

২৪৭.**জেঁ**

/ জাঁ জঁ/

২৪৮.**সভ/** সবঁ

২৪৯.সভক/ **সবঁহক**

২৫০.কহি/ **কহী**

২৫১.**কলা/ কোলা/** কোমহুঁ/

২৫২.**ফাবকতী ভ২ গেল/ ভএ গেল/** ভয গেল

২৫৩.**কোণা/ কেণা/** কণ্ণা/**কণা**

২৫৪.**অঃ/** অহ

২৫৫.**জলৌ/** জলএ

২৫৬.**গেলাি/**

গেলাহ (অর্থ পরিবর্তন)

২৫৭.কেলহি/ কএলহি/ **কেলাি/**

২৫৮.নয/ **নএ/ নএহ (**অর্থ পরিবর্তন)

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

২৫৯.**কণীক**/ **কলেক/কণী-যণী**

২৬০.**পঠেবহি পঠেবথি/** পঠেনওথ/ পগঠওনহি/ **পঠবৌবথি/**

২৬১.**নিখযা/** নিযযা

২৬২.**নেকটৈখব**/ নেকষ্টৈযব

২৬৩.পহিব অক্ষব বহুল ঢ/ বাঁচমে বহুল ঢ

২৬৪.আকাবান্তমে বিকাবীক প্রযোগ উচিত নৌ/ অপোস্ট্রোফীক প্রযোগ ফান্টক তকণীকী ন্যূনতাক পবিচাযক ওকব বদলা অবগ্রহ (বিকাবী) ক প্রযোগ উচিত

২৬৫.**কেব (পদ্যমে গ্রাহ্য) / -ক**/ কঽ/ কে

২৬৬.টৈহি- **ভহি**

২৬৭.**নগৌএ/** নগৌযে

২৬৮.নোএত/ **ন্এত**

২৬৯.**জাএত**/ জএত/

২৭০.**আএত/** অএত/ **আওত**

২৭১

.খাএত/ খএত/ খৈত

২৭২.পিঅএবাক/ **পিএবাক/পিযেবাক**

২৭৩.**শুক**/ **শুকহ**

২৭৪.**শুকহে**/ **শুকএ**

২৭৫.-অএতাহ/অওতাহ/ **এতাহ/ ওতাহ**

২৭৬.জাহি/ জাও/ **জঔ/ জৈ/**

২৭৭.**জাওত**/ জৈতএ/ **জওতএ**

২৭৮.**আএব**/ অএব

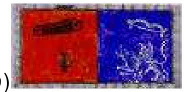
২৭৯.কৈক/ **কএক**

২৮০.আযব/ অএব/ **আএব**

২৮১. **জাএ**/ জঅএ/ জএ (লালতি জাএ বগলীহ।)

২৮২. ন্বকএব/ **ন্বকাএব**

২৮৩. **কর্তুআএব**/ কর্তুঅএব



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

২৮৪. তাহি/ **তৈ/ তঞ**

২৮৫. গামরঁ/ **গাএরঁ**/ গএরঁ

২৮৬. **সকৈ/ সকএ**/ সকয

২৮৭.**সেবা/সবা/ সবাএ** (ভাত সবা গেল)

২৮৮.**কহৈত বলা/দেখৈত বলা/ কহৈত ভলৌ/ কহৈ ভলৌ- খহিলা চলৈত/ পঢৈত**

(পঢৈ-পঢৈত খর্থ কখলা কাব পবিবর্তিত) - খাব বুঁলৌ/ বুঁলৈত (বুঁলৌ/ বুঁলৌ ভী, ক্ষদা বুঁলৈত-বুঁলৈত)/ সকৈত/ সকৈ। কবৈত/ কবৈ। দৈ/ দৈত। ভৈক/ ভৈ। বঁচলৌ/ বঁচলৈক। বখরাঁ/ বখরাঁক । বিল/ বিল। বাতিক/ বাত্তক বুঁলৌ খা বুঁলৈত কেব খপাল-খপাল জগহপব প্রযোগ সমীচীল খছি। বুঁলৈত-বুঁলৈত খাব বুঁসমিঐ। হুমছুঁ বুঁলৌ ভী।

২৮৯. **দুখাবে/ দ্বাবে**

২৯০.ভেষ্টি/ ভেষ্টা/ **ভেঁষ্ট**

২৯১.

খল/ খীল/ খুলা (ভোব খল/ ভোব খীল)

২৯২.তক/ **ধবি**

২৯৩.**গহ/ গৌ** (meaning different -জলরঁ গহ)

২৯৪.সহ/ **সঁ** (ক্ষদা দহ, লহ)

২৯৫.ত্রত্ন(তীল খক্ষবক যেল বঁদলা প্রলকত্তিক এক খা একটা দোসবক উপযোগ) খাদিক বঁদলা ত্ন খাদি। যহত্রত্ন/ **যহত্ন/ কর্তা**/ কর্তা খাদিযে ত সংযুক্ত কোলো খারখকতা মৈথিলীযে লৌ খছি। **রত্তরা**

২৯৬.**বঁসী**/ বঁশী

২৯৭.বাঁলা/বালা **বঁলা**/ রলা (বহরঁলা)

২৯৮

.বালী/ (বঁদলঁবালী)

২৯৯.বার্ত্তা/ **বার্তা**

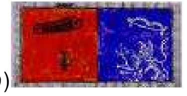
৩০০. **খন্তর্বাহির্য**/ খন্তর্বাহিৰ্ত্রীয

৩০১. **বেযএ/ বেরঁএ**

৩০২.**বমভবকা, লমভবকা**

৩০২.**বাগৌ/ বগৌ** (

ভেটৈত/ ভেটৈ)


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

३०३.**বাগব/ বগব**

३०४.হরাঁ/ **হরা**

३०৫.**বাখবক/ বখবক**

३०६.**আ** (come)/ **আ** (and)

३०७. **পশ্চাতাপ**/ পশ্চাত্তাপ

३०৮. २ কেব ব্যবহাব শিষ্টক খন্তযে মাত্র, যথাসংভব রীচযে নৈ।

३०९.**কহৈত/ কহৈ**

३१०.

বৈস (ছব)/ বহৈ (ছবৈ) (meaning different)

३११.**তাগতি/ তাকতি**

३१२.**খবাপ**/ খবার্ঁ

३१३.**রৌগনি**/ রৌগি/ রৌগনি

३१४.জার্ঠি/ **জাওঠ**

३१৫.কাগজ/ **কাগচ/ কাগত**

३१६.**গিবৈ** (meaning different - swallow)/ **গিবয** (খসয)

३१७.**বাষ্ট্রিয**/ বাষ্ট্রীয

DATE-LIST (year - 2013-14)

(১৪২১ ফসলী সাল)

Marriage Days:

Nov.2013- 18, 20, 24, 25, 28, 29

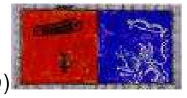
Dec.2013- 1, 4, 6, 8, 12, 13

January 2014- 19, 20, 22, 23, 24, 26, 31.

Feb.2014- 3, 5, 6, 9, 10, 17, 19, 24, 26, 27.

March 2014- 2, 3, 5, 7, 9.

April 2014- 16, 17, 18, 20, 21, 23, 24.


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

May 2014- 1, 2, 8, 9, 11, 12, 18, 19, 21, 25, 26, 28, 29, 30.

June 2014- 4, 5, 8, 9, 13, 18, 22, 25.

July 2014- 2, 3, 4, 6, 7.

***Upanayana Days*:**

February 2014- 2, 4, 9, 10.

March 2014- 3, 5, 11, 12.

April 2014- 4, 9, 10.

June 2014- 2, 8, 9.

***Dviragaman Din*:**

November 2013- 18, 21, 22.

December 2013- 4, 6, 8, 9, 12, 13.

February 2014- 16, 17, 19, 20.

March 2014- 2, 3, 5, 9, 10, 12.

April 2014- 16, 17, 18, 20.

May 2014- 1, 2, 9, 11, 12.

Mundan Din:

November 2013- 20, 22.

December 2013- 9, 12, 13.

January 2014- 16, 17.

February 2014- 6, 10, 19, 20.

March 2014- 5, 12.

April 2014- 16.

May 2014- 12, 30.

June 2014- 2, 9, 30.

FESTIVALS OF MITHILA (2013-14)

Mauna Panchami -27 July

Madhushravani - 9 August

Nag Panchami - 11 August

Raksha Bandhan- 21 Aug

Krishnastami - 28 August

Kushi Amavasya / Somvari Vrat - 5 September

Hartalika Teej - 8 September

ChauthChandra-8 September

Vishwakarma Pooja- 17 September

Anant Caturdashi - 18 Sep

Pitri Paksha begins- 20 Sep

Jimootavahan Vrata/ Jitia-27 Sep

Matri Navami -28 Sep

Kalashsthapan- 5 October

Belnauti - 10 October

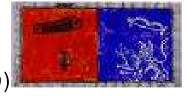
Patrika Pravesh- 11 October

Mahastami - 12 October

Maha Navami - 13 October

Vijaya Dashami - 14 October

Kojagara- 18 Oct


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

Dhant er as - 1 November

Di yabat i , shyama pooj a-3 November

Annakoot a/ Govar dhana Pooj a-4 November

Bhr at r i dwi t i ya/ Chi t r agupt a Pooj a- 5 November

Chhat hi -8 November

Sama Pooj aar ambh- 9 November

Devot t han Ekadashi - 13 November

r avi vr at ar ambh- 17 November

Navanna par van- 20 November

Kar t i k Poor ni ma- Sama Vi sar j an- 2 December

Vi vaha Panchmi - 7 December

Makar a/ Teel a Sankr ant i -14 Jan

Nar akni var an chat ur dashi - 29 Januar y

Basant Panchami / Sar aswat i Pooj a- 4 Febr uar y

Achl a Sapt mi - 6 Febr uar y

Mahashi var at r i -27 Febr uar y

Hol i kadahan-Fagua-16 Mar ch

Hol i - 17 Mar ch

Sapt ador a- 17 Mar ch

Var uni Tr ayodashi -28 Mar ch

Jur i shi t al -15 Apr i l

Ram Navami - 8 Apr i l

Akshaya Tr i t i ya-2 May

मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

Janaki Navami - 8 May

Ravi Brat Ant - 11 May

Vat Savitri -barasait - 28 May

Ganga Dashhara-8 June

Harivasar Vrata- 9 July

Shree Guru Poornima-12 Jul

VIDEHA ARCHIVE

১পত্রিকাক সভটা প্ৰবাণ খক ব্ৰেল-বিদেহ ঞ, তিবহুতা খা দেৱনাগবী ৰূপমে Videha e journal's all old issues in Braille Tirhuta and Devanagari versions

বিদেহ ঞখক ঃ০পত্রিকাক পহিল -

বিদেহ ঞকা সঁ খাগাঁক খকঃ০পত্রিকাক -

http://sites.google.com/a/videha.com/videha/

https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-i/
https://sites.google.com/a/videha.com/videha-archive-part-ii/

২.মৈথিলী পোথী ডাউনলোড Maithili Books Download

http://sites.google.com/a/videha.com/videha-pothi

ঃডিযো সংকলনঅ মৈথিলী. Maithili Audio Downloads

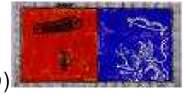
http://sites.google.com/a/videha.com/videha-audio

৪.মৈথিলী রীডিযোক সংকলন Maithili Videos

http://sites.google.com/a/videha.com/videha-video

ঃ. খাধুনিক চিত্রকলা খা চিত্র /মিথিলা চিত্রকলা.Mithila Painting/ Modern Art and Photos

http://sites.google.com/a/videha.com/videha-paintings-photos/



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

बिदेह क एहि सभ सहयोगी लिंकपर सेहो एक बेर जाउ।

६.बिदेह मैथिली क्विज :
http://videhaquiz.blogspot.com/

७.बिदेह मैथिली जालवृत्त एग्रीगेटर :

http://videha-aggregator.blogspot.com/
८.बिदेह मैथिली साहित्य अंग्रेजीमे अनूदित

http://madhubani-art.blogspot.com/
९.बिदेहक पूर्व-रूप "भालसरिक गाछ" :

http://gajendrathakur.blogspot.com/
१०.बिदेह इंडेक्स :

http://videha123.blogspot.com/
११.बिदेह फाइल :

http://videha123.wordpress.com/

१२. बिदेह: सदेह : पहिल तिरहुता (मिथिलाक्षर) जालवृत्त (ब्लॉग)

http://videha-sadeha.blogspot.com/

१३. बिदेह:ब्रेल: मैथिली ब्रेलमे: पहिल बेर बिदेह द्वारा

http://videha-braille.blogspot.com/
१४.*VIDEHA* IST MAITHILI FORTNIGHTLY EJOURNAL ARCHIVE

http://videha-archive.blogspot.com/

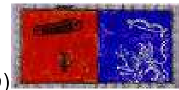
१५. *बिदेह* प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका मैथिली पोथीक आर्काइव

http://videha-pothi.blogspot.com/

१६. *बिदेह* प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका ऑडियो आर्काइव

http://videha-audio.blogspot.com/

१७. *बिदेह* प्रथम मैथिली पाक्षिक ई पत्रिका वीडियो आर्काइव



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

http://videha-video.blogspot.com/

১৮. *বিদেহ* প্রথম মৈথিলী পাক্ষিক ঈ পত্রিকা মিথিলা চিত্রকলা, আধুনিক কলা আ চিত্রকলা

http://videha-paintings-photos.blogspot.com/

১৯. মৈথিল আর মিথিলা (মৈথিলীক সভসঁ লোকপ্রিয় জালবৃত্ত)

http://maithilaurmithila.blogspot.com/

২০শ্রুতি প্রকাশন

http://www.shruti-publication.com/

২১http://groups.google.com/group/videha

২২http://groups.yahoo.com/group/VIDEHA/

২৩.গজেন্দ্র ঠাকুর ইডেক্স

http://gajendrathakur123.blogspot.com

২৪. নেনা ভুটকা

http://mangan-khabas.blogspot.com/

২৫..বিদেহ রেডিয়োকবিতা আদিক পহিল পোডকাস্ট সাইট-মৈথিলী কথা:

http://videha123radio.wordpress.com/

২৬. Videha Radio

২৭. Join official Videha facebook group.

২৮. বিদেহ মৈথিলী নাট্য উৎসব

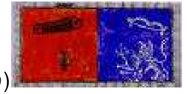
http://maithili-drama.blogspot.com/

২৯.সমদিয়া

http://esamaad.blogspot.com/

৩০. মৈথিলী ফিল্মস

http://maithilifilms.blogspot.com/


मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

३१.अनचिन्हार आखर

http://anchinharakharkolkata.blogspot.com/

३२. मैथिली हाइकू

http://maithili-haiku.blogspot.com/

३३. मानक मैथिली
http://manak-maithili.blogspot.com/

३४. विहनि कथा

http://vihanikatha.blogspot.in/

३५.. मैथिली कविता

http://maithili-kavita.blogspot.in/

३६. मैथिली कथा

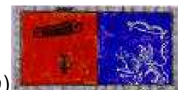
http://maithili-katha.blogspot.in/

३७.मैथिली समालोचना

http://maithili-samalochna.blogspot.in/

महत्त्वपूर्ण सूचना: The Maithili pdf books are AVAILABLE FOR free PDF DOWNLOAD AT

https://sites.google.com/a/videha.com/videha/
http://videha123.wordpress.com/
http://videha123.wordpress.com/about/



मानुषीमिह संस्कृताम् ISSN 2229-547X VIDEHA

विदेह
बिदेह

विदेह मैथिली नाट्य उत्सव

विदेह मैथिली प्रबन्ध-निबन्ध-समालोचना

विदेह मैथिली शिशु उत्सव

विदेह मैथिली लघुकथा

विदेह मैथिली पद्य

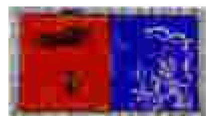
विदेह मैथिली विहनि कथा

বিদেহ:সদেহ:১: ২: ३: ৪:৩:৬:৭:৮:৯:১০ "বিদেহ"ক প্রিন্ট সংস্করণ: বিদেহ-ঈ-পত্রিকা (http://www.videha.co.in/) ক চুনল রচনা সম্মিলিত।

সম্পাদক: গজেন্দ্র ঠাকুর।

Details for purchase available at publishers's (print-version) site http://www.shruti-publication.com **or you may write to** shruti.publication@shruti-publication.com

বিদেহ



মৈথিলী সাহিত্য আন্দোলন



সিদ্ধিরস্তু

